राष्ट्रीय संस्करण

बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति में डोमिसाइल नीति लागू >>3

वर्ष 9 अंक 55

# दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, मंगलवार, 5 अगस्त, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

## सुप्रीम कोर्ट ने राहुल से पूछा–आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जा ली है

# अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को गैरजिम्मेदाराना बयानों और टिप्पणियों के लिए सोमवार को आड़े हाथों लिया और सच्चे भारतीय होने तक की नसीहत दे डाली। कोर्ट ने सेना पर की गई टिप्पणियों के मामले में निचली अदालत से जारी समन और लंबित केस को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई के दौरान उनसे कई कड़े सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि आपको कैसे पता चला कि भारतीय जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया है? बिना किसी सामग्री के आपने इस तरह का बयान क्यों दिया? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो इस तरह की बात नहीं कहेंगे। कोर्ट ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को सीख देते हुए यह भी कहा कि आप नेता विपक्ष हैं। आप संसद में ऐसे मुद्दे क्यों नहीं उठाते? आप इंटरनेट मीडिया पर ये सब क्यों कहते हैं? हालांकि इसके साथ ही कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर मूल शिकायतकर्ता और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करते हुए निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी।

ये तीखी टिप्पणियां और आदेश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता व न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए। राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत में लंबित कार्यवाही और जारी समन को रद करने की मांग खारिज कर दी थी। यह मामला दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के सेना के बारे में दिए गए बयान से जुड़ा है।

सोमवार को मामले पर सुनवाई के दौरान जब राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने निचली अदालत में दाखिल शिकायत पर अदालत द्वारा संज्ञान लिए जाने और समन जारी करने पर सवाल उठाए तो सुनवाई कर रही पीठ ने कई कड़े सवाल पूछे। कोर्ट ने पूछा कि उन्हें यह जानकारी कैसे मिली कि चीन ने भारत के क्षेत्राधिकार वाली 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है? क्या वह वहां थे? क्या उनके पास इस संबंध में कोई विश्वसनीय सामग्री है। जब आपके पास इस संबंध में कोई सामग्री नहीं है, तो फिर आप ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे। कोर्ट के इन सवालों पर सिंघवी ने कहा कि अगर नेता विपक्ष ये मुद्दे नहीं उठा सकते तो ये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। जो चीजें मीडिया में छपी हैं, अगर वह ये बातें नहीं कह सकते तो वह नेता विपक्ष नहीं हो सकते। यह भी संभव है कि सच्चा भारतीय ये कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया है और मार डाला गया है, यह भी चिंता का विषय है। उनकी इन दलीलों पर कोर्ट ने कहा कि जब सीमा पर संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य है। जब सीमा पर संघर्ष होता है तो क्या आप ये सब कह सकते हैं। आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते? सिर्फ इसलिए कि आपके पास 19(1)(ए) (अभिव्यक्ति की आजादी) है तो आप कुछ भी कह सकते हैं। सिंघवी ने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ उचित जानकारी का मुद्दा उठा रहे थे और सूचना को दबाने पर चिंता जता रहे थे। पीठ ने कहा कि एक जिम्मेदार नेता होने और नेता विपक्ष होने के नाते उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था, क्योंकि ऐसे सवाल उठाने के लिए एक उचित मंच मौजूद है।

सिंघवी ने कहा कि लेकिन इस मामले में की गई शिकायत सिर्फ उन्हें परेशान करने के लिए है। ये टिप्पणियां किसी तीसरे पक्ष के लिए मानहानि का मुकदमा दाखिल करने का आधार नहीं हो सकती। इसके बाद कोर्ट ने मूल शिकायतकर्ता और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करते हुए निचली अदालत की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी। राहुल गांधी के खिलाफ निचली अदालत में शिकायत उदय शंकर श्रीवास्तव ने दाखिल की है, जिसमें सेना के बारे में राहुल गांधी के बयान को अपमानजनक बताया गया है।

### नसीहत और राहत

- सेना पर की गई टिप्पणियों के मामले में कहा–आप नेता विपक्ष हैं, संसद में ऐसे मुद्दे क्यों नहीं उठाते
- राहुल की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए लखनऊ की अदालत में लंबित कार्यवाही पर रोक लगा दी

राहुल गांधी। फाइल

### भारत विरोधी है राहुल की मानसिकता : भाजपा

**नई दिल्ली:** सेना का कथित तौर पर मनोबल तोड़ने से जुड़े एक मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद भाजपा ने भी राहुल गांधी को निशाने पर ले लिया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि उनकी मानसिकता भारत विरोधी है। (पेज-4)

# दिल्ली में महिला सांसद के गले से झपटी सोने की चेन

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- चाणक्यपुरी में पोलैंड दूतावास के सामने सुबह 6.20 बजे हुई वारदात
- मार्निंग वाक पर निकलीं थीं सुधा, शाह को पत्र लिख सुरक्षा पर उठाए सवाल

दिल्ली के चाणक्यपुरी क्षेत्र में सोमवार सुबह एक चौंकाने वाली घटना में कांग्रेस की सांसद आर. सुधा के गले से एक झपटमार ने सोने की मोटी चेन छीन ली। घटना के समय सुधा राज्यसभा की एक महिला सदस्य के साथ मार्निंग वाक पर निकली थीं। चेन खींचने के कारण उनकी गर्दन पर चोट आई और उनके कपड़े भी फट गए। इस घटना से आहत सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

गृह मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह से रिपोर्ट मांगी है। स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच समेत पूरी दिल्ली पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और मुखबिरों से जानकारी जुटाकर बदमाश को पकड़ने की कोशिश कर रही है। आर. सुधा तमिलनाडु के मयिलादुथुराई लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस की सांसद हैं। वह सोमवार सुबह 6.20 बजे राज्यसभा सदस्य रजती के साथ तमिलनाडु हाउस के बाहर टहलने निकली थीं। पोलैंड दूतावास के गेट नंबर तीन और चार के पास एक झपटमार स्कूटी पर विपरीत दिशा से आया और उनके गले से सोने की चेन छीनकर भाग गया। हमले में आर. सुधा गिरते-गिरते बचीं। बदमाश के भागने के बाद दोनों सांसदों ने मदद के लिए शोर मचाया। कुछ समय बाद पुलिस की एक मोबाइल गश्ती गाड़ी वहां पहुंची, लेकिन पुलिसकर्मी ने उन्हें थाने जाकर लिखित शिकायत देने की सलाह दी।

कांग्रेस सांसद आर सुधा। प्रेट्र

आर. सुधा ने केंद्रीय गृह मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि इस तरह की घटना से सवाल उठता है कि यदि दिल्ली के अति सुरक्षित इलाके में महिला सांसद सुरक्षित नहीं हैं तो आम लोग कैसे सुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

### जागरण विशेष

**खुश रहने का विज्ञान सीख रहे आइआइटी के छात्र**

**रुड़की:** आइआइटी रुड़की ने एक विशेष पाठ्यक्रम शुरू किया है जो छात्रों को वैज्ञानिक तरीके से खुश रहने के सिद्धांत सिखाना है। ● पेज-7

### संपादकीय

**षड्यंत्र था भगवा आतंक का जुमला:** हिंदू आतंक के फर्जीवाड़े को स्थापित करने के लिए कई कड़ियां जोड़ी गईं, लेकिन जांच और अदालती फैसले ने उन कड़ियों को पूरी तरह से तोड़ दिया। **संध्या जैन** का आलेख।

**अवैध मतांतरण पर बने केंद्रीय कानून:** क्या यह सही है कि ईसाई या मुस्लिम बने आदिवासी एसटी के साथ अल्पसंख्यक वर्ग की योजनाओं का भी लाभ उठाएं? **प्रमोद भार्गव** का विश्लेषण। ● पेज-8

### विमर्श

**मजबूत बने शहरी विकास का ढांचा:** भारत में एक-तिहाई से अधिक आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है। इस आबादी के लिए मजबूत ढांचा बनाया जाना चाहिए। **डा. विकास सिंह** का आलेख।

**आवारा कुत्तों से जुड़ी समस्याएं:** शहरों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ने और उनके देखभाल की व्यवस्था न होने से लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। **समायरा** का दृष्टिकोण। ● पेज-9

### सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

शिव: केवलोऽहम्

तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा

● पेज-13

# आतंकियों के दस्तावेज बता रहे हैं पहलगाम हमले में पाक की करतूत

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर**

- सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों से मिले दस्तावेज, बायोमीट्रिक डाटा सहित कई सुबूत जुटाए
- दाचीगाम में आपरेशन महादेव में मारे गए तीन आतंकी थे पाकिस्तानी
- ए प्लस प्लस श्रेणी का आतंकी सुलेमान व अबु हमजा भी शामिल थे

पाकिस्तान फिर बेनकाब हुआ है। आपरेशन महादेव में मारे गए आतंकियों के पास से मिले दस्तावेज, तस्वीरें, पहचानपत्र समेत विभिन्न साक्ष्य पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ और लश्कर-ए-तैयबा की मिलीभगत की पुष्टि कर रहे हैं। पुलिस ने आतंकियों के संचार उपकरण और मोबाइल फोन के डाटा से लश्कर कमांडर सैफुल्ला उर्फ सज्जाद जट उर्फ खालिद की पहलगाम हमले के गुनहगारों से बातचीत का आडियो भी मिला है। आडियो की जांच में पुष्टि हुई है कि पाकिस्तान में बैठ हमले के गुनहगारों को दिशानिर्देश देने वाले हैंडलर की आवाज सैफुल्ला साजिद जट की आवाज से मेल खाती है। सैफुल्ला ही लश्कर के हिट स्क्वायड टीआरएफ की पाकिस्तान में बैठ कमान संभाल रहा है। वह दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग- कुलगाम में सक्रिय रह चुका है।

बता दें कि 22 अप्रैल को लश्कर के तीन पाकिस्तानी आतंकियों ने पहलगाम के बैसरन में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय घोड़े वाले की हत्या कर दी थी। तीनों आतंकियों को 28 जुलाई को सुरक्षाबलों ने श्रीनगर के दाचीगाम में महादेव की पहाड़ियों के बीच हुई मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। इनसे जो साजोसामान मिला है, वह पहलगाम हमले में उनकी और पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों की संलिप्तता की पुष्टि करता है। तीनों आतंकियों से पाकिस्तान के राष्ट्रीय डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण के बायोमीट्रिक रिकार्ड, मतदाता पहचान पत्र भी मिले हैं। इससे तीनों के पाकिस्तानी होने की पुष्टि होती है।

**संचार सुविधा से भी लैस थे :** मुठभेड़स्थल से डिजिटल सेटेलाइट फोन डेटा, जिसमें लाग और जीपीएस वेपाइंट शामिल हैं, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एकत्र सुबूतों में शामिल हैं। वेपाइंट से पता चलता है कि हमला करने के बाद आतंकी दाचीगाम की तरफ आ गए थे। मारे गए आतंकियों की पहचान ए प्लस प्लस श्रेणी के आतंकी सुलेमान शाह उर्फ सुलेमानी उर्फ फैजल जट, यासिर उर्फ जिब्रान और हमजा के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने शाह और हमजा की जेबों से पाकिस्तान चुनाव आयोग की जारी दो मतदाता पर्चियां बरामद कीं। उनके अनुसार, मतदाता क्रमांक क्रमशः लाहौर (एनए-125) और गुजरांवाला (एनए-79) की मतदाता सूचियों से मेल खाते हैं। एक क्षतिग्रस्त सैटेलाइट फोन से बरामद एक माइक्रो-एसडी में तीनों के उंगलियों के निशान, चेहरे का टेम्प्लेट थे, जो उनकी पाकिस्तानी नागरिकता की पुष्टि करते हैं।

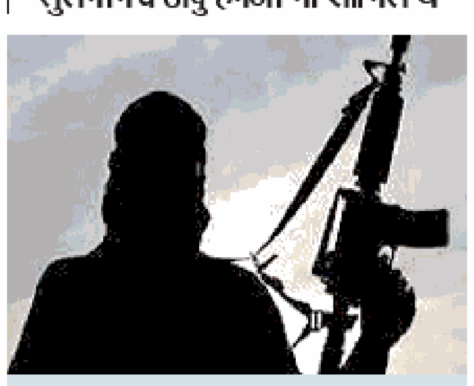

### फोरेंसिक और तकनीकी जांच से सामने आए ये तथ्य

फोरेंसिक और तकनीकी जांच में पता चला है कि पहलगाम के बैसरन में मिले 7.62x39 मिमी कारतूस के खोखे का 28 जुलाई को जब्त की गई तीन एके-103 राइफलों पर परीक्षण किया। धारियों के निशान 100 प्रतिशत मेल खाते थे, जबकि पहलगाम में मिली फटी कमीज पर लगे खून से निकाले माइटोकान्ड्रियल प्रोफाइल तीनों आतंकियों के शवों के डीएनए से मिलते-जुलते थे।

# नहीं रहे 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- 81 वर्ष की उम्र में सर गंगाराम अस्पताल में ली अंतिम सांस
- राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने अस्पताल पहुंचकर व्यक्त की शोक-संवेदना

झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता और मुख्यमंत्री रहे 'दिशोम गुरु' (संथाली भाषा में देश का गुरु) शिबू सोरेन नहीं रहे। उनका 81 वर्ष की आयु में सोमवार सुबह 8.56 बजे सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया। वह कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अस्पताल पहुंचकर शोक-संवेदना व्यक्त की और परिवार को ढांढस बंधाया। झारखंड के मुख्यमंत्री व शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरेन भावुक हुए तो प्रधानमंत्री ने गले लगाकर सांत्वना दी। हेमंत सोरेन ने एक्स पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए लिखा- आज मैं शून्य हो गया। झारखंड में तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है।

मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक, नेफ्रोलाजी विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक एके भल्ला की देखरेख में गत 19 जून से उनका इलाज चल रहा था। वह किडनी की बीमारी से ग्रसित थे। डेढ़ महीने पहले ब्रेन स्ट्रोक आने से उनकी हालत ज्यादा बिगड़ गई थी। निधन की सूचना पर वीवीआइपी मूवमेंट के चलते पूरा अस्पताल परिसर छावनी में तब्दील हो गया। दोपहर लगभग डेढ़ बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अस्पताल पहुंचे। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अस्पताल पहुंचीं और 'दिशोम गुरु' को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे आदि ने भी अस्पताल पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

शिबू सोरेन। फाइल/एएनआइ

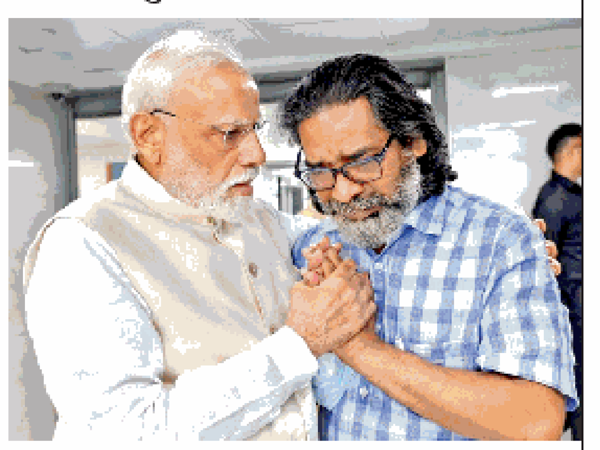

नई दिल्ली में शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन करने पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी, हेमंत सोरेन को सांत्वना देते हुए। प्रेट्र

आदिवासियों के सर्वमान्य नेता रहे शिबू सोरेन पेज>>7

### राजग संसदीय दल की बैठक आज, पीएम मोदी करेंगे संबोधित

**नई दिल्ली :** मानसून सत्र के दौरान सदन में विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच मंगलवार को राजग संसदीय दल की अहम बैठक होने जा रही है, इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। उपराष्ट्रपति के चुनाव से पहले प्रस्तावित इस बैठक को कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है कि बैठक की निर्धारित तिथि पांच अगस्त है, जो पीएम मोदी और भाजपा के सियासी एजेंडे में विशेष महत्व रखती है। माना जा रहा है कि यह बैठक कुछ खास हो सकती है। (पेज-4)

### फर्जी मुठभेड़ मामले में रिटायर्ड एसएसपी समेत पांच को उम्रकैद

**मोहाली:** पंजाब के तरनतारन में वर्ष 1993 में हुए फर्जी मुठभेड़ मामले में 32 वर्ष बाद सीबीआइ की विशेष अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए रिटायर्ड एसएसपी भूपेंद्रजीत सिंह, डीएसपी दविंदर सिंह, इंस्पेक्टर सूबा सिंह, एएसआइ गुलबर्ग सिंह और एएसआइ रघुबीर सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई। आरोप था कि इन पुलिस अधिकारियों ने सात लोगों की हत्या की और उसे मुठभेड़ का रूप दे दिया। (पेज-5)

# सिराज है तो विश्वास है... ओवल टेस्ट की जीत बहुत खास है

- सिराज के जादुई स्पैल से भारत ने छह रनों से अपनी सबसे करीबी जीत हासिल की
- भारतीय टीम ने इंग्लैंड में लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबरी पर छुड़वाई

**अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण**

**लंदन :** लार्ड्स में आखिरी विकेट के रूप में आउट होने वाले और रविवार को हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने के बाद मोहम्मद सिराज की रात बेचैनी वाली थी। वह सोमवार को अपने निश्चित समय से दो घंटे पहले उठे और गूगल पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की 'बिलीव' लिखी फोटो को खोजकर अपने मोबाइल का वालपेपर बनाया। उन्होंने खुद से कहा कि मैं देश के लिए यह करूंगा। 56 मिनट और 53 गेंद बाद ओवल स्टेडियम में जब सिराज ने एटकिंसन को क्लीन बोल्ड करके दोनों हाथों को खोलकर रोनाल्डो की तरह 'सिउ' वाला जश्न मनाया तो गौतम गंभीर और शुभमन गिल की टीम छह रनों वाली ऐतिहासिक जीत के साथ सातवें आसमान पर पहुंच गई। सिराज ने आखिरी चार में तीन, पारी में पांच, मैच में नौ और सीरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए।

**अद्भुत है यह जीत :** पांच मैचों की सीरीज के आखिरी दिन इंग्लैंड को सिर्फ 35 रन चाहिए थे लेकिन भारतीय दर्शकों को सिराज की ही तरह जीत का विश्वास था और इसी कारण सोमवार को छुट्टी लेकर आए भारतीयों ने ओवल स्टेडियम को भर दिया। एक दिन पहले अपने दो लगातार ओवरों में दो विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा ने जैसे ही सुबह बची हुई चार गेंदों पर दो चौके खाए तो लगा कि सपना टूटने वाला है। लेकिन सिराज कुछ और ठानकर आए थे। अगले ओवर में उनकी गेंद पर जैसे ही जुरैल ने स्मिथ का कैच लपका तो भारत की जीत दिखने लगी। हालांकि अगली ही गेंद पर जब दूसरी स्लिप पर खड़े केएल राहुल ने एटकिंसन का कैच छोड़ा तो सबको लगा कि मैच छूट गया। इंग्लैंड को सिर्फ 20 रन चाहिए थे। बढ़ते रोमांच के साथ इंग्लैंड को मैच टाई करने और सीरीज जीतने के लिए सिर्फ छह रन की जरूरत थी लेकिन सिराज की नीची फुलटास एटकिंसन के बल्ले के नीचे से निकलकर आफ स्टंप उड़ा ले गई। पूरी भारतीय टीम खुशी से झूम पड़ी क्योंकि यह टेस्ट मैचों में उसकी सबसे करीबी व सबसे ज्यादा रोमांचक जीत है। (पेज-12 भी देखें)

**7,187** रन बने इस सीरीज में, जो एक टेस्ट सीरीज में दूसरे सर्वाधिक रन हैं

**14** बार दोनों टीमों ने संयुक्त रूप से 300 से अधिक रन बनाए

**21** सर्वाधिक दोनों टीमों के बल्लेबाजों की ओर से व्यक्तिगत शतक लगाए गए

ओवल टेस्ट में मैन आफ द मैच चुने गए सिराज। उन्होंने इस टेस्ट की दोनों पारियों में नौ विकेट झटके। एएफपी

### बदल रहा कश्मीर

**पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्तीकरण के बाद सकारात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है नया जम्मू-कश्मीर, अलगाववाद और अवसरवादी राजनीति का शिकार युवा तकनीक-उद्यमिता को अपना रहा**

# युवा लिख रहे नई कहानी ; किताबों से नाता, नवाचार से छू रहे ऊंचाई

**नवीन नवाज ● जागरण**

**श्रीनगर:** डल झील के किनारे इन दिनों चिनार महोत्सव चल रहा है। बड़ी संख्या में नौजवान इसमें शामिल होकर अपनी पसंद की किताबें खरीदकर उस पर साथियों के साथ चर्चा कर रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा और विकास पर अपना पक्ष रख रहे हैं। स्टार्टअप और राजनीति में आगे बढ़ने की बात हो रही है। कभी पूरे देश में अशांति, कट्टरपंथी और अलगाववाद का केंद्र बना जम्मू-कश्मीर अब एक सकारात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ...और यह सब, अनुच्छेद 370 हटने के बाद पिछले छह वर्ष में संभव हुआ है। किसी ने नहीं सोचा था कि कश्मीर के युवाओं के हाथ में पत्थर नहीं, किताबें होंगी। हाल में श्रीनगर दौरे पर आए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इसी बदलाव से प्रेरित होकर कहा कि कश्मीर का भविष्य हिंसा, अलगाववाद और बंदूक में नहीं बल्कि शिक्षा और कलम में है।

श्रीनगर में आयोजित चिनार पुस्तक महोत्सव में पुस्तकें पढ़ते युवा। जागरण

जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन की शुरुआत पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्तीकरण के साथ हुई। बीते वर्ष जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में रिकार्ड मतदान हुआ। मतदाताओं में युवाओं की भागीदारी सबसे अधिक रही।

**स्टार्टअप :** इस सकारात्मक बदलाव में जम्मू-कश्मीर स्टार्टअप नीति 2024-27 बेहद कारगर साबित हुई है, जिसे मार्च 2024 में लांच किया गया था। इसका उद्देश्य 2027 तक 2,000 स्टार्टअप स्थापित करना है, जिसमें 1100 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें 20% से अधिक महिलाओं द्वारा संचालित उद्यम शामिल हैं।

**राजनीति :** बदलाव राजनीति में भी साफ नजर आ रहा है। नेशनल कान्फ्रेंस अब ग्रेटर आटोनामी, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी सेल्फ रूल और पीपुल्स कान्फ्रेंस अचीवेबल नेशनहुड की बात नहीं करती, बल्कि विकास और राष्ट्रीय संवैधानिक अधिकारों और राज्य की बात करती हैं।

**रोजगार:** जम्मू-कश्मीर के आर्थिक सर्वेक्षण (2016-17) के अनुसार, कश्मीर में युवा बेरोजगारी 24.6 प्रतिशत से अधिक थी। लेकिन कौशल प्रशिक्षण पाकर कश्मीर का युवा अब तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को अपना रहा है।

### पर्यटन और विकास गति पकड़ रहा

पहलगाम हमले के बावजूद कश्मीर में पर्यटन गति पकड़ रहा है। श्री अमरनाथ यात्रा में चार लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने भाग लिया। एक हजार से ज्यादा स्कूलों और कालेजों में युवा पर्यटन क्लब स्थापित किए गए हैं, जो स्थानीय युवाओं को पर्यटन उद्यमी, गाइड बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

### 890 केंद्रीय कानून लागू

प्रदेश में 890 केंद्रीय कानून लागू हो चुके हैं। शिक्षा का अधिकार, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आरक्षण अधिनियम और अल्पसंख्यक अधिकारों का विस्तार जैसे अधिनियमों का लाभ अब स्थानीय लोग ले रहे हैं।

********

# भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस बंद

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- सीबीआइ की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार, कोर्ट ने कहा- लंबी जांच के बाद भी नहीं मिला सुबूत

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में पेशेवरों की अनियमित नियुक्ति और असंबंधित परियोजना निधि से भुगतान में भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में सीबीआइ द्वारा दाखिल क्लोजर रिपोर्ट को न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है।

राउज एवेन्यू के विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने कहा कि कई वर्षों की जांच के बावजूद आरोपितों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम या किसी अन्य अपराध के तहत आरोपों का समर्थन करने के लिए एजेंसी को कोई साक्ष्य नहीं मिला। ऐसे में आगे की कार्यवाही व्यर्थ है। भ्रष्टाचार के प्रविधानों को लागू करने के लिए कुछ सामग्री तो होनी ही चाहिए। केवल कर्तव्य की उपेक्षा या कर्तव्य का अनुचित प्रयोग ही अधिनियम के तहत उल्लंघन नहीं माना जा सकता।

मालूम हो कि दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय की एक शिकायत के आधार पर सत्येंद्र जैन और अन्य पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के खिलाफ 2018 में प्राथमिकी की गई थी। आरोप था जैन और विभागीय अधिकारियों ने भर्ती नियमों का उल्लंघन कर सलाहकारों की एक क्रिएटिव टीम नियुक्त की थी।

सत्येंद्र जैन। फाइल

**पीडब्ल्यूडी में अनियमित नियुक्ति मामले में वर्ष 2018 में हुई थी प्राथमिकी**

# निजी स्कूलों में मनमानी फीस वृद्धि पर रोक के लिए विधेयक पेश

**मनमानी पर लगेगी रोक** ▶ दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठक में मिल चुकी है मंजूरी, उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर जुर्माने और दण्ड का प्रविधान

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली**

निजी स्कूलों की मनमानी को रोकने के लिए राज्य सरकार ने दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक 2025 विधानसभा में पेश कर दिया है। दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठक में 29 अप्रैल को इसे मंजूरी दी गई थी। 10 जून को अध्यादेश लाकर इसे लागू किया गया था। अब विधानसभा में विधेयक पेश किया गया है। इसमें नियम का उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर 10 लाख तक जुर्माना और मान्यता निरस्त करने का प्रविधान है। उल्लंघन दोहराने पर जुर्माना राशि बढ़ जाएगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा, दिल्ली के अभिभावकों और छात्रों की एक ऐसी समस्या का स्थायी समाधान किया जा रहा है जिसे दशकों तक नजरअंदाज किया गया। शिक्षा का उद्देश्य पैसा कमाना नहीं, बल्कि ज्ञान का विस्तार और राष्ट्र निर्माण होना चाहिए।

स्कूल शिक्षा विधेयक में यह अनिवार्य किया गया है कि कोई भी संस्थान अधिनियम के अंतर्गत स्वीकृत शुल्क से अधिक नहीं वसूलेगा। इसके लिए प्रत्येक स्कूल में एक स्कूल स्तरीय शुल्क विनियमन समिति बनेगी। इसका कार्यकाल एक वर्ष के लिए होगा। इसमें शिक्षक, अभिभावक और स्कूल प्रबंधन के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कोई भी अभिभावक दो कार्यकाल से अधिक समय तक सदस्य नहीं होगा। प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त से पहले समिति की कम से कम एक बैठक अनिवार्य होगी। फीस निर्धारण में स्कूल के आधारभूत ढांचा, शिक्षकों का वेतन व उनकी शैक्षणिक योग्यता, शिक्षा की गुणवत्ता, सरकारी सहायता आदि को ध्यान में रखा जाएगा।

अगले तीन शैक्षणिक वर्षों के लिए फीस का प्रस्ताव 31 जुलाई तक देना होगा। यदि 15 सितंबर तक इसे लेकर कोई समझौता नहीं होता है तो इसे जिला शुल्क अपीलीय समिति के समक्ष भेजा जाएगा। इसमें निर्णय नहीं होने पर राज्य स्तरीय समिति के पास मामला जाएगा। यदि स्कूल स्तरीय समिति के निर्णय से 15 प्रतिशत अभिभावक सहमत नहीं हैं या वे इसका विरोध कर रहे हैं तो वह जिला स्तरीय समिति में अपील कर सकते हैं।

सभी स्कूलों को वित्तीय रिकार्ड और प्रस्तावित फीस सार्वजनिक करनी होगी। समय पर फीस जमा नहीं करने की स्थिति में किसी छात्र को स्कूल से निकालने, परीक्षा परिणाम रोकने और मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने पर स्कूल प्रबंधन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

विधानसभा मानसून सत्र में बोलती मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। सौजन्य-दिल्ली सरकार

### शिक्षा विनियमन के लिए तीन स्तरीय समिति

**स्कूल स्तरीय समिति:** 10 सदस्यीय समिति में स्कूल प्रबंधन के प्रतिनिधि और प्रिंसिपल के साथ ही पांच अभिभावक होंगे। इसमें कम से कम एक अनुसूचित जाति-जनजाति व दो महिलाएं अनिवार्य रूप से होंगी।

**जिला स्तरीय समिति:** डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन की अध्यक्षता में गठित होगी। इसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट, दो स्कूल प्रबंधन के प्रतिनिधि और दो अभिभावक शामिल होंगे। यदि स्कूल स्तरीय समिति अपना निर्णय नहीं देगी तो जिला स्तरीय समिति इसे सुनेगी। यदि ये भी 45 दिनों में रिपोर्ट नहीं देगी तो राज्य स्तरीय समिति के पास मामला जाएगा।

**राज्य स्तरीय समिति:** शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता वाली समिति में सात सदस्य होंगे।

### उल्लंघन पर जुर्माना

- पहली बार उल्लंघन करने पर, स्कूलों पर एक से पांच लाख रुपये तक और बार-बार उल्लंघन करने पर दो से 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा
- निर्धारित समय के भीतर अधिक वसूली गई राशि वापस नहीं करने की स्थिति में स्कूल पर जुर्माना 20 दिन के बाद दोगुना, 40 दिन के बाद तीगुना और हर 20 दिन के साथ बढ़ता रहेगा। बार-बार उल्लंघन करने पर स्कूल प्रबंधन में आधिकारिक पदों पर रहने पर प्रतिबंध आदि।

# कैग रिपोर्ट में खुली निर्माण श्रमिकों के कल्याण की कलई

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली**

▶ **मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा में सदन पटल पर रखी रिपोर्ट**

'भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों के कल्याण' पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट ने उजागर किया कि निर्माण श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने में दिल्ली का प्रदर्शन खराब रहा है। चार वर्षों में केवल 7.3 प्रतिशत पंजीकरणों का नवीनीकरण हुआ है जो राष्ट्रीय औसत 74 प्रतिशत से काफी कम है। यह निष्कर्ष 2019-20 से 2022-23 तक की चार वर्षों की अवधि के रिकार्ड पर आधारित है, जब राज्य में आम आदमी पार्टी सत्ता में थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा में सदन पटल पर रखी रिपोर्ट 'वेलफेयर आफ बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स' में राष्ट्रीय योजनाओं और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत अनिवार्य प्रमुख स्वास्थ्य एवं बीमा लाभों को लागू करने में विफलता को भी चिह्नित किया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि दिल्ली सरकार ने भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों से संबंधित कोई विश्वसनीय डाटा नहीं रखा है।

कहा, आडिट अवधि के दौरान 17 कल्याणकारी योजनाओं में से केवल 12 के तहत ही लाभ दिया गया। पांच योजनाओं के तहत कोई खर्च दर्ज नहीं किया गया। आडिट में इसके लिए बोर्ड द्वारा पात्र प्रतिष्ठानों की पहचान और पंजीकरण में सक्रियता की कमी को जिम्मेदार ठहराया गया।

दिल्ली सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट सदन में पेश कर दी गई है और इस पर चर्चा सप्ताह भर चलने वाले मानसून सत्र के आगामी दिनों में होगी। रिपोर्ट में जिला रिकार्ड और बोर्ड के रिकार्ड के बीच उपकर के आंकड़ों में 204.95 करोड़ का अंतर बताया गया है जिनका मिलान नहीं किया गया था। हालांकि केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2018 में राज्यों को श्रमिकों के लिए कई उपक्रम उपलब्ध कराने की सलाह दी थी लेकिन दिल्ली में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

## आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने व हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

| पूर्वानुमान | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| **दिल्ली** | | |
| 5 अगस्त | 32.0 | 25.0 |
| 6 अगस्त | 33.0 | 25.0 |
| **नोएडा** | | |
| 5 अगस्त | 29.0 | 24.0 |
| 6 अगस्त | 30.0 | 24.0 |
| **गुरुग्राम** | | |
| 5 अगस्त | 35.0 | 25.0 |
| 6 अगस्त | 35.0 | 26.0 |

डिग्री सेल्सियस में

## न्यूज गैलरी

### डीएचएफएल प्रमोटर को जमानत देने से इन्कार

**नई दिल्ली:** 34 हजार 926 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) के प्रमोटर कपिल वधावन को जमानत देने से इन्कार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि आर्थिक अपराध पीड़ितों के साथ ही समग्र वित्तीय प्रणाली के खिलाफ अपराध हैं। न्यायमूर्ति रविंद डुडेजा की पीठ ने कहा कि न्यायिक हिरासत के दौरान मूल्यवान संपत्तियों में हेरफेर के आरोप गंभीर हैं। (जासं)

### चिड़ियाघर में बाघिन अदिति ने छह शावकों को दिया जन्म

**नई दिल्ली :** नेशनल जूलाजिकल पार्क (दिल्ली चिड़ियाघर) में सोमवार शाम को बाघों के परिवार में छह नए शावकों का जन्म हुआ है। चिड़ियाघर के निदेशक संजीत कुमार के अनुसार ढाई से तीन साल बाद बाघिन 'अदिति' और बाघ 'विजय जूनियर' ने मिलकर इन शावकों को जन्म दिया है। सभी शावक फिलहाल मां की निगरानी में अलग सुरक्षित बाड़े में रखे गए हैं। पशु चिकित्सकों की विशेष टीम 24 घंटे उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है। (जासं)

### लोदी काल के पार्क का इस्तेमाल बैडमिंटन कोर्ट के रूप में करने पर रोक

**नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने लोदी कालीन स्मारक शेख अली की गुमटी परिसर के अंदर स्थित पार्क का इस्तेमाल बैडमिंटन या बास्केटबाल कोर्ट के निर्माण के लिए नहीं करने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने पहले दिल्ली सरकार को शेख अली की गुमटी को संरक्षित स्मारक घोषित करने के लिए एक नई अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया था। पीठ ने अधिकारियों को इस क्षेत्र में दुकानों सहित किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के खिलाफ भी निर्देश दिया। (प्रेट्र)

# माक ड्रिल में दिखी लाल किले की सुरक्षा में चूक, सात पुलिसकर्मी निलंबित

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

▶ **डमी बम लेकर स्पेशल सेल की टीम ने बगैर रोकटोक लाल किले में कर लिया था प्रवेश**

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले ऐतिहासिक लाल किले की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आई है। शनिवार को माक ड्रिल के दौरान एक विशेष अभियान के तहत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने डमी बम लेकर लाल किले में प्रवेश कर लिया। यह लाल किला की सुरक्षा व्यवस्था की एक सघन जांच प्रक्रिया थी जिसे सुरक्षा तैयारियों की वास्तविकता परखने के उद्देश्य से अंजाम दिया गया था। स्पेशल सेल की टीम द्वारा डमी बम के साथ लाल किला परिसर में प्रवेश करना यह दर्शाता है कि मौजूदा सुरक्षा चक्र में कई स्तरों पर चूक हुई। इस लापरवाही को अत्यंत गंभीर मानते हुए उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ड्यूटी पर तैनात सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। इनमें दिल्ली पुलिस के वह जवान शामिल हैं जो उस समय लाल किले की सुरक्षा के लिए नियुक्त थे।

इस मामले के प्रकाश में आने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। जिला पुलिस उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर नए सिरे से प्लानिंग करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल, लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। वहीं, पुलिसकर्मियों के निलंबित करने की कार्रवाई के बाद सोमवार को लाल किले में जबरन प्रवेश कर रहे पांच बांग्लादेशियों को पकड़ लिया।

प्रतीकात्मक

# दो माह में दिल्ली में 70-80 प्रतिशत आवारा कुत्तों का बंध्याकरण करेगा निगम

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने दो महीने के अंदर राजधानी के विभिन्न इलाकों को चिह्नित कर वहां रहने वाले 70-80 आवारा कुत्तों का बंध्याकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह निर्णय एमसीडी की उप समिति की सोमवार को हुई दूसरी बैठक में लिया गया। इसमें आवारा कुत्तों के लिए काम करने वाले कई पशु प्रेमी और एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर (बंध्याकरण केंद्र) का संचालन करनी वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में पूर्व सांसद और पशु प्रेमी मेनका गांधी भी शामिल हुईं। बैठक में आवारा कुत्तों के बारे में सूचित करने के लिए निगम की तरफ से एक एकीकृत समर्पित हेल्पलाइन नंबर जारी करने का भी निर्णय लिया गया। नगर निगम 20 बंध्याकरण केंद्रों की निगरानी करेगा। यह भी तय हुआ कि आवारा कुत्तों को एंटी रैबीज टीका लगाने के बाद उसकी निगरानी के लिए माइक्रोचिप भी लगाई जाएगी। अध्यक्षता एमसीडी स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा व आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए बनी समिति के अध्यक्ष सुंदर सिंह ने की।

बैठक में मेनका गांधी ने बंध्याकरण केंद्रों में दवा और अन्य सुविधाएं के अलावा यहां काम करने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने पर भी जोर दिया। बैठक में केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर आए डा. एसके दत्ता ने बंध्याकरण केंद्रों की निगरानी को गंभीर समस्या बताया। उन्होंने कहा कि जब हम आवारा कुत्तों के बंध्याकरण की बात करते हैं तो हमें यह पता होना चाहिए कि इनकी संख्या कितनी है। इसके बाद ही नियमानुसार 70-80 प्रतिशत बंध्याकरण का लक्ष्य पूरा करना चाहिए। वहीं एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि अब क्लस्टर बनाकर अगले दो माह में 70-80 प्रतिशत बंध्याकरण किया जाएगा।

आवारा कुत्तों से होने वाली समस्या के समाधान के लिए एमसीडी की उप समिति की बैठक में बात रखतीं पशु प्रेमी मेनका गांधी। अध्यक्षता करते उप समिति के अध्यक्ष सुंदर सिंह तंवर। सौजन्य : एमसीडी

# गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर 57 स्थानों पर होंगे गुरमत समागम

**राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली :** दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) की ओर से श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के बलिदान दिवस को समर्पित गुरमत समागमों की श्रृंखला की शुरुआत गुरुद्वारा शीशगंज साहिब में हुई। सिंह सभाओं और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के सहयोग से कुल 57 कार्यक्रम आयोजित होंगे।

डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने कहा, गुरु साहिब ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए बलिदान देकर दुनिया के सामने मिसाल पेश की। उनके साथ भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दियाला ने भी बलिदान देकर सिखों के गौरवशाली इतिहास को आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर 23, 24 और 25 नवंबर को लाल किला में बड़े स्तर पर समागम होंगे। इस अवसर पर डीएसजीएमसी के महासचिव जगदीप सिंह काहलों और धर्म प्रचार कमेटी के चेयरमैन जसप्रीत सिंह करमसर भी उपस्थित थे। उन्होंने संगत से समर्पित कार्यक्रमों में सहयोग की अपील की।

# पत्नी की हत्या के मामले में 21 साल से फरार आरोपित गिरफ्तार

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** जहांगीरपुरी में पत्नी की हत्या करने के मामले में 21 साल से फरार आरोपित वीरपाल उर्फ मैजू को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। 2005 में कोर्ट की ओर से भगोड़ा घोषित करने पर वीरपाल, लखनऊ में विजय उर्फ रामदयाल नाम से पहचान बदल कर रह रहा था।

डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार वीरपाल, मूल रूप से फर्रुखाबाद जिले का रहने वाला है। 22 सितंबर 2004 को जहांगीरपुरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि व्यक्ति ने हमले के बाद कमरा खाली कर दिया है। समय पर चिकित्सा सहायता के कारण बच्चा बच गया और उसने हमलावरों की पहचान अपने पिता वीरपाल और चाचा सुरेश के रूप में करते हुए महत्वपूर्ण बयान दिया। जांच से पता चला कि महिला, वीरपाल की दूसरी पत्नी है। पुलिस ने जांच के बाद सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसको आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अब सटीक खुफिया जानकारी मिलने के बाद वीरपाल को लखनऊ में उसके ठिकाने पर छापा मारकर दबोच लिया गया।

# डीयू एनसीवेब की दूसरी कटआफ जारी, अब भी नौ हजार सीटें खाली

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

▶ **बीकाम में सामान्य श्रेणी की कटआफ औसतन दो से पांच प्रतिशत व बीए प्रोग्राम में एक से तीन प्रतिशत तक घटा कटआफ**

दिल्ली विश्वविद्यालय के नान-कालेजिएट वूमेन एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अपने 26 कालेज सेंटरों पर बीकाम और बीए प्रोग्राम में दाखिले के लिए दूसरी कटआफ सूची जारी कर दी है। पहली कटआफ के बाद 15,210 में से 6,500 सीटें भर चुकी हैं लेकिन अब भी नौ हजार सीटें खाली हैं जो पिछड़ी व अनुसूचित श्रेणियों से कम दाखिले की प्रवृत्ति को दर्शाती है। दूसरी कटआफ के अनुसार, बीकाम में सामान्य श्रेणी की कटआफ औसतन दो से पांच प्रतिशत तक और बीए प्रोग्राम में एक से तीन प्रतिशत तक घटी है। इस कटआफ पर दाखिले की प्रक्रिया पांच अगस्त सुबह 10 बजे शुरू होगी और सात अगस्त रात 11:59 बजे तक चलेगी।

**कई प्रमुख कालेजों में सामान्य श्रेणी की सीटें फुल :** मिरांडा हाउस, हंसराज कालेज, मैत्रेयी, दीन दयाल उपाध्याय कालेज और श्री गुरु गोबिंद सिंह कालेज आफ कामर्स जैसे प्रमुख संस्थानों में सामान्य श्रेणी के लिए बीकाम में दाखिले बंद हो चुके हैं। अब बीकाम में सामान्य वर्ग की छात्राएं केशव महाविद्यालय (58 प्रतिशत), महाराजा अग्रसेन (56 प्रतिशत), एसपीएम (55 प्रतिशत), अदिति महाविद्यालय, भगिनी निवेदिता व आर्यभट्ट कालेज (48 प्रतिशत) में दाखिला ले सकती हैं।

**ओबीसी के लिए खुली है विकल्प की राह :** ओबीसी वर्ग के लिए बीकाम में मिरांडा हाउस (75 प्रतिशत), हंसराज (74 प्रतिशत), श्री गुरु गोबिंद सिंह कालेज (61 प्रतिशत) और मैत्रेयी (56 प्रतिशत) में दाखिले संभव हैं। अन्य कालेजों में ओबीसी के लिए कटआफ 45 से 53 प्रतिशत के बीच रही है।

**बीए प्रोग्राम में भी मिश्रित स्थिति :** बीए प्रोग्राम (इतिहास-पालिटिकल साइंस) में सामान्य श्रेणी के लिए मिरांडा हाउस, हंसराज, एसपीएम, डीडीयू, मैत्रेयी जैसे कालेजों में दाखिले बंद हो गए हैं। राजधानी कालेज (68 प्रतिशत) व माता सुंदरी (65 प्रतिशत) में अभी भी दाखिले संभव हैं। ओबीसी वर्ग की बात करें तो हंसराज (73 प्रतिशत) और मिरांडा हाउस (74 प्रतिशत) में दाखिला संभव है। वहीं भगिनी निवेदिता (43 प्रतिशत) और अदिति महाविद्यालय (46 प्रतिशत) में कम अंक वालों के लिए भी अवसर खुले हैं।

प्रतीकात्मक

# 'वैवाहिक मामलों में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत'

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** दिल्ली हाई कोर्ट ने वित्तीय निर्भरता और संपत्ति छिपाने के आरोपों से जुड़े वैवाहिक मामलों में संवेदनशील और व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने को कहा है। एक महिला की अपील याचिका स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति रविंद्र डुडेजा की पीठ ने कहा कि यह असामान्य नहीं है कि जब पति-पत्नी के बीच वैवाहिक मतभेद होते हैं और कई बार पति अपनी वास्तविक आय को छिपाते हैं। इतना ही नहीं अपनी पत्नियों को वैध बकाया भुगतान से बचने के लिए संपत्ति हस्तांतरित कर देते हैं।

महिला ने अलग हुए पति द्वारा अपनी संपत्ति की बिक्री से धन के हेरफेर की बात को रिकार्ड में लाने के लिए बैंक अधिकारियों को संबंधित दस्तावेजों के साथ तलब करने की मांग की थी। अदालत ने पारिवारिक अदालत के सात जून 2024 के आदेश को रद कर दिया जिसमें गवाहों को बुलाने की महिला की याचिका को खारिज कर दिया गया था। बता दें, पति ने तर्क दिया था कि जिन गवाहों को बुलाने की मांग की गई थी, वे महिला के मामले से संबंधित नहीं थे।

# बेकाबू डीटीसी बस ने आठ वाहनों को मारी टक्कर, आटो चालक की मौत

▶ **लक्ष्मी नगर में हुआ हादसा, राहगीरों ने बस चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया**

▶ **पुलिस ने हादसे में क्षतिग्रस्त हुए आटो और सात कारों को अपने कब्जे में लिया**

▶ **डीटीसी बस चालक ने मिर्गी का दौरा पड़ने से हादसा होने की बात कही**

लक्ष्मी नगर विकास मार्ग पर डीटीसी की इलेक्ट्रिक मिनी बस की टक्कर से क्षतिग्रस्त आटो व कार। जागरण

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

डीटीसी की एक बेकाबू बस ने सोमवार सुबह करीब 9.30 बजे लक्ष्मी नगर में विकास मार्ग पर सड़क किनारे खड़े आठ वाहनों को टक्कर मार दी। बस की टक्कर से एक आटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पहचान मोहम्मद दीन (63) के रूप में हुई है। हादसे के समय मिनी इलेक्ट्रिक बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। क्षतिग्रस्त वाहनों में सात कारें हैं। राहगीरों ने बस चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। शकरपुर थाने में उसके खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने से मौत होने की धारा में मामला दर्ज किया गया है। बस चालक की पहचान नरेंद्र (27) निवासी नोएडा सेक्टर-63 के रूप में हुई है। पुलिस ने वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है।

जानकारी के मुताबिक, मोहम्मद दीन अपने परिवार के साथ गाजियाबाद के शहीद नगर स्थित एकता कालोनी में रहते थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटियां और दो छोटे बेटे हैं। एक बेटी का कुछ माह पहले तलाक हुआ है और दूसरी बेटी मानसिक रूप से कमजोर है। मोहम्मद दीन आटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार वालों ने बताया कि वह सोमवार सुबह आटो चलाने के लिए गए थे, जब विकास मार्ग पर बस की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि डीटीसी की बस नई दिल्ली से झील खुरंजा जा रही थी। लक्ष्मी नगर में विकास मार्ग पर बेकाबू होकर बस ने सड़क किनारे खड़े वाहनों को जोरदार टक्कर मारी। मोहम्मद दीन वहां अपना आटो खड़ा कर यात्रियों का इंतजार कर रहे थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल आटो चालक को डा. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत बताया। वहां खड़े बाकी वाहनों में कोई नहीं था, हालांकि बस की टक्कर लगने से आटो समेत आठ वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि घटनास्थल पर और लोग नहीं थे। बस चालक ने पुलिस से कहा कि उसे मिर्गी का दौरा आया था। फिलहाल पुलिस बस चालक से पूछताछ कर रही है।

> पुलिस ने बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मिर्गी वाली बात की जांच की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।
> – विनीत कुमार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्वी जिला

**सौगात**

दिल्ली के विभिन्न इलाकों के साथ ही कई हाईवे को इससे सीधे जोड़ा गया है जिससे जाम से मिल सकेगी निजात, प्रधानमंत्री मोदी इसी महीने किसी भी दिन कर सकते हैं उद्घाटन

# यूईआर-दो चालू होने से 20 मिनट में पूरा होगा दो घंटे का सफर

**आदित्य राज ● जागरण**

**गुरुग्राम :** इस महीने अर्बन एक्सटेंशन रोड (यूईआर-2) के रूप में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को एक नई रिंग रोड मिल जाएगी। इसके चालू होने से न केवल दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों की एयरपोर्ट से सीधी कनेक्टिविटी होगी बल्कि सोनीपत, करनाल, पानीपत, अंबाला, रोहतक, जींद से लेकर बहादुरगढ़ इलाके की कनेक्टिविटी बेहतर भी होगी। कई इलाकों से एयरपोर्ट पहुंचने में जहां अभी दो घंटे लगते हैं, वहीं केवल 20 मिनट लगेंगे।

तीन साल पहले केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यूईआर-दो बनाने की घोषणा की थी। अगले 10 दिनों के भीतर प्रोजेक्ट पूरा होने जा रहा है। यह चार से छह लेन का एक्सप्रेसवे है। इसके निर्माण पर लगभग आठ हजार करोड़ रुपये की लागत आई है। यह दिल्ली के अलीपुर में दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे से शुरू होकर मुंडका, बक्करवाला, नजफगढ़ एवं द्वारका में द्वारका एक्सप्रेसवे तक है। द्वारका एक्सप्रेसवे से आगे एयरपोर्ट एवं दिल्ली-जयपुर हाईवे से महिपालपुर में जुड़ा है। इसके चालू होने से दिल्ली के भीतर कई इलाकों में ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा। वर्तमान में दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे से होते हुए जो लोग एयरपोर्ट पहुंचते हैं, उन्हें कई इलाकों से गुजरना पड़ता है। यूईआर-दो से दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे को दिल्ली के अलीपुर में जोड़ा गया है। इससे जहां अभी अलीपुर के नजदीक से एयरपोर्ट पहुंचने में दो घंटे तक लग जाते हैं, वहीं केवल 20 से 25 मिनट लगेंगे। एयरपोर्ट से बहादुरगढ़ की कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए लगभग आठ किलोमीटर लंबी एक सड़क अलग से बनाकर दिचाऊ कलां में यूईआर-दो को जोड़ा गया है। दिल्ली-रोहतक हाईवे मुंडका में यूईआर-दो से जुड़ा है। इसी तरह सोनीपत हाईवे को बवाना में इससे जोड़ा गया। द्वारका एक्सप्रेसवे आगे गुरुग्राम-सोहना हाईवे से जुड़ा है। गुरुग्राम-सोहना हाईवे सीधे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जुड़ा है। इस तरह यूईआर-दो के चालू होने के बाद जहां एनसीआर के कई शहरों से पालम एयरपोर्ट पहुंचना आसान होगा। वहीं कई राज्यों के प्रमुख शहरों से दिल्ली की कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी।

रिंग रोड की तरह बनाया गया अर्बनएक्सटेंशनरोड-दो। सौ. एकपाठक

### प्रधानमंत्री करेंगे दिल्ली भाग का उद्घाटन

यूईआर-दो एवं द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली भाग का उद्घाटन इसी महीने 15 अगस्त के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। ऐसा संकेत प्रधानमंत्री कार्यालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को दिया है। संकेत मिलते ही एनएचएआइ ने तैयारी शुरू कर दी है। बताया जाता है कि यशोभूमि में या फिर द्वारका में कहीं एक बड़े समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री के अलावा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित कई केंद्रीय एवं दोनों राज्यों की प्रदेश सरकारों के मंत्री, सांसद व विधायक शामिल होंगे।

********

**2023** में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी धोखाधड़ी का पता चला था। इसमें 24,140 करोड़ रुपये की नकली इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) दावों की राशि शामिल थी।



# हंगामे के बीच विधेयक पारित कराने को मजबूर होगी सरकार : रिजीजू

## संसद में विपक्ष का विरोध जारी रहने की स्थिति पर बोले संसदीय कार्य मंत्री

### एसआइआर के मुद्दे पर लगातार शोरगुल से दोनों सदनों में सामान्य कामकाज भी प्रभावित

- विपक्ष पर साधा निशाना; बोले, सरकार अपने विधेयकों पर संसद में गहन चर्चा चाहती है
- कहा- उम्मीद है कोर्ट से फटकार लगाए जाने के बाद राहुल अपने तौर-तरीके सुधार लेंगे

किरेन रिजीजू। फाइल/एएनआइ

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने सोमवार को कहा कि यदि संसद में विपक्ष का विरोध जारी रहा तो सरकार को शोरगुल के बीच अपने विधेयकों पारित कराने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। एसआइआर के मुद्दे पर विपक्ष के लगातार हंगामे के कारण दोनों सदनों में सामान्य कामकाज प्रभावित होने के मद्देनजर उन्होंने यह बात कही। हंगामे के कारण सरकार अपना विधायी कामकाज पूरा नहीं कर पा रही है।

सोमवार को लोकसभा में जहां कोई सूचीबद्ध कार्य नहीं हुआ, वहीं राज्यसभा की कार्यवाही झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के सम्मान में स्थगित कर दी गई। उनका सोमवार सुबह निधन हो गया।

रिजीजू ने कहा कि सरकार अपने विधेयकों पर संसद में गहन चर्चा चाहती है, लेकिन 'राष्ट्रीय हित' में उसे मंगलवार से ही इन्हें पारित कराने के लिए दबाव बनाना होगा क्योंकि प्रस्तावित विधेयक शासन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक पर दो दिवसीय चर्चा के लिए सहमत हुए थे। इन दोनों विधेयकों को सोमवार को लोकसभा में विचार और पारित कराने के लिए एक साथ रखा जाना था, लेकिन उन्होंने कार्यवाही बाधित कर दी।

विपक्ष इस बात पर जोर दे रहा है कि सरकार संसद में अपना विधायी एजेंडा आगे बढ़ाने से पहले बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) पर चर्चा की उसकी मांग पर सहमत हो। हालांकि, रिजीजू ने स्पष्ट किया कि एसआइआर पर संसद में बहस नहीं हो सकती क्योंकि यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की प्रशासनिक कार्रवाई और कार्यप्रणाली का हिस्सा है।

चीन पर राहुल गांधी की टिप्पणी के मद्देनजर अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस नेता 'निराधार दावे' करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा फटकार लगाए जाने के बाद अपने तौर-तरीके सुधार लेंगे।

रिजीजू की यह टिप्पणी राहुल गांधी के इस दावे पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन ने 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है।

## विपक्ष का हंगामा जारी, नहीं चली लोकसभा

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष में गतिरोध के कारण लोकसभा में सोमवार को कामकाज नहीं हो सका, वहीं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व उच्च सदन के सदस्य शिबू सोरेन के निधन पर उनके सम्मान में राज्यसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने कहा, मैं आप सभी को मुद्दे उठाने के लिए पर्याप्त समय दूंगा, कृपया सदन की कार्यवाही चलने दीजिए। लेकिन विपक्ष ने अपील को अनसुना कर दिया, इस कारण सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। दो बजे कार्यवाही शुरू होने पर विपक्षी सांसद नारेबाजी कर रहे थे। कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे जगदंबिका पाल ने सूचीबद्ध खेल विधेयक पर चर्चा करने पर जोर दिया, लेकिन विपक्षी सदस्य नहीं माने। हंगामे के बीच, वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कस्टम ड्यूटी पर प्रस्ताव पेश किया, जिसे ध्वनिमत से पारित किया गया।

# बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति में डोमिसाइल नीति लागू

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना**

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स हैंडल पर दी जानकारी
- इसी साल टीचर्स रिक्रूटमेंट एक्जामिनेशन-4 से लागू होगा निर्णय

नीतीश कुमार। फाइल

बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति में सरकार ने डोमिसाइल नीति लागू करने का फैसला किया है। अब नियुक्ति में बिहार के निवासियों को प्राथमिकता मिलेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को अपने एक्स हैंडल पर सरकार के इस निर्णय के बारे में जानकारी दी।

नीतीश ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया है। यह टीआरई (टीचर्स रिक्रूटमेंट एक्जामिनेशन)-4 से ही लागू होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी वर्ष टीआरई-4 और 2026 में टीआरई-5 का आयोजन होगा। टीआरई-5 के आयोजन के पूर्व एसटीईटी (माध्यमिक शिक्षक जांच परीक्षा) का आयोजन किए जाने का भी निर्देश दिया गया है।

**सभी पद बिहार के लोगों के लिए :** प्रदेश में शिक्षकों की नियुक्ति में डोमिसाइल नीति लागू किए जाने के फैसले का असर यह होगा कि नियुक्ति के लिए सभी पद बिहार के लोगों के लिए ही होंगे। वर्तमान में आरक्षण की व्यवस्था के तहत जिन रिक्तियों पर नियुक्ति होनी है, उन सभी पर डोमिसाइल लागू है। यानी दूसरे प्रदेश के लोगों की नियुक्ति आरक्षित सीटों पर नहीं हो सकती है। यह हिस्सा 74 प्रतिशत के करीब है। इनमें जाति के आधार पर आरक्षण का हिस्सा 50 प्रतिशत, 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस है। शेष 40 प्रतिशत रिक्तियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण है। अब नई व्यवस्था के तहत यह होगा कि शिक्षकों के जितने रिक्त पदों पर नियुक्ति होगी, उनमें सभी पर डोमिसाइल नीति लागू होगी।

**लंबे समय से की जा रही थी मांग :** शिक्षकों की नियुक्ति में डोमिसाइल की मांग लंबी अवधि से होती रही है। यह मांग तब और तेज हो गई, जब शिक्षकों की बड़े पैमाने पर हुई नियुक्ति में यूपी, झारखंड, बंगाल के साथ-साथ दिल्ली और महाराष्ट्र के निवासी बिहार में शिक्षक बन गए। तब कहा गया कि बिहार की नौकरियों में बिहार के लोगों की हकमारी हो रही है।

# प्रत्यय अमृत होंगे बिहार के नए मुख्य सचिव

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना :** भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1991 बैच के अधिकारी प्रत्यय अमृत बिहार के अगले मुख्य सचिव होंगे। वर्तमान मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा 31 अगस्त को सेवा से अवकाश ग्रहण कर रहे हैं। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद प्रत्यय अमृत मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण करेंगे।

प्रत्यय अमृत। फाइल

प्रत्यय अमृत वर्तमान में विकास आयुक्त हैं। उनके पास स्वास्थ्य तथा आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव का भी जिम्मा है। प्रत्यय अमृत ने अपनी पढ़ाई दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कालेज से की है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन के बाद वह बिहार में सारण, जहानाबाद और कटिहार के जिलाधिकारी भी रहे। नवंबर, 2001 से अप्रैल, 2006 तक वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहे। प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद उन्हें बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। पुल निर्माण निगम के पुनरोद्धार के लिए 2011 मे प्रत्यय अमृत को प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक के रूप में उन्होंने वृहत स्तर पर रोड व पुल प्रोजेक्ट को आरंभ कराया। कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत कई काम कराए।

# रद नहीं होगी एसएससी की चयन पद चरण-13 परीक्षा

- एसएससी अध्यक्ष एस गोपालकृष्णन ने कहा, प्रभावित छात्रों के लिए पुन: परीक्षा की संभावना
- किया आश्वस्त, आने वाले महीनों में छात्रों की सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा

**नई दिल्ली, एएनआइ:** दिल्ली में एसएससी की चयन पद चरण-13 भर्ती परीक्षा के दौरान कुप्रबंधन को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी बीच एसएससी के अध्यक्ष एस गोपालकृष्णन ने सोमवार को बताया कि कर्मचारी चयन आयोग हाल ही में हुई चयन पद चरण 13 की परीक्षा रद नहीं करेगा, बल्कि उन प्रभावित उम्मीदवारों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित कर सकता है, जो उचित अवसर से वंचित रह गए थे।

अध्यक्ष ने कहा कि हम आंकड़ों का विश्लेषण कर रहे हैं। अगर हमें एक भी उम्मीदवार ऐसा मिलता है, जिसके साथ अन्याय हुआ है, तो हम उसके लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेंगे। संगठन ने परीक्षा आयोजित कराने वाली कंपनी एडुक्विटी करियर टेक्नोलाजी को भी पत्र लिखकर 24 जुलाई से एक अगस्त तक की परीक्षा अवधि के दौरान सामने आई सभी समस्याओं का समाधान करने का अनुरोध किया है। इस दौरान 142 शहरों के 194 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में साफ्टवेयर क्रैश होने, बायोमेट्रिक सत्यापन में विफलता और गलत केंद्र आवंटन जैसी समस्याओं से जूझती रही। इस दौरान लगभग पांच लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। इन व्यवधानों के कारण पिछले सप्ताह दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया गया, जिससे हजारों उम्मीदवार सड़कों पर उतर आए और इंटरनेट मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। अध्यक्ष ने तकनीकी गड़बड़ियों और उम्मीदवारों को दूरदराज के केंद्र दिए जाने सहित कुप्रबंधन की बात स्वीकार की। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले महीनों में सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम आने वाले महीनों में सुधार करेंगे और योजना बनाएंगे।

# फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस और पीएम मोदी के बीच आज होगी द्विपक्षीय वार्ता

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

- द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देने में जुटे भारत और फिलीपींस
- व्यापार व समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी

नई दिल्ली में सोमवार को फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनांड आर. मार्कोस जूनियर का स्वागत करते विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गरिटा (मध्य)। पीआइबी

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनांड आर.मार्कोस जूनियर सोमवार दोपहर नई दिल्ली पहुंच गए। पीएम नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता मंगलवार को होगी। वार्ता के बारे में दोनों देशों की तरफ से बताया गया है कि यह आपसी रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मोदी और मार्कोस के बीच होने वाली बातचीत में रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने पर खास जोर दिया जाने वाला है। साथ ही व्यापार, निवेश और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा होगी। दोनों नेताओं के बीच हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर भी विमर्श होगा। फिलीपींस दक्षिण चीन सागर में और भारत हिमालय क्षेत्र में चीन के साथ क्षेत्रीय विवादों का सामना कर रहे हैं।

फिलीपींस ने 2024 में भारत के ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम की पहली खेप प्राप्त की थी। इसकी आपूर्ति भी शुरू की जा चुकी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि फिलीपींस और भारत के बीच कुछ नए रक्षा सौदों को लेकर विमर्श चल रहा है। मोदी और मार्कोस के बीच होने वाली बैठक में भावी रक्षा सौदों को ठोस रूप दिए जाने की संभावना है। यह भी बताते चलें कि फिलीपींस राष्ट्रपति की भारत दौरे के साथ ही दोनों देशों की नौसेनाएं दक्षिण चीन सागर में संयुक्त समुद्री नौसैनिक अभ्यास शुरू करने को तैयार हैं। आर्थिक मोर्चे पर आपसी संबंधों को भी दोनों देश नए तरीके से देखने की कोशिश करेंगे। हाल ही में अमेरिका द्वारा फिलीपींस के सामानों पर 19 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना मनीला के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। दोनों नेता व्यापार, निवेश और डिजिटल प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान देंगे।

## संसद प्रश्नोत्तर

# नाबार्ड ने तीन वित्त वर्षों में राज्यों को दिए 1.59 लाख करोड़

निर्मला सीतारमण। फाइल

**नई दिल्ली, आइएएनएस:** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा को बताया कि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने पिछले तीन वित्त वर्षों में ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए राज्य सरकारों को कर्ज सहायता के रूप में 1.59 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की है। इसमें से 1.23 लाख करोड़ रुपये नाबार्ड के ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास कोष (आरआइडीएफ) के माध्यम से और 36,439 करोड़ रुपये वित्तीय संस्थान की अन्य योजनाओं के तहत दिए गए हैं। एक अन्य साल के जवाब में वित्त मंत्री ने बताया कि नाबार्ड ने अब तक विभिन्न योजनाओं के तहत 6,215 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन को बढ़ावा दिया है।

### बैंकों ने 55.9 करोड़ से अधिक जन-धन खाते खोले

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में कहा कि सरकार ने अगस्त 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) की शुरुआत की थी। अब तक पीएमजेडीवाई के तहत बैंकों ने 55.90 करोड़ से ज्यादा खाते खोले हैं। इसके अलावा लाभार्थियों के बैंक खातों में पुन: केवाईसी के लिए एक जुलाई से तीन महीने का एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है जो 30 सितंबर 2025 को समाप्त होगा।

### कोलियर्स इंटरनेशनल के खातों का निरीक्षण जारी

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** कारपोरेट मामलों के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने लोकसभा में बताया कि कोलियर्स इंटरनेशनल (इंडिया) प्रापर्टी सर्विसेज लिमिटेड के खातों का निरीक्षण चल रहा है। उन्होंने कहा कि सेवाओं में कमी के कारण एनएचएआइ ने 10 अप्रैल, 2015 को एनएच-12 के फरक्का-रायगंज खंड से संबंधित संरचनाओं के मूल्यांकनकर्ता के रूप में कोलियर्स इंटरनेशनल (इंडिया) प्रापर्टी सर्विसेज की सेवाएँ समाप्त कर थीं।

# यमुना में केवल 13 निगरानी स्टेशन ही पूरा करते हैं स्नान के मानक

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सरकार ने संसद में बताया है कि यमुना नदी पर पांच राज्यों में स्थित 33 जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों में से केवल 13 ही वर्तमान में आवश्यक स्नान मानकों को पूरा करते हैं।

राज भूषण चौधरी। फाइल

राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में जल शक्ति राज्यमंत्री राज भूषण चौधरी ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के अनुसार बिना उपचारित या आंशिक रूप से उपचारित सीवेज का प्रवाह दिल्ली में नदी की खराब सेहत का एक प्रमुख कारण है। इसमें जून 2025 तक 64.555 करोड़ लीटर प्रति दिन (एमएलडी) का उपचार अंतर है। जल शक्ति मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय मिशन फार क्लीन गंगा (एनएमसीजी) हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में प्रदूषण स्तर को कम करने और नमामी गंगे कार्यक्रम के तहत यमुना को पुनर्जीवित करने के प्रयासों को वित्तपोषित कर रहा है। अब तक 35 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें से 21 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

# जीएसटी धोखाधड़ी से पांच वर्षों में 7.08 लाख करोड़ रुपये की कर चोरी : सरकार

- इसमें 1.79 लाख करोड़ रुपये का आइटीसी धोखाधड़ी शामिल
- स्वैच्छिक जमा से वसूले कर 1.29 लाख करोड़ रुपये से अधिक

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी सोमवार को लोकसभा में बोलते हुए। एएनआइ

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सरकार ने संसद में बताया है कि केंद्रीय जीएसटी क्षेत्रीय अधिकारियों ने 2024-25 वित्तीय वर्ष तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया है। इसमें लगभग 1.79 लाख करोड़ की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) धोखाधड़ी शामिल है। जबकि 2020-21 से 2024-25 की अवधि में स्वैच्छिक जमा के माध्यम से वसूले गए करों की राशि 1.29 लाख करोड़ रुपये से अधिक थी।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में सोमवार को बताया कि अकेले 2024-25 वित्तीय वर्ष में केंद्रीय जीएसटी क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा 2.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) धोखाधड़ी का पता लगाया गया। वित्तीय वर्ष 2025 में 30,056 जीएसटी धोखाधड़ी के मामलों में से आधे से अधिक, यानी 15,283 मामले आइटीसी धोखाधड़ी से संबंधित थे, जिसमें धोखाधड़ी की राशि 58,772 करोड़ रुपये थी। 2023-24 वित्तीय वर्ष में केंद्रीय जीएसटी क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा 2.30 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी धोखाधड़ी का पता लगाया गया, जिसमें 36,374 करोड़ रुपये की आइटीसी धोखाधड़ी शामिल थी।

वित्तीय वर्ष 2023 में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी धोखाधड़ी का पता चला, जिसमें 24,140 करोड़ रुपये की नकली आइटीसी दावों की राशि शामिल थी। वित्तीय वर्ष 2022 और 2021 में जीएसटी धोखाधड़ी क्रमशः 73,238 करोड़ रुपये और 49,384 करोड़ रुपये थी। इसमें आइटीसी धोखाधड़ी की राशि क्रमशः 28,022 करोड़ रुपये और 31,233 करोड़ रुपये थी। पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में केंद्रीय जीएसटी क्षेत्रीय अधिकारियों ने कुल जीएसटी धोखाधड़ी का पता 91,370 मामलों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपये के रूप में लगाया। धोखाधड़ी के आंकड़ों में वित्तीय वर्ष 2021 से 2025 के बीच 44,938 मामलों में लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपये की आइटीसी धोखाधड़ी शामिल है। चौधरी ने कहा कि केंद्रीय सरकार और जीएसटीएन कर चोरी को रोकने के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं, जैसे ई-इनवॉइसिंग के माध्यम से डिजिटलीकरण, जीएसटी एनालिटिक्स, सिस्टम-फ्लैग्ड असमानताओं के आधार पर आउटलेयर को उजागर करना, कार्यान्वयन योग्य जानकारी प्रदान करना और विभिन्न जोखिम मानकों के आधार पर रिटर्न का चयन और करदाताओं का आडिट के लिए चयन करना।

# एसवाईएल पर आज फिर चर्चा करेंगे हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्री

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़**

- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में दिल्ली में होगी बैठक

हरियाणा और पंजाब के बीच लंबे समय से चल रहे एसवाईएल (सतलुज यमुना लिंक) नहर के विवाद को लेकर मंगलवार को नई दिल्ली में फिर हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्री आमने-सामने होंगे। मामले में सुप्रीम कोर्ट हरियाणा के पक्ष में फैसला सुना चुका है और अगली सुनवाई 13 को होगी। ऐसे में दोपहर बाद चार बजे केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक पर सभी की नजरें हैं।

इससे पहले नौ जुलाई को भी केंद्रीय जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की सकारात्मक बैठक हुई थी। इसी कड़ी में अब अगली बैठक निर्णायक और महत्वपूर्ण है क्योंकि केंद्र सरकार द्वारा दोनों राज्यों का फाइनल स्टैंड पूछा जाएगा। इसके बाद केंद्र सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल किया जाएगा। फिर सुप्रीम कोर्ट द्वारा विवाद को लेकर आदेश जारी किए जा सकते हैं।

छह मई को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि यह मनमानी नहीं तो क्या है। साथ ही केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को 'मूक दर्शक' बने रहने के बजाय सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए थे।

दरअसल, वर्ष 1981 में दोनों राज्यों के बीच जल बंटवारे पर समझौता हुआ था। इसके तहत एसवाईएल नहर बनाने का निर्णय लिया गया। 214 किमी लंबी एसवाईएल में 122 किमी लंबी नहर बनाने का जिम्मा पंजाब और 92 किलोमीटर हरियाणा को दिया गया था। हरियाणा ने काम पूरा कर लिया, जबकि पंजाब ने 1982 में इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया। जनवरी 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब को समझौते की शर्तों के अनुसार नहर बनाने का आदेश दिया, लेकिन पंजाब विधानसभा ने 2004 में 1981 के समझौते को खत्म करने का कानून पारित किया। इस कानून को 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया।

## उपलब्धि

पीएम की इस पहल ने एक महीने में सर्वाधिक पंजीकरण के लिए बनाया कीर्तिमान, कार्यक्रम के आठवें संस्करण के दौरान 3.53 करोड़ वैध पंजीकरण प्राप्त हुए, इसके तहत छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों से सीधे संवाद करते हैं प्रधानमंत्री

# गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल हुआ 'परीक्षा पे चर्चा'

नई दिल्ली में सोमवार को परीक्षा पे चर्चा 2025 के गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड प्रमाणपत्र के साथ केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अश्विनी वैष्णव। सौ. एक्स@डीप्रधानबीजेपी

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा' पहल ने ''एक महीने में नागरिक सहभागिता मंच पर सबसे ज्यादा लोगों के पंजीकरण'' के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में जगह बनाई है। अधिकारियों के अनुसार, कार्यक्रम के आठवें संस्करण के दौरान 3.53 करोड़ वैध पंजीकरण प्राप्त हुए।

प्रधानमंत्री मोदी 'परीक्षा पे चर्चा' पहल के तहत छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधे संवाद करते हैं। इसका उद्देश्य 'परीक्षा के मौसम को सकारात्मकता, तैयारी और उद्देश्यपूर्ण सीखने के उत्सव'' में बदलना है, जिससे परीक्षाएं तनाव के बजाय प्रोत्साहन का समय बन जाएं।

औपचारिक रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने वाले एक कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, ''तनाव को सीखने के उत्सव में बदलकर ''परीक्षा पे चर्चा' को परीक्षाओं के प्रति एक राष्ट्रीय दृष्टिकोण के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया है। 2025 में इसके आठवें संस्करण को सभी मीडिया प्लेटफार्म पर कुल 21 करोड़ से ज्यादा दर्शकों ने देखा।''

प्रधान ने कहा, ''परीक्षा पे चर्चा 2025 में व्यापक भागीदारी समग्र और समावेशी शिक्षा के प्रति देश की सामूहिक प्रतिबद्धता और विकसित भारत के दृष्टिकोण का प्रतिबिंब है।'' इस अवसर पर अपने संबोधन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'परीक्षा पे चर्चा' को एक अनूठी पहल बताया जो छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को एक साथ लाकर उनके स्वास्थ्य और तनाव-मुक्त शिक्षा को बढ़ावा देती है।

गौरतलब है कि 'परीक्षा पे चर्चा' एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें प्रधानमंत्री मोदी बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों के साथ संवाद करते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान, वह परीक्षा के तनाव और अन्य मुद्दों से संबंधित छात्रों के प्रश्नों के उत्तर भी देते हैं। स्कूल और कालेज के छात्रों के साथ प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम का पहला संस्करण फरवरी, 2018 में तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया गया था।

इसका सातवां संस्करण प्रगति मैदान के भारत मंडपम में आयोजित किया गया, जिसमें देश-विदेश से प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसका आठवां संस्करण एक अलग प्रारूप में आयोजित किया गया, जिसमें अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, छह बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज एमसी मैरीकाम और आध्यात्मिक गुरु सदगुरु जैसी प्रसिद्ध हस्तियां शामिल हुईं।

*********

## कह कर रहेंगे
माधव जोशी

**2019** में पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया था और एक वर्ष बाद 2020 में इसी दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भूमि पूजन का नेतृत्व भी किया था।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 5 अगस्त, 2025

# राजग संसदीय दल की आज अहम बैठक, पीएम मोदी करेंगे संबोधित

## पांच अगस्त मोदी और भाजपा के सियासी एजेंडे में रखता है विशेष महत्व

### इसी तारीख को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा था, इसी दिन श्रीराम मंदिर का हुआ पूजन

**अरविंद शर्मा ● जागरण**

**नई दिल्ली :** मानसून सत्र के दौरान सदन में विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच मंगलवार को राजग संसदीय दल की अहम बैठक होने जा रही है, इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। उपराष्ट्रपति के चुनाव से पहले प्रस्तावित इस बैठक को कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है कि बैठक की निर्धारित तिथि पांच अगस्त है, जो पीएम मोदी और भाजपा के सियासी एजेंडे में विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2019 में इसी तारीख को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया था और एक वर्ष बाद 2020 में इसी दिन पीएम मोदी ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भूमि पूजन का नेतृत्व भी किया था। इसलिए माना जा रहा है कि यह बैठक सिर्फ संसदीय रणनीति तक सीमित नहीं रह सकती है।

नरेन्द्र मोदी। फाइल

हालांकि बैठक के एजेंडे के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। भाजपा द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि यह बैठक मंगलवार की सुबह 9:30 बजे संसद भवन परिसर के जीएमसी बालयोगी आडिटोरियम में होगी। इसमें दोनों सदनों के राजग सदस्यों से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। यह बैठक लगभग एक वर्ष बाद हो रही है। पिछली बार यह दो जुलाई 2024 को हुई थी, तब मोदी तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने के बाद पहली बार राजग सांसदों से मिले थे। इस बार की बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है जब दोनों सदनों की कार्यवाही लगभग ठप पड़ी है। आपरेशन सिंदूर पर विमर्श के बाद भी बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्ष चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाकर हंगामा कर रहा है।

बैठक का दूसरा बड़ा एजेंडा उपराष्ट्रपति का चुनाव हो सकता है। इस पद के लिए सात अगस्त से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है जोकि 21 अगस्त तक चलेगी। विपक्ष की ओर से भी प्रत्याशी उतारने की स्थिति में मतदान नौ सितंबर को हो सकता है। इस बीच राजग को प्रत्याशी की घोषणा करनी है। हालांकि दोनों सदनों में उसे बहुमत प्राप्त है। इसलिए उसकी जीत पक्की मानी जा रही है। बैठक को प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करने वाले हैं। जाहिर है, वह न सिर्फ सदन में गतिरोध को लेकर सांसदों को दिशा-निर्देश देंगे, बल्कि हाल की घटनाओं जैसे पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आपरेशन सिंदूर पर भी बात कर सकते हैं। हालांकि ऐसी बैठकों में सामान्य तौर पर प्रधानमंत्री सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में उठाए जाने वाले मुद्दों पर मार्गदर्शन देते आए हैं। साथ जनता से संवाद के लिए उन्हें आवश्यक टिप्स भी देते आए हैं।

केंद्र में सहयोगी दलों के साथ सरकार चला रही भाजपा को उपराष्ट्रपति के चुनाव से पहले राजग की एकजुटता का भी संदेश देना है। बैठक में जदयू, तेदेपा और एलजेपी (रामविलास) को भी आमंत्रित किया गया है।

**कुछ खास होने का संकेत, बैठकों का चला दौर**

राजग की बैठक में कुछ खास होने का संकेत है। वजह, बैठकों पर बैठकों का दौर चलना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इसके तुरंत बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रपति से फोन पर बात की। सोमवार को संसद भवन में भी सरकार के शीर्ष मंत्रियों की परस्पर कई बैठकें हुईं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से विमर्श किया। फिर उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं किरेन रिजीजू से भी चर्चा की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और गृह सचिव गोविंद मोहन ने भी शाह से मुलाकात की। शीर्ष स्तर की सियासी हलचलों को देखते हुए अटकलें तेज हैं कि सरकार किसी फैसले की ओर बढ़ सकती है। ऐसे में बैठक संसद और सरकार दोनों के स्तर पर अहम साबित हो सकती है।

# राहुल के 'एटम बम' फोड़ने से पहले कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा, फर्जी नामों की सूची गायब

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

- **कर्नाटक के पूर्व मंत्री व पार्टी प्रत्याशी रहे नागेश ने सीईओ को पत्र लिखकर मांगी अप्रैल 2023 में दी गई फर्जी मतदाताओं की सूची**
- **सीईओ ने कहा, नहीं दी थी ऐसी कोई सूची; कांग्रेस नेता के साथ हुए पत्राचार को किया सार्वजनिक ताकि हकीकत आ सके सामने**

राहुल गांधी। फाइल

कर्नाटक की मतदाता सूची में 'गड़बड़ी के पुख्ता सबूतों' के आधार पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी भले ही चुनाव आयोग पर 'एटम बम' फोड़ने की धमकी दे रहे हैं, मगर राज्य में उनकी पार्टी के नेताओं के पास ही इसके कोई सबूत नहीं है। ताजा मामला कर्नाटक कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री एच. नागेश से जुड़ा है। इसमें उन्होंने अपने पास मौजूद मतदाता सूची के फर्जी नामों की सूची के गायब होने की बात कही है। साथ ही, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखकर अप्रैल, 2023 में उन्हें दी गई इस सूची की एक कापी मुहैया कराने की मांग की है। हालांकि, सीईओ ने उन्हें अपने जवाब में ऐसी कोई भी सूची नहीं दिए जाने की बात कही है।

गौरतलब है कि राज्य की जिस महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में की गई गड़बड़ी के आधार पर कांग्रेस इस मुद्दे को गरमाए हुए है, दरअसल उसी सीट से नागेश कांग्रेस के प्रत्याशी थे। उन्हें भाजपा प्रत्याशी ने करीब 40 हजार मतों से शिकस्त दी थी। हार के बाद से ही नागेश मतदाता सूची में फर्जी नामों के मुद्दे को तूल दे रहे हैं। इस सूची को पेश करने की बारी आई तो उन्होंने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को 31 जुलाई, 2025 को पत्र लिखकर अप्रैल, 2023 में उन्हें दी गई फर्जी मतदाताओं की सूची की एक प्रति देने की मांग की है। साथ ही, बताया है कि उनके पास इसकी जो प्रति थी, वह गायब हो गई है। इसके बाद तो राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दावों की जांच कराई और उन्हें दो अगस्त, 2025 को जवाब दिया कि उनकी ओर से कोई कापी नहीं दी गई थी। न ही उनकी ओर से महादेवपुरा सीट को लेकर कोई चुनाव याचिका ही दाखिल की गई है।

चुनाव आयोग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दावा किया गया कि कांग्रेस की ओर से कर्नाटक की मतदाता सूची में गड़बड़ी की बात पूरी तरह से गलत है। यह भी तर्क दिया कि चुनाव से पहले मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान कांग्रेस सहित राज्य के किसी भी राजनीतिक दल ने कोई आपत्ति नहीं दर्ज कराई। चुनाव नतीजों के बाद जो दस याचिकाएं दायर हुई थीं, उनमें भी कांग्रेस का कोई प्रत्याशी नहीं था। यदि ऐसा था तो उन्होंने इन विकल्पों का क्यों इस्तेमाल नहीं किया।

**बिहार की ड्राफ्ट सूची पर अब तक नहीं आई एक भी आपत्ति :** बिहार की ड्राफ्ट मतदाता सूची को लेकर चौथे दिन भी राजनीतिक दलों की ओर से अब तक कोई आपत्ति नहीं दर्ज कराई गई है, जबकि राज्य में सभी राजनीतिक दलों के 1.60 लाख से अधिक बूथ लेवल आफिसर (बीएलए) मौजूद हैं। वहीं, आम मतदाताओं की ओर से ड्राफ्ट सूची को लेकर अब तक 1927 आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं।

आयोग का दावा है कि उनका सात दिन में निस्तारण कर दिया जाएगा। उधर, एक अक्टूबर को 18 साल की उम्र पूरी कर रहे लगभग 11 हजार युवाओं में मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया है।

# 'भारत व उसकी अर्थव्यवस्था पर ट्रंप की टिप्पणियां अपमानजनक और अस्वीकार्य'

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता और पूर्व वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत और उसकी अर्थव्यवस्था पर टिप्पणियां 'अपमानजनक और अस्वीकार्य' हैं। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह ट्रंप की 'धमकी भरी रणनीति' के आगे न झुके और एक 'अपर्याप्त' व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करे। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी संप्रभुता और सर्वोच्च राष्ट्रीय हितों को बनाए रखना चाहिए और अमेरिका के साथ किसी भी समझौते पर संसद के साथ-साथ सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को विश्वास में लेना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर ने भी कहा है कि ट्रंप की टिप्पणी "अपमानजनक" थी और इसे "शाब्दिक अर्थ में" नहीं लिया जाना चाहिए। जब कुछ सबसे बड़ी शक्तियों की सक्रिय भागीदारी से युद्ध लड़े जा रहे हों और विश्व व्यवस्था को बनाए रखने वाले लोग अव्यवस्था को बढ़ावा दे रहे हों, तो भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के बारे में बहुत स्पष्ट होना चाहिए।

- **पूर्व वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा बोले, भारत को अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय हितों को बनाए रखना चाहिए**
- **यह भी कहा, ट्रंप यह गलतफहमी में हैं कि भारत के पास विकल्प नहीं हैं**
- **कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर ने भी कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी "अपमानजनक" थी**

आनंद शर्मा। फाइल

आनंद शर्मा ने कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बयानों और कार्यों से विश्व व्यवस्था में उथल-पुथल मचा दी है और अभूतपूर्व व्यवधान पैदा किया है। भारत और उसकी अर्थव्यवस्था पर उनकी टिप्पणियां अपमानजनक और अस्वीकार्य हैं।" उनकी यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने की घोषणा और भारत तथा रूस को "डेड इकानमी" कहने के कुछ दिनों बाद आई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की ट्रंप की आलोचना को दोहराते हुए राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को छोड़कर सभी जानते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था "मृतप्राय" है।

उन्होंने कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप यह गलतफहमी में हैं कि भारत के पास विकल्प नहीं हैं। चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत में समानता और पारस्परिक सम्मान के सिद्धांतों पर दुनिया के साथ जुड़ने की लचीलापन और अंतर्निहित ताकत है।"

## भाजपा विधायक हार्दिक पटेल ने दी आंदोलन की चेतावनी

**राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद:** पाटीदार आरक्षण आंदोलन से नेता बने भाजपा विधायक हार्दिक पटेल ने अपने विधानसभा क्षेत्र वीरमगाम में जनसमस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर आंदोलन की चेतावनी दी है। इसके बाद गांधीनगर से अधिकारी वीरमगाम पहुंचे और वहां की समस्याओं का जायजा लिया। पाटीदार आरक्षण आंदोलन के बाद पहले कांग्रेस और फिर भाजपा में शामिल होकर अहमदाबाद जिले की वीरमगाम सीट से विधायक चुने गए हार्दिक पटेल ने वीरमगाम में सीवरेज, पेयजल व जलभराव की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखा। हार्दिक ने पत्र में आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा कि लोगों के घरों में गंदा पानी जमा हो रहा है, समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे सड़क पर उतर जाएंगे। इसके बाद वीरमगाम में सरकारी अधिकारियों का जमावड़ा लग गया तथा अधिकारियों ने जनसमस्याओं का जायजा लेकर इसका शीघ्र निपटारा करने का भरोसा दिया।

# भारत विरोधी है राहुल की मानसिकता : भाजपा

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

- **सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद भाजपा भी हुई कांग्रेस नेता पर हमलावर**

सेना का कथित तौर पर मनोबल तोड़ने से जुड़े एक मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद भाजपा ने भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाने पर ले लिया है। उनके कुछ पुराने बयानों की याद दिलाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि राहुल लगातार अपरिपक्व और गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं, फिर माफी मांगते हैं। इसके साथ ही यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता की मानसिकता भारत विरोधी है।

गौरव भाटिया। फाइल

**कहा-लगातार अपरिपक्व और गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं, फिर माफी मांगते हैं**

भाजपा प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि जब देश की सेना गलवन में चीनी सेना से लड़ रही थी, उस दौरान राहुल गांधी अपरिपक्व, भारत विरोधी और सेना का मनोबल तोड़ने वाले बयान दे रहे थे। संविधान हाथ में लेकर घूमने वाले गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष ने ही संविधान को तार-तार करने की जिम्मेदारी उठा रखी है। जब गलवन में देश की वीर सेना ने चीनी सेना को खदेड़ दिया तो राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता कर कहा कि चीन ने दो हजार वर्ग किलोमीटर की भूमि पर कब्जा कर लिया है और भारतीय सेना चीनी सेना से पिट रही है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की मौखिक टिप्पणियों का भी उल्लेख करते हुए भाटिया ने कहा कि आज जब यह टिप्पणी आई है तो यह प्रश्न उठता है कि क्या भारत को एक अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष नहीं मिलना चाहिए? क्या संविधान की शपथ लेने वाले नेता प्रतिपक्ष देश की अखंडता को तोड़ रहे हैं? क्या नेता प्रतिपक्ष देश की वीर सेनाओं का मनोबल तोड़ रहे हैं? यह एक ऐसे नेता प्रतिपक्ष हैं, जो फौजदारी के मामले में जमानत पर बाहर हैं।

भाटिया ने राहुल गांधी की चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पदाधिकारियों से मुलाकात की तस्वीर दिखाते हुए कहा कि राहुल गांधी भारतीय नागरिकों को यह नहीं बताते कि चीन की पार्टी के साथ उनकी पार्टी के करार में क्या है? आरोप लगाया कि यकीनन उस करार में राहुल गांधी ने यह प्रण लिया है कि वह भारत को कमजोर करेंगे और चीन को मजबूत करेंगे। इसीलिए राहुल कह रहे थे कि हमारे सैनिकों को चीनी सैनिकों ने पीटा, चाहे वह डोकलाम हो या गलवन, जबकि हर देशवासी भारत और हमारे बहादुर सैनिकों के साथ खड़ा था।

प्रेट्र के अनुसार, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि देश के संसदीय इतिहास में पहली बार सुप्रीम कोर्ट को विपक्ष के किसी नेता के खिलाफ इतनी कड़ी टिप्पणी करनी पड़ी है। राहुल गांधी और कांग्रेस का सेना का अपमान करने का इतिहास रहा है, चाहे वह सर्जिकल स्ट्राइक हो या आपरेशन सिंदूर। उन्होंने हर मौके पर हमारे बहादुर सैनिकों के बलिदान पर सवाल उठाए हैं।

भाजपा आइटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर 'चाइना गुरु' राहुल गांधी को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बयान देने के लिए फटकार लगाई है। कल्पना कीजिए, विपक्ष के एक नेता को इतनी लापरवाही से बोलने के लिए बार-बार फटकार लगाई जा रही है।

## संजय निरुपम ने लगाया मुंबई में 'हाउसिंग जिहाद' का आरोप

**मुंबई, प्रेट्र:** शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता संजय निरुपम ने सोमवार को आरोप लगाया कि कुछ बिल्डरों ने मुंबई के जोगेश्वरी क्षेत्र में दो झुग्गी पुनर्विकास परियोजनाओं के तहत हिंदुओं के घरों को मुसलमानों को आवंटित करने की साजिश की है, जिसे उन्होंने "हाउसिंग जिहाद" करार दिया।

निरुपम ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ये बिल्डर शहर की जनसांख्यिकी को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिल्डरों ने जोगेश्वरी में दो झुग्गी पुनर्विकास परियोजनाओं के तहत हिंदुओं के घरों को मुसलमानों को देने की साजिश की है। निरुपम ने दावा किया कि जोगेश्वरी-ओशीवारा के पैराडाइज जोन में पुनर्विकास के बाद घरों की संख्या 44 से बढ़कर 95 हो गई है। सभी 51 नए घर कथित तौर पर मुसलमानों को आवंटित किए जा रहे हैं।

# अभिनेता कमल हासन के सनातन विरोधी बयान पर बिफरी तमिलनाडु भाजपा

**चेन्नई, प्रेट्र :** तमिलनाडु भाजपा ने फिल्म अभिनेता और मक्कल नीडी माईम के प्रमुख कमल हासन की सनातन विरोधी ताजा टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। उनकी "सनातन की जंजीर" टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने आरोप लगाया कि हासन ने हिंदू भावनाओं का अपमान किया है।

भाजपा नेता सौंदरराजन ने सोमवार को आश्चर्य व्यक्त किया कि जब सांसद कमल हासन शिक्षा और इसके महत्व के बारे में बात कर रहे थे, तो उन्होंने सनातन का नकारात्मक उल्लेख क्यों किया। सौंदरराजन ने हासन पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के प्रति "अधिक वफादार" होने का आरोप लगाते हुए कहा कि अभिनेता-नेता सीएम को खुश करने के लिए कोई भी टिप्पणी करेंगे। पहले भाषा के नाम पर लोगों को भड़का चुके हैं और अब वह धर्म के बहाने लोगों को विभाजित करना चाहते हैं क्योंकि तमिलनाडु में हिंदू भावनाओं का अपमान फैशनेबल हो गया है। भाजपा तमिलनाडु इकाई की उपाध्यक्ष खुशबू सुंदर ने भी कमल हासन की टिप्पणी को अनुचित व "बिल्कुल अनावश्यक" बताया। उन्होंने कहा कि नीट को 2013 में पेश किया गया था, जब भाजपा केंद्र में सत्ता में नहीं थी। ये प्रवेश परीक्षा केवल तमिलनाडु के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है।

कमल हासन और सौंदरराजन। फाइल

हासन ने रविवार को तमिल अभिनेता सूर्या की अगारम फाउंडेशन के कार्यक्रम में कहा कि शिक्षा ही ऐसा हथियार है जो तानाशाही और 'सनातन धर्म की जंजीरें' को तोड़ सकता है। राष्ट्रीय प्रवेश-योग्यता परीक्षा (नीट) ने कई बच्चों के लिए चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच को रोक दिया है और इस परीक्षा के नियम को बदलने की ताकत केवल शिक्षा से ही आ सकती है। उन्होंने कहा, "किसी और चीज पर हाथ मत लगाओ, क्योंकि तुम जीत नहीं सकते; क्योंकि बहुमत तुम्हें हरा देगा, बहुमत के मूर्ख तुम्हें हरा देंगे और ज्ञान हार जाएगा।"

## बेदखल लोगों को आश्रय नहीं दिया जाना चाहिए : हिमंत

**गुवाहाटी, प्रेट्र:** असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को कहा कि जनता को बेदखल किए गए लोगों को आश्रय नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो जो स्थिति अब थोड़ी सुधरी है, वह फिर से खराब हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर जनता साथ देती रही तो सरकार की अतिक्रमण हटाने की मुहिम आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने यह बात बोडोलैंड क्षेत्र में एक कार्यक्रम में कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लोग अब जागरूक हो गए हैं। मुझे नहीं लगता कि वे ज्यादा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग अतिक्रमण कर यहां बसे थे, उन्हें वहीं लौट जाना चाहिए जहां से वे आए थे, सरकार को इस पर कोई आपत्ति नहीं है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे बेदखल किए गए लोगों की मदद न करें।

# बंगाल के चार विस केंद्रों की 2002 की मतदाता सूची हुई 'गायब'

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता**

- **मतदाता सूची नहीं मिलने की स्थिति में 2003 का मसौदा होगा प्रकाशित**
- **चुनाव आयोग राज्य में एसआइआर से पहले विभिन्न जिलों की सूची कर रहा प्रकाशित**

बंगाल के चार विधानसभा केंद्रों की वर्ष 2002 की मतदाता सूची 'गायब' हो गई है। इनमें दक्षिण 24 परगना जिले के कुलपी व बीरभूम के मुराराई, राजनगर व रामपुरहाट विस केंद्र शामिल हैं। इन केंद्रों से संबंधित जिला चुनाव अधिकारियों (जिलाधिकारी) से मतदाता सूची मांगी गई है। सूत्रों के अनुसार मतदाता सूची नहीं मिल पाने की सूरत में वर्ष 2003 की मतदाता सूची के मसौदे को प्रकाशित किया जाएगा।

मालूम हो कि चुनाव आयोग ने बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) से पहले विभिन्न जिलों की 2002 की मतदाता सूची प्रकाशित करने का काम शुरू किया है। वहीं कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि बंगाल के प्राथमिक शिक्षकों को बीएलओ के रूप में काम करना होगा।

**बंगाल के दो विस क्षेत्रों में मिले 102 फर्जी मतदाता :** बंगाल के मयना व बारुईपुर पूर्व के बाद अब नंदकुमार व राजारहाट-गोपालपुर विधानसभा क्षेत्रों में 102 फर्जी मतदाताओं के नाम सामने आए हैं। इसे लेकर राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने उन विस क्षेत्रों के चुनाव पंजीकरण अधिकारियों से जवाब तलब किया है। सूत्रों के मुताबिक आरोप साबित होने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

# 'भाषाई संघर्ष भड़काने को ममता पर एनएसए लगे'

**नई दिल्ली, एएनआइ:** दिल्ली पुलिस द्वारा एक परिपत्र में बंगाली को बांग्लादेशी भाषा बताने के विवाद के बीच भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोमवार सुबह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। वजह, उन पर भाषाई संघर्ष भड़काने का आरोप है।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बनर्जी की प्रतिक्रिया गलत और खतरनाक रूप से भड़काऊ है। साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस के पत्र में कहीं भी बंगला या बंगाली को 'बांग्लादेशी' भाषा के रूप में नहीं बताया गया है। ऐसा दावा करना और बंगालियों से केंद्र के खिलाफ उठ खड़े होने का आह्वान करना अत्यंत गैर-जिम्मेदार है। ममता बनर्जी को इस आह्वान के लिए एनएसए के तहत जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। मालवीय ने एक्स पर कहा- "दिल्ली पुलिस की ओर से घुसपैठियों द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा को बांग्लादेशी के रूप में संदर्भित करना बिल्कुल सही है।"

मालवीय ने कहा कि बांग्लादेश की आधिकारिक भाषा न केवल बोली के रूप से भिन्न है, बल्कि इसमें सिलहटी जैसी बोलियां भी शामिल हैं जो भारतीय बंगालियों के लिए लगभग समझ से परे हैं।

- **भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा- बंगालियों से केंद्र के खिलाफ उठ खड़े होने का आह्वान करना अत्यंत गैर-जिम्मेदार**

अमित मालवीय। फाइल

मालवीय ने यह भी स्पष्ट किया कि बांग्लादेशी भाषा का उपयोग अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए भाषाई संकेतकों के रूप में किया गया है। इस बीच, ममता बनर्जी ने रविवार को दिल्ली पुलिस पर बंगाली को बांग्लादेशी भाषा के रूप में वर्णित करने का आरोप लगाया और इसे घृणित, राष्ट्रविरोधी और असंवैधानिक बताया।

# ममता ने अभिषेक बनर्जी को बनाया लोकसभा में संसदीय दल का नेता

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता**

- **मुख्य सचेतक के पद से कल्याण बनर्जी ने दिया इस्तीफा**

बंगाल की मुख्यमंत्री व पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने लोकसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता के पद से वरिष्ठ सांसद सुदीप बनर्जी को हटाकर उनके स्थान पर अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को नियुक्त कर दिया। सोमवार को पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के साथ एक वर्चुअल बैठक में इसकी घोषणा की। अब अभिषेक तय करेंगे कि सदन में कौन, किस मुद्दे पर और कब बोलेगा।

वहीं लोकसभा में तृणमूल के मुख्य सचेतक के पद से वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने इस्तीफा दे दिया। उनके स्थान पर लोकसभा में समन्वय का कार्य अब पार्टी की संसदीय दल की उपनेता काकोली घोष दस्तीदार और अभिषेक देखेंगे। सुदीप बनर्जी पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे हैं। इस कारण मौजूदा मानसून सत्र में वे एक दिन भी संसद में नहीं दिखे। तृणमूल के एक धड़े का कहना था कि ऐसी स्थिति में लोकसभा में पार्टी नेता बदलना अपरिहार्य था। कई का मानना है कि इस फैसले के साथ ही तृणमूल में अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए रोटेशन का दौर शुरू हो गया है।

ममता बनर्जी। फाइल

**लोकसभा में समन्वय का कार्य उपनेता काकोली घोष संभालेंगी**

तृणमूल के भीतर युवा और बुजुर्ग नेता को लेकर द्वंद्व चल रहा था। यह द्वंद्व मुख्य रूप से सुदीप के इर्द-गिर्द ही शुरू हुआ था। सांसद सौगत राय भी युवा-बुजुर्ग वाले विवाद में शामिल हो गए थे।

*********

# 200 वोटर का बदला पता, मृतकों के नाम भी दर्ज

**आशीष सिंह चिंटू ● जागरण**

- **बिहार के कटिहार में मतदाता सूची प्रारूप में सामने आईं गड़बड़ियां**
- **एक गृह संख्या पर हिंदू-मुस्लिम के नाम दर्ज**

**कटिहार :** बिहार में गहन मतदाता पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची प्रारूप में कई गड़बड़ियां सामने आ रही है। हिंदू मोहल्ले में रहने वाले मतदाता का प्रभाग मुस्लिम मोहल्ला हो गया है और मृत लोग अब भी मतदाता प्रारूप में यथावत हैं। इसके पीछे का कारण जो हो लेकिन यह प्रक्रिया अभी प्रारूप के स्टेज में ही है। आपत्ति दावा लिया जा रहा है। कोढ़ा विधानसभा अंतर्गत फलका प्रखंड बूथ संख्या 77 के लगभग 200 मतदाताओं का प्रभाग बदल गया है। इसमें फलका प्रखंड भाजपा अध्यक्ष परमानंद शर्मा व परिवार भी शामिल हैं। हालांकि, परमानंद ने इसे लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी से शिकायत के साथ सुधार की मांग की है।

हिंदू मोहल्ला विश्वनाथ नगर की जगह अब उनके पूरे परिवार सहित 200 हिंदू मतदाता के प्रभाग में मुस्लिम मोहल्ला रहमत नगर पकड़िया जुड़ गया है। इसी प्रकार रहमत नगर गांव के एक मुस्लिम परिवार सदिकुल आलम पिता मो. मुस्तफा का नाम विश्वनाथनगर प्रभाग में हो गया है। भाजपा अध्यक्ष परमानंद शर्मा ने कहा कि बीएलओ की कृपा से मतदाताओं का पता बदल गया है। उनका परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी से यहां रह रहा है। उनके समेत करीब 200 लोगों का नाम मतदाता सूची में रहमत नगर पकड़िया प्रभाग में चला गया है।

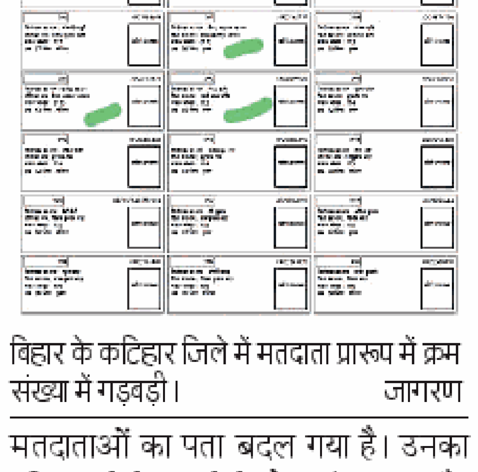

बिहार के कटिहार जिले में मतदाता प्रारूप में क्रम संख्या में गड़बड़ी। जागरण

**गृह संख्या एक, बदला धर्म :** कटिहार नगर निगम के तीनगछिया बाजार समिति क्षेत्र के वार्ड संख्या 44 का एक मामला भी चर्चा में है। यहां गृह संख्या में आगे शून्य लगा कर हिंदू और मुस्लिम परिवार का नाम दर्ज किया गया है। कटिहार विधान सभा क्षेत्र के मतदाता प्रारूप की पृष्ठ संख्या 11 पर क्रम संख्या 287 पर गृह संख्या 0173 में सैयद असलम आलम है। इसके आगे क्रम संख्या 290 पर गृह संख्या 173 दर्ज है और यहां नाम मिंटू ऋषि दर्ज है। नया टोला तीन गछिया स्थित गृह संख्या 173 में निवास करने वालीं मीनू देवी ने बताया कि यहां कोई मुस्लिम परिवार नहीं रहता है। वहीं, बरारी विधान सभा के बलथी महेशपुर गांव में मतदाता प्रारूप में मृत लोग के नाम भी दर्ज हैं। गांव निवासी शिवेश कुमार ने बताया कि उनके पिता उमेश यादव की मृत्यु 2021 में हो गई थी। लेकिन अब भी उनका नाम मतदाता सूची में दिख रहा है।

कटिहार के डीएम ने कहा है कि गृह संख्या वाली समस्या इधर उत्पन्न नहीं हुई है। मामला संज्ञान में आने के बाद मकान संख्या अलग-अलग करने को लेकर निर्देशित किया गया है।

**2.60** करोड़ रुपये की ठगी मुंबई में एक प्राइवेट कंपनी के सेवानिवृत्त अधिकारी से दो समूहों ने की। इन समूहों ने उन्हें शेयर बाजार में निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा किया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें सबसे पहले फेसबुक पर इस तरह के निवेश से संबंधित एक विज्ञापन मिला।

## न्यूज गैलरी

### सीएम के विमान को पायलटों ने गलत स्थान पर उतारा

**जयपुर:** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शैर्मा को ले जा रहा चार्टर विमान पायलटों की चूक के चलते गलत जगह पर उतार दिया गया। यह मामला 31 जुलाई का है जोकि सुरक्षा चूक से भी जुड़ा है। डायरेक्टर जनरल आफ सिविल एविएशन ने इस मामले की जांच शुरू की है। वहीं चार्टर विमान संचालन करने वाली कंपनी का कहना है कि दोनों एयरस्ट्रिप की स्थिति एक जैसी थी, इस वजह से पायलटों को भ्रम हुआ था। रिपोर्ट आने के बाद डीजीसीए ने दोनों पायलटों को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया है। (जासं)

### कर्नाटक के तुमकुरु में 20 मोर मृत पाए गए

**तुमकुरु:** कर्नाटक के तुमकुरु जिले में सोमवार को 20 मोर रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए। अधिकारियों के अनुसार, मृत पक्षियों में तीन नर और 17 मादा शामिल हैं। तुमकुरु जिले के मधुगिरि तालुक के हनुमंतपुरा गांव में स्थानीय किसानों ने इन मृत मोरों को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। वन विभाग ने नमूने एकत्र कर एफएसएल को विश्लेषण के लिए भेज दिए हैं। (प्रेट्र)

### एम्स नागपुर की इंटर्न ने की आत्महत्या

**नागपुर :** एम्स नागपुर के एक 22 वर्षीय इंटर्न ने हास्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि संकेत पंडितराव दाभाड़े रविवार को एम्स हास्टल के अपने कमरे के बाथरूम के दरवाजे से लटका पाया गया। उन्होंने बताया कि परभणी जिले के जिंतूर के रहने वाले दाभाड़े ने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी और एम्स में इंटर्नशिप कर रहा था। (प्रेट्र)

### कर्नाटक में जहरीले बीज खाने से नौ बच्चे अस्पताल में भर्ती

**चामराजनगर:** कर्नाटक के चामराजनगर में जहरीले बीज खाने के बाद नौ बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चों के माता-पिता महाराष्ट्र से गन्ने की कटाई के लिए चाम्राजनगर जिले आए हुए हैं। रविवार को कुछ बच्चों ने मरालेकाय (मार्किंग नट) नामक पौधे के जहरीले बीज खा लिए, जिसके बाद उल्टी होने लगी। बच्चों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। (प्रेट्र)

### नेहा हिरेमथ हत्याकांड के आरोपित को जमानत नहीं

**हुबली:** कर्नाटक की एक अदालत ने सोमवार को फैयाज की जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसने कालेज परिसर में 23 वर्षीय छात्रा नेहा हिरेमथ की हत्या कर दी थी। जज ने जमानत याचिका खारिज कर दी। एमसीए प्रथम वर्ष की छात्रा नेहा कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी थी। फैयाज ने प्रेम प्रस्ताव को अस्वीकार करने पर कालेज परिसर में चाकू मारकर हत्या कर दी थी। (प्रेट्र)

### मणिपुर में आठ उग्रवादी को किया गया गिरफ्तार

**इंफाल:** मणिपुर के इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व और बिष्णुपुर जिलों में सुरक्षा बलों ने रविवार को जबरन वसूली और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में चार अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों के आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि कंगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी के पांच सक्रिय कार्यकर्ताओं को तीन जिलों के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया। (प्रेट्र)

### गुजरात में मनाया जाएगा विश्व संस्कृत दिवस समारोह

**गांधीनगर:** गुजरात सरकार विश्व संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में छह से आठ अगस्त तक तीन दिवसीय समारोह का आयोजन करेगी। हर साल संस्कृत दिवस श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस भाषा को बढ़ावा देने को संस्कृत सप्ताह भी मनाया जाता है। विश्व संस्कृत दिवस नौ अगस्त को व संस्कृत सप्ताह छह से 12 अगस्त, 2025 तक मनाया जाएगा। (एएनआइ)

दैनिक जागरण **कितने सुरक्षित हैं स्कूल?**

# मवेशी, जलभराव और भवन में सीलन के साथ तैयार हो रहा 'भविष्य'

वस्तर संभाग के जगदलपुर में स्थित हल्बा कोट में पूर्व माध्यमिक शाला का जर्जर भवन। नईदुनिया

बिहार में बक्सर के डुमरांव प्रखंड के अरियांव पंचायत स्थित मध्य विद्यालय, डुभुकी में स्कूल में खेलने के स्थान पर बंधे मवेशी। जागरण

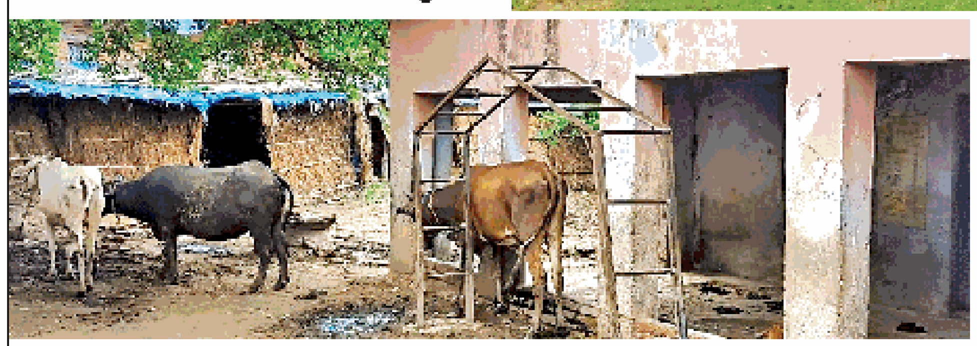

प्रयागराज के बहरिया विकासखंड का प्राथमिक विद्यालय धर्मपुर घुरवा हर वर्ष वर्षा और बाढ़ के समय डूब जाता है। बच्चों को दूसरे स्थान पर ले जाना पड़ता है, इससे पठन पाठन प्रभावित होता है। परिसर में छह कक्ष हैं, सभी जर्जर हो चुके हैं। छत भी टपकती है। चारदीवारी टूट चुकी है। जागरण

प्रयागराज में दारागंज स्थित राधा रमण इंटर कालेज का जर्जर भवन। जागरण

## छत्तीसगढ़ में जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत कराने के लिए कलेक्टर को निर्देश

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● रायपुर :** छत्तीसगढ़ के जर्जर स्कूल भवनों की सुध आखिरकार स्कूल शिक्षा विभाग ने ली है। स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि मरम्मत योग्य स्कूल भवनों की तत्काल मरम्मत कराई जाए और जिन भवनों की स्थिति अत्यंत जर्जर है, वहां कक्षाएं किसी अन्य सुरक्षित शासकीय भवन में संचालित की जाएं।

'दैनिक जागरण' के सहयोगी प्रकाशन 'नईदुनिया' में प्रकाशित विशेष रिपोर्ट में स्कूल भवनों की जर्जर स्थिति और बच्चों पर मंडराते खतरे को उजागर किया गया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि कैसे प्रदेश के सैकड़ों स्कूल ऐसे खतरनाक भवनों में संचालित हो रहे हैं, जहां दीवारों में दरारें हैं, छत से पानी टपकता है और फर्श फिसलन भरा हो गया है।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ में लगभग 8,106 स्कूल भवन जर्जर घोषित हैं, जिनमें 3789 भवन खराब स्थिति में हैं। सचिव परदेशी द्वारा कलेक्टरों को भेजे गए निर्देशों में कहा गया कि चिन्हित किए स्कूल भवनों का कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कराया जाए। यह कार्य शासन द्वारा आबंटित राशि या डीएमएफ, सीएसआर, एससीए फंड से कराए जाएं।

# 'प्रभावशाली व्यक्तियों का सीधे शीर्ष अदालत के पास आना सही नहीं'

- भूपेश बघेल व चैतन्य को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, हाई कोर्ट जाने को कहा

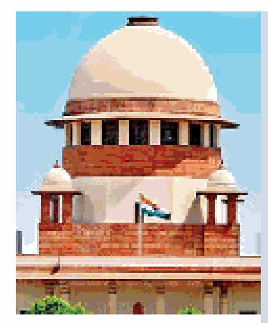

**कहा-ऐसा होता रहा, तो आम लोगों व वकीलों के लिए कोर्ट में जगह नहीं बचेगी**

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आपराधिक मामलों में राहत पाने के लिए प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा सीधे उसके पास आने की प्रथा की निंदा की। अदालत ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल को केंद्रीय जांच एजेंसियों की ओर से की जा रही जांच के सिलसिले में हाई कोर्ट जाने को कहा। ये मामले छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले और अन्य केस से संबंधित हैं।

जस्टिस सूर्यकांत और जायमाल्या बागची की पीठ ने पूछा कि प्राथमिकी, गिरफ्तारी और रिमांड तथा मनी लांड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रविधानों के खिलाफ उनकी याचिकाओं पर शीर्ष अदालत को क्यों विचार करना चाहिए? याचिकाकर्ता हाई कोर्ट क्यों नहीं गए। वह भी संवैधानिक न्यायालय है और इस मुद्दे पर फैसला सुना सकता है। यही वह समस्या है, जिसका हम सामना कर रहे हैं। हाई कोर्ट इस मुद्दे पर फैसला क्यों नहीं कर सकता, अन्यथा उन अदालतों का क्या फायदा? यह नया चलन है, जब कोई संपन्न व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट का रुख करता है, तो हम अपना रुख बदलना शुरू कर देते हैं। अगर ऐसा ही होता रहा, तो आम लोगों और उनके साधारण वकीलों के लिए सुप्रीम कोर्ट में जगह नहीं बचेगी।

भूपेश बघेल और चैतन्य बघेल ने जांच एजेंसियों की दंडात्मक कार्रवाई और पीएमएलए के प्रविधानों को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में अलग-अलग याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि गिरफ्तारी की घटना पूरे देश में हो रही है। ईडी जैसी जांच एजेंसियां टुकड़ों में आरोपपत्र दाखिल कर रही हैं और किसी को भी फंसाकर सबको गिरफ्तार कर रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश सिब्बल ने कहा कि ऐसा नहीं चल सकता। लोगों का नाम एफआइआर या शुरुआती आरोपपत्र में नहीं होता, लेकिन अचानक उनके नाम पूरक आरोपपत्र में आ जाते हैं और उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। बघेल के बेटे की ओर से पेश सिंघवी ने कहा कि उनके मुवक्किल का नाम दो-तीन आरोपपत्रों में नहीं था। लेकिन मार्च में अचानक उनके घर पर छापा मारा गया और बाद में एक पूरक आरोपपत्र में उनका नाम आने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

# आतंकियों को मार गिराने के लिए ड्रोन से गिराए बम

## कुलगाम के अक्खाल जंगल में सैन्य अभियान चौथे दिन भी जारी, पैरा कमांडो भी उतारे गए, मौजूदा वर्ष में यह सबसे लंबी मुठभेड़

### आतंकियों के सफाए के लिए सेना ने अटैक हेलीकाप्टर रुद्र भी लगाया

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर**

- अपना घेरा लगातार तंग करते जा रहे जवान
- तीन आतंकियों के मारे जाने की सूचना
- मुठभेड़ में अब तक एक सैन्याधिकारी समेत चार सुरक्षाकर्मी घायल

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में तैनात सुरक्षा बल, मुठभेड़स्थल के चारों तरफ से की गई है नाकेबंदी। फाइल

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में छिपे आतंकियों को मार गिराने का अभियान सोमवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। सुरक्षाबल ने आतंकियों के संभावित ठिकाने पर ड्रोन से भी बम गिराए। सेना के अटैक हेलीकाप्टर रुद्र भी अभियान में शामिल किए गए हैं। चार जगहों पर पैरा कमांडो के दस्ते उतारे गए हैं। इसके साथ ही आतंकियों के बच निकलने की किसी भी संभावना को समाप्त करने के लिए मुठभेड़स्थल के चारों तरफ से नाकेबंदी करते हुए हुए जवान तलाशी लेते हुए घेरा लगातार तंग करते जा रहे हैं। मुठभेड़ स्थल पर तीन से चार जगहों से फायरिंग हो रही है।

मौजूदा वर्ष में यह अब तक की सबसे लंबी मुठभेड़ है और आतंकी ठिकाने पर ड्रोन से हमले का यह दूसरा अवसर है। इससे पहले सितंबर 2023 में अनंतनाग के गडूल में भी आतंकियों के ठिकाने पर ड्रोन से बम बरसाए गए थे। कुलगाम में अक्खाल के जंगल के ऊपरी हिस्से में यह मुठभेड़ शुक्रवार शाम को शुरू हुई थी, जब वहां आतंकियों के जमा होने की सूचना पर अभियान चलाया गया था। मुठभेड़ में अब तक एक सैन्याधिकारी समेत चार सुरक्षाकर्मी घायल हो चुके हैं। तीन आतंकियों के मारे जाने की सूचना है, लेकिन अभी एक ही आतंकी का शव कब्जे में ले पाए हैं। अधिकारियों की मानें तो मारे गए आतंकियों के शव को कब्जे में लेने के प्रयास में एक सुरक्षाकर्मी जख्मी हुआ है।

### कुपवाड़ा में एलओसी के पास हथियारों का जखीरा बरामद

सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में अपने आतंकरोधी अभियान के तहत सोमवार को एलओसी के साथ सटे कलारूस में एक आतंकी ठिकाने से हथियारों का जखीरा बरामद किया है। इसमें 12 चाइनीज ग्रेनेड, एक चाइनीज पिस्तौल, मैगजीन और कारतूस समेत आइईडी तैयार करने का उर्दू में लिखा मैन्युअल, रेडियो सेट, फायर स्टिक्स व अन्य साजो-सामान शामिल है। इसे जंगल में स्थित एक गुफा से बरामद किया गया है। जंगल में आसपास ही कहीं आतंकियों के छिपे होने की सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान जारी रखा हुआ है।

### आतंकियों के खिलाफ दुर्गम क्षेत्र में चल रहा है सैन्य आपरेशन

संबंधित सूत्रों ने बताया कि जिस इलाके में यह मुठभेड़ हो रही है, वह अत्यंत दुर्गम है। इसके अलावा वहां कई प्राकृतिक गुफाएं और घना जंगल भी है। यह इलाका आतंकियों द्वारा एक ट्रांजिट रूट की तरह भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसके अलावा इस क्षेत्र में रियासी और राजौरी की तरफ से आतंकियों के दो दलों (जिनमें छह से सात आतंकी बताए जाते हैं) के छिपे होने की भी सूचना है। उन्होंने बताया कि आतंकियों को मार गिराने के लिए सुरक्षाबल धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं, ताकि किसी भी तरह से अपनी जनक्षति से बचा जा सके। आतंकियों की सही स्थिति का पता लगाने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों के अलावा हेलीकाप्टर और ड्रोन व खोजी श्वान का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

## पुरी में कड़ी सुरक्षा के बीच दफनाया गया छात्रा का शव

**जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर :** ओडिशा के पुरी जिले के बलंगा गांव में 19 जुलाई को तीन बदमाशों द्वारा नाबालिग छात्रा पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की घटना ने हिलाकर रख दिया था। छात्रा की मृत्यु दो अगस्त को एम्स दिल्ली में इलाज के दौरान हो गई। रविवार रात उसका शव सर्विस फ्लाइट से भुवनेश्वर लाया गया व सोमवार को बलंगा में कड़ी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किया गया। सामूहिक नमाज के बाद उसे दफनाया गया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री प्रभाति परिड़ा और पिपिली विधायक आश्रित पटनायक ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीड़िता के पिता मीर लियाकत अली द्वारा कब्र खोदने का दृश्य भावुक था, जिससे वहां सभी की आंखों में आंसू आ गए। छात्रा के पिता ने एक वीडियो में कहा कि उनकी बेटी ने मानसिक तनाव के कारण आत्मदाह किया, जबकि पहले की एफआइआर में मां ने तीन लड़कों पर आरोप लगाया था। बीजू जनता दल (बीजद) ने घटना के विरोध में 7 अगस्त को पुरी में छह घंटे का बंद बुलाया है।

# 'मालेगांव केस में हिंदू नेताओं को फंसाने पर कांग्रेस माफी मांगे'

**जागरण संवाददाता, मेरठ**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर और मेरठ में सोमवार को नई विकास योजनाओं की नींव रखी। इस दौरान मालेगांव में विस्फोट के बहाने कांग्रेस को भी घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कुत्सित मानसिकता के साथ शीर्ष और निर्दोष हिंदू नेताओं को फंसाने का षड्यंत्र किया। यह एक आतंकी कृत्य है। कांग्रेस ने देशद्रोह किया था। इसके लिए उसको देश से माफी मांगनी होगी।

सीएम योगी ने सोमवार को पहले सत्र में सहारनपुर में 381 करोड़ रुपये की 15 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। शाम को मेरठ में रैपिड रेल कारिडोर के पास सात सौ एकड़ में 2517 करोड़ रुपये की लागत वाली अटल शताब्दी इंटीग्रेटेड टीओडी टाउनशिप का भूमि पूजन किया। यह प्रदेश की पहली टीओडी टाउनशिप है। मुख्यमंत्री ने सहारनपुर के जनमंच सभागार में 15 योजनाओं का लोकार्पण करने के साथ ही अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को चेक भी दिए। उन्होंने कहा कि पहले सहारनपुर में हताशा, निराशा एवं पलायन था। वुडकार्विंग उद्योग पिछड़ गया था, लेकिन डबल इंजन सरकार ने इसे वैश्विक पहचान दिलाई। सपा सरकार ने इसकी कारीगरी समाप्त करने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि मेरठ में प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी भी बना रहे हैं। प्रयागराज तक बनने वाला गंगा एक्सप्रेसवे साल के अंत तक संचालित हो जाएगा।

सहारनपुर में सोमवार को जनमंच सभागार में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के अंतर्गत विकास योजनाओं का लाकार्पण एवं लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। जागरण

## गृह मंत्री अमित शाह ने लोगों से की अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी नागरिकों से सोमवार को अपील की कि वे अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं और 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत निर्धारित पोर्टल पर तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करें।

गृह मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई पहल 'हर घर तिरंगा' अभियान ने देशवासियों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह अभियान जन-जन से जुड़ चुका है। प्रत्येक देशवासी में राष्ट्र प्रेम और देशभक्ति की भावना इस अभियान के माध्यम से साफ दिखाई दे रही है। मैं सभी देशवासियों, विशेषकर युवाओं से अपील करता हूं कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर 'हरघरतिरंगा डाट काम' पर अपलोड करें। 'हर घर तिरंगा' अभियान 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत शुरू किया गया है।

# फर्जी मुठभेड़ मामले में रिटायर्ड एसएसपी समेत पांच पुलिस अधिकारियों को उम्रकैद

**जागरण संवाददाता, मोहाली**

- तरनतारन में वर्ष 1993 में हुई थी तीन एसपीओ सहित सात की हत्या
- 32 वर्ष बाद मिला न्याय, सीबीआइ की स्पेशल कोर्ट का फैसला

पंजाब के तरनतारन में वर्ष 1993 में हुए फर्जी मुठभेड़ मामले में 32 वर्ष बाद सीबीआइ की विशेष अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए रिटायर्ड एसएसपी भूपेंद्रजीत सिंह, डीएसपी दविंदर सिंह, इंस्पेक्टर सूबा सिंह, एएसआइ गुलबर्ग सिंह और एएसआइ रघुबीर सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने सभी दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी माना। आरोप था कि इन पुलिस अधिकारियों ने सात लोगों की हत्या की और उसे मुठभेड़ का रूप दे दिया। सीबीआइ के अनुसार, मुठभेड़ पूरी तरह से फर्जी थी। मारे गए व्यक्तियों को पुलिस ने अवैध रूप से हिरासत में लेकर गोली मारी थी।

यह मामला 12 जुलाई, 1993 को तरनतारन जिले में घटित हुआ था, जब पुलिस ने गांव संगतपुरा के पास तीन स्पेशल पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) सहित सात युवाओं को फर्जी मुठभेड़ में मार डाला। घटना के दिन तरनतारन जिले के गांव रानीवल्लाह से संबंधित एसपीओ शिंदर सिंह उर्फ शिंदा, सुखदेव सिंह और देसा सिंह तैनात थे। इनकी ड्यूटी शराब ठेकेदार जोगिंदर सिंह के साथ थी। इसी गांव से संबंधित काला सिंह घरेलू कामकाज करता था। थाना सरहाली और गोइंदवाल साहिब में हुई वारदात के संबंध में पुलिस ने सुखदेव सिंह, देसा सिंह और काला सिंह को अवैध रूप से हिरासत में लिया। बाद में उनके खिलाफ आतंकी वारदात को अंजाम देने के मुकदमे दर्ज किए गए। पुलिस ने उस समय दावा किया था कि इन तीनों को असलहे की बरामदगी के लिए ले जाया जा रहा था, जबकि चार आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया था। मुठभेड़ में चारों आतंकियों व तीन एसपीओ की मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने शवों को लावारिस करार देकर श्मशानघाट में अंतिम संस्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआइ ने जांच की, जिसमें कुल दस पुलिस अधिकारी और कर्मी दोषी पाए गए। सुनवाई के दौरान पांच आरोपितों गुरदेव सिंह, ज्ञान चंद, जागीर सिंह, महिंदर सिंह व ऊड़ सिंह की मृत्यु हो चुकी थी। एसपीओ शिंदर सिंह के लड़के निशान सिंह ने बताया कि परिवार को दोषी पुलिस अधिकारियों ने कई बार धमकियां दीं। लालच भी दिए गए लेकिन मां ने हार नहीं मानी।

## सड़क जाम के 24 वर्ष पुराने मामले में बिहार में विधायक को जेल

**जागरण संवाददाता, जहानाबाद :** सड़क जाम के 24 वर्ष पुराने केस में बिहार में जहानाबाद न्यायालय ने सोमवार को अरवल के माले विधायक महानंद सिंह को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जहानाबाद सदर थाने में महानंद सिंह पर केस हुआ था, जिसमें 2001 में एक बार जमानत लेने के बाद विधायक न्यायालय में कभी उपस्थित नहीं हुए। कोर्ट ने 2022 में विधायक को भगोड़ा घोषित कर दिया था। सोमवार को विधायक समर्पण कर जमानत लेने आए, परंतु जहानाबाद अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी अनीश कुमार ने उनकी अर्जी खारिज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

2001 में भाकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य की झारखंड में गिरफ्तारी हुई थी, जिसके विरोध में सात मार्च 2001 को माले नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम किया था।

# अब हर सुनवाई में सड़क मार्ग से आएंगे अधिकारी, तब समझ आएगा जनता का दर्द

**नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर**

- जनहित याचिका पर हाई कोर्ट की एनएचएआइ को फटकार
- प्रोजेक्ट मैनेजर को सड़क मार्ग से होकर कोर्ट में किया तलब

बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे की दयनीय स्थिति पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। हाईवे की मरम्मत में लापरवाही के चलते नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया (एनएचएआइ) के प्रोजेक्ट मैनेजर को कोर्ट ने नोटिस जारी कर व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि प्रोजेक्ट मैनेजर स्वयं उसी खराब सड़क मार्ग से यात्रा कर कोर्ट में पेश हों, ताकि उन्हें जनता की कठिनाइयों का अनुभव हो सके। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान एनएचएआइ के अधिवक्ता से तीखे सवाल पूछे। कोर्ट ने कहा, मिस्टर धीरज वानखेड़े, आप तो रोज रायपुर जाते होंगे, क्या आपने इस हाईवे की स्थिति देखी है?

अदालत ने एनएचएआइ की लापरवाही को गंभीरता से लिया और कहा कि इससे आम जनता की जान जोखिम में है। सड़क पर छोड़े गए मटेरियल के कारण वाहन चालकों को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि मवेशी भी इस लापरवाही की चपेट में आकर सड़क दुर्घटनाओं में मारे जा रहे हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अब केवल एफिडेविट से बात नहीं बनेगी। जब तक संबंधित अधिकारी खुद सड़क पर सफर कर इसकी बदहाली को महसूस नहीं करेंगे, तब तक सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती। अगली सुनवाई मंगलवार को होगी, जिसमें प्रोजेक्ट मैनेजर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। बिलासपुर-रायपुर हाईवे राजधानी रायपुर और बिलासपुर को जोड़ने वाला करीब 120 किमी दूरी का मार्ग है। कोर्ट के इस कदम से यह स्पष्ट होता है कि न्यायालय अब कागजी कार्यवाही पर संतोष नहीं करेगा, बल्कि वास्तविकता का सामना करने के लिए अधिकारियों को मजबूर करेगा। यह निर्णय जनता की समस्याओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

********

# घर में चैन की नींद सोते हैं क्योंकि सीमा पर सेना तैनात है : सुप्रीम कोर्ट

- कर्नल पर हमले की जांच सीबीआइ को सौंपने के खिलाफ दायर याचिका खारिज
- याचिका दायर करने वाले पुलिस अधिकारियों पर भारी जुर्माना भी लगाया

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सुप्रीम कोर्ट ने पार्किंग विवाद को लेकर पंजाब पुलिस के जवानों द्वारा एक कर्नल पर कथित हमले की जांच सीबीआइ को सौंपे जाने के खिलाफ दायर याचिका सोमवार को खारिज कर दी और कहा कि आप अपने घर में चैन की नींद सोते हैं, क्योंकि सीमा पर सेना तैनात है। कथित घटना 13 और 14 मार्च की रात को हुई, जब कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाथ और उनका बेटा पटियाला में सड़क किनारे एक ढाबे पर खाना खा रहे थे।

जस्टिस संजय कुमार और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ आरोपित पुलिस अधिकारियों द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा-जब युद्ध चल रहा होता है, तब आप इन सेना अधिकारियों की महिमा गाते हैं... सेना के लोगों का कुछ सम्मान कीजिए। आप अपने घर में चैन की नींद सोते हैं, क्योंकि माइनस 40 डिग्री तापमान में सीमा पर सेना तैनात है। हम इस अपील को भारी जुर्माने के साथ खारिज करते हैं। इस तरह की अराजकता स्वीकार्य नहीं है। सीबीआइ को इसकी जांच करने दीजिए। वे आपकी रक्षा करने जाते हैं और राष्ट्रीय ध्वज में लिपटकर वापस आते हैं। आरोपित पुलिस अधिकारियों ने 16 जुलाई को हाई कोर्ट द्वारा मामले की जांच सीबीआइ को सौंपने के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। शीर्ष अदालत का निर्देश हाई कोर्ट द्वारा जांच को लेकर चंडीगढ़ पुलिस को फटकार लगाने के दो दिन बाद आया है।

## बिल्डर ने खुला छोड़ दिया छह फीट गहरा गड्ढा, डूबने से तीन बच्चों की मौत

**जागरण संवाददाता, मेरठ :** बिल्डर की लापरवाही से निर्माणाधीन कालोनी में गड्ढे में भरे बरसात के पानी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। रविवार को तीनों चाकलेट लेकर दुकान से लौट रहे थे और गड्ढे में डूब गए। बिल्डर ने 40 दिन पहले जेसीबी से कालोनी में खोदाई कर छह फीट गहरा गड्ढा खुला छोड़ दिया था। इसमें बरसात का पानी भरा था। 20 घंटे बाद सोमवार सुबह घर से सौ मीटर की दूरी पर तीनों के शव उतराते मिले। आक्रोशित स्वजन ने बागपत मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। पुलिस ने समझाकर जाम खुलवाया।

सिवालखास निवासी हिम्मत सेटरिंग का काम करते हैं। आठ वर्षीय बेटे ऋतिक के जिद करने पर हिम्मत ने पांच रुपये दे दिए। वह चाकलेट लेने दुकान पर गया। वह पड़ोसी जितेंद्र की नौ वर्षीय बेटी मानवी व आठ वर्षीय बेटे शिवांश उर्फ शिबू को भी साथ ले गया था।

अप्रैल-जून, 2025 हिंदी बेस्टसेलर में कथेतर श्रेणी की सूची

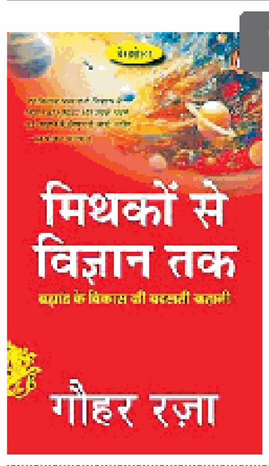

**1 मिथकों से विज्ञान तक ब्रह्मांड के विकास...**
**लेखक:** गौहर रजा
**प्रकाशक:** पेंगुइन रैंडम हाउस
ब्रह्मांड की उत्पत्ति कैसे और क्यों हुई। 'कैसे' से शुरू होने वाले सवाल विज्ञान की तरफ ले जाते हैं और 'क्यों' से शुरू होने वाले अध्यात्म और धर्म की तरफ।

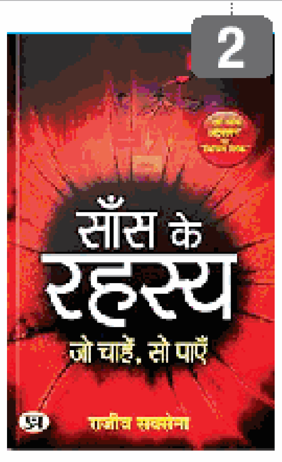

**2 सांस के रहस्य**
**लेखक:** राजीव सक्सेना
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन
सांस का सीधा संबंध मन की स्थिति से है। सांसों में परिवर्तन कर भावनाओं, विचारों और मन को नियंत्रित कर सकते हैं। पुस्तक आसान भाषा में इन रहस्यों से पर्दा उठाने के साथ इसकी आध्यात्मिक तकनीक भी बताती है।

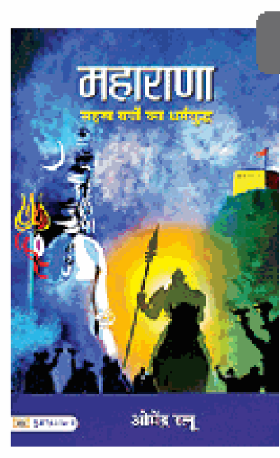

**3 महाराणा : सहस्र वर्षों का धर्मयुद्ध**
**लेखक:** ओमेन्द्र रत्नू
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन
एक सहस्र वर्ष तक अरावली की पहाड़ियों में यायावरों सा जीवन जीने वाले मेवाड़ के वीर योद्धाओं के कारण ही भारत में आज केसरिया लहराता है।

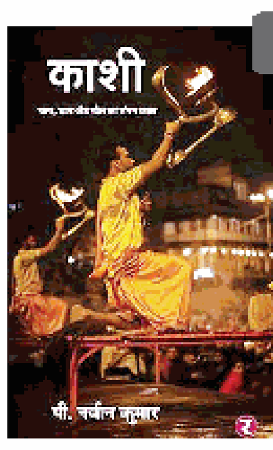

**4 काशी : सत्य, ज्ञान और मोक्ष का संगल स्थल**
**लेखक:** पी. नवीन कुमार
**प्रकाशक:** राजमंगल प्रकाशन
रील्स और वीडियो के इस जमाने में यह पुस्तक युवा पीढ़ी को काशी की आध्यात्मिक विरासत से परिचित कराती है। इसमें गलियों और घाटों का विवरण भी है।

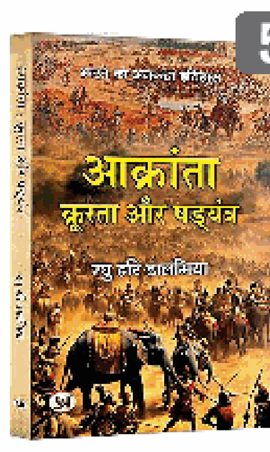

**5 आक्रांता, क्रूरता और षड्यंत्र**
**लेखक:** रघु हरि डालमिया
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन
पुस्तक भारतीय इतिहास के उन काले अध्यायों को उजागर करती है, जहां विदेशी आक्रांताओं ने हिंदू सभ्यता को नष्ट करने और अपना शासन स्थापित करने का प्रयास किया। यह संघर्षों और चुनौतियों पर प्रकाश डालती है।

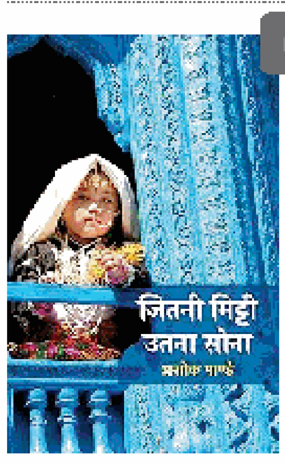

**6 जितनी मिट्टी उतना सोना**
**लेखक:** अशोक पाण्डे
**प्रकाशक:** हिंद युग्म
पर्यटन और संस्कृति के जिज्ञासुओं को यह पुस्तक रोमांचित करती है। साथ ही, हिमालय के एक अनजान क्षेत्र और संस्कृति से आपका परिचय कराती है।

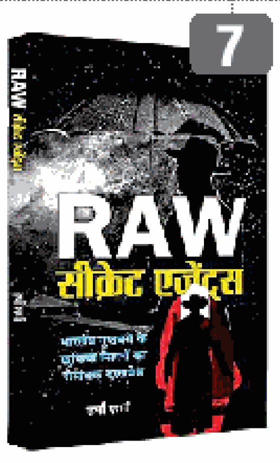

**7 रा सीक्रेट एजेंट्स**
**लेखक:** हर्षा शर्मा
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन
पुस्तक में आपको पता चलता है कि जासूसों की जिंदगी जेम्स बांड जैसी नहीं होती, बल्कि वे सामान्य लोग ही होते हैं, जो असामान्य कार्यों को अंजाम देते हैं। उनके संघर्षों से समाज पूरी तरह बेखबर होता है।

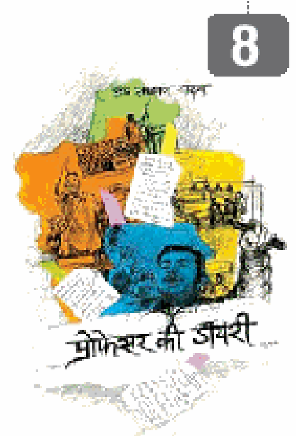

**8 प्रोफेसर की डायरी**
**लेखक:** लक्ष्मण यादव
**प्रकाशक:** अनबाउंड स्क्रिप्ट
यह पुस्तक डायरी, टिप्पणियों की शैली में अपने समय की बहुत अच्छी तरह से तफ्तीश करती है। इसमें समाज और राजनीति की बड़ी परिघटनाएं हैं तो उनके बीच आकार लेते एक प्रबुद्ध युवक की कहानी भी है।

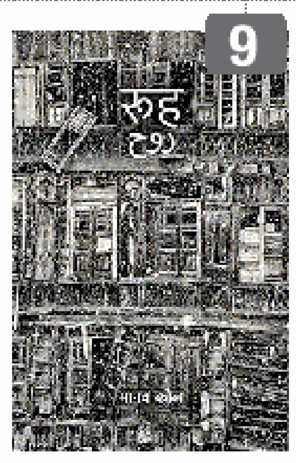

**9 रूह**
**लेखक:** मानव कौल
**प्रकाशक:** हिंद युग्म
कश्मीर के पथरीले और टेढ़े-मेढ़े रास्तों पर चलते हुए जीवन के नवांकुर देखने के बाद बचपन की यादों को बहुत ही मर्मस्पर्शी ढंग से समेटते हुए आज और कल की तुलना की गई है।

**10 भारतवर्ष के आक्रांताओं की कलंक कथाएं**
**लेखक:** परशुराम गुप्त
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन
भारतवर्ष की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत व धार्मिक स्थलों पर प्रहार करने वाले विदेशी आक्रांताओं के क्रूर कृत्यों को संवेदना के साथ प्रस्तुत करती है यह पुस्तक।

**विस्तारित सूची**

कल पढ़िये अनुवाद श्रेणी की सूची

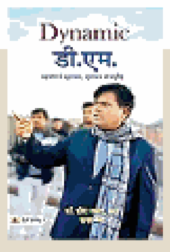

**11 डायनेमिक डीएम**
**लेखक:** डा. हीरालाल एवं कुमुद वर्मा
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन

**12 सुपरकाप अजीत डोभाल**
**लेखक:** महेश दत्त शर्मा
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन

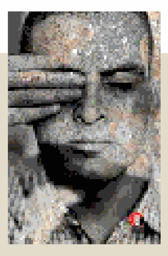

**13 कतरनें**
**लेखक:** मानव कौल
**प्रकाशक:** हिंद युग्म

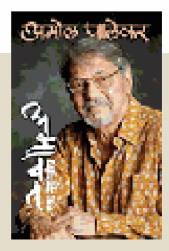

**14 अमानत : एक स्मृतिकोष**
**लेखक:** अमोल पालेकर
**प्रकाशक:** वेस्टलैंड बुक्स

**15 यार बटोही**
**लेखक:** चौदह लेखक
**प्रकाशक:** हिंद युग्म

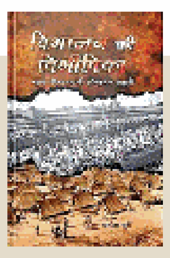

**16 विभाजन की विभीषिका**
**लेखक:** मनोहर पुरी
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन

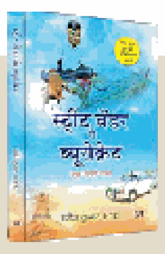

**17 स्ट्रीट वेंडर से ब्यूरोक्रेट**
**लेखक:** मनोज कुमार
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन

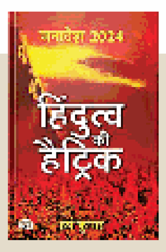

**18 जनादेश 2024 : हिंदुत्व की हैट्रिक**
**लेखक:** हर्ष कुमार
**प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन

**19 रुक जाना नहीं**
**लेखक:** निशांत जैन
**प्रकाशक:** हिंद युग्म

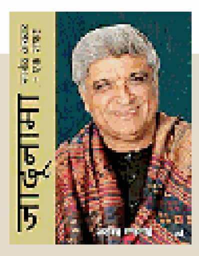

**20 जादूनामा : जावेद अख्तर एक सफर**
**लेखक:** अरविंद मंडलोई
**प्रकाशक:** मंजुल पब्लिशिंग हाउस

# सुप्रीम कोर्ट ने कहा—बांके बिहारी मंदिर का धन श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर हो खर्च

## मंदिर का प्रबंधन अंतरिम तौर पर हाई कोर्ट के सेवानिवृत जज की कमेटी को देने के दिए संकेत

### शीर्ष कोर्ट ने कहा- मंदिर का पैसा किसी की जेब में क्यों जाए, आज फिर होगी मामले की सुनवाई

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन और मंदिर के पैसे का इस्तेमाल कारिडोर बनाने में किए जाने के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान कहा कि मंदिर का पैसा श्रद्धालुओं की सुविधा पर खर्च होना चाहिए। वह किसी की जेब में क्यों जाए? इसके साथ ही कोर्ट ने अध्यादेश जारी करने में उत्तर प्रदेश सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए पूछा कि अध्यादेश जारी करने की इतनी जल्दी क्या थी? कोर्ट ने मंदिर का पैसा कारिडोर बनाने में प्रयोग करने की इजाजत के 15 मई के आदेश को भी फिलहाल टालने के संकेत देते हुए यह भी इशारा किया कि कोर्ट बांके बिहारी मंदिर का प्रबंधन अंतरिम तौर पर हाई कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली कमेटी को सौंप सकता है। कोर्ट ने इस मुद्दे पर सभी पक्षकारों से सुझाव मांगे।

बांके बिहारी मंदिर। फाइल

शीर्ष कोर्ट मंगलवार को इस मामले पर फिर सुनवाई करेगा।

ये टिप्पणियां और संकेत जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्या बागची की पीठ ने बांके बिहारी मंदिर के मामले में दाखिल विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिए। सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं लंबित हैं जिनमें उत्तर प्रदेश सरकार के मंदिर प्रबंधन के लिए ट्रस्ट गठित करने के अध्यादेश को चुनौती दी गई है। इसके अलावा कुछ याचिकाएं बांके बिहारी मंदिर के गोस्वामियों की ओर से भी दाखिल की गई हैं जिनमें मंदिर का प्रबंधन ट्रस्ट को सौंपे जाने के अध्यादेश के साथ ही प्रस्तावित कारिडोर बनाने के लिए मंदिर का पैसा इस्तेमाल करने के सुप्रीम कोर्ट के गत 15 मई के आदेश को वापस लेने की मांग की गई है।

सोमवार को वरिष्ठ वकील श्याम दीवान, कपिल सिब्बल और अमित आनंद तिवारी ने गोस्वामियों की ओर से कोर्ट में पक्ष रखा। दीवान ने कहा कि बांके बिहारी मंदिर एक प्राइवेट मंदिर है, जिसका प्रबंधन वर्षों से गोस्वामी परिवार द्वारा किया जा रहा है। अब सरकार इसका प्रबंधन अपने हाथ में लेना चाहती है। इसके अलावा, दीवान ने कोर्ट के 15 मई के आदेश के उस भाग को वापस लेने का अनुरोध किया, जिसमें मंदिर के पैसे का इस्तेमाल कारिडोर बनाने के लिए करने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने कहा कि यह आदेश उनके पक्ष को सुने बिना दिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें मामले में पक्षकार नहीं बनाया था और कोर्ट में एक अन्य गिरिराज मंदिर के लंबित सिविल विवाद में इस बांके बिहारी मंदिर के बारे में एक अर्जी दाखिल करके सुप्रीम कोर्ट से यह आदेश ले लिया है। दीवान ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने बांके बिहारी मंदिर के जो अधिकृत पक्षकार थे, उन्हें अर्जी में पक्षकार क्यों नहीं बनाया। हालांकि, प्रदेश सरकार का कहना था कि बांके बिहारी मंदिर एक पब्लिक टैंपल है और वास्तव में मंदिर की ओर से कोई भी अधिकृत पक्षकार नहीं है। इस पर पीठ ने कहा कि अगर ऐसा था तो प्रदेश सरकार को पब्लिक नोटिस निकालना चाहिए था। जब दीवान ने मंदिर के पैसे से कारिडोर बनाने और श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत ढांचागत सुविधाएं स्थापित करने में खर्च करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अंश का विरोध किया तो कोर्ट ने टिप्पणी की कि मंदिर का पैसा श्रद्धालुओं की सुविधा पर खर्च होना चाहिए, न कि किसी की जेब में जाए। पीठ ने कहा- "यह भगवान कृष्ण की भूमि है। वह दुनिया के पहले मध्यस्थ के रूप में जाने जाते हैं। आइए वर्षों से लंबित विवाद को सुलझाने का एक रास्ता खोजें और लाखों भक्तों के हित में इस क्षेत्र का विकास करें जो इन प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों का दौरा करते हैं। आजकल धार्मिक पर्यटन राजस्व का एक बड़ा स्रोत है, इसलिए बुनियादी सुविधाओं का निर्माण आवश्यक है।" कोर्ट ने यह भी कहा कि गोस्वामी परिवार का प्रबंधन देखते हुए उनके लिए भी थोड़ा पैसा दिया जा सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि बांके बिहारी मंदिर बहुत प्रसिद्ध है और यहां बहुत से श्रद्धालु आते हैं, इसलिए कारिडोर बनाने का प्रस्ताव है।

# आदिवासी समाज का एलान—मतांतरित व स्वजन की गांव के श्मशान में नहीं करने देंगे अंत्येष्टि

**नईदुनिया प्रतिनिधि, आलीराजपुर**

- मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल जिले आलीराजपुर में जनजातीय संगठनों ने लिया निर्णय
- मतांतरित व्यक्तियों के सामाजिक बहिष्कार का भी निर्णय, गांवों में बनेगी संघर्ष समिति

मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल आलीराजपुर जिले में ईसाई मिशनरियों के बहकावे में आकर मतांतरण करने वालों का पुरजोर सामाजिक विरोध शुरू हो गया है। जनजातीय संगठनों से जुड़े जागरूक लोगों ने मतांतरित आदिवासियों और उनके परिवार के लोगों की मृत्यु होने पर उनकी गांव के श्मशान स्थल पर अंत्येष्टि नहीं करने देने का सामूहिक रूप से एलान किया है। पिछले दिनों बड़ी और डूंगरगांव में ऐसी स्थिति सामने आने पर समाज के लोगों के सामूहिक विरोध पर मतांतरित आदिवासियों की अंत्येष्टि उनके स्वजन को गांव के श्मशान स्थल के बजाय निजी भूमि पर करनी पड़ी। विवाद की स्थिति में पुलिस भी पहुंची लेकिन समाज के सामूहिक विरोध पर लौट गई।

आदिवासी समाज की सनातन परंपरा और संस्कृति से जुड़े रहने के लिए ग्रामीणों को सजग करते सामाजिक कार्यकर्ता। फाइल

आदिवासी समाज के जागरूक लोगों का कहना है कि ईसाई मिशनरी से जुड़े कुछ लोग भोले भाले आदिवासियों को लालच देकर, इलाज के नाम पर अथवा अंधविश्वास के जाल में फंसाकर मतांतरित करने की साजिश में जुटे हुए हैं। जनजाति विकास मंच के जिलाध्यक्ष राजेश डुडवे ने कहा कि अब तक जागरूक करके समाज के लोगों को बहुत समझाते रहे हैं फिर भी मतांतरण के मामले सामने आने पर मतांतरित लोगों और उनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में सभी जनजातीय संगठनों ने तय किया है कि मतांतरित व्यक्ति और उसके परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर गांव के श्मशान स्थल पर उसकी अंत्येष्टि नहीं कर दी जाएगी। डुडवे ने कहा कि इसके लिए प्रत्येक गांव में बाबादेव संघर्ष समिति बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबादेव आदिवासी समाज के जंगल देवता हैं। हम लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि हम सब सनातनी हैं और हमारी पूजा और संस्कार पद्धति सनातन है। हिंदू युवा जनजाति संगठन के जिलाध्यक्ष रोशन पचाया कहते हैं कि कई बार हमने अलग-अलग गांवों में ईसाई मिशनरी द्वारा अवैध मतांतरण व चंगाई सभा होते देखी। ऐसे प्रयासों को सख्ती से रोकने के लिए आदिवासी समाज को जागरूक करेंगे। हिंदू युवा जनजाति संगठन के प्रदेशाध्यक्ष दिलीप सिंह चौहान ने कहा कि चंगाई सभाओं में आए दिन मतांतरण के प्रयास होते रहते हैं। पिछले कुछ दिनों में ऐसे दो मामलों में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है।

# एटीएस ने 'गजवा ए हिंद' की साजिश रचने वाले दो को किया गिरफ्तार

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ**

- पाकिस्तान के वाट्सएप ग्रुप 'रिवाइविंग इस्लाम' से जुड़े थे दोनों आरोपित

एटीएस ने 'गजवा ए हिंद' की साजिश रचने वाले दो कट्टरपंथी युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अमरोहा निवासी अजमल अली और महाराष्ट्र निवासी डा. उसामा माज शेख के रूप में हुई है। दोनों आरोपित पाकिस्तान के वाट्सएप ग्रुप पर जुड़कर भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे थे और गैर मुस्लिमों के विरुद्ध जिहाद की साजिश रच रहे थे। गजवा-ए-हिंद का अर्थ भारतीय उपमहाद्वीप में रहने वाले काफिरों (गैर मुसलमानों) को जीतकर उन्हें मुस्लिम बनाने से है।

एटीएस को कुछ समय पहले सूचना मिली थी कि 'रिवाइविंग इस्लाम' नामक वाट्सएप ग्रुप को पाकिस्तान से संचालित किया जा रहा है। इस ग्रुप के 400 सदस्यों में भारत के भी दो युवक शामिल हैं। उनके फोन नंबरों के जरिये एटीएस ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की। इसी सिलसिले में एटीएस ने लखनऊ स्थित मुख्यालय में पूछताछ के लिए अजमल अली को बुलाया था। पूछताछ में उसने कुबूल किया कि वह लंबे समय से पाकिस्तानी वाट्सएप ग्रुप पर जुड़कर कट्टरपंथ के एजेंडे पर काम कर रहा था। साथ ही इंस्टाग्राम व सिग्नल एप के जरिये वह महाराष्ट्र निवासी डा. उसामा के संपर्क में था। वह डा.उसामा को अपना मार्गदर्शक मानता था। उसामा के कहने पर वह इंटरनेट मीडिया के माध्यम से भारत-विरोधी गतिविधियों में लिप्त था और सरकार को गिरा कर शरिया कानून लागू करने का ताना-बाना बुन रहा था।

# अल्लाह हू अकबर कहने से मना करने पर हिंदू युवतियों पर हमला

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता :** दक्षिण कोलकाता के ढाकुरिया में हिंदू युवतियों पर अल्लाह हू अकबर का नारा लगाने से इन्कार करने पर कुछ मुस्लिम लड़कियों द्वारा हमला करने का आरोप है। भाजपा की बंगाल इकाई ने घटना से संबंधित एक वीडियो अपने आधिकारिक हैंडल से इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया है। वीडियो में एक युवती ने दावा किया कि रविवार शाम वह अपने कुछ दोस्तों के साथ रवींद्र सरोवर घूमने गई थी। वहां मुस्लिम समुदाय के एक समूह ने मजहबी नारे लगाने शुरू कर दिए और उन्हें भी ऐसा करने को कहा। जब हिंदू युवतियों ने कहा कि यह एक सार्वजनिक स्थान है, धार्मिक नहीं। हम हिंदू हैं, आप हमें मजहबी नारा लगाने से मजबूर नहीं कर सकतीं, तो अपनी बात पर अड़े रहने के कारण उन्हें कथित रूप से पीटा गया।

# छत्तीसगढ़ में वक्फ की 500 करोड़ की संपत्ति की फर्जी रजिस्ट्री

**नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर**

- छत्तीसगढ़ में 400 से अधिक लोगों को भेजा गया नोटिस
- विवादित संपत्तियों की रजिस्ट्री शून्य करने कलेक्टरों को निर्देश

छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेशभर में करीब 500 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की फर्जी रजिस्ट्री कराई गई है। इस मामले में 400 से अधिक लोगों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। वहीं, संबंधित जिलों के कलेक्टरों को विवादित संपत्तियों की रजिस्ट्री शून्य घोषित करने के लिए पत्र भेजा गया है। यह कार्रवाई केंद्र सरकार द्वारा वक्फ अधिनियम 2023 में संशोधन के बाद शुरू की गई राज्य स्तरीय समीक्षा प्रक्रिया का हिस्सा है। अप्रैल माह में आई 10 सदस्यीय केंद्रीय टीम ने रायपुर समेत कई जिलों में वक्फ संपत्तियों की स्थिति का जायजा लिया था।

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डा. सलीम राज के अनुसार राजधानी रायपुर के मालवीय रोड, रहमानिया चौक, हलवाई लेन, मोवा मस्जिद क्षेत्र समेत कई क्षेत्रों की वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे की शिकायतें मिली हैं। केवल मालवीय रोड क्षेत्र की संपत्तियों का बाजार मूल्य 300 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। वक्फ बोर्ड की ओर से इन स्थानों से संबंधित 22 से अधिक लोगों को नोटिस भेजा गया है। इसी कड़ी में नयापारा की करीब साढ़े चार एकड़ भूमि, जिस पर वक्फ बोर्ड और मस्जिद कमेटी का दावा था, अब राजस्व अभिलेखों में नगर निगम के नाम दर्ज की जा रही है। तहसील विभाग ने हाल ही में सीमांकन कर रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी है।

**श्रद्धा का महासावन**

# स्वयं को बदलना है शिव की भक्ति का वास्तविक अर्थ

भगवान शिव की छवि हमारे मन में एक तपस्वी, भोलेनाथ व त्रिनेत्रधारी के रूप में अंकित है। शिव केवल देवता ही नहीं है, एक चेतना भी हैं। वह चेतना जो सृष्टि के हर तत्व में समाहित है। वे संहार के देवता हैं, परंतु उनका संहार केवल बाह्य का नहीं, बल्कि हमारे भीतर बसे दुर्गुणों का होना चाहिए। श्रावण में जब उनकी पूजा, अर्चना कर रहें हैं, तब आत्मावलोकन करें और उनके चरणों में अपने दुर्गुणों को समर्पित करें। तभी हमारी पूजा अर्चना फलित होगी। आज हम जिस समाज में जी रहे हैं, वह बाहरी स्वच्छता और विकास की वकालत का पक्षधर है, लेकिन भीतर की गंदगी जैसे क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष, लोभ और अहंकार, ज्यों की त्यों बनी रहती है। यही दुर्गुण मनुष्य को सबसे अधिक कलुषित करते हैं। जब हम इन्हें पकड़ कर रखते हैं, तो वे हमारी सोच और समाज को भी दूषित करते हैं। सावन के महीने में जब हम शिव की विशेष आराधना करते हैं, तब हमें उनसे यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि जैसे उन्होंने समुद्र मंथन के समय विष को पीकर सृष्टि को बचाया, वैसे ही हम भी अपने भीतर के विष को पहचानकर, उन्हें शिव को अर्पित करें जिससे सात्विक विचार वाले सच्चे मानव बन सकें तो यह सावन माह की सबसे श्रेष्ठ भक्ति बन सकती है। अक्सर भक्ति को हम केवल पूजा-पाठ और व्रतों तक सीमित कर देते हैं, लेकिन शिव की भक्ति का वास्तविक अर्थ स्वयं को बदलना है। उनकी तीसरी आंख केवल प्रतीक नहीं, वह जागरूकता है, यह जानने की शक्ति कि हमारे भीतर क्या सही है और क्या गलत?

**डा. चिन्मय पण्ड्या**
देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति

# सरकारी विज्ञापनों में नाम व तस्वीरों पर रोक पर द्रमुक की सुप्रीम कोर्ट में दस्तक

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के जारी आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। इस आदेश में हाल ही में सरकारी कल्याण योजनाओं के विज्ञापनों में किसी भी जीवित व्यक्ति के नाम, पूर्व मुख्यमंत्रियों की तस्वीरों और विचारधारा के नेताओं के चित्रों के उपयोग पर रोक लगा दी गई है। कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी द्वारा मामले को तत्काल सुनवाई को सूचीबद्ध करने के अनुरोध पर सहमति जताई। 31 जुलाई को मद्रास हाई कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया था कि वह भविष्य में पेश की जाने वाली नई या पुनः ब्रांडेड सार्वजनिक योजनाओं के नाम में किसी भी जीवित व्यक्ति का नाम नहीं लें। हाई कोर्ट ने यह भी पूर्व मुख्यमंत्रियों/विचारधारा के नेताओं की तस्वीरों या द्रमुक के प्रतीक/झंडे के उपयोग पर रोक लगा दी थी।

# गंभीर आरोपों से घिरे पुलिस अधिकारी बहाल होकर सेवा में कैसे : हाई कोर्ट

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़**

- डीजीपी से मांगी आपराधिक मामलों का सामना कर रहे अधिकारियों की पूरी रिपोर्ट
- इंस्पेक्टर विजय बर्खास्तगी के फिर हुए बहाल, एफआइआर के बावजूद बरनाला में तैनात

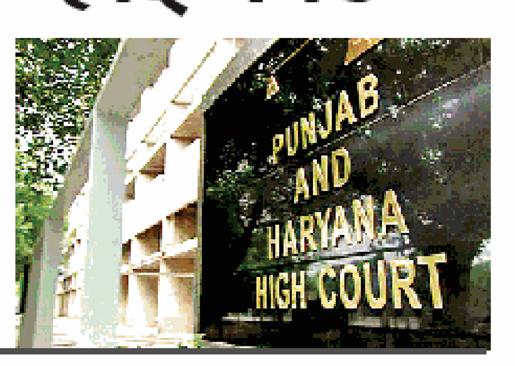



पंजाब पुलिस में भ्रष्टाचार व आपराधिक मामलों का सामना कर रहे अधिकारियों की सेवा में निरंतरता को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस एनके शेखावत की पीठ ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया है कि वह ऐसे सभी पुलिसकर्मियों की विस्तृत जानकारी एक हलफनामे के माध्यम से अदालत में प्रस्तुत करें जिनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही लंबित है लेकिन वे अब भी सेवा में कार्यरत हैं।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का यह निर्देश उस समय आया, जब अदालत को बताया गया कि इंस्पेक्टर विजय कुमार को पहले सेवा से बर्खास्त किया गया था, लेकिन उन्हें बाद में पुनः नियुक्त कर दिया गया, जबकि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में गंभीर आरोप हैं। इस मामले में 23 अक्टूबर, 2023 को पटियाला के विजिलेंस ब्यूरो थाने में एफआइआर दर्ज की गई थी। इसके बावजूद वह वर्तमान में बरनाला में पुलिस लाइन में तैनात हैं।

इस पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट हाई कोर्ट ने हैरानी जताई कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद आरोपितों को न केवल बहाल किया गया बल्कि वे सेवा में भी बने हुए हैं। यह मामला एक ड्रग्स केस में पांच आरोपियों की नियमित जमानत याचिका से जुड़ा है जिसमें बताया गया कि इंस्पेक्टर विजय कुमार ने झूठे आरोपों में न केवल याचिकाकर्ता बल्कि कई निर्दोष लोगों को एनडीपीएस एक्ट में फंसाया था। अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी।

# राज ठाकरे और मनसे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट जाने को कहा

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी भाषा को लेकर उत्तर भारतीय समुदाय के खिलाफ हिंसा भड़काने और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के नफरत भरे भाषण के खिलाफ दायर याचिका को बांबे हाई कोर्ट में दायर करने का निर्देश दिया है।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सोमवार को उत्तर भारतीय विकास सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील शुक्ला से पूछा कि वह अपनी शिकायतों के साथ हाई कोर्ट क्यों नहीं गए। प्रधान न्यायाधीश गवई ने पूछा, 'क्या बांबे हाई कोर्ट छुट्टी पर है?' इसके बाद शुक्ला के वकील ने याचिका वापस लेने का निर्णय लिया। पीठ ने मैरिट पर कोई राय व्यक्त किए बिना याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने और हाई कोर्ट जाने की अनुमति दी।

# अमरनाथ यात्रा : छड़ी मुबारक पवित्र गुफा की तरफ रवाना

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू**

बाबा अमरनाथ की वार्षिक यात्रा समाप्ति की तरफ है। सोमवार को बम भोले की गूंज के साथ पवित्र छड़ी मुबारक श्रीनगर के दशनामी अखाड़ा से पवित्र गुफा की तरफ रवाना हो गई। महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में छड़ी मुबारक नौ अगस्त रक्षाबंधन के दिन पवित्र गुफा के दर्शन करेगी। छड़ी मुबारक पारंपरिक पहलगाम रूट से जाएगी। पहलगाम व बालटाल मार्गों के मरम्मत कार्यों को देख यात्रा को तीन अगस्त से श्रद्धालुओं के लिए निलंबित किया जा चुका है।

4.13 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिमलिंग के दर्शन किए हैं। यात्रा तीन जुलाई से शुरू हुई थी जो इस साल 38 दिन की है जो नौ अगस्त को रक्षा बंधन वाले दिन संपन्न होगी।

बता दें कि भगवान शिव की भगवा वस्त्रधारी पवित्र गदा, जिसे छड़ी मुबारक के नाम से जाना जाता है।

*********

**5** की मौत हो गई बिहार के भागलपुर जिले में रविवार देर रात गंगा स्नान से लौट रहे मैजिक वाहन सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में पलटने से। पांचों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि कुछ लोग तैरकर किसी तरह बच निकले।

# काशी की गलियों और सड़कों पर बहने लगी गंगा, हजारों लोग राहत शिविरों में

## गंगा और वरुणा में आई बाढ़ के कारण पानी घाटों को कर गया पार, बिहार में स्थित गंभीर

### प्रयागराज की 62 बस्तियों तथा जिले के 290 गांवों के लाखों लोग प्रभावित

**जागरण टीम, नई दिल्ली**

उत्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। बनारस और प्रयागराज में बाढ़ ने कई नए क्षेत्रों को चपेट में ले लिया है, जिससे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। हजारों लोग राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर हैं। काशी में गंगा का पानी घाटों को पार कर गलियों और सड़कों पर बह रहा है। इस बीच, बारिश और बाढ़ के कारण उत्तर प्रदेश में एक दर्जन लोगों की मौत हो गई है। बिहार में भी गंगा और बूढ़ी गंडक के उफान से खगड़िया में बाढ़ की स्थिति गंभीर है।

वाराणसी में बाढ़ ने शहर के अनेक क्षेत्रों में जीवन की गति को रोक-सा दिया है। सोमवार को शाम छह बजे तक गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 71.26 मीटर से 83 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा था। जलस्तर में प्रति घंटे एक सेंटीमीटर की वृद्धि जारी थी। ऐसे में स्कूलों में छह अगस्त तक छुट्टी घोषित कर दी गई। प्रशासन ने सभी घाटों की ओर जाने पर रोक लगा दी है। दशाश्वमेध घाट क्षेत्र में पानी सड़क पर आने को है, जबकि शीतला घाट की ओर से पानी बढ़कर बंगाली टोला गली के मुहाने तक पहुंच चुका है। प्रयागराज में उफनाई गंगा और यमुना का जलस्तर रविवार की तुलना में सोमवार को एक मीटर से अधिक बढ़ गया, जो खतरे के निशान से करीब डेढ़ मीटर ऊपर बह रहा है। इससे शहर की 62 बस्तियों और जिले के 290 गांवों की लगभग पांच लाख की आबादी प्रभावित हुई है। 60 हजार बाढ़ पीड़ित बेघर हो चुके हैं। राहत कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जल पुलिस और पीएसी के 600 जवानों को तैनात किया गया है। लगभग 250 नावों और 30 मोटर बोट व स्टीमर का उपयोग किया जा रहा है।

बुंदेलखंड और आसपास के जिलों में नदियों का जलस्तर घट रहा है, लेकिन लोगों की समस्याएं कम नहीं हुई हैं। फतेहपुर में यमुना अब भी खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर है।

बिहार के खगड़िया जिले में भी बाढ़ की स्थिति गंभीर है। गंगा, बूढ़ी गंडक, कोसी और बागमती समेत सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। खगड़िया जिले के बौरना पंचायत में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है, जिससे ग्रामीण सड़कें टूट गई हैं। हिमाचल प्रदेश में भी भारी वर्षा के कारण भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है।

गंगा और वरुणा की बाढ़ में घिरे वाराणसी में हुकूलगंज के पिपरहवा घाट व ढेलवरिया क्षेत्र में जलमग्न कालोनियां। जागरण

### उत्तर प्रदेश में कई जगह लोगों की गई जान

सीतापुर में कच्ची दीवार ढहने से दो बहनों की मौत हो गई, वहीं हरदोई में एक की जान गई। वाराणसी में बाढ़ में डूबने से दो और बलिया में एक युवक की मौत हुई। अमेठी में मकान ढहने से एक व्यक्ति की मौत हुई। आगरा में किवाड़ नदी में डूबने से दो बच्चों की जान गई। बदायूं में वर्षा के पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबकर दो बच्चों और गंगा में डूबने से एक किसान की मौत हो गई।

---

## न्यूज गैलरी

### पुलिसकर्मी पति की हत्या कर पत्नी ने की आत्महत्या

**अहमदाबाद:** अहमदाबाद के दाणीलीमडा पुलिस लाइन में महिला द्वारा पुलिसकर्मी पति की हत्या का मामला सामने आया है। पत्नी ने अपने पति पर किसी धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसने भी आत्महत्या कर ली। हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है, पुलिस ने एफएसएल टीम को जांच के लिए बुलाया है। अधिकारियों के अनुसार, पुलिसकर्मी मुकेशभाई परमार अहमदाबाद के यातायात पुलिस शाखा में कार्यरत थे और दाणीलीमडा पुलिस लाइन में रहते थे। सोमवार को मुकेशभाई और उनकी पत्नी संगीताबेन के बीच झगड़ा हो गया। इस दौरान पत्नी ने गुस्से में आकर मुकेशभाई के सिर पर हथियार से वार कर दिया, जिसके बाद मुकेशभाई गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर से खून निकलने लगा। (राब्यू)

### बंगाल में फ्लैट से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद

**कोलकाता :** बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के खड़दह में सोमवार को एक आवासीय फ्लैट से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस जब्त किए गए। बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट के खुफिया विभाग ने रीजेंट पार्क इलाके में मधुसूदन मुखर्जी नामक एक व्यक्ति के फ्लैट में छापेमारी की। इस दौरान 15 आग्नेयास्त्र और 900 राउंड गोलियां बरामद की गईं। इनमें देशी और विदेशी बंदूकें हैं। लाखों रुपये नकद बरामद किए गए। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि फ्लैट में इतने सारे हथियार क्यों जमा किए गए थे। (राब्यू)

### इंजीनियरिंग के लिए धन न जुटा पाने पर पिता ने दे दी जान

**पथनमथिट्टा :** केरल में एक असहाय पिता ने आत्महत्या कर ली, क्योंकि वह बेटे को इंजीनियरिंग कालेज में प्रवेश दिलाने के लिए धन नहीं जुटा सका। पुलिस ने सोमवार को बताया कि वीटी शिजो का शव रविवार शाम मुंगमपारा जंगल में लटका हुआ मिला। शिजो के पुत्र तमिलनाडु के एक इंजीनियरिंग कालेज में अव्वल आया था, लेकिन परिवार एडमिशन के लिए आवश्यक शुल्क का भुगतान नहीं कर सका। रिश्तेदारों ने बताया कि शिजो गंभीर वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। उन्हें उम्मीद थी कि इनकी पत्नी का 12 वर्षों का बकाया वेतन मिल जाएगा। उनकी पत्नी एक सहायता प्राप्त स्कूल शिक्षिका हैं। (प्रेट्र)

### पंजाब के शिक्षा मंत्री बैंस श्री अकाल तख्त साहिब पर तलब

**अमृतसर :** श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने राज्य के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस को छह अगस्त को श्री अकाल तख्त साहिब में तलब किया है। बैंस को पिछले दिनों श्रीनगर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में नाच-गाने का आयोजन करने पर तलब किया है। इस मामले में श्रीअकाल तख्त पर बैंस को पहले एक अगस्त को तलब किया गया था, लेकिन तब जत्थेदारों की बैठक स्थगित हो गई थी। जत्थेदार गड़गज ने कहा कि पंजाब के संवैधानिक पदों पर बैठे वरिष्ठजन की समाज के प्रति जिम्मेवारी है और धार्मिक मामलों पर चुप्पी साधकर बैठे रहना कई सवालों को जन्म देता है। (जासं)

### पीएमएलए को चुनौती में जज सूर्यकांत से बात करेंगे गवई

**नई दिल्ली :** प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने सोमवार को कहा कि वह ईडी द्वारा गिरफ्तारी, तलाशी लेने और संपत्ति कुर्क करने की शक्तियों सहित पीएमएलए के प्रमुख प्रविधानों को बरकरार रखने वाले 2022 के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं के साथ नई याचिकाओं को सूचीबद्ध करने के मुद्दे पर जस्टिस सूर्यकांत से बात करेंगे। एक मामले में कोर्ट ने प्रमुख प्रविधानों को बरकरार रखा था। इसके बाद से इस निर्णय को कई कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिनमें पुनर्विचार याचिकाएं और नई रिट याचिकाएं शामिल हैं। (प्रेट्र)

---

# ढहाया गया हिंदू महिला का गला रेतने के आरोपित का अवैध निर्माण

- इस्लाम स्वीकार करके निकाह करने का दवाव वना रहा था मुस्लिम युवक, इन्कार पर कर दी हत्या

रेलवे ओवरब्रिज के पास बनाए गए अवैध टिनशेड कोतोड़ा गया। नईदुनिया

**बुरहानपुर में भाग्यश्री हत्याकांड**

**नईदुनिया प्रतिनिधि, बुरहानपुर**

मध्य प्रदेश में बुरहानपुर जिले के नावरा गांव निवासी 30 वर्षीय भाग्यश्री धानुक की गला रेत कर हत्या करने के आरोपित शेख रईस के अवैध निर्माण पर सोमवार दोपहर प्रशासन का बुलडोजर चला। रेलवे ओवरब्रिज के पास किए गए अतिक्रमण और अवैध रूप से बनाए गए टिनशेड को भी ध्वस्त कर दिया गया। संजय नगर के मकान में किया गया अवैध निर्माण और आंगनबाड़ी के पीछे किया गया अतिक्रमण भी गिरा दिया गया। मातापुर स्थित दुकान किराये की होने के कारण उस पर कार्रवाई नहीं की जा सकी। शाम तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी थी।

शुक्रवार देर रात आरोपित शेख रईस ने घर में घुसकर हिंदू युवती भाग्यश्री धानुक की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। वह भाग्यश्री पर इस्लाम अपनाने और अपने साथ निकाह का दबाव बना रहा था। इन्कार करने पर भड़क गया और हत्या कर दी। आरोपित शेख रईस पेशे से दूध का व्यापारी है। पुलिस ने उसे सोमवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। भाग्यश्री कुछ वर्ष पूर्व पति से तलाक के बाद मायके में रह रही थी। घटना वाले दिन उसने आरोपित शेख रईस द्वारा हत्या की धमकी देने की शिकायत पुलिस चौकी पर की थी, लेकिन चौकी पर तैनात दो आरक्षक- वसीम कुरैशी और इकबाल खान ने शिकायत को दबा दिया। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने दोनों को लाइनहाजिर कर दिया और जांच बैठा दी।

**फांसी की सजा की मांग उठी :** सोमवार को हिंदू महासभा और संत रविदास समिति के पदाधिकारियों ने कलेक्टर व एसपी को ज्ञापन देकर भाग्यश्री हत्याकांड का मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलवाने और आरोपित शेख रईस को फांसी की सजा दिलाने की पैरवी की मांग की। भीम आर्मी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दत्तू मेढ़े ने पीड़ित परिवार से भेंट की।

---

# बिहार में ठगों ने खोला काल सेंटर, अमेरिकियों को बना रहे थे निशाना

**जागरण संवाददाता, हाजीपुर**

- पांच गिरफ्तार, तकनीकी सहायता का झांसा देकर माइक्रो एसआइपी एप पर काल करते थे रिसीव
- अवेसून एप के जरिये मोवाइल या लैपटाप का रिमोट एक्सेस लेकर खाते से उड़ा लेते थे रकम

आनलाइन लुटेरे छोटी जगहों को बड़े स्तर की ठगी का अड्डा बना रहे हैं। ठगी के एक ऐसे ही माड्यूल का पर्दाफाश बिहार में वैशाली जिले के लक्ष्मणपुर कददुटांड गांव में हुआ है। हाजीपुर साइबर थाना की पुलिस ने यहां पांच शातिरों को गिरफ्तार किया है। ये सभी बंगाल के निवासी हैं। उन्होंने गांव में फर्जी काल सेंटर खोल रखा था। इस सेंटर से बुजुर्ग अमेरिकी नागरिकों को तकनीकी सहायता का झांसा दिया जाता था।

वायरस युक्त ईमेल खोलने और माइक्रो एसआइपी एप पर दिए वर्चुअल काल नंबर पर संपर्क करने पर शातिर अवेसून एप के जरिये उनके मोबाइल या लैपटाप का रिमोट एक्सेस ले लेते थे। इसके बाद में अमेरिकी नागरिकों के बैंक खाते से डालर उड़ा लेते थे।

आरोपितों में कोलकाता के इन्टाली थाना क्षेत्र के सैयद अहमद रोड व आसपास के डानियाल अख्तर, सैयद मोहम्मद शादाब अली, शेख अजीम व मोहम्मद एहतशाम तथा उत्तर 24 परगना के के नूर आलम शामिल हैं। एसपी ललित मोहन शर्मा ने बताया कि ठगों के पास से पांच लैपटाप, 10 मोबाइल, 16 डेबिट कार्ड, छह क्रेडिट कार्ड समेत कई इलेक्ट्रानिक डिवाइस बरामद किए गए।

गिरोह का मुख्य सरगना बिरजू सिंह फिलहाल फरार है। अधिकारी ने बताया कि ये लोग पहले रिमोट एक्सेस साफ्टवेयर बेचने के बहाने अमेरिकी नागरिकों के कंप्यूटर को नियंत्रित करते थे और पूरा सिस्टम हैक कर लेते थे। वे लोगों को गूगल, अन्य ओपन सोर्स प्लेटफार्म व डार्क वेब से प्राप्त डेटा के आधार पर निशाना बनाते थे।

# पहले बेटी की हत्या, बाद में लड़के की आंख निकालकर ली जान

**जागरण संवाददाता, पलामू :** झारखंड के पलामू के पूर्णी टरिया गांव में एक प्रेमी युगल की हत्या कर दी गई। लड़की के स्वजन ने बेरहमी से इस हत्या को अंजाम दिया। आरोपितों ने पहले गला दबाकर 21 वर्षीय विभा पूर्णी नामक युवती की हत्या की और बाद में लाठी-डंडे और लोहे की छड़ से पीट-पीटकर 22 वर्षीय सुभाष कुमार उर्फ कारू सिंह को मार डाला। साथ ही उसकी आंखें निकाल ली गईं और दोनों के शव गांव के ही कुएं में फेंक दिए। विभा के स्वजन दोनों के रिश्ते के खिलाफ थे। कई बार समझाने के बाद भी जब दोनों ने मिलने-जुलने से परहेज नहीं किया तो विभा के स्वजनों ने दोनों की हत्या की योजना बनाई। एक अगस्त की रात विभा के स्वजन ने विभा पर दबाव डालकर सुभाष को घर बुलवाया। सुभाष के वहां पहुंचने से पहले ही विभा की गला दबाकर हत्या कर दी गई। जैसे ही सुभाष वहां पहुंचा, विभा के स्वजनों ने लाठी-डंडे और लोहे की छड़ से पीट-पीटकर युवक को निर्ममता से मार डाला और उसकी आंखें निकाल ली।

# अब मधुबनी में कुत्ते के आवास प्रमाणपत्र के लिए आवेदन

**जागरण संवाददाता, मधुबनी**

- फर्जी आधार कार्ड किया संलग्न, व्यक्ति का नाम लिखा था टामी सिंह
- सीओ ने आवेदन किया अस्वीकृत, प्राथमिकी के लिए थाने में आवेदन

पटना के मसौढ़ी में डाग बाबू के नाम पर आवास प्रमाणपत्र जारी होने के बाद बिहार के मधुबनी जिले में भी कुछ इसी तरह का मामला सामने आया है। यहां के बाबूबरही आरटीपीएस कार्यालय में एक कुत्ते का आवास प्रमाणपत्र बनाने के लिए आनलाइन आवेदन मिला है। इसके साथ एक फर्जी आधार कार्ड संलग्न है, जिसमें व्यक्ति का नाम टामी सिंह, पिता शेरू सिंह, जन्मतिथि 26 नवंबर 2009 और कार्ड संख्या 548550008000 दर्ज है। इस पर कुत्ते की तस्वीर लगी है।

बाबूबरही आरटीपीएस कार्यालय में मिले इस आवेदन की तिथि तीन अगस्त, 2025 है। तकनीकी सहायक (आइटी) सहायक कमलेश कुमार की सूचना पर अंचलाधिकारी (सीओ) लीलावती कुमारी ने आवेदन को अस्वीकृत करते हुए फर्जी प्रमाणपत्र के लिए आवेदन देने वाले व्यक्ति पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए बाबूबरही थाने में आवेदन दिया है। प्राप्त आवेदन में आवेदक का नाम टोपी, लिंग-पुरुष, पिता का नाम पिल्ला, ग्राम व पोस्ट पचरुखी, प्रखंड बाबूबरही, जिला मधुबनी लिखा है। सीओ ने कहा कि नियम के विरुद्ध घोषणा और फर्जी आधार देकर आवेदन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई को थाने में आवेदन दिया गया है।

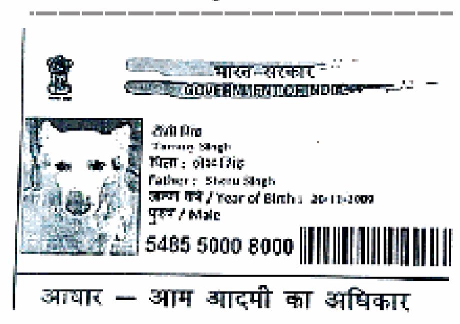


बिहार के मधुबनी जिले में आवेदन के साथ सलग्न आधार कार्ड। जागरण

# आदिवासियों के सर्वमान्य नेता रहे शिबू सोरेन

प्रथम पृष्ठ से आगे

शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर सोमवार शाम रांची पहुंचा। मंगलवार को पैतृक गांव रामगढ़ के नेमरा में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। आठ बार लोकसभा और तीन बार राज्यसभा के सदस्य रहे सोरेन आदिवासियों के सर्वमान्य नेता थे। वह केंद्रीय कोयला मंत्री के साथ तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। इस करिश्माई नेता ने बिहार से पृथक झारखंड राज्य बनवाने से लेकर आदिवासी समाज को राजनीतिक पहचान दिलाने तक बड़ी भूमिका निभाई। जंगल से दिल्ली तक की सियासत में हनक बरकरार रखी। 1973 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। आदिवासियों के शोषण, महाजनी प्रथा, सूदखोरी, शराब आदि के विरुद्ध लगातार आंदोलन किया। पिता की हत्या के बाद वह प्रखर आंदोलनकारी बन गए और ताउम्र आंदोलनों के पुरोधा रहे। महाजनों के खिलाफ उन्होंने धनकटनी आंदोलन चलाकर आदिवासियों को उनकी ताकत का एहसास कराया और महाजनों को घुटने टेकने पर विवश कर दिया था।

---

# बेरोजगार युवक के यूपीआइ वालेट में आए एक अरब, 13 लाख करोड़

**जागरण संवाददाता, दनकौर :** बैंकिंग क्षेत्र में अचंभित करने वाली घटना हुई। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिले के एक युवक के यूपीआइ वालेट में 37 अंकों में राशि ट्रांसफर हुई। एक अरब करोड़ से ज्यादा रुपये देखकर युवक सकते में आ गया और बैंक में पहुंचकर इसकी जानकारी दी। कक्षा 12 तक की पढ़ाई करने वाला दिलीप अभी बेरोजगार है।

ऊंची दनकौर के 18 वर्षीय दिलीप सिंह कुछ सामान खरीदने के बाद यूपीआइ से भुगतान कर रहे थे। जब भुगतान करने में दिक्कत का सामना किया तो वालेट का बैलेंस चेक किया। इसमें उन्हें कोटक महिंद्रा बैंक से ट्रांसफर हुई अप्रत्याशित रकम दिखी। यह रकम एक अरब, 13 लाख, 56 हजार करोड़ रुपये है, जोकि कई देशों के बजट से भी अधिक बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उसका कहना है कि बैंक के साफ्टवेयर की गलती से यह रकम ट्रांसफर हुई है। युवक ने एक महीने पहले ही खाता खुलवाया था। उधर, आयकर विभाग ने भी जांच शुरू कर दी है।

# सरकारी शिक्षक बनने के बाद पत्नी ने मजदूर पति को छोड़ा

**जागरण संवाददाता, जयपुर**

- राजस्थान के भरतपुर का मामला, पति ने कलेक्टर व न्यायाधीश से की शिकायत
- कहा- मैंने पत्नी को पढ़ाने के लिए मेहनत की, अब पहचान नहीं रही

राजस्थान में भरतपुर के भुसावर में शादी के बाद पति ने मजदूरी कर के पत्नी को पढ़ाया। पढ़ाई के बाद पत्नी सरकारी स्कूल में शिक्षक बन गई। लेकिन शिक्षक बनते ही पत्नी ने पति को पहचानने से इन्कार कर दिया। पत्नी ने कहा, बचपन में शादी हुई होगी, मुझे याद नहीं है। परेशान पति ने अब भरतपुर जिला कलेक्टर एवं जिला न्यायाधीश के समक्ष गुहार लगाते हुए न्याय दिलाने की मांग की है।

अपने पिता के साथ न्याय मांगने पहुंचे अनूप ने कहा, मेरा विवाह साल 2021 में भरतपुर जिले के ही नगला हवेली गांव निवासी युवती पंकज कुमारी से हुआ था। शादी के बाद उसने मजदूरी कर के पत्नी को पढ़ाया। साल 2023 में पत्नी शिक्षक बनी तो उसके व्यवहार में बदलाव आ गया। वह पहले तो माता-पिता के साथ अभद्रता करने लगी और फिर पति के साथ रहने से इन्कार कर दिया। दो मई 2025 को पत्नी पति को छोड़कर मायके चली गई। उधर पंकज कुमारी ने कहा, बालिग होने के बाद मेरी कोई शादी नहीं हुई। मेरा बाल विवाह किया गया था वह गलत था। जब मैं नाबालिग थी तब शादी हुई थी। मुझे याद भी नहीं है कि मेरी शादी हुई हो मेरे हस्ताक्षर चोरी कर अनूप ने फर्जी विवाह प्रमाण पत्र बनवा लिया है। वहीं अनूप ने कहा कि पत्नी के स्वजनों ने ही शादी की थी, लेकिन बेटी के दबाव में अब वे कुछ भी नहीं बोल रहे हैं। उसने पत्नी को बीएसटीसी (बेसिक स्कूल टीचिंग सर्टिफिकेट) की कोचिंग करवाई थी, जिसके आधार पर वह सरकारी स्कूल में शिक्षक बनी। सोचा था कि पत्नी शिक्षक बन जाएगी तो परिवार सही चलेगा, लेकिन वह अब छोड़कर चली गई।

# शीर्ष माओवादी हिंसक हिड़मा के गांव में 25 साल बाद लगा साप्ताहिक बाजार

**नईदुनिया न्यूज, सुकमा**

- वर्ष 2000 से पहले तक क्षेत्रीय व्यापार का था प्रमुख केंद्र
- ग्रामीणों की निगरानी में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध

छत्तीसगढ़ में माओवादी हिंसक हिड़मा और मिलिट्री दलम प्रमुख बारसे देवा के गांव पूवर्ती में 25 वर्षों के बाद रविवार को साप्ताहिक बाजार लगा, जिससे नई उम्मीदों का संचार हुआ है। चिमलीपेंटा पंचायत के इस गांव में अब रोजमर्रा की आवश्यकताओं की खरीदारी के लिए आसपास के कई गांवों के ग्रामीण एकत्र होने लगे हैं। सुकमा जिले के इस गांव में बीजापुर, बासागुड़ा, दोरनापाल और चिंतलनार जैसे क्षेत्रों से व्यापारी आकर आवश्यक वस्तुएं बेच रहे हैं।

सन् 2000 से पहले पूवर्ती गांव का यह बाजार क्षेत्रीय व्यापार का प्रमुख केंद्र था, लेकिन माओवादियों की गतिविधियों के कारण स्थिति इतनी बिगड़ गई कि गांव वीरान हो गया। फरवरी 2024 में सुरक्षा बल के कैंप की स्थापना के बाद से हालात में सुधार होने लगा है और धीरे-धीरे गांव में जीवन की रफ्तार लौट रही है। इस बाजार में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है, जिसकी निगरानी गांव के युवा और ग्रामीण स्वयं कर रहे हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यह बदलाव शांति और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बाजार के साथ-साथ गांव में सरकारी भवनों का निर्माण भी हो रहा है और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। वर्ष 2025 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पहली बार गांव में मतदान हुआ, जिससे ग्रामीणों ने लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी की।

हिड़मा के गांव पूवर्ती में लगा साप्ताहिक बाजार। नईदुनिया

---

**जागरण विशेष**

# तनाव से मुक्ति और खुश रहने का विज्ञान समझ रहे आइआइटी के छात्र

## आइआइटी रुड़की में चल रहा विशेष पाठ्यक्रम, ताकि विकसित हो खुशहाल, संतुलित और अर्थपूर्ण जीवन जीने की समझ

**रीना डंडरियाल ● जागरण**

**रुड़की:** भागदौड़ भरे जीवन में तनावमुक्त और खुश रहना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्रतिस्पर्धा के बढ़ते स्तर के कारण तनाव जीवन का एक स्थायी भाव बन गया है, जिससे नकारात्मकता हावी हो रही है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने एक अनूठा पाठ्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य छात्रों को वैज्ञानिक तरीके से खुशी के सिद्धांत सिखाना है। इस पाठ्यक्रम का नाम 'आशा: खुशी, आशावाद, उद्देश्य और सशक्तीकरण' रखा गया है।

इस कोर्स के तहत एमबीए के छात्रों के लिए 1.5 क्रेडिट का एक सेमेस्टर कोर्स प्रारंभ किया गया है। 50 छात्रों का पहला बैच कोर्स पूरा कर चुका है और नये बैच के लिए दाखिला चल रहा है। वर्ष 2026 से बीटेक छात्रों के लिए भी यह कोर्स शुरू करने की योजना है।

### सेंटर फार द साइंस आफ हैप्पीनेस की स्थापना

प्रोफेसर रजत अग्रवाल

आधुनिक जीवनशैली, अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण युवा वर्ग तनाव का शिकार हो रहा है। आइआइटी रुड़की ने रेखी फाउंडेशन फार हैप्पीनेस के सहयोग से 'सेंटर फार द साइंस आफ हैप्पीनेस' की स्थापना की है। संस्थान के प्रबंधन अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रजत अग्रवाल के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण के कारण 20 प्रतिशत तनावग्रस्त लोग ही विशेषज्ञों से परामर्श लेते हैं।

आइआइटी रुड़की के प्रबंधन अध्ययन विभाग में संचालित 'हैप्पीनेस साइंस सेंटर' में शुरू पाठ्यक्रम का पहला बैच, जो अब पासआउट हो चुका है ● साभार-संस्थान

**खुशहाल, संतुलित और अर्थपूर्ण जीवन जीने की समझ:** हैप्पीनेस साइंस सेंटर के कोआर्डिनेटर डा. सौरभ अरोड़ा के अनुसार सेंटर में खुशी के विज्ञान की पढ़ाई के लिए विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को एक खुशहाल, संतुलित और अर्थपूर्ण जीवन जीने की समझ देना है। इस कोर्स में सकारात्मक सोच, मानसिक सेहत, कार्य की संतुष्टि और जीवन के उद्देश्य जैसे विषयों पर ध्यान दिया जाता है। पढ़ाई के दौरान छात्र माइंडफुलनेस (सजगता), भावनाओं को समझना, तनाव से निपटना और जीवन में संतुलन बनाना जैसे जरूरी जीवन कौशल सीखते हैं।

संस्थान का उद्देश्य ऐसा मानव संसाधन तैयार करने का है, जो जीवन में जहां भी रहे, खुशहाल जिंदगी का रोल माडल बने। प्रो. रजत अग्रवाल ने बताया कि पहला बैच पासआउट हो चुका है। इस सेंटर का उद्देश्य छात्रों को वेलनेस सेंटर में जाकर काउंसिलिंग की आवश्यकता न पड़े। अगले वर्ष से बीटेक छात्रों के लिए तीन क्रेडिट का कोर्स भी शुरू किया जाएगा। इसकी समयावधि 42 घंटे होगी जिसमें लगभग 100 छात्रों को दाखिला मिलेगा।

### कोर्स से छात्रों में आया सकारात्मक बदलाव

कोर्स के प्रथम बैच के छात्र शिवा गुप्ता का कहना है कि भावनाओं को नियंत्रित करने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में यह कोर्स मददगार है। चेन्नई में जाब कर रहे पूर्व छात्र सार्थक कहते हैं कि कई बार तनाव गंभीर रूप ले लेता है। यह कोर्स वैज्ञानिक तरीके से समस्याओं का समाधान करना सिखाता है।

**अत्याधुनिक माइंड लैब होगी शुरू:** डा. सौरभ अरोड़ा ने बताया कि जल्द रेखी फाउंडेशन यूएसए के सहयोग से एक अत्याधुनिक माइंड लैब शुरू की जाएगी। यह प्रबंधन अध्ययन विभाग में स्थापित होगी। यह लैब छात्र एवं शोधकर्ताओं को अनुभव और प्रयोग के जरिये खुशी व मानसिक भलाई को समझने का मौका देगी। प्रोफेसर अग्रवाल बताते हैं कि आशा शीर्षक से प्रारंभ किया गया यह कोर्स शोध और आंकड़ों पर आधारित है। खुशी को मापी जा सकने वाली चीज के रूप में समझा जाता है। यह पाठ्यक्रम मनोविज्ञान, न्यूरोसाइंस और व्यवहार विज्ञान जैसे विषयों से जुड़ा है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

# भोपाल: फर्जी रजिस्ट्री पर संचालित कांग्रेस विधायक के कालेज की मान्यता रद

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल :** कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद द्वारा संचालित इंदिरा प्रियदर्शिनी कालेज की मान्यता रद कर दी गई है। इस कालेज का संचालन अमन एजुकेशन सोसायटी द्वारा किया जा रहा था। फर्जी रजिस्ट्री की भूमि पर कालेज संचालित पाया गया है। अब इस मामले में विधायक व संस्था के पदाधिकारियों के खिलाफ एफआइआर कराने की तैयारी है। विधानसभा में यह जानकारी मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने दी।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भोपाल से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के कालेज की मान्यता रद करने पर प्रश्न पूछा था, जिसका जवाब उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने दिया। मंत्री ने कहा कि पूर्ण जांच प्रतिवेदन कार्रवाई पूरी होने के बाद ही मिलेगा। फर्जीवाड़े को लेकर एफआइआर भी कराएंगे।

********

दैनिक जागरण
अनेक संकटों का समाधान धैर्य में निहित है

## नेता विपक्ष को फिर फटकार

यह तीसरी बार है जब राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से फटकार सुननी पड़ी। इस बार उन्हें यह कहने के लिए फटकारा गया कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे यह सही सवाल पूछा कि आखिर उन्हें यह कैसे पता चला कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है? सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल पूछते हुए यह भी कहा कि यदि आप सच्चे भारतीय हैं तो इस तरह की बात नहीं कहेंगे। राहुल गांधी ने भारतीय भूमि पर चीन के कब्जे की बात अपनी भारत जोड़ो यात्रा के समय की थी। वे ऐसा दावा हाल तक करते रहे हैं। वे मोदी सरकार को चीन से भयभीत बताने के लिए सेना के शौर्य के खिलाफ भी टिप्पणियां कर चुके हैं। इसके पहले उन्हें वीर सावरकर के खिलाफ तीखे बोल बोलने के लिए सुप्रीम कोर्ट की फटकार सुननी पड़ी थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने उनसे यह कहा था कि जिस आधार पर वे स्वतंत्रता सेनानी सावरकर को अंग्रेजों से माफी मांगने वाला कहते हैं, उसी आधार पर तो कोई महात्मा गांधी को भी कह सकता है कि वे अंग्रेजों के नौकर थे। यह ठीक नहीं कि सुप्रीम कोर्ट नेता विपक्ष को उनके बेजा और यहां तक कि देश के हितों पर चोट करने वाले बयानों के लिए बार-बार फटकार लगाने की जरूरत समझे। इसके पहले जब राहुल गांधी ने राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद में कथित दलाली को तूल देकर गलतबयानी की थी, तब उन्हें सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर माफी मांगनी पड़ी थी। माना जाता था कि इसके बाद वह संभलकर बोलना आवश्यक समझेंगे, लेकिन उन पर कोई असर नहीं पड़ा।

इसके आसार कम ही हैं कि चीन को रास आने वाले अपने बयान पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद राहुल गांधी भविष्य में अपनी बात कहते समय कम से कम राष्ट्रीय हितों की चिंता करना पसंद करेंगे। इसके आसार इसलिए कम हैं, क्योंकि वे पहले भी पाकिस्तान और चीन को अच्छे लगने वाले बयान दे चुके हैं। यह भी ध्यान रहे कि डोकलाम विवाद के समय वे चीनी राजदूत से मिलने चले गए थे। यह आज तक स्पष्ट नहीं हो पाया कि कांग्रेस ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? यह भी किसी से छिपा नहीं कि वे ब्रिटेन और अमेरिका में भारतीय लोकतंत्र का अनादर करने वाले बयान दे चुके हैं। इसी तरह चंद दिन पहले ही उन्होंने लोकसभा में चुनाव आयोग पर उलटे-सीधे आरोप लगाते हुए उसे धमकी भी दे दी थी। आखिर इससे दुर्भाग्यपूर्ण और क्या हो सकता है कि नेता विपक्ष एक संवैधानिक संस्था को संसद में खड़े होकर धमकाए? राहुल गांधी के रवैये और विशेष रूप से उनकी भाषा में किसी बदलाव की उम्मीद इसलिए कम है, क्योंकि उनके समर्थक सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साध रहे हैं।

## भ्रूण हत्या पर प्रहार

हरियाणा में गिरते लिंगानुपात में सुधार के लिए भ्रूण हत्या के विरुद्ध जागरूकता अभियान के लिए आशा वर्कर्स यूनियन की पहल प्रशंसनीय है। भ्रूणहत्या के विरुद्ध राज्य में प्रत्येक स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाने की नितांत आवश्यकता है। राज्य में लिंगानुपात की स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। पांच जिलों की स्थिति तो भयावह है, इनमें विशेष कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। सुदृढ़ स्वस्थ समाज के लिए आशा वर्कर्स एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। विशेषकर ग्रामीण अंचल में इनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। समाज के प्रत्येक वर्ग से समाज हित में संवाद करने से भी इस समस्या का बहुत हद तक समाधान किया जा सकता है। आशा वर्कर्स बड़े ही सहज तरीके से ऐसा संवाद करने में सक्षम भी हैं, क्योंकि वे महिलाओं से समन्वय में पारंगत हैं। सरकार की सख्ती का प्रभाव भी माना जा सकता है, क्योंकि राज्य के लिंगानुपात में सुधार हुआ है, लेकिन यह अपर्याप्त है। अधिकारियों को भी चाहिए कि वह अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करें। भ्रूण लिंग जांच करने वालों पर छापामारी में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। भ्रूण लिंग जांच करने वालों पर जितना शिकंजा कसा जाएगा, लिंगानुपात में सुधार की उतनी ही अधिक संभावना बढ़ेगी। भ्रूण हत्या कराने के मामले में शामिल लोगों को सोचना चाहिए कि वे एक बहुत बड़ा पाप कर रहे हैं। बेटी को जिंदगी दें।

**भ्रूण हत्या रोकने के लिए आशा वर्कर्स यूनियन की ओर से जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय प्रशंसनीय कदम है**

# षड्यंत्र था भगवा आतंक का जुमला

संध्या जैन

**हिंदू आतंक के फर्जीवाड़े को स्थापित करने के लिए कई कड़ियां जोड़ी गईं, लेकिन जांच और अदालती फैसले ने उन कड़ियों को पूरी तरह से तोड़ दिया**

भारतीय न्यायिक इतिहास में मालेगांव बम धमाकों (2008) से जुड़ा फैसला मील का पत्थर माना जाएगा। इसने भगवा आतंक के मिथ्या आख्यान को ध्वस्त किया। इस्लामिक आतंक की विषबेल की धारणा को संतुलित करने के लिए ही भगवा या हिंदू आतंक का फर्जीवाड़ा किया गया। इसे स्थापित करने के लिए कई कड़ियां भी जोड़ी गईं, लेकिन जांच और अदालती फैसले ने उन्हें पूरी तरह से तोड़ दिया। हिंदू आतंक के फर्जीवाड़े की हवा समझौता एक्सप्रेस ब्लास्ट के साथ ही फैली थी। दिल्ली से लाहौर के बीच चलने वाली समझौता एक्सप्रेस 18 फरवरी, 2007 को पानीपत में बम धमाकों की शिकार बनी। इसमें 68 लोग मारे गए। कथित हिंदू आतंक के मामले में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर और स्वामी असीमानंद को फंसाने का कुचक्र रचा गया। आरोप लगाया गया कि धमाकों के लिए पुरोहित ने 60 किलो आरडीएक्स चुराया, पर यह तब निराधार निकला, जब पता चला कि बम बनाने के लिए पोटेशियम क्लोरेट, सल्फर आदि का इस्तेमाल किया गया था। तब अमेरिकी एजेंसियों की जांच में यह सामने आया था कि मुंबई ट्रेन धमाकों और समझौता एक्सप्रेस ब्लास्ट के पीछे पाकिस्तानी आतंकी आरिफ कसमानी का हाथ था, जबकि मक्का मस्जिद धमाका हरकत-उल-जिहाद-इस्लामी (हूजी) ने किया था। लश्कर आतंकी कसमानी ने मुंबई धमाकों के लिए दाऊद इब्राहिम से पैसे जुटाए थे। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने 2009 में उसे आतंकी घोषित किया।

मालेगांव में पहले धमाके 8 सितंबर, 2006 को हुए, जिनमें 30 से अधिक लोग मरे। महाराष्ट्र एटीएस ने सिमी और लश्कर के नौ लोगों को आरोपित बनाया। कुछ दलों और अल्पसंख्यक नेताओं के दबाव में यह मामला सीबीआइ को सौंपा, जो बाद में राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआइए के पास गया। एनआइए ने दावा किया कि मालेगांव धमाके, हैदराबाद, अजमेर शरीफ और समझौता एक्सप्रेस जैसे आतंकी हमले हिंदुओं ने किए, जो जिहादी आतंक से बदला लेना चाहते थे। एनआइए ने 22 मई, 2013 को आरोपपत्र में प्रज्ञा और स्वामी असीमानंद को मुख्य आरोपित बनाया। चूंकि उनके विरुद्ध पुख्ता साक्ष्य नहीं थे, इसलिए प्रज्ञा और पुरोहित का संदर्भ नहीं दिया और उन्हें 2008 मालेगांव धमाकों में आरोपित बनाया गया।

मालेगांव में 29 सितंबर, 2008 को हुए कम तीव्रता वाले धमाके में इस्तेमाल हुई मोटरसाइकिल कथित रूप से साध्वी प्रज्ञा की बताई गई, जबकि वह बाइक सुनील जोशी को बेच दी गई थी, पर स्वामित्व हस्तांतरण प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही जोशी की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में प्रज्ञा और पांच अन्य को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया। पुरोहित को नवंबर 2008 में गिरफ्तार किया गया। एटीएस ने 19 जनवरी, 2009 को दाखिल चार्जशीट में पुरोहित और प्रज्ञा को मुख्य षड्यंत्रकारी बताया। पुरोहित पर विस्फोटक उपलब्ध कराने और प्रज्ञा पर धमाके करने के लिए लोगों को जुटाने का आरोप लगाया। ये आरोप टिक नहीं पाए। सितंबर 2017 में जमानत मिलने के बाद पुरोहित ने पीएम मोदी को पत्र लिखा कि एक दल के मुखिया इस षड्यंत्र के पीछे हैं। धमाकों के समय वे तो खुफिया जानकारियां जुटाने के सिलसिले में पचमढ़ी में एक कोर्स कर रहे थे। माना जाता है कि नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमले को लेकर वे कुछ ऐसी जानकारियां हासिल कर रहे थे, जो उनकी परेशानियों का कारण बन गईं। इस मामले में कर्नल आरके श्रीवास्तव का नाम भी एक अहम कड़ी है। भोपाल एयरपोर्ट पर कर्नल श्रीवास्तव ने पुरोहित को एक फर्जी आवाजाही आदेश के तहत मुंबई की उड़ान पकड़ने पर मजबूर किया। सैन्य अदालत द्वारा 2009 की जांच में पुरोहित के इस दावे पर मुहर लगी कि कर्नल श्रीवास्तव ने उन्हें अगवा कर अवैध रूप से कब्जे में रखा। पुरोहित को खंडाला के एक बंगले में 4 नवंबर, 2008 तक एटीएस की अवैध कस्टडी में रखा गया, जहां उन्हें भयंकर शारीरिक-मानसिक यातनाएं दी गईं। इस मामले में जिन अधिकारियों की संदिग्ध भूमिका रही, उनमें एक एटीएस के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे थे, जिनकी मुंबई आतंकी हमले में मौत हो गई थी। तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक परमबीर सिंह, इंस्पेक्टर अरुण खानविलकर और असिस्टेंट कमिश्नर मोहन कुलकर्णी भी इनमें शामिल माने गए। पुरोहित को 2008 के मालेगांव धमाकों में आरोपित नंबर नौ बनाया गया। पचमढ़ी से पहले पुरोहित सेना की दक्षिणी कमान, पुणे की एक ईकाई से जुड़े थे। उनके आधिकारिक खुफिया सूत्र सुधाकर चतुर्वेदी को मालेगांव मामले में आरोपित नंबर 11 बनाया गया। एटीएस के अनुसार मालेगांव धमाकों में इस्तेमाल आरडीएक्स के तार चतुर्वेदी जुड़े थे। सेना की जांच में पता चला कि चतुर्वेदी की गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले एटीएस अधिकारी शेखर बागड़े को चतुर्वेदी के घर में यह सुबूत प्लांट करते हुए पकड़ा गया। समझौता एक्सप्रेस की तरह 2008 मालेगांव धमाकों में भी आरडीएक्स का इस्तेमाल नहीं हुआ था।

2013 में केंद्रीय सूचना आयोग के दबाव में सैन्य प्राधिकारी संस्थाओं को यह स्वीकार करना पड़ा कि उन्हें पुरोहित से यह खुफिया जानकारी मिली थी कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात में नकली करेंसी का नेटवर्क चल रहा है, जिसमें कई बड़े नेता और अधिकारी शामिल हैं। चूंकि पुरोहित कुछ ऊंचे लोगों की करतूतों का भंडा फोड़ कर सकते थे, इसलिए उन्हें फंसा दिया गया। पुरोहित की तरह प्रज्ञा को भी बहुत प्रताड़ना झेलनी पड़ी। उन्हें इतना प्रताड़ित किया गया कि औपचारिक गिरफ्तारी से पहले अस्पताल में इलाज कराना पड़ा। उनके नार्को और पालीग्राफ टेस्ट में किसी अपराध की पुष्टि नहीं हुई। उन्हें फंसाने के लिए एटीएस ने 2006 और 2008 धमाकों के तथ्यों का घालमेल कर दिया। इसके बाद हुई मुंबई आतंकी हमले को भी वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने 2010 में शर्मनाक रूप से 'आरएसएस की साजिश' करार दिया। इस फर्जी विमर्श की धज्जियां उड़ चुकी हैं।

(स्तंभकार वरिष्ठ पत्रकार, शोधकर्ता एवं लेखिका हैं)

response@jagran.com

अवधेश राजपूत

# अवैध मतांतरण पर बने केंद्रीय कानून

प्रमोद भार्गव

**क्या यह सही है कि ईसाई या मुस्लिम बने आदिवासी एसटी के साथ अल्पसंख्यक वर्ग की योजनाओं का भी लाभ उठाएं?**

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य में मतांतरण की गंभीर होती समस्या से निपटने के लिए एक कड़ा कानून लाने की तैयारी कर रहे हैं। इस कानून के तहत, जो लोग अनुसूचित जनजाति (एसटी) से ईसाई या मुस्लिम मजहब में परिवर्तित हो चुके हैं, उन्हें सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में अवैध मतांतरण एक गंभीर समस्या बन चुकी है। इस नए कानून के लागू होने से अनुसूचित जाति (एससी) के लोगों की तरह अनुसूचित जनजाति के लोग भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो जाएंगे। वर्तमान में, ईसाई या मुस्लिम बने आदिवासी न केवल एसटी वर्ग का लाभ ले रहे हैं, बल्कि वे अल्पसंख्यक वर्ग की योजनाओं का भी लाभ उठा रहे हैं। प्रस्तावित विधेयक में बिना सूचना के मत परिवर्तन करने पर 10 वर्ष तक की सजा का प्रविधान किया गया है। यह कानून छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 1968 की जगह लेगा।

आदिवासी नेता बाबा कार्तिक उरांव ने हमेशा मतांतरित आदिवासियों को आरक्षण देने का विरोध किया था। उन्होंने 1967 में संसद में अनुसूचित जाति एवं जनजाति आदेश संशोधन विधेयक-1967 पेश किया था। उस विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति ने छानबीन की और 17 नवंबर, 1969 को अपनी सिफारिशें दी थीं। इनमें एक प्रमुख सिफारिश थी कि कोई भी आदिवासी व्यक्ति, जिसने जनजाति आदिवासी मत तथा विश्वासों का परित्याग कर दिया हो और ईसाई या इस्लाम पंथ ग्रहण कर लिया हो, वह अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जाएगा और न ही वह आदिवासियों को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं का पात्र रह जाएगा। इसका अर्थ यह है कि मत परिवर्तन के बाद उस व्यक्ति को अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत मिलने वाली सरकारी सुविधाओं से वंचित होना पड़ेगा। संयुक्त समिति की सिफारिश के बावजूद एक वर्ष तक उस विधेयक पर संसद में बहस नहीं हुई। कहा गया कि ईसाई मिशनरियों के दबाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने उस विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया। तब कांग्रेस में रहते हुए अपने राजनीतिक भविष्य को दांव पर लगाकर बाबा कार्तिक उरांव ने 322 लोकसभा सदस्यों और 26 राज्यसभा सदस्यों के हस्ताक्षरों का एक पत्र इंदिरा गांधी को दिया था, जिसमें यह जोर देकर कहा गया था कि वे विधेयक की सिफारिशों को स्वीकार करें, क्योंकि यह तीन करोड़ वनवासियों के जीवन-मरण का प्रश्न है। अब आदिवासी बाहुल्य छत्तीसगढ़ की सरकार कार्तिक उरांव की इसी इच्छा को पूरा करने की तैयारी में है।

हाल में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और ढालसिंह बिसेन ने संसद में कहा था कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों को प्रलोभन देकर मत परिवर्तन का चलन लगातार बढ़ रहा है। दरअसल मतांतरण के संबंध में संविधान के अनुच्छेद-342 में अनुच्छेद-341 जैसे प्रविधान नहीं हैं। अनुच्छेद 341 में स्पष्ट कहा गया है कि अनुसूचित जाति के लोग यदि मत परिवर्तन करेंगे तो उनका आरक्षण समाप्त हो जाएगा। इस कारण यह वर्ग मतांतरण से बचा हुआ है। जबकि अनुच्छेद-342 में संविधान निर्माताओं ने अनुसूचित जनजातियों के मत और पुरखों की पारंपरिक सांस्कृतिक आस्था को बनाए रखने के लिए व्यवस्था की है कि अनुसूचित जनजातियों को राज्यवार अधिसूचित किया जाएगा। यह आदेश राष्ट्रपति द्वारा राज्य की अनुशंसा पर दिया जाता है। इस आदेश के लागू होने पर उल्लिखित अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधानसम्मत आरक्षण के अधिकार प्राप्त होते हैं। हालांकि इस आदेश में संशोधन का अधिकार संसद को प्राप्त है। अनुच्छेद-341 के अनुसार अनुसूचित जातियों के वही लोग आरक्षण के दायरे में हैं, जो भारतीय धर्म हिंदू, बौद्ध और सिख अपनाए हुए हैं। इस प्रकार यदि अनुच्छेद-342 में अनुच्छेद-341 जैसे प्रविधान हो जाते हैं, तो अनुसूचित जनजातियों में मतांतरण की समस्या पर अंकुश लग जाएगा।

संविधान के अनुच्छेद-15 के अनुसार पंथ, जाति, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर राष्ट्र किसी भी नागरिक के साथ पक्षपात नहीं कर सकता। इस दृष्टि से संविधान में विरोधाभास भी हैं। संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश-1950 के अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा, जिसे प्रेसिडेंशियल आर्डर के नाम से भी जाना जाता है। इस परिप्रेक्ष्य में अन्य पंथ समुदायों के दलित और हिंदू दलितों के बीच एक स्पष्ट विभाजक रेखा है। पिछले 60 वर्षों से दलित ईसाई और दलित मुसलमान हिंदू अनुसूचित जातियों को दिए जाने वाले अधिकारों की मांग करते आ रहे हैं। रंगनाथ मिश्र की रिपोर्ट ने इसकी पैरवी भी की थी। हालांकि 2015 में सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसले में कहा था कि एक बार जब कोई व्यक्ति हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई या इस्लाम मतावलंबी बन जाता है, तो हिंदू होने के चलते उसके सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से कमजोर होने की अयोग्यताएं समाप्त हो जाती हैं। लिहाजा उसे संरक्षण देना जरूरी नहीं है। इस हिसाब से उसे अनुसूचित जाति का व्यक्ति भी नहीं माना जाएगा। हिंदुओं का छल-छद्म से मतांतरण रोकने के लिए इस तरह का कानून अब छत्तीसगढ़ में ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए संसद के माध्यम से लाना अनिवार्य हो गया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

response@jagran.com

गंभीर समस्या बनता हिंदुओं का मतांतरण। फाइल

## ऊर्जा

### गतिशील समय

समय गतिशील है। समय एक जैसा कभी नहीं रहता। इसे प्राकृतिक दृष्टि से भी देखा जाए तो समय परिवर्तनशील ही दिखेगा। सुबह के समय का वातावरण कुछ रहता है, दोपहर में कुछ और हो जाता है। जबकि शाम-रात होते अंधेरा छा जाता है। इसी तरह मनुष्य के जीवन में भी समय परिवर्तित होता रहता है। कभी-कभी साधारण-सा दिखने वाले व्यक्ति का समय हो सकता है कि उसकी तूती बोलने लगे। यहीं से स्थितियां बिगड़ती हैं। ऊंचे ओहदे या स्थिति में पहुंचा व्यक्ति मान लेता है कि जीवनपर्यंत उसका ऐसा ही महत्व बना रहेगा, लेकिन सामान्यतया जीवन में बदलाव आता ही है। तुलसीदास जी ने 'प्रभुता पाई काहि मद नाहीं...' में इसका संकेत दे दिया है कि महत्व बढ़ने पर अहंकार आ ही जाता है, परंतु मनुष्य के जीवन का पतन भी अहंकार से होता है।

ऐसी स्थिति में जब व्यक्ति का समय बुलंदी पर हो तो उसे संयम तथा विनम्र बन जाना चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि समय बदला और उसका प्रभाव और महत्व कम हुआ, फिर भी लोग उसका सम्मान करते रहेंगे। जबकि बहुत से व्यक्ति समय अच्छा तथा अनुकूल आने पर लोगों से दूरी बना लेते हैं। वे अपने परिचितों एवं शुभचिंतकों तक को हेय दृष्टि से देखने लगते हैं। ऐसे मनुष्यों के जीवन में जैसे ही गिरावट आती है, वैसे ही लोग भी उन्हें हेय दृष्टि से देखने लगते हैं। बेहतर यही है कि जो भी जहां कहीं महत्वपूर्ण पदों पर हो या अच्छी स्थिति में हो, उसे चाहिए कि अपने से नीचे के लोगों को आगे लाने का प्रयास करे। ऐसी स्थिति में प्रभुतासंपन्न व्यक्ति के जीवन में गिरावट आती भी है तो उसके द्वारा किए गए कार्यों की लोग सराहना करेंगे कि जब मौका था तो उस व्यक्ति ने समाज हित में बहुत सारा कार्य किया तथा लोगों को सम्मान भी दिया। अतः समय को एक जैसा कभी नहीं मानना चाहिए। इसमें बदलाव आता रहता है।

सलिल पांडेय

# स्मार्टफोन की स्क्रीन तक सिमटते बच्चे

डा. मोनिका शर्मा

**स्क्रीन स्क्रालिंग बच्चों के स्वास्थ्य, व्यवहार, खान-पान और सामाजिक जीवन पर दुष्प्रभाव डाल रही है**

कोई बच्चा असभ्य भाषा का प्रयोग कर रहा है, तो किसी के सवाल सुनकर बड़े भी हैरान रह जाते हैं। कुछ बच्चे उम्र से अधिक और अजीब जानकारी रखते हैं, जबकि अन्य अभद्र और अश्लील हाव-भाव सीख चुके हैं। कई बच्चों की शारीरिक बनावट बिगड़ गई है और कुछ बच्चे बड़ों की छोटी-सी बात भी सहन नहीं कर पा रहे हैं। अध्यापकों की सलाह-समझाइश को बर्दाश्त न कर पाने वाले बच्चों की संख्या भी बढ़ रही है। ऐसे में बच्चों के व्यवहार में भोलेपन की जगह दिखावा प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। इसके अलावा कई बच्चे घर बैठे आपराधिक घटनाओं का भी शिकार हो रहे हैं। वर्तमान समय में बचपन से जुड़े ऐसे नकारात्मक पहलुओं की लंबी सूची है, जिनकी जड़ बढ़ता स्क्रीन टाइम है।

वास्तव में गांवों और कस्बों से लेकर महानगरों तक बच्चों का स्क्रीन टाइम काफी बढ़ गया है। इसके परिणामस्वरूप नई पीढ़ी के सदस्य स्वजनों और परिवेश से कुछ नहीं सीख रहे हैं। अपनों से जुड़ने के बजाय उनका मन वर्चुअल सामग्री में अधिक लग रहा है। लगातार दिखते रील्स-वीडियो का अजीब मनोरंजन बच्चों की मासूमियत को लील रहा है। बच्चे नकारात्मक विचारों और व्यवहारों के घेरे में आ गए हैं। स्मार्ट स्क्रीन की सामग्री को हर समय देखते-सुनते बच्चों को अनगिनत स्वास्थ्य समस्याएं भी घेर रही हैं। प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका प्लस वन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, स्मार्ट फोन बच्चों को दोस्तों और रिश्तेदारों से दूर कर रहा है। मोबाइल स्क्रीन में अधिक समय बिताने वाले बच्चों में हताशा, अवसाद और क्रोध की चिंताजनक स्थिति देखी गई। वास्तव में स्मार्ट फोन का उपयोग इतना बढ़ गया है कि यह बच्चों की नींद, पढ़ाई और पारिवारिक संबंधों पर नकारात्मक असर डालने लगा है। चिड़चिड़ापन और गुस्से जैसी व्यवहारगत समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं।

स्पष्ट है कि स्क्रीन स्क्रालिंग बच्चों के स्वास्थ्य, व्यवहार, खान-पान और सामाजिक जीवन पर दुष्प्रभाव डाल रही है। निःसंदेह आंगन की खिलखिलाहट माने जाने वाले बच्चे जब स्क्रीन के दायरे तक सिमटकर शारीरिक बीमारियों और वैचारिक नकारात्मकता के घेरे में आने लगें, तो अभिभावकों का सचेत होना आवश्यक है। आनलाइन गेम की लत हो या रील्स देखने का चस्का, बच्चों का नासमझ मन स्क्रीन दुनिया से समझाइश देने भर से बाहर नहीं आ सकता। माता-पिता को इस मोर्चे पर गंभीर पहल करनी होगी। अभिभावकों ने स्वयं तकनीक से मिली सहूलियत को बच्चों की जिंदगी का हिस्सा बनाकर समस्या खड़ी कर ली है। अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देशों में अभिभावक महंगी फीस चुकाकर बच्चों की स्क्रीन स्क्रालिंग की लत छुड़वा रहे हैं। परंपरागत जीवनशैली और पारिवारिक जुड़ाव का माहौल बच्चों को इस जाल से बचा सकता है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

### देशभक्ति का अभाव

'स्वदेशी का मंत्र' शीर्षक से प्रकाशित संपादकीय पढ़ा। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील पर लिखा है कि "स्वदेशी के मंत्र को महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन समस्या यह है कि लोगों के समक्ष पर्याप्त संख्या में सही गुणवत्ता के स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध नहीं हैं। स्वदेशी अपनाने का यह अर्थ नहीं हो सकता और न होना चाहिए कि लोग कम गुणवत्ता के भी उत्पाद खरीदने के लिए तैयार रहें, आज के युग में ऐसी अपेक्षा उचित नहीं।" इस बात से मैं असहमति व्यक्त करता हूं। इस तरह से संपादकीय उपभोक्तावाद को ही बढ़ावा दे रहा है, नागरिक चेतना को नहीं। ऐसा बहुत बार होता है कि हमारा औपनिवेशिक मानस स्वदेश में निर्मित वस्तुओं को कमतर ही मानता और आंकता है। समान गुणवत्ता की वस्तु खरीदते समय भी मानसिकता में विदेशी वस्तुओं के प्रति इज्जत और आकर्षण अधिक रहता है। वास्तव में हममें देशभक्ति का अभाव है। अन्यथा हम अपने देश में बने हुए स्वदेशी उत्पादों को ही वरीयता देते, विदेशी कंपनियां अपने आप कमजोर हो जातीं और देश अपना ताकतवर। सर्वाधिक जनसंख्या वाला भारत देश अगर स्वदेशी वस्तुओं का उपभोग करना शुरू कर दे तो यही एक मंत्र इस देश को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बन सकता है। यह कैसी देशभक्ति है कि जब हमें स्वदेशी वस्तुओं में तुलनात्मक रूप से अधिक गुणवत्ता भी मिलेगी और मूल्य भी कम होगा, तभी हम खरीदेंगे। हम नागरिक नहीं, उपभोक्ता हैं और उपभोक्ता ही नहीं भोक्ता हैं। भोक्ता यानी भोगने वाला।

जय शंकर तिवारी, गोंडा, उत्तर प्रदेश

## प्रतिक्रिया

### सुरक्षित भविष्य की कुंजी स्वस्थ मन

"प्राथमिकता में आए मानसिक स्वास्थ्य" शीर्षक से लिखे आलेख में गिरीश्वर मिश्र ने बताया है कि किस प्रकार मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और क्लिनिकल साइकोलाजी में एमफिल डिग्री का बंद होना खतरनाक है। स्वास्थ्य केवल शरीर की मजबूती नहीं, बल्कि मन की स्थिरता और जीवन के संतुलन का प्रतीक है। आज की तेज रफ्तार दुनिया में तकनीकी प्रगति, बेरोजगारी, पारिवारिक टूटन, सामाजिक असमानता और उपभोगवाद ने व्यक्ति के मानसिक संतुलन को तोड़ दिया है। परिणामस्वरूप अवसाद, चिंता, व्यसन, बाईपोलर डिसआर्डर और आत्महत्या जैसी समस्याएं महामारी बन चुकी हैं। भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव स्थिति को और गंभीर बना रहा है। विशेषज्ञों की भारी कमी और प्रशिक्षण के सीमित अवसरों के बीच नई शिक्षा नीति द्वारा क्लिनिकल साइकोलाजी में एमफिल डिग्री का समाप्त होना अत्यंत चिंताजनक है। यह डिग्री मानसिक रोगों के उपचार हेतु योग्य चिकित्सक तैयार करने का महत्वपूर्ण साधन थी। सरकार को इस निर्णय पर तुरंत पुनर्विचार करना चाहिए और मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान और संसाधनों का विस्तार करना चाहिए। मन के स्वस्थ हुए बिना स्वस्थ समाज की कल्पना असंभव है। मानसिक रोगों के उपचार को सुलभ बनाना समय की मांग है। जब मन मजबूत होगा, तभी शरीर और समाज दोनों सशक्त होंगे।

bhubaaman2020@gmail.com

### टीचर्स ट्रेनिंग कालेज खुलें

नई शिक्षा नीति ने देश में शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक परिवर्तन किए हैं। नई शिक्षा नीति को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को लेकर शिक्षकों के लिए नियमित रूप से कार्यशालाएं, सेमिनार, गोष्ठी आदि तो आयोजित होने ही चाहिए, किंतु सबसे ज्यादा आवश्यकता पूरे देश में टीचर ट्रेनिंग कालेज खोले जाने चाहिए, जहां अनुभवी शिक्षकों को आमंत्रित किया जाए। ये शिक्षक अपनी विशेषज्ञता को नए शिक्षकों के साथ साझा कर सकें और नई शिक्षा नीति को अच्छी तरह से समझा सकें। वर्तमान में नई शिक्षा नीति अंतर्गत जो कठिनाई का सामना छात्र-छात्राएं कर रहे हैं उनमें प्रमुख शिक्षकों की कमी, रोजगार-मूलक पाठ्यक्रमों का अभाव, नई शिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यपुस्तकों की कमी और जर्जर शिक्षण संस्थान होना भी सम्मिलित है जिसे जल्दी से जल्दी दूर किया जाना आवश्यक है।

sanghvipk1955@rediffmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : response@jagran.com

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक- स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
********

**0.75** प्रतिशत ही महज खर्च करता है शहरी ढांचे पर भारत अपनी जीडीपी का, जबकि चीन इस मामले में 5.7 प्रतिशत और ब्राजील 2.3 प्रतिशत खर्च करता है। भारत में शहरी नगर निकाय ढांचागत विकास पर तीन से पांच प्रतिशत ही खर्च करते हैं।

आजकल

# मजबूत बने शहरी विकास का ढांचा

**भारत में एक-तिहाई से अधिक जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में रहती है जिसके वर्ष 2030 तक 40 प्रतिशत तक पहुंच जाने का अनुमान है। परंतु देश के अधिकांश शहरों में बुनियादी ढांचा आबादी की आवश्यकताओं का बोझ सहने में सक्षम साबित नहीं हो पा रहा है। वस्तुत: शहरों की बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप ढांचागत विकास नहीं हो सका, जिसका दुष्परिणाम स्पष्ट रूप से दिख रहा है। ऐसे में हमें नए सिरे से अवसंरचना का निर्माण करना होगा, ताकि शहरों को निरंतर बढ़ते जनदबाव के भार को सहने योग्य बनाया जा सके**

डा. विकास सिंह
मैनेजमेंट गुरु तथा वित्तीय एवं समग्र विकास के विशेषज्ञ

शहरों में जनसंख्या का दबाव जिस प्रकार बढ़ रहा है, उसी के अनुरूप बुनियादी ढांचा विकास करना होगा। फाइल

लापरवाही, कुशासन और बेतरतीब ढांचे के बोझ तले भारत के शहर दम तोड़ रहे हैं। सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं, फुटपाथ अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुके हैं। ट्रैफिक जाम घंटों जिंदगी को जकड़ लेता है, और गलियों में कचरे के ढेर बदबू फैलाते हैं। बसें और ट्रेनें भीड़ से लबरेज हैं। मकानों की कीमतें बढ़ती जा रही हैं, और रोजी-रोटी की तलाश में लोग शहरों की ओर खिंचे चले आते हैं। भारत के शहर सिर्फ भीड़भाड़ वाले नहीं, बल्कि अपेक्षा से कहीं बहुत अधिक आबादी का बोझ ढोते हुए टूट चुके हैं।

शहर तो समृद्धि और तरक्की के केंद्र होने चाहिए। लेकिन हमारे महानगर अब उत्पादकता को खा रहे हैं, अमीरी-गरीबी की खाई को चौड़ा कर रहे हैं एवं लोगों को थकाते हुए उन्हें जीवन के प्रति निराश-हताश बना रहे हैं। वस्तुत: वर्षों से भारत में शहरीकरण बिना सोच-विचार के बढ़ता गया, जिसने बेतरतीब शहर बनाए, जहां न तो बुनियादी सुविधाएं हैं, न बराबरी और न ही मजबूती। गर्मी और पानी की किल्लत जैसे जलवायु खतरे इस संकट को और गहरा रहे हैं। जो शहर अवसरों की चमक लिए थे, वे अब जीवित रहने की जंग का मैदान बन गए हैं। खुशहाल शहर का सपना रोजमर्रा की मुश्किलों की धुंध में खो गया है।

**शहरों का ढहता ढांचा** : भारत अपनी जीडीपी का सिर्फ 0.75 प्रतिशत शहरों के ढांचे पर खर्च करता है, जबकि चीन 5.7 प्रतिशत और ब्राजील 2.3 प्रतिशत लगाता है। दक्षिण अफ्रीका की नगर सरकारें 18 प्रतिशत सार्वजनिक खर्च संभालती हैं, लेकिन भारत की शहरी स्थानीय निकाय केवल 3-5 प्रतिशत पर अटकी हैं। इस कमी ने शहरों को जर्जर बना दिया। दिल्ली की जहरीली हवा हर साल करीब 30 हजार लोगों की जान लेती है। मुंबई की लोकल ट्रेनें अपनी क्षमता से तीन गुना अधिक यात्रियों को ढोती हैं, जिससे खतरा और अक्षमता बढ़ती है। चेन्नई हर साल मानसून के दौरान बाढ़ की मार झेलता है, जिससे कारोबार ठप हो जाते हैं।

ये कमजोरियां भारत की जीडीपी से हर साल 3-5 प्रतिशत छीन लेती हैं, जैसाकि विश्व बैंक और नीति आयोग का अनुमान है। वर्ष 2023 की सीएजी रिपोर्ट बताती है कि नौकरशाही की सुस्ती, कुप्रबंधन और जवाबदेही की कमी से नगरपालिका के बजट का बड़ा हिस्सा बेकार पड़ा रहता है। इससे उत्पादकता ठप होती है, माल ढुलाई रुकती है और शहरों की आर्थिक चमक फीकी पड़ती है। बिजली की कटौती, जाम वाली सड़कें और खराब सेवाएं कारोबारों की लागत बढ़ाती हैं। इसका असर हर क्षेत्र- कारखानों से लेकर टेक कंपनियों तक दिखता है।

**आर्थिक स्थिति पर दुष्प्रभाव** : शहरों की बदहाली हर व्यक्ति पर भारी पड़ती है- पैसे, सेहत और मन की शांति के मामले में। प्रदूषण से सांस और दिल की बीमारियां बढ़ती हैं, जिसके इलाज पर लोग सालाना सैकड़ों से हजारों रुपये खर्च करते हैं। गंभीर बीमारी वाले परिवार कर्ज या गरीबी में डूब जाते हैं। उदाहरण के तौर पर इसे ऐसे समझा जा सकता है कि यदि कोई कामगार जितने दिन बीमार रहा और वह काम पर नहीं गया, उसे उतने दिनों की मजदूरी नहीं मिलेगी, लिहाजा उसकी आर्थिक स्थिति का कमजोर होना स्वाभाविक है। मजदूरों के लिए एक दिन की छुट्टी मतलब उस दिन की रोटी का नुकसान। काम पर रहते हुए भी प्रदूषण और थकान से दिमाग और मेहनत कमजोर पड़ती है, जिससे नौकरी में तरक्की की राह मुश्किल हो जाती है।

वहीं शहरों में ट्रैफिक में फंसना एक और छिपा हुआ टैक्स है। बेंगलुरु या हैदराबाद में रोज डेढ़ घंटे जाम में खोना आम है। जबकि यह समय कमाई, पढ़ाई या परिवार के लिए इस्तेमाल हो सकता था। इसमें बर्बाद पेट्रोल, गाड़ी की टूट-फूट और छोटी-मोटी कमाई के मौके गंवाने का नुकसान भी जुड़ता है। लोग प्रदूषण से बचने के लिए एयर प्यूरीफायर, मास्क, खास खानपान और निजी सेवाएं- जैसे पानी के टैंकर या लाइफ गार्ड आदि खरीदते हैं, जिससे घर का बजट तंग हो जाता है। ये खर्च छोटे लगते हैं, लेकिन खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के लिए ये भारी बोझ बन जाते हैं।

**दीर्घकालीन नुकसान** : उत्तर भारत जैसे प्रदूषित इलाकों में पीएम 2.5 की जहरीली धूल जीवन को पांच साल तक कम कर सकती है। वायु प्रदूषण बच्चों की समझ, ध्यान और पढ़ाई को नुकसान पहुंचाता है, जिससे कालेज और नौकरी की राह मुश्किल हो जाती है। हमारे शहर उन लोगों को ही ठुकराते हैं जो उनकी रीढ़ हैं। मजदूर, रेहड़ी वाले, सफाईकर्मी ये शहर चलाते हैं, पर योजनाओं में इनकी कोई जगह नहीं। इस तरह के लोग ज्यादातर झुग्गियों में रहते हैं, जहां न मकान का हक है, न साफ पानी, न स्वच्छता। झुग्गी पुनर्विकास अक्सर मुनाफे के लिए होता है, जिससे गरीबों को शहर के किनारे और भी बदतर जगहों पर धकेल दिया जाता है। मध्यम वर्ग, जो शहरों की खपत चलाता है, वह भी परेशान है। पानी, बिजली, स्कूल, सुरक्षा ये बुनियादी जरूरतें निजी सेवाओं से पूरी करनी पड़ती हैं, जो जेब पर भारी पड़ती हैं। इससे बचत, पढ़ाई या मौज-मस्ती का पैसा कम पड़ जाता है। लोग संस्थानों से कटते जा रहे हैं, और गेटेड कालोनियां शहरों को टुकड़ों में बांट रही हैं, जिससे साझा सुधार की मांग कमजोर पड़ती है।

**योजनाकार की कमी** : वर्ष 2023 में किए गए एक संबंधित अध्ययन के मुताबिक, भारत में प्रति एक लाख लोगों पर केवल 2.4 शहरी योजनाकार हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका में 12 और यूके में इनकी संख्या 38 है। इतना ही नहीं, इनमें से लगभग 70 प्रतिशत योग्य योजनाकार नहीं हैं, और नेतृत्व अक्सर अल्पकालिक नौकरशाहों के पास होता है, जिनके पास न विशेषज्ञता है, न जवाबदेही। इससे योजनाएं बेतरतीब और संकटों का ढेर बन जाती हैं। लिहाजा यह आवश्यक है कि शहरी विकास के लिए योजनाकारों की संख्या बढ़ाई जाए। साथ ही, समुचित रूप से नियोजित व्यवस्था के अनुरूप शहरी विकास कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाए।

**अधूरी शुरुआत, रुके वादे** : वर्ष 2015 का स्मार्ट सिटीज मिशन, एक लाख करोड़ रुपये के बजट के बावजूद वर्ष 2023 तक केवल 25 प्रतिशत फंड खर्च कर पाया। सजावटी लाइट्स जैसे दिखावटी कामों को इसमें तरजीह दी गई, जबकि सीवेज, पानी और मकान जैसे जरूरी काम छूट गए। ये नाकामी केवल गलत प्राथमिकताओं के कारण ही नहीं हुई है, बल्कि कई एजेंसियां, राज्य विभाग, केंद्रीय मंत्रालय आदि की जवाबदेही पूरी तरह से तय नहीं करने के कारण परियोजनाएं अटक जाती हैं। कर्मचारियों और प्रशिक्षण की कमी से भी परियोजनाएं लटकती हैं। वर्ष 2022 की नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि 40 प्रतिशत स्मार्ट सिटीज प्रोजेक्ट्स में देरी इसलिए हुई, क्योंकि पर्याप्त तकनीकी ज्ञान नहीं था। नेताओं को तुरंत वोट चाहिए, इसलिए वे चमकदार प्रोजेक्ट्स चुनते हैं, न कि नालों या सस्ते मकानों जैसे जरूरी काम। भ्रष्टाचार भी फंड खा जाता है, जैसाकि 2023 की सीएजी रिपोर्ट में 15 प्रतिशत अनुबंधों में गड़बड़ियां पाई गईं। ये सारी कमियां शहरों को अधूरे सपनों का जाल बनाती हैं। फिर भी, कुछ उम्मीदें हैं। इंदौर की सफाई व्यवस्था हो या सूरत की बाढ़ से निपटने की तैयारी, या फिर भुवनेश्वर की डाटा-आधारित योजनाएं, यह सब दिखाती हैं कि सही नेतृत्व क्या कर सकता है। इनके अलावा, दुनिया के ऐसे अनेक उदाहरण हैं जो इस उम्मीद को जगाते हैं कि एक दिन हमारे देश में भी व्यवस्था में सुधार हो सकता है।

## शहरी स्थानीय निकायों की व्यवस्था दुरुस्त की जाए

शहरों को बचाने के लिए बड़े बदलाव चाहिए और शुरुआत हो सकती है इसके असली विकेंद्रीकरण से। 74वां संवैधानिक संशोधन यूएलबी यानी शहरी स्थानीय निकायों को ताकत देने के लिए बना, परंतु अधिकांश राज्यों ने इसे लागू नहीं किया है। शहरी स्थानीय निकायों को अपनी टैक्स, योजनाएं और सेवाएं स्वयं संभालने का हक चाहिए- चाहे बेंगलुरु की सड़कों को जाम से मुक्त करना हो या फिर चेन्नई को बाढ़ से बचाना हो। लोगों की उदासीनता तोड़ने के लिए, शहरी स्थानीय निकायों को नागरिक सभाएं और संबंधित सेवाओं के लिए डिजिटल एप्स शुरू करने चाहिए, जहां लोग अपने इलाके के लिए बजट और प्रोजेक्ट्स चुन सकें। हर तीन महीने में वार्ड मीटिंग्स से नागरिकों की समस्याएं भी सुनी जा सकती हैं।

शहरों के विकास के लिए कुशल लोग चाहिए। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ अर्बन अफेयर्स को 2030 तक 10 हजार योजनाकार, परिवहन विशेषज्ञ और जलवायु विज्ञानी तैयार करने चाहिए। यह लक्ष्य बड़ा है, परंतु दुनिया के मानकों से मेल खाता है। 20 छोटे शहरों में 10 हजार करोड़ सालाना फंड से नवाचार केंद्र बनें, जो सूरत के मकानों से पुणे की बसों तक जैसे समाधान लाएं। आवास को सड़क या मेट्रो की तरह जरूरी ढांचा माना जाए। सस्ती बसें, मेट्रो और पैदल चलने लायक गलियां बनें, ताकि गाड़ियों पर निर्भरता कम हो और सबके लिए रास्ते आसान हों। इनमें बदलाव का रास्ता इस प्रकार हो सकता है- राज्यों को शहरी स्थानीय निकायों को टैक्स और योजनाओं का हक देना होगा, जिसके लिए केंद्र अनुदान दे। वर्ष 2030 तक 20 शहरों में नवाचार केंद्र बनें। किराए के कानून बदलें और 2040 तक 50 लाख सस्ते मकान बनाएं। वर्ष 2028 तक सभाएं, एप्स और वार्ड मीटिंग्स शुरू हों, ताकि लोग अपने शहर को स्वयं बनाएं। मिसाल के तौर पर एक एप से लोग पार्क या कचरा प्रबंधन जैसे कार्यों को आसान बना सकते हैं।

राज्यों को शहरों को असली ताकत देनी होगी। वरना, भारत का युवा जोश बोझ बन जाएगा, गुस्सा बढ़ेगा। शहर सिर्फ पैसा कमाने की जगह नहीं, वह जिंदगी, रिश्तों और सपनों के केंद्र है। भारत के शहरों को बचाने के लिए हमें नए सिरे से योजनाएं बनानी होंगी। भारत की तरक्की, एकता और वैश्विक पहचान शहरों को ठीक करने पर टिकी है। इसके लिए हमें सबसे पहले शहरी स्थानीय निकायों को ताकत प्रदान करना होगा। (डा. विकास सिंह)

फिर से

## गांव के अस्तित्व पर मंडराता संकट

गांव अब अपनी मौलिकता खो रहे हैं। ऐसा मैं किसी पूर्वाग्रह के कारण नहीं कह रहा हूं। गांव की संरचना को विनष्ट कर हम उसे गांव की परिभाषा में कैसे पहचान सकते हैं? गांव की प्रमुख पहचान विनिर्माण में उसकी आत्मनिर्भरता और प्रकृति के साथ सहअस्तित्वपूर्ण जीवन के रूप में थी जिसे शनैः शनैः खत्म किया गया। मिट्टी खोदने से बने ताल भूजल के प्राकृतिक रिचार्ज स्रोत थे। मेरे गांव में पहले हर घर के आसपास तालाब हुआ करते थे जिसे अब पाटा जा चुका है। कच्चे मकान को बनाने में लकड़ी वगैरह की व्यवस्था बड़ी आसानी से गांव में ही हो जाती थी और ये मकान एक तरह से मौसम के अनुकूल हुआ करते थे।

फिर पक्के मकान बनाए जाने लगे, मार्बल और टाइल से बने घर आंगन विहीन हो गए। नतीजा यह हुआ कि बिना एयर कंडीशनर लगाए आप उसमें रह ही नहीं सकते। फिर टंकी छत पर रख दिया और उस प्लास्टिक में रखे उबलते बासी पानी को पीने के लिए आपको फ्रिज की जरूरत पड़ी। पानी ऊपर चढ़ाने के लिए मोटर की जरूरत पड़ी। कुएं अपनी प्रासंगिकता खो चुके। पूरा का पूरा ढांचा ही बदल गया। सबमर्सिबल लगाकर अंधाधुंध पानी खींचने से कुएं सूख चुके हैं, सूखे कुएं पाट दिए गए हैं।

गांव में दातून करना, गाय भैंस रखना, सब पिछड़ी बातें हो गई हैं। शहर से इफरात पैसा आ रहा है। सरकार तमाम सुविधाएं दे रही है। बहुत कुछ कम कीमत पर उपलब्ध है। प्रधान से थोड़ा बना कर चलो तो फिर कहना ही क्या। यह सब इसलिए भी लिख रहा हूं, क्योंकि गांव को अब गांव न समझा जाए, उसे शहर का अनुगामी समझा जाए। गांवों ने आत्मनिर्भरता गिरवी रखकर शहरों में बदलना शुरू कर दिया, बल्कि शहरों को पीछे छोड़ने लगे।

बिना पहचान खोए, बिना अपने गीत खोए, बिना अपने ताल, संगीत, आंगन खोए भी गांव प्रगति कर सकता है, पर इस प्रगति के लिए गांव वाले ही मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं। गांव के अस्तित्व पर संकट है, यह केवल गांव का संकट नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता पर भी संकट समझा जाए।

**(पवन विजय की फेसबुक वाल से संपादित अंश, साभार)**

## पोस्ट

भारत-इंग्लैंड शृंखला के हर एक मैच का नतीजा किसी के भी पक्ष में जा सकता था। इस लिहाज से शृंखला का परिणाम बराबरी पर रह जाना उचित ही है।
आरोन फिंच@AaronFinch5

अमेरिका के ओहायो में भारतीय मूल की सालिसिटर जनरल मधुरा श्रीधरन को इसके लिए ट्रोल किया जा रहा है कि वे बिंदी क्यों लगाती हैं। यह बात अलग है कि धार्मिक स्वतंत्रता के लिए दुनिया भर को उपदेश भी यहीं से मिलता है।
अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

'सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा?' अब तो कोर्ट ने भी सवाल उठा दिए हैं राहुल गांधी पर। ऊपर से यह प्रश्न भी पूछा, जिसका जवाब राहुल को देश को देना चाहिए कि उन्हें कैसे पता चला कि चीन ने भारत की जमीन कब्जा ली है?
सुशांत सिन्हा@SushantBSinha

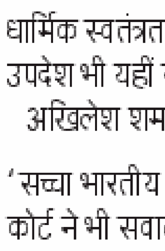

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अपने अर्थशास्त्र के अध्यापक की ओर रुख करते हुए उनसे यह जानकारी लेनी चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था आखिर कब मृत अवस्था में थी। इसकी जड़ें कांग्रेस राज से जुड़ी मिलेंगी।
तवलीन सिंह@tavleen_singh

## जागरण जनमत

कल का परिणाम

**एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच पर दर्शकों के बहिष्कार से कोई असर पड़ेगा?**

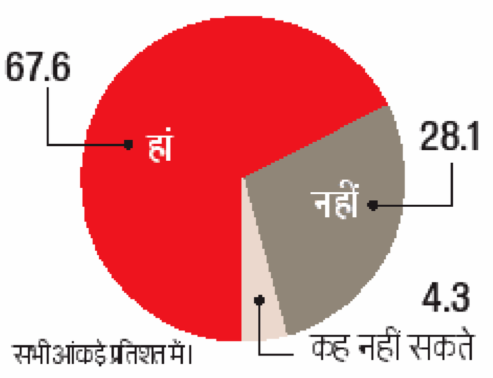


सभी आंकड़े प्रतिशत में।

**आज का सवाल**
क्या सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद राहुल गांधी संभलकर बोलेंगे?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

## जनपथ

दो-दो करके ही रुके करके दो-दो हाथ,
रही बराबर शृंखला अंग्रेजों के साथ।
अंग्रेजों के साथ हुई जो जोर अजमाइश,
उसमें जीत सिवाय नहीं थी दूजी चॉइस!
टीम नई थी किंतु ब्रिटिश को डाला है धो,
तभी शृंखला आज बराबर छूटी दो-दो!!
- ओमप्रकाश तिवारी

जयकृष्ण वाजपेयी
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बंगाल

बंगाल डायरी

# तो बंगाल में बेबस है चुनाव आयोग

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान को लेकर विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। बिहार के बाद बंगाल में भी एसआइआर की तैयारी हो रही है। प्रदेश में आगामी वर्ष विधानसभा चुनाव होना है। इस बीच केंद्रीय चुनाव आयोग की ओर से राज्य सरकार को दो पत्र भेजे गए हैं। इनमें से एक पत्र में बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की कार्यात्मक स्वतंत्रता और प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण तत्काल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने साफ कहा है कि राज्य सीईओ कार्यालय को वित्तीय और प्रशासनिक स्वतंत्रता नहीं दी गई है, जिससे चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और कार्य क्षमता पर असर पड़ सकता है। वहीं दूसरे पत्र में सीईओ दफ्तर को स्थानांतरित करने को कहा गया है। इन दोनों ही पत्रों में चुनाव आयोग की बेबसी दिख रही है। इसकी वजह यह है कि दशकों बाद आयोग को स्वायत्तता की बातें याद आई हैं।

यहां बड़ा प्रश्न यह है कि जब अन्य राज्यों में सीईओ कार्यालय को पूरी स्वायत्तता है तो फिर बंगाल में अब तक क्यों नहीं है? इसका अर्थ यह नहीं निकलेगा कि अब तक राज्य के अधीन रहकर सीईओ कार्यालय विधानसभा और लोकसभा का चुनाव संचालन कर रहा था। आखिर इतने दिनों तक चुनाव आयोग क्यों बेबस रहा कि वह अपने सीईओ कार्यालय को स्वायत्तता नहीं दिला पाया? यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर प्रश्न है।

चुनाव आयोग ने बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत को गत 17 जुलाई को पहला पत्र भेजा, जिसमें सीईओ कार्यालय को सिर्फ स्वतंत्र करने की ही नहीं बल्कि बहुत सीमित वित्तीय अधिकार प्राप्त होने की बात भी लिखी। यह अपने आप में एक अनूठा मामला है कि राज्य के सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल बंगाल सरकार के गृह एवं

प्रतीकात्मक

पर्वतीय मामलों के विभाग का पदेन अतिरिक्त मुख्य सचिव का पद भी संभाल रहे हैं यानी अग्रवाल राज्य सरकार के अधीन भी काम कर रहे हैं। इन विभागों का प्रमुख प्रधान सचिव स्तर का अधिकारी होता है, जबकि सीईओ का पद अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर का होता है। आयोग ने इस स्थिति को असामंजस्यपूर्ण बताते हुए इसे जल्द से जल्द ठीक करने को कहा है। चुनाव आयोग ने पत्र में यह भी लिखा है कि बंगाल सरकार स्वतंत्र चुनाव विभाग तैयार करे, जो किसी अन्य विभाग से पूरी तरह अलग हो। इसके लिए अलग बजट की व्यवस्था की जाए, ताकि चुनाव विभाग को स्वतंत्र रूप से वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार मिल सके। आयोग का कहना है कि यह स्वतंत्रता निष्पक्ष और प्रभावी चुनाव संचालन के लिए आवश्यक है। राज्य के सीईओ को वैसी ही वित्तीय शक्तियां मिलनी चाहिए जैसी अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव या सचिव स्तर के अधिकारी को दी जाती हैं। इससे वे चुनाव संचालन से जुड़ी जरूरी प्रशासनिक और वित्तीय जरूरतों को स्वतंत्र रूप से पूरा कर सकेंगे। सीईओ कार्यालय में अतिरिक्त, संयुक्त और उप चुनाव अधिकारियों के चार पद लंबे समय से रिक्त हैं।

अभी इस पत्र को लेकर चर्चा थमी भी नहीं कि एक और पत्र चुनाव आयोग ने बंगाल के मुख्य सचिव को भेज दिया। इसमें सीईओ कार्यालय को स्थानांतरित करने को कहा गया है। सीईओ कार्यालय अभी कोलकाता के बीबीडी बाग स्थित बामर लारी भवन में है। सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ रही है। इसलिए कार्यालय को स्थानांतरित करना जरूरी हो गया है। संभावना है कि नए कार्यालय को किसी ऐसे भवन में स्थानांतरित किया जाएगा, जहां केंद्र सरकार के अन्य कार्यालय स्थित हैं। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के अनुसार, किसी राज्य के सीईओ का कार्यालय संबंधित राज्य के वित्त या गृह विभाग के अधीन नहीं होता है। यह एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है, जो केंद्रीय चुनाव आयोग की देखरेख में कार्य करता है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर ये कदम पहले क्यों नहीं उठाए गए?

चुनाव आयोग के पत्र पर ममता सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से इसे लेकर आपत्ति जताई गई है। वहीं राज्य सरकार कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श ले रही है कि चुनाव आयोग द्वारा दिए गए निर्देश को अदालत में चुनौती दी जा सकती है या नहीं? ममता सरकार ही नहीं, शासक दल भी इसे कोर्ट में चुनौती देने के पक्ष में हैं। उनका मानना है कि आयोग का निर्देश 'प्रशासनिक' कम और 'राजनीतिक' कदम अधिक है। चुनाव आयोग के इस फैसले पर बंगाल विधानसभा के स्पीकर बिमान बनर्जी ने कहा कि यह बहुत विवादास्पद मुद्दा है। वह इसपर कोई विशेष टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि उन्हें यह फैसला स्वीकार नहीं है। स्पीकर ने कहा कि राज्य वित्तीय सहायता तो देगा, लेकिन कोई नियंत्रण नहीं रख सकेगा, कोई राय नहीं दे सकेगा, ऐसा नहीं हो सकता। चुनाव आयोग द्वारा पत्र भेजे जाने के बाद सीईओ कार्यालय में रिक्त पदों को भरने के लिए ममता सरकार की ओर से कुछ कदम उठाए जाने की सूचना है। जानकारों का कहना है कि ममता बनर्जी एसआइआर के विरोध में हैं। वह धमकी भी दे चुकी हैं कि एक भी वोटर का नाम कटा तो वह चुनाव आयोग का घेराव करेंगी। क्या इसीलिए सीईओ कार्यालय को स्वायत्तता देने का मुद्दा उठा है? अब देखना है कि चुनाव आयोग को इस बेबसी से कब मुक्ति मिलती है?

मंथन

समायरा
शोधार्थी, जेएनयू

# आवारा कुत्तों से जुड़ी समस्याएं

**शहरों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ने और उनकी देखभाल की व्यवस्था न होने से लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। संबंधित विभागों और समाज को इसके समाधान के लिए आगे आना होगा**

मानव बस्तियों में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से उनके काटने का जोखिम भी बढ़ गया है। फाइल

शहरों में बढ़ रही आवारा कुत्तों की संख्या का मुद्दा सड़क से संसद होते हुए न्यायालय तक पहुंच गया है। मीडिया में आने वाली खबरों पर संज्ञान लेते हुए दो न्यायाधीशों ने इस मामले को उचित आदेश के लिए मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखने का निर्णय दिया है। तात्कालिक रूप में देखें तो भले ही यह निर्णय दिल्ली और आसपास की स्थिति को देख कर लिया गया प्रतीत होता है, परंतु वास्तविकता यह है कि राष्ट्रीय फलक पर मामला और भी गंभीर नजर आता है। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024 में देश में कुत्तों के काटने के 37 लाख से अधिक मामले किए गए हैं। 'द लांसेट' के अनुसार, रेबीज के कारण दुनियाभर में हर साल 59 हजार लोगों की मौत होती है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरों में बढ़ रही स्ट्रीट डाग की आबादी नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है, खासतौर पर स्कूल जाने वाले बच्चों, मार्निंग वाक पर जाने वाले बुजुर्गों और आफिस जाने वाले लोगों के बीच आवारा कुत्तों द्वारा पीछा किए जाने या काटे जाने का डर रहता है। कभी-कभी तो कुत्ते का काटना इतना गंभीर हो जाता है कि लोगों को अपनी जान से हाथ तक धोना पड़ जाता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में हर साल रेबीज से पांच हजार से अधिक लोगों की मौत होती है। जबकि भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना के तहत वर्ष 2030 तक देश को रेबीज मुक्त किया जाना है। जिसके लिए यह जरूरी होगा कि बड़े पैमाने पर कुत्तों का टीकाकरण हो तथा कुत्तों की जनसंख्या नियंत्रित की जाए। लेकिन इन तमाम लक्ष्यों और जानकारियों के बावजूद सड़कों पर घूमते आवारा कुत्तों को लेकर क्या रवैया अपनाया जाए, इसको लेकर समाज और न्यायालय दोनों में एक दुविधा की स्थिति है। निश्चित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए व्यापक जन जागरूकता पर कार्य करना होगा, जो कि कार्ययोजना में भी स्पष्ट है। लेकिन, दुर्भाग्य से लक्ष्य प्राप्ति के पूरे कार्ययोजना के बजाय न्यायालय और प्रशासन का ध्यान या कहें कि विमर्श खुले में कुत्तों के खाने पर पाबंदी लगाना या उनका दूसरी जगहों पर स्थानांतरण करने तक ही सीमित है।

बीते दिनों लिए गए फैसलों को देखें तो जहां एक तरफ दिल्लीवासियों को स्ट्रीट डाग के बढ़ते आतंक से राहत देने के लिए उच्च न्यायालय ने राजधानी में सभी आवारा कुत्तों का जल्द से जल्द पुनर्वास के आदेश दिए। नीतिगत स्तर पर पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) 2023 के नियमों को समझें तो आवारा कुत्तों को केवल नसबंदी और टीकाकरण के लिए ही उठाया जा सकता है। अगर किसी इलाके में कुत्तों के काटने की शिकायत भी हैं, तो भी कुत्तों को अन्यत्र नहीं ले जाया जा सकता। देश भर में आवारा कुत्तों की नसबंदी व टीकाकरण का कार्य धीमा है और पशु जन्म नियंत्रण में कमी लाने में विफलता इनकी संख्या, और उनके द्वारा काटे जाने की घटनाओं में वृद्धि का एक प्रमुख कारण है। ऐसे में यदि सम्यक तौर पर देखें तो यह मुद्दा प्रशासनिक से ज्यादा सामाजिक है।

**रसूख दिखाने की चाहत** : यह भी देखा गया है कि पशु प्रेम से ज्यादा शौक और रसूख दिखाने के लिए लोग जानवरों, विशेष तौर पर कुत्तों को पाल तो लेते हैं, लेकिन जल्दी ही इन से तंग आकर इन्हें सड़कों पर छोड़ देते हैं। कभी पालतू जानवर रहे ये कुत्ते बदहवास और भूख के कारण राह चलते लोगों को काटते और परेशान करते हैं, विशेष तौर पर जब वे किसी आक्रामक प्रजाति के हों। कुत्ते पालने वालों का यह दुर्भाग्यपूर्ण रवैया सिर्फ उनको सड़कों पर छोड़ने तक ही सीमित नहीं है। हाल ही में एक आटो रिक्शा में एक बच्चे पर पालतू कुत्ते द्वारा हमले का मामला सामने आया जिसमें कुत्ते का मालिक एक अन्य बच्चे को बचाने के बजाय तमाशा देख रहा था। इस घटना ने लोगों के मन में पालतू कुत्तों के प्रति भी खौफ का माहौल बना दिया है। ऐसे में प्रशासन को चाहिए कि पालतू कुत्ते रखने वाले लोगों के लिए भी कुछ नियम व कानून लागू करे।

आवारा कुत्तों की आबादी का प्रबंधन मानवीय और नैतिक होना चाहिए जो इन कुत्तों से संवेदना रखने वाले व इनको न अपनाने वाले, दोनों पक्षों के लोगों के लिए स्वीकार्य हो। प्रशासन लोगों की सुरक्षा और पशु कल्याण, दोनों को ध्यान में रखते हुए नीति बनाए ताकि कुत्ते और मानव समुदायों को होने वाले नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। कुत्तों की नसबंदी के अलावा अन्य उपाय किए जाने चाहिए, ताकि इनकी संख्या कम हो सके। इसके अलावा, आवारा कुत्तों के प्रति सहानुभूति रखने वाले लोगों को भी आगे आकर इन कुत्तों की स्थिति में सुधार के लिए पूरा योगदान देना होगा। लोगों को समझना होगा कि उनकी जिम्मेदारी केवल आवारा कुत्तों को खाना खिलाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि ऐसे प्रयास करने की आवश्यकता है जो आम नागरिकों और पशुओं, दोनों के लिए सुरक्षित और प्रभावी हो।

********

राष्ट्रीय संस्करण
मंगलवार 5 अगस्त, 2025
दैनिक जागरण
बिजनेस
www.jagran.com

### पैन 2.0 के लिए आइटी कंपनी का चयन

**नई दिल्ली :** आयकर विभाग ने अपनी पैन 2.0 परियोजनाओं को आइटी सेवाएं देने के लिए टेक्नोलाजी कंसल्टिंग व डिजिटल समाधान प्रदाता कंपनी एलटीआइमाइंडट्री का चयन किया है। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि अगले डेढ़ साल में इस परियोजना का संचालन शुरू होने की उम्मीद है। केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष पैन 2.0 योजना लाने की घोषणा की थी। (प्रेट्र)

आकलन वर्ष 2020-21 में कारपोरेट कर दरों में कमी के प्रभावी होने के बाद कुल कर संग्रह में बढ़ोतरी हुई है।
– पंकज चौधरी, वित्त राज्यमंत्री

| सेंसेक्स | निफ्टी | सोना प्रति दस ग्राम | चांदी प्रति किलोग्राम | डालर | क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल |
|---|---|---|---|---|---|
| 81,018.72 ▲ 418.81 | 24,722.75 ▲ 157.40 | ₹98,020 ▲ ₹400 | ₹1,10,000 ▲ ₹500 | ₹87.66 ▲ ₹0.48 | $ 68.87 |

## एक नजर में

### पेटीएम से बाहर निकलेगा चीन का एंट समूह

**बेंगलुरु :** चीन का एंट समूह भारत की डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम से पूरी तरह से बाहर निकलेगा। इसके लिए समूह पेटीएम के अपने शेयरों को 3,800 करोड़ रुपये में ब्लाक डील के जरिये बेचेगा। अभी पेटीएम में एंट समूह की 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह हिस्सेदारी 1,020 रुपये प्रति शेयर की दर पर बेची जाएगी। पेटीएम या एंट समूह ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। (रायटर)

### टाटा कैपिटल ने जमा किए आइपीओ दस्तावेज

**बेंगलुरु :** टाटा कैपिटल ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) के लिए सोमवार को सेबी के पास मसौदा दस्तावेज जमा किए। आइपीओ में 21 करोड़ नए शेयर और 26.58 करोड़ प्रमोटर शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। प्रमोटरों में टाटा संस के 23 करोड़ और इंटरनेशनल फाइनेंस कारपोरेशन के 3.58 करोड़ शेयर शामिल हैं। (रायटर)

### डालर के मुकाबले रुपये में 48 पैसे की गिरावट रही

**मुंबई :** विदेशी फंडों की लगातार निकासी और व्यापार टैरिफ की अनिश्चितताओं के चलते सोमवार को रुपये में अमेरिकी डालर के मुकाबले 48 पैसे की गिरावट रही। दिनभर के कारोबार के बाद यह डालर के मुकाबले 87.66 के स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, ट्रंप के टैरिफ ने वैश्विक व्यापार में व्यवधान की नई चिंताओं को जन्म दिया है। (प्रेट्र)

### बीवाईडी से समझौते पर वार्ता नहीं : अदाणी समूह

**नई दिल्ली :** अदाणी समूह ने सोमवार को कहा कि बैटरी मैन्यूफैक्चरिंग और स्वच्छ ऊर्जा टेक्नोलाजी को लेकर वह चीन की कंपनी बीवाईडी से समझौते को लेकर कोई वार्ता नहीं कर रही है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजारों को बताया कि चीनी कंपनियों बीवाईडी और बीजिंग वीलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलाजी के साथ गठजोड़ करने की खबरें गलत हैं। (प्रेट्र)

# 40 हजार करोड़ के इंसेंटिव से सिर्फ 7.6% ईवी

## नीति आयोग ने ईवी की हिस्सेदारी बढ़ाने को लेकर जारी किया रोडमैप, अनिवार्य बनाने पर दिया जोर

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली :** नीति आयोग के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री बढ़ाने के लिए सरकार पिछले 10 सालों में 40 हजार करोड़ रुपये का इंसेंटिव दे चुकी है। फिर भी वाहनों की सालाना बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी सिर्फ 7.6 प्रतिशत ही पहुंची है। सरकार ने दस साल पहले वर्ष 2030 तक वाहनों की कुल बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा था। यानी अब अगले पांच साल में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ईवी की हिस्सेदारी को 22 प्रतिशत तक बढ़ाना होगा, जो आसान नहीं है। इस मुश्किल लक्ष्य को हासिल करने के लिए नीति आयोग ने सोमवार को रोडमैप जारी किया। आयोग का मानना है कि इस 22 प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल करने पर भारत में 200 अरब डालर के कारोबार का विस्तार होगा जिससे बड़ी संख्या में रोजगार निकलेंगे।

आयोग की सबसे प्रमुख सिफारिश है कि सरकार को अब इंसेंटिव का फार्मूला समाप्त कर अनिवार्यता का फार्मूला अपनाना चाहिए। आयोग ने ईवी की खरीदारी के लिए लोन की उचित व्यवस्था के साथ ई-बस और ई-ट्रक के लिए अलग से कारिडोर बनाने के लिए कहा है। वहीं, ईवी की लागत को कम करने के लिए बैटरी लीजिंग प्रणाली शुरू करने और सभी बैटरी का एक आधार या पासपोर्ट जैसा नंबर जारी करने की भी सिफारिश की गई है। ईवी में 40 प्रतिशत लागत बैटरी की होती है। बैटरी को वाहन से अलग कर दिया जाए तो इसकी कीमत काफी कम हो जाएगी। उपभोक्ता बैटरी को एक निश्चित अवधि के लिए लीज पर लेकर अपने वाहन को चला सकेंगे। बैटरी के आधार या पासपोर्ट जैसे विशेष नंबर से इसकी कीमत का सही मूल्यांकन के लिए किया जा सकेगा। इससे पता लग सकेगा कि कौन सी बैटरी कितनी चली है या उसकी कितनी क्षमता बची है। विज्ञान व तकनीकी विभाग की देखरेख में नंबर देने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा सकता है।

प्रेट्र के अनुसार, रिपोर्ट में बताया गया है कि 2016 में देश में 50 हजार ईवी की बिक्री हुई थी। 2024 में यह संख्या बढ़कर 20.08 लाख हो गई है। वहीं, वैश्विक स्तर पर 2016 में 9.18 लाख ईवी की बिक्री हुई थी, जो 2024 में बढ़कर 1.87 करोड़ हो गई है। आयोग के अनुसार, ईवी अपनाने में दिल्ली, महाराष्ट्र और चंडीगढ़ अग्रणी बनकर उभर हैं।

**30** प्रतिशत हिस्सेदारी करने का लक्ष्य है 2030 तक कुल वाहन बिक्री में ईवी की

- ईवी की लागत कम करने के लिए बैटरी लीजिंग प्रणाली शुरू करने की सिफारिश

**22** प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ानी होगी ईवी की अगले पांच वर्षों के दौरान भारत को

- आयोग ने राज्यों से कुछ शहरों में अनिवार्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहन चलाने के लिए कहा

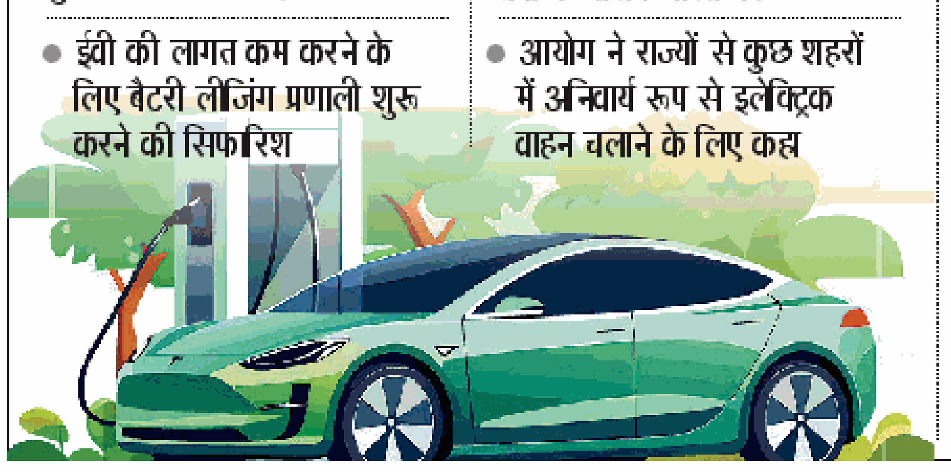

### ई-बस खरीदने के लिए लोन की ठोस व्यवस्था हो

आयोग ने सरकार को सार्वजनिक बस, सरकारी वाहन और शहरों में माल ढुलाई करने वाले वाहनों को अनिवार्य रूप से इलेक्ट्रिक के दायरे में लाने के लिए कहा है। आयोग ने कहा है कि वर्ष 2000 में दिल्ली में सभी सार्वजनिक बसों को अनिवार्य रूप से सीएनजी में तब्दील किया गया था। आयोग का मानना है कि ई-बस और ई-ट्रक की खरीदारी के लिए लोन की ठोस व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा बड़ी कंपनियां लीज पर इलेक्ट्रिक बसों को चलवा सकती है। आयोग ने कहा है कि सभी राज्यों को तय समय में अपने-अपने कुछ शहरों में एक निश्चित संख्या में इलेक्ट्रिक वाहन चलवाने को अनिवार्य करना चाहिए। इसके अलावा चार्जिंग स्टेशन की संख्या में जबरदस्त इजाफा और बैटरी टेक्नोलाजी पर अनुसंधान करने की भी सिफारिश की गई है।

# रियल एस्टेट और सोने में सबसे अमीर भारतीयों का 60% निवेश

**नई दिल्ली, आइएएनएस :** देश की आबादी में एक प्रतिशत हिस्सेदारी वाले सबसे अमीर लोगों ने अपने धन का 60 प्रतिशत रियल एस्टेट और सोने में निवेश किया है। अमेरिका की वेल्थ मैनेजमेंट फर्म बर्नस्टीन के अनुसार, इस वर्ग में अल्ट्रा हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स, हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स और समृद्ध वर्ग शामिल हैं, जिनकी संख्या केवल एक प्रतिशत है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस समय भारत की कुल घरेलू संपत्ति करीब 19.6 ट्रिलियन डालर है। इसमें से 11.6 ट्रिलियन डालर या 59 प्रतिशत इस समृद्ध वर्ग के पास है। इस वर्ग के पास भारत की वित्तीय संपत्तियों का 70 प्रतिशत है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस समृद्ध वर्ग ने केवल 2.7 ट्रिलियन डालर ऐसी वित्तीय संपत्तियों में निवेश किया है, जिन्हें सक्रिय रूप से प्रबंधित या पुनर्वितरित किया जा सकता है। इसमें म्यूचुअल फंड, शेयर, बीमा और बैंक या सरकारी जमा शामिल हैं। शेष 8.9 ट्रिलियन डालर गैर-सेवा योग्य संपत्तियों में रखा गया है, जिसमें सोना, नकद, प्रमोटर इक्विटी, और भौतिक रियल एस्टेट शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले दशक में संपत्ति प्रबंधन फर्मों के लिए प्रबंधन के तहत संपत्तियों (एयूएम) बढ़ाने की विशाल संभावनाएं हैं, क्योंकि भारत का समृद्ध वर्ग सोने और रियल एस्टेट के अलावा अपने पोर्टफोलियो को विविधीकृत करने के लिए नए रास्ते खोज रहा है। देश में करीब 35 हजार अल्ट्रा हाई नेटवर्थ वाले परिवार हैं, जिनमें प्रत्येक की कुल संपत्ति 12 मिलियन डालर है।

**19.6** ट्रिलियन डालर है इस समय भारत की कुल घरेलू संपत्ति

**11.6** ट्रिलियन डालर की संपत्ति है देश के इस समृद्ध वर्ग के पास

### अदाणी या बिड़ला से प्रतिस्पर्धा की 'औकात' नहीं : जेएसडब्ल्यू सीमेंट

**मुंबई, प्रेट्र :** जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने सोमवार को कहा कि कंपनी के पास अदाणी और बिड़ला जैसे मजबूत प्रतिस्पर्धियों का सामना करने की 'औकात' या वित्तीय ताकत नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी खुद ही अपना पोर्टफोलियो बढ़ाने पर ध्यान देगी।

जिंदल ने कहा कि स्थापित प्रतिस्पर्धियों के पास मजबूत बैलेंस शीट हैं, जिनमें कम या कोई ऋण नहीं है। यदि अल्ट्राटेक, अदाणी, डालमिया या श्री सीमेंट कोई अधिग्रहण करना चाहते हैं, तो वे हमें आसानी से मात दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने पिता सज्जन जिंदल से अधिग्रहण के लिए पैसे नहीं लेना चाहते। कंपनी ने अपने आइपीओ का प्राइस बैंड 139-147 रुपये शेयर तय किया है। आइपीओ 7-11 अगस्त तक खुलेगा।

# भारत बना दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा विमानन बाजार

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** इंटरनेशनल एयरपोर्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आइएटीए) ने सोमवार को कहा कि 24.1 करोड़ यात्रियों को संभालने के साथ वर्ष 2024 में भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा विमानन बाजार रहा है। मुंबई और दिल्ली सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल रहे हैं।

करीब 350 विमानन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली आइएटीए की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष भारत में हवाई यात्रियों की संख्या 21.1 करोड़ रही है और इसमें 2023 के मुकाबले 11.1 प्रतिशथ की वृद्धि रही है। इस अवधि में जापान ने 20.5 करोड़ यात्रियों को संभाला, जिसमें 18.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई। 87.6 करोड़ यात्रियों के साथ अमेरिका विश्व का सबसे बड़ा विमानन बाजार बना हुआ है। इसमें अमेरिका के घरेलू बाजार का प्रमुख योगदान रहा है। 74.1 करोड़ यात्रियों के साथ चीन दूसरे स्थान पर रहा है और इसमें 2023 की तुलना में 18.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है। 26.1 करोड़ यात्रियों के साथ ब्रिटेन तीसरे और 24.1 करोड़ यात्रियों के साथ स्पेन चौथे नंबर पर रहा है। इसमें में प्रत्येक देश में आने-जाने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू यात्री शामिल हैं।

आइएटीए ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, भारत ने पिछले वर्ष 24.1 करोड़ यात्रियों को संभाला

### आरबीआइ एमपीसी की बैठक शुरू

**मुंबई, प्रेट्र :** आरबीआइ गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक बैठक सोमवार को शुरू हो गई। अमेरिका के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की घोषणा के बाद होने वाली इस बैठक के फैसलों की जानकारी बुधवार को दी जाएगी।

आरबीआइ ने इस वर्ष फरवरी में रेपो रेट में कटौती शुरू की थी और तीन बार में 100 आधार अंक की कमी की जा चुकी है। इस समय रेपो रेट 5.5 प्रतिशत है। इस बीच कुछ विशेषज्ञों ने अनुमान जताया है कि इस बार रेपो रेट स्थिर रह सकता है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ 25 आधार अंक की कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। बैंक आफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस का कहना है कि मौद्रिक नीति हाल की कम महंगाई और अमेरिकी टैरिफ पर आधारित नहीं होगी।

# प्रमोटर हिस्सेदारी आठ वर्ष में सबसे कम

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** निजी क्षेत्र की सूचीबद्ध कंपनियों में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी आठ वर्ष के निचले स्तर पर रही है। प्राइमइन्फोबेस डाट काम के डाटा के अनुसार, 30 जून को समाप्त तिमाही में निजी कंपनियों में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 40.58 प्रतिशत रही है। यह गिरावट इस तिमाही में 54,732 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिक्री के कारण आई है।

प्राइम डाटाबेस समूह के प्रबंद निदेशक प्रणव हल्दिया का कहना है कि प्रमोटरों की ओर से शेयर खरीदा जाना एक सकारात्मक संकेत माना जाता है। लेकिन प्रमोटर की शेयर बिक्री कई कारणों से हो सकती है। इसमें प्रमोटर्स की ओर से बाजार में तेजी का लाभ उठाकर पैसा निकालना, कर्ज में कमी लाना, विरासत योजना, परोपकारिता, अन्य उद्यमों में निवेश या न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की आवश्यकता को पूरा करना प्रमुख है। इसके अलावा प्रमोटर व्यक्तिगत खर्चों के लिए भी शेयरों की बिक्री करते हैं। मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में प्रमोटर हिस्सेदारी 40.81 प्रतिशत थी। निजी कंपनियों में प्रमोटर हिस्सेदारी का पिछला निचला स्तर 30 सितंबर 2017 को समाप्त तिमाही में था। तब निजी शेयरधारिता 40.19 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रमोटर हिस्सेदारी में पिछले तीन वर्षों 455 आधार अंक या 4.55 प्रतिशत की तेज गिरावट आई है।

**40.58%** रही प्रमोटर हिस्सेदारी 30 जून को समाप्त तिमाही में

**54,732** करोड़ रुपये के शेयर बेचे इस दौरान प्रमोटरों ने

### सरकार की हिस्सेदारी में मामूली बढ़ोतरी

इस तिमाही के दौरान सरकार की प्रमोटर के रूप में हिस्सेदारी में मामूली वृद्धि हुई है, जो 9.27 प्रतिशत से बढ़कर 9.39 प्रतिशत हो गई है। घरेलू संस्थागत निवेशकों का हिस्सा लगातार बढ़ता रहा, जो 30 जून, 2025 तक 17.82 प्रतिशत के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

## राष्ट्रीय फलक

# एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार से दौड़ रही कार और ट्रैक्टर-ट्राली में भिड़ीं, दारोगा-सिपाही की मौत

**जागरण संवाददाता, हमीरपुर**

- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर हुई घटना, ट्राली में नहीं लगा था रिफ्लेक्टर
- दारोगा का बायां हाथ कटकर अलग हो गया

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर रविवार देर रात करीब 10:30 बजे धनौरी गांव के पास करीब 130 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हरियाणा पुलिस की बोलेरो आगे चल रहे ट्रैक्टर-ट्राली में भिड़ गई। बिना रिफ्लेक्टर लगी ट्राली लदे लोहे के एंगल कार की बाडी को चीरते हुए पुलिसकर्मियों के जा घुसे। एक दारोगा और सिपाही की मौके पर मौत हो गई। इनमें से दारोगा का बायां हाथ कटकर अलग हो गया। एक दारोगा व सिपाही घायल हो गए।

गुरुग्राम की क्राइम ब्रांच पुलिस की टीम धोखाधड़ी के एक मामले की जांच के लिए बोलेरो से छत्तीसगढ़ जा रही थी। कार चला रहे सिपाही राजेश कुमार ने बताया कि एक्सप्रेसवे पर आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्राली से साइड लेने के लिए हूटर बजाया। हूटर बजाने पर ट्रैक्टर चालक ने साइड दी और इसी दौरान पुलिस वाहन ट्रैक्टर ट्राली के पीछे जा घुसा। लोहे के एंगल कार को चीरते हुए अंदर बैठे पुलिसकर्मियों के जा घुसे। कार में आगे बैठे तुम्बाहेड़ी, झज्जर निवासी 45 वर्षीय दारोगा संजय कुमार व पीछे की सीट पर बैठे सीताराम गेट, झज्जर निवासी 25 वर्षीय कांस्टेबल अमित सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। दारोगा 50 वर्षीय इंद्रजीत और कार चला रहे 41 वर्षीय हेड कांस्टेबल राजेश गंभीर घायल हो गए। दोनों पीछे की सीट पर थे। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की एंबुलेंस और स्थानीय पुलिस ने घायलों को सीएचसी राठ पहुंचाया। यूपीडा के अधिकारी का कहना था कि जब हादसा हुआ, उस समय कार की रफ्तार करीब 130 किमी प्रति घंटा थी। दारोगा इंद्रजीत को उरई मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। राठ सीओ राजीव प्रताप सिंह ने बताया कि दिवंगत पुलिसकर्मियों के स्वजन को सूचना दी गई है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर हुए हादसे के बाद क्षतिग्रस्त पुलिस की कार व मौजूद लोग। जागरण

### पीएम मोदी छह अगस्त को कर्तव्य भवन का करेंगे उद्घाटन

**नई दिल्ली, एएनआइ :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह अगस्त को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर बने कर्तव्य भवन का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री एक सार्वजनिक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। कर्तव्य भवन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वह सरकारी कामकाज में दक्षता, नवाचार और आपसी समन्वय को बढ़ावा दे। यह नया भवन दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में बिखरे मंत्रालयों और विभागों को एक ही स्थान पर लाकर संगठित करेगा।

इस भवन में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, डीओपीटी और प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) का कार्यालय शामिल होगा। इससे न केवल कार्यप्रणाली में सुधार होगा, बल्कि आपसी तालमेल से निर्णय लेने की प्रक्रिया भी तेज होगी।

# अग्निवीर साढ़े तीन वर्ष के लिए ले सकेंगे एक से चार लाख तक का ऋण

**जागरण संवाददाता, कानपुर**

- स्टेट बैंक आफ इंडिया ने शुरू की पर्सनल लोन योजना
- 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके अग्निवीरों को मिलेगा लाभ

स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआइ) ने अग्निवीरों के लिए पर्सनल लोन योजना शुरू की है। अग्निवीर न्यूनतम एक लाख और अधिकतम चार लाख रुपये तक का लोन साढ़े तीन वर्ष के लिए ले सकते हैं। मार्जिन, सिक्योरिटी और थर्ड पार्टी गारंटी की जरूरत नहीं होगी। दो वर्ष के लिए 13.5 प्रतिशत ब्याज दर होगी। वैसे, एसबीआइ उपभोक्ताओं को 10.5 से 15.5 प्रतिशत पर पर्सनल लोन देती है।

बैंक की ओर से जुलाई में जारी सर्कुलर में कहा गया है कि इसका लाभ उन अग्निवीरों को मिलेगा, जिनकी आयु 18 वर्ष पूरी हो गई हो। इसके लिए एसबीआइ में खाता होना जरूरी है। साथ ही कम से कम एक माह का वेतन उस खाते में जरूर आया हो। कम से कम छह माह की सेवा और न्यूनतम शुद्ध मासिक आय 20 हजार रुपये की शर्त रखी गई है। योजना के तहत एक अग्निवीर को एक बार ही ऋण दिया जाएगा। ऋण की वापसी के लिए साढ़े तीन वर्ष का अधिकतम समय होगा। बैंक के उप महाप्रबंधक रजनीश कुमार ने बताया कि योजना के आधार पर ऋण देना शुरू कर दिया गया है।

**हरियाणा में यह है व्यवस्था :** हरियाणा सरकार नौकरी पूरी कर चुके अग्निवीरों को पांच साल की अवधि के लिए अपना काम करने के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन देगी। वह पुलिस, वन विभाग और जेल वार्डर भर्ती में आरक्षण भी दे रही है। जो उद्योग अग्निवीरों को 30 हजार से अधिक वेतन पर सेवाओं में रखेंगे, उन्हें सरकार 60 हजार रुपये वार्षिक सब्सिडी प्रदान करेगी।

### सारनाथ यूनेस्को में भारत के नामांकन के रूप में किया गया पेश

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सरकार ने लोकसभा में बताया कि भारत ने इस वर्ष 'प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ' शीर्षक से एक फाइल यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र को 2025-26 नामांकन चक्र के लिए पेश की है। संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से सोमवार को लोकसभा में पूछा गया था कि यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने के लिए कितनी नई धरोहर स्थलों का प्रस्ताव किया जा रहा है और इस प्रक्रिया के लिए निर्धारित समयसीमा क्या है। मंत्री ने अपने उत्तर में कहा, 'इस वर्ष 'प्राचीन बौद्ध स्थल, सारनाथ' शीर्षक से नामांकन फाइल विश्व धरोहर केंद्र को 2025-26 नामांकन चक्र के लिए प्रस्तुत की गई है। संचालन दिशानिर्देश, 2024 के अनुसार किसी भी दिए गए चक्र में केवल एक प्रापर्टी को नामांकन प्रक्रिया के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है।" नामांकन प्रक्रिया फाइल के प्रस्तुत करने की तारीख से लगभग 1.5 वर्ष लेती है।

### उदयपुर में पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान ज्वेलर की मौत

**जागरण संवाददाता, उदयपुर :** जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में एक ज्वेलर की पुलिस हिरासत में मौत का मामला सामने आया है, जिससे आक्रोश फैल गया है। मृतक की पहचान सुरेश पांचाल निवासी बिछीवाड़ा-डूंगरपुर के रूप में हुई है।

ऋषभदेव पुलिस ने हाल ही में चोरी के आरोप में कुछ युवकों को जेल से प्रोडक्शन वारंट के जरिये गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि चोरी का सोने-चांदी सुरेश पांचाल को बेचा था। पुलिस ने पांचाल को पूछताछ के लिए बुलाया और हिरासत में लिया। पूछताछ के कुछ समय बाद ही पांचाल की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

उदयपुर एसपी योगेश गोयल ने कहा कि चोरी के माल की खरीद में थाने लाया गया था। थाने में उसे मिर्गी का दौरा पड़ा, जिस पर अस्पताल ले जाया गया।

# देहरादून के केंद्रीय संस्थान में छात्राओं की अश्लील फोटो बनाने में फंसा रिसर्चर

**जागरण संवाददाता, देहरादून**

- पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने रिसर्चर के इलेक्ट्रानिक उपकरण फारेंसिक जांच के लिए एफएसएल भेजे
- आरोपित ने माना, छात्राओं की फोटो इंटरनेट मीडिया से उठाकर उनके चेहरे पर लगाता था अन्य के चेहरे

एक केंद्रीय संस्थान का रिसर्चर, छात्राओं के फोटो से छेड़छाड़ कर अश्लील बनाने के मामले में फंस गया है। चार से अधिक छात्राओं की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

आरोपित ने किस-किस की अश्लील फोटो बनाई और कितनी डिलीट कीं, इसका राज फारेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) में खुलेगा। पुलिस की प्राथमिक जांच में रिसर्चर के मोबाइल और लैपटाप से अभी तक कोई अश्लील फोटो नहीं मिला। ऐसे में पुलिस ने जांच के लिए उपकरणों को फारेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) भेज दिया है।

संस्थान की कुछ छात्राओं ने आरोप लगाया कि रिसर्चर कौशिक मोहन उनका पीछा करता है। बार-बार फोन और मैसेज करता है। छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि कौशिक ने अपने मोबाइल फोन में उनकी फोटो को एडिट कर अश्लील बनाया है, जोकि इन फोटो को कहीं भी प्रसारित कर सकता है। पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने तत्काल आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसका एचपी का लैपटाप और एपल का मोबाइल कब्जे में ले लिया।

पुलिस ने सोमवार को आरोप लगाने वाली छात्राओं से पूछताछ की तो उन्होंने संदेह जताया है कि कौशिक ने उनकी फोटो एडिट की हैं। इस दौरान कोई ऐसी छात्रा सामने नहीं आई, जिसने स्पष्ट तौर पर बताया हो कि उसकी फोटो मार्फ बनाई गई है। वहीं जांच में कोई भी मार्फ फोटो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने की बात भी सामने नहीं आई है।

पूछताछ में कौशिक मोहन ने माना है कि वह इंटरनेट मीडिया से छात्राओं के फोटो लेकर उन पर अपनी परिचित युवतियों के चेहरे लगाता था। इसके अलावा उसने कोई भी मार्फ फोटो नहीं बनाई। इस बारे में पटेलनगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में मोबाइल व लैपटाप में कोई अश्लील फोटो बरामद नहीं हुई है। इसलिए दोनों इलेक्ट्रानिक उपकरणों को जांच के लिए लैब भेजा गया है। इस मामले में आगे की कार्रवाई और जांच के परिणामों का इंतजार किया जा रहा है। छात्राओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पुलिस पूरी गंभीरता से इस मामले की जांच कर रही है। इस घटना ने छात्राओं के बीच चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया है।

### उद्योगपति महेंद्र गोयनका के ठिकानों पर कोलकाता पुलिस की छापेमारी

**नईदुनिया प्रतिनिधि, अनूपपुर :** कोलकाता पुलिस ने सोमवार को उद्योगपति महेंद्र गोयनका समेत तीन अन्य के अनूपपुर जिले के कोतमा स्थित ठिकानों पर छापेमारी की। यहां हीरो शोरूम और अन्य स्थानों पर पुलिस ने छापा मारा।

दरअसल, महेन्द्र गोयनका, उनके भाई मनीष गोयनका, सुनील कुमार अग्रवाल और अन्य पर जालसाजी का आरोप है। आरोप है कि फर्जी दस्तावेज तैयार कर एक कंपनी पर अवैध कब्जा करने की साजिश रची गई थी। इस मामले में कोलकाता में दर्ज एफआइआर के बाद कोलकाता पुलिस की टीम कोतमा पहुंची और जांच कर साक्ष्य एकत्र किए हैं।

गोयनका व अन्य पर मध्य प्रदेश के कटनी की यूरो प्रतीक इस्पात कंपनी को हड़पने की साजिश रचने के आरोप लगे हैं। महेंद्र व अन्य का भाजपा विधायक संजय पाठक के साथ भी विवाद चल रहा है।

# मप्र में बाघिन का शव जलाने में छह श्रमिक गिरफ्तार, डिप्टी रेंजर फरार

**नईदुनिया प्रतिनिधि, बालाघाट**

- करंट लगाकर बाघिन को मारे जाने की आशंका, एसआइटी गठित

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में बाघिन का शव बिना पोस्टमार्टम कराए जला देने के मामले में वन विभाग के छह सुरक्षा श्रमिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया है। बाघिन की मौत करंट लगाकर किए जाने की आशंका जताई जा रही है। शव नाले से बरामद किया गया था। जांच के लिए एसआइटी गठित कर दी गई है। शव को जलाने का निर्देश देने वाले डिप्टी रेंजर टीकाराम हनोते व वनरक्षक हिमांशु घोरमारे अपराध दर्ज होने के बाद से फरार हैं। डीएफओ अधर गुप्ता ने बताया कि 27 जुलाई को करीब छह वर्ष की बाघिन का शव बहकर दक्षिण सामान्य वन मंडल के सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व लालबर्रा के नाले में आया था। सुरक्षा श्रमिकों ने शव को तीन दिन तक जंगल में स्थान बदल-बदल कर रखा और 30 जुलाई को लकड़ी का इंतजाम पूरा होने पर जला दिया। मामला सामने आने के बाद तलाशी ली गई तो हड्डियों के जले टुकड़े व अन्य अवशेष मिले हैं। इनका सैंपल लेकर डीएनए टेस्ट के लिए भेजा गया है। इस मामले में डिप्टी रेंजर, वनरक्षक के अलावा छह श्रमिकों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। इधर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) मप्र शुभरंजन सेन ने डीएफओ अधर गुप्ता से तीन दिनों में स्पष्टीकरण मांगा है। पत्र में कहा गया कि घटना की सूचना मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई है, जो अत्यंत खेदजनक है। पूर्व में अनेक बार डीएफओ को निर्देशित किया गया कि बाघ, तेंदुए, चीता व हाथी की मृत्यु की सूचना तत्काल मैसेजिंग एप के माध्यम से वन बल प्रमुख और एनटीसीए के क्षेत्रीय कार्यालय में दी जाए।

********

राष्ट्रीय संस्करण

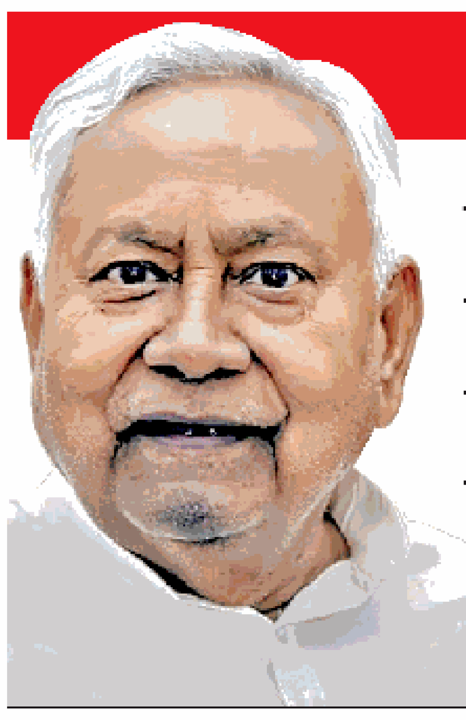

बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति में डोमिसाइल नीति लागू

>>3

वर्ष 9 अंक 55

# दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, मंगलवार, 5 अगस्त, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

### सुप्रीम कोर्ट ने राहुल से पूछा– आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जा ली है

## अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को गैरजिम्मेदाराना बयानों और टिप्पणियों के लिए सोमवार को आड़े हाथों लिया और सच्चे भारतीय होने तक की नसीहत दे डाली। कोर्ट ने सेना पर की गई टिप्पणियों के मामले में निचली अदालत से जारी समन और लंबित केस को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई के दौरान उनसे कई कड़े सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि आपको कैसे पता चला कि भारतीय जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया है? बिना किसी सामग्री के आपने इस तरह का बयान क्यों दिया? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो इस तरह की बात नहीं कहेंगे। कोर्ट ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को सीख देते हुए यह भी कहा कि आप नेता विपक्ष हैं। आप संसद में ऐसे मुद्दे क्यों नहीं उठाते? आप इंटरनेट मीडिया पर ये सब क्यों कहते हैं? हालांकि इसके साथ ही कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर मूल शिकायतकर्ता और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करते हुए निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी।

**नसीहत और राहत**

- सेना पर की गई टिप्पणियों के मामले में कहा– आप नेता विपक्ष हैं, संसद में ऐसे मुद्दे क्यों नहीं उठाते
- राहुल की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए लखनऊ की अदालत में लंबित कार्यवाही पर रोक लगा दी

राहुल गांधी। फाइल

**भारत विरोधी है राहुल की मानसिकता : भाजपा**

**नई दिल्ली:** सेना का कथित तौर पर मनोबल तोड़ने से जुड़े एक मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद भाजपा ने भी राहुल गांधी को निशाने पर ले लिया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि उनकी मानसिकता भारत विरोधी है। (पेज-4)

ये तीखी टिप्पणियां और आदेश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता व न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए। राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत में लंबित कार्यवाही और जारी समन को रद करने की मांग खारिज कर दी थी। यह मामला दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के सेना के बारे में दिए गए बयान से जुड़ा है।

सोमवार को मामले पर सुनवाई के दौरान जब राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने निचली अदालत में दाखिल शिकायत पर अदालत द्वारा संज्ञान लिए जाने और समन जारी करने पर सवाल उठाए तो सुनवाई कर रही पीठ ने कई कड़े सवाल पूछे। कोर्ट ने पूछा कि उन्हें यह जानकारी कैसे मिली कि चीन ने भारत के क्षेत्राधिकार वाली 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है? क्या वह वहां थे? क्या उनके पास इस संबंध में कोई विश्वसनीय सामग्री है। जब आपके पास इस संबंध में कोई सामग्री नहीं है, तो फिर आप ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे। कोर्ट के इन सवालों पर सिंघवी ने कहा कि अगर नेता विपक्ष ये मुद्दे नहीं उठा सकते तो ये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। जो चीजें मीडिया में छपी हैं, अगर वह ये बातें नहीं कह सकते तो वह नेता विपक्ष नहीं हो सकते। यह भी संभव है कि सच्चा भारतीय ये कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया है और मार डाला गया है, यह भी चिंता का विषय है। उनकी इन दलीलों पर कोर्ट ने कहा कि जब सीमा पर संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य है। जब सीमा पर संघर्ष होता है तो क्या आप ये सब कह सकते हैं। आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते? सिर्फ इसलिए कि आपके पास 19(1)(ए) (अभिव्यक्ति की आजादी) है तो आप कुछ भी कह सकते हैं। सिंघवी ने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ उचित जानकारी का मुद्दा उठा रहे थे और सूचना को दबाने पर चिंता जता रहे थे। पीठ ने कहा कि एक जिम्मेदार नेता होने और नेता विपक्ष होने के नाते उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था, क्योंकि ऐसे सवाल उठाने के लिए एक उचित मंच मौजूद है।

सिंघवी ने कहा कि लेकिन इस मामले में की गई शिकायत सिर्फ उन्हें परेशान करने के लिए है। ये टिप्पणियां किसी तीसरे पक्ष के लिए मानहानि का मुकदमा दाखिल करने का आधार नहीं हो सकती। इसके बाद कोर्ट ने मूल शिकायतकर्ता और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करते हुए निचली अदालत की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी। राहुल गांधी के खिलाफ निचली अदालत में शिकायत उदय शंकर श्रीवास्तव ने दाखिल की है, जिसमें सेना के बारे में राहुल गांधी के बयान को अपमानजनक बताया गया है।

## दिल्ली में महिला सांसद के गले से झपटी सोने की चेन

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- चाणक्यपुरी में पोलैंड दूतावास के सामने सुबह 6.20 बजे हुई वारदात
- मार्निंग वाक पर निकलीं थीं सुधा, शाह को पत्र लिख सुरक्षा पर उठाए सवाल

दिल्ली के चाणक्यपुरी क्षेत्र में सोमवार सुबह एक चौंकाने वाली घटना में कांग्रेस की सांसद आर. सुधा के गले से एक झपटमार ने सोने की मोटी चेन छीन ली। घटना के समय सुधा राज्यसभा की एक महिला सदस्य के साथ मार्निंग वाक पर निकली थीं। चेन खींचने के कारण उनकी गर्दन पर चोट आई और उनके कपड़े भी फट गए। इस घटना से आहत सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है।

गृह मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह से रिपोर्ट मांगी है। स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच समेत पूरी दिल्ली पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और मुखबिरों से जानकारी जुटाकर बदमाश को पकड़ने की कोशिश कर रही है। आर. सुधा तमिलनाडु के मयिलादुथुराई लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस की सांसद हैं। वह सोमवार सुबह 6.20 बजे राज्यसभा सदस्य रजती के साथ तमिलनाडु हाउस के बाहर टहलने निकली थीं। पोलैंड दूतावास के गेट नंबर तीन और चार के पास एक झपटमार स्कूटी पर विपरीत दिशा से आया और उनके गले से सोने की चेन छीनकर भाग गया। हमले में आर. सुधा गिरते-गिरते बचीं। बदमाश के भागने के बाद दोनों सांसदों ने मदद के लिए शोर मचाया। कुछ समय बाद पुलिस की एक मोबाइल गश्ती गाड़ी वहां पहुंची, लेकिन पुलिसकर्मी ने उन्हें थाने जाकर लिखित शिकायत देने की सलाह दी।

कांग्रेस सांसद आर सुधा। प्रेट्र

आर. सुधा ने केंद्रीय गृह मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि इस तरह की घटना से सवाल उठता है कि यदि दिल्ली के अति सुरक्षित इलाके में महिला सांसद सुरक्षित नहीं हैं तो आम लोग कैसे सुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

**जागरण विशेष**

**खुश रहने का विज्ञान सीख रहे आइआइटी के छात्र**

**रुड़की:** आइआइटी रुड़की ने एक विशेष पाठ्यक्रम शुरू किया है जो छात्रों को वैज्ञानिक तरीके से खुश रहने के सिद्धांत सिखाना है। ● पेज-7

**संपादकीय**

**षड्यंत्र था भगवा आतंक का जुमला:** हिंदू आतंक के फर्जीवाड़े को स्थापित करने के लिए कई कड़ियां जोड़ी गईं, लेकिन जांच और अदालती फैसले ने उन कड़ियों को पूरी तरह से तोड़ दिया। **संध्या जैन** का आलेख।

**अवैध मतांतरण पर बने केंद्रीय कानून:** क्या यह सही है कि ईसाई या मुस्लिम बने आदिवासी एसटी के साथ अल्पसंख्यक वर्ग की योजनाओं का भी लाभ उठाएं? **प्रमोद भार्गव** का विश्लेषण। ● पेज-8

**विमर्श**

**मजबूत बने शहरी विकास का ढांचा:** भारत में एक-तिहाई से अधिक आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है। इस आबादी के लिए मजबूत ढांचा बनाया जाना चाहिए। **डा. विकास सिंह** का आलेख।

**आवारा कुत्तों से जुड़ी समस्याएं:** शहरों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ने और उनके देखभाल की व्यवस्था न होने से लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। **समायरा** का दृष्टिकोण। ● पेज-9

**सप्तरंग**

अंतस और अध्यात्म का

शिव: केवलोऽहम्

तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा

● पेज-13

## आतंकियों के दस्तावेज बता रहे हैं पहलगाम हमले में पाक की करतूत

**राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर**

- सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों से मिले दस्तावेज, बायोमीट्रिक डाटा सहित कई सुबूत जुटाए
- दाचीगाम में आपरेशन महादेव में मारे गए तीन आतंकी थे पाकिस्तानी
- ए प्लस प्लस श्रेणी का आतंकी सुलेमान व अबु हमजा भी शामिल थे

पाकिस्तान फिर बेनकाब हुआ है। आपरेशन महादेव में मारे गए आतंकियों के पास से मिले दस्तावेज, तस्वीरें, पहचानपत्र समेत विभिन्न साक्ष्य पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ और लश्कर-ए-तैयबा की मिलीभगत की पुष्टि कर रहे हैं। पुलिस ने आतंकियों के संचार उपकरण और मोबाइल फोन के डाटा से लश्कर कमांडर सैफुल्ला उर्फ सज्जाद जट उर्फ खालिद की पहलगाम हमले के गुनहगारों से बातचीत का आडियो भी मिला है। आडियो की जांच में पुष्टि हुई है कि पाकिस्तान में बैठ हमले के गुनहगारों को दिशानिर्देश देने वाले हैंडलर की आवाज सैफुल्ला साजिद जट की आवाज से मेल खाती है। सैफुल्ला ही लश्कर के हिट स्क्वायड टीआरएफ की पाकिस्तान में बैठ कमान संभाल रहा है। वह दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग- कुलगाम में सक्रिय रह चुका है।

बता दें कि 22 अप्रैल को लश्कर के तीन पाकिस्तानी आतंकियों ने पहलगाम के बैसरन में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय घोड़े वाले की हत्या कर दी थी। तीनों आतंकियों को 28 जुलाई को सुरक्षाबलों ने श्रीनगर के दाचीगाम में महादेव की पहाड़ियों के बीच हुई मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। इनसे जो साजोसामान मिला है, वह पहलगाम हमले में उनकी और पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों की संलिप्तता की पुष्टि करता है। तीनों आतंकियों से पाकिस्तान के राष्ट्रीय डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण के बायोमीट्रिक रिकार्ड, मतदाता पहचान पत्र भी मिले हैं। इससे तीनों के पाकिस्तानी होने की पुष्टि होती है।

**संचार सुविधा से भी लैस थे :** मुठभेड़स्थल से डिजिटल सेटेलाइट फोन डेटा, जिसमें लाग और जीपीएस वेपाइंट शामिल हैं, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एकत्र सुबूतों में शामिल हैं। वेपाइंट से पता चलता है कि हमला करने के बाद आतंकी दाचीगाम की तरफ आ गए थे।

**फोरेंसिक और तकनीकी जांच से सामने आए ये तथ्य**

फोरेंसिक और तकनीकी जांच में पता चला है कि पहलगाम के बैसरन में मिले 7.62x39 मिमी कारतूस के खोखे का 28 जुलाई को जब्त की गई तीन एके-103 राइफलों पर परीक्षण किया। धारियों के निशान 100 प्रतिशत मेल खाते थे, जबकि पहलगाम में मिली फटी कमीज पर लगे खून से निकाले माइटोकान्ड्रियल प्रोफाइल तीनों आतंकियों के शवों के डीएनए से मिलते-जुलते थे।

मारे गए आतंकियों की पहचान ए प्लस प्लस श्रेणी के आतंकी सुलेमान शाह उर्फ सुलेमानी उर्फ फैजल जट, यासिर उर्फ जिब्रान और हमजा के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने शाह और हमजा की जेबों से पाकिस्तान चुनाव आयोग की जारी दो मतदाता पर्चियां बरामद कीं। उनके अनुसार, मतदाता क्रमांक क्रमशः लाहौर (एनए-125) और गुजरांवाला (एनए-79) की मतदाता सूचियों से मेल खाते हैं। एक क्षतिग्रस्त सैटेलाइट फोन से बरामद एक माइक्रो-एसडी में तीनों के उंगलियों के निशान, चेहरे का टेम्प्लेट थे, जो उनकी पाकिस्तानी नागरिकता की पुष्टि करते हैं।

## नहीं रहे 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- 81 वर्ष की उम्र में सर गंगाराम अस्पताल में ली अंतिम सांस
- राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने अस्पताल पहुंचकर व्यक्त की शोक-संवेदना

झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता और मुख्यमंत्री रहे 'दिशोम गुरु' (संथाली भाषा में देश का गुरु) शिबू सोरेन नहीं रहे। उनका 81 वर्ष की आयु में सोमवार सुबह 8.56 बजे सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया। वह कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अस्पताल पहुंचकर शोक-संवेदना व्यक्त की और परिवार को ढांढस बंधाया। झारखंड के मुख्यमंत्री व शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरेन भावुक हुए तो प्रधानमंत्री ने गले लगाकर सांत्वना दी। हेमंत सोरेन ने एक्स पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए लिखा- आज मैं शून्य हो गया। झारखंड में तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है।

मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक, नेफ्रोलाजी विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक एके भल्ला की देखरेख में गत 19 जून से उनका इलाज चल रहा था। वह किडनी की बीमारी से ग्रसित थे। डेढ़ महीने पहले ब्रेन स्ट्रोक आने से उनकी हालत ज्यादा बिगड़ गई थी। निधन की सूचना पर वीवीआइपी मूवमेंट के चलते पूरा अस्पताल परिसर छावनी में तब्दील हो गया। दोपहर लगभग डेढ़ बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अस्पताल पहुंचे। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अस्पताल पहुंचीं और 'दिशोम गुरु' को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे आदि ने भी अस्पताल पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

शिबू सोरेन। फाइल/एएनआइ

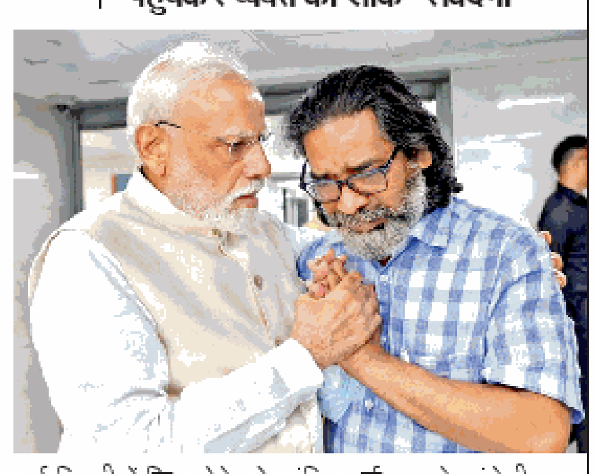

नई दिल्ली में शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन करने पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी, हेमंत सोरेन को सांत्वना देते हुए। प्रेट्र

आदिवासियों के सर्वमान्य नेता रहे शिबू सोरेन पेज>>7

### राजग संसदीय दल की बैठक आज, पीएम मोदी करेंगे संबोधित

**नई दिल्ली :** मानसून सत्र के दौरान सदन में विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच मंगलवार को राजग संसदीय दल की अहम बैठक होने जा रही है, इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। उपराष्ट्रपति के चुनाव से पहले प्रस्तावित इस बैठक को कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है कि बैठक की निर्धारित तिथि पांच अगस्त है, जो पीएम मोदी और भाजपा के सियासी एजेंडे में विशेष महत्व रखती है। माना जा रहा है कि यह बैठक कुछ खास हो सकती है। (पेज-4)

### फर्जी मुठभेड़ मामले में रिटायर्ड एसएसपी समेत पांच को उम्रकैद

**मोहाली:** पंजाब के तरनतारन में वर्ष 1993 में हुए फर्जी मुठभेड़ मामले में 32 वर्ष बाद सीबीआइ की विशेष अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए रिटायर्ड एसएसपी भूपेंद्रजीत सिंह, डीएसपी दविंदर सिंह, इंस्पेक्टर सूबा सिंह, एएसआइ गुलबर्ग सिंह और एएसआइ रघुबीर सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई। आरोप था कि इन पुलिस अधिकारियों ने सात लोगों की हत्या की और उसे मुठभेड़ का रूप दे दिया। (पेज-5)

## सिराज है तो विश्वास है... ओवल टेस्ट की जीत बहुत खास है

- सिराज के जादुई स्पैल से भारत ने छह रनों से अपनी सबसे करीबी जीत हासिल की
- भारतीय टीम ने इंग्लैंड में लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबरी पर छुड़वाई

**अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण**

**लंदन :** लार्ड्स में आखिरी विकेट के रूप में आउट होने वाले और रविवार को हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने के बाद मोहम्मद सिराज की रात बेचैनी वाली थी। वह सोमवार को अपने निश्चित समय से दो घंटे पहले उठे और गूगल पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की 'बिलीव' लिखी फोटो को खोजकर अपने मोबाइल का वालपेपर बनाया। उन्होंने खुद से कहा कि मैं देश के लिए यह करूंगा। 56 मिनट और 53 गेंद बाद ओवल स्टेडियम में जब सिराज ने एटकिंसन को क्लीन बोल्ड करके दोनों हाथों को खोलकर रोनाल्डो की तरह 'सिउ' वाला जश्न मनाया तो गौतम गंभीर और शुभमन गिल की टीम छह रनों वाली ऐतिहासिक जीत के साथ सातवें आसमान पर पहुंच गई। सिराज ने आखिरी चार में तीन, पारी में पांच, मैच में नौ और सीरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए।

**अद्भुत है यह जीत :** पांच मैचों की सीरीज के आखिरी दिन इंग्लैंड को सिर्फ 35 रन चाहिए थे लेकिन भारतीय दर्शकों को सिराज की ही तरह जीत का विश्वास था और इसी कारण सोमवार को छुट्टी लेकर आए भारतीयों ने ओवल स्टेडियम को भर दिया। एक दिन पहले अपने दो लगातार ओवरों में दो विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा ने जैसे ही सुबह बची हुई चार गेंदों पर दो चौके खाए तो लगा कि सपना टूटने वाला है। लेकिन सिराज कुछ और ठानकर आए थे। अगले ओवर में उनकी गेंद पर जैसे ही जुरैल ने स्मिथ का कैच लपका तो भारत की जीत दिखने लगी। हालांकि अगली ही गेंद पर जब दूसरी स्लिप पर खड़े केएल राहुल ने एटकिंसन का कैच छोड़ा तो सबको लगा कि मैच छूट गया। इंग्लैंड को सिर्फ 20 रन चाहिए थे। बढ़ते रोमांच के साथ इंग्लैंड को मैच टाई करने और सीरीज जीतने के लिए सिर्फ छह रन की जरूरत थी लेकिन सिराज की नीची फुलटास एटकिंसन के बल्ले के नीचे से निकलकर आफ स्टंप उड़ा ले गई। पूरी भारतीय टीम खुशी से झूम पड़ी क्योंकि यह टेस्ट मैचों में उसकी सबसे करीबी व सबसे ज्यादा रोमांचक जीत है। (पेज-12 भी देखें)

**7,187** रन बने इस सीरीज में, जो एक टेस्ट सीरीज में दूसरे सर्वाधिक रन हैं

**14** बार दोनों टीमों ने संयुक्त रूप से 300 से अधिक रन बनाए

**21** सर्वाधिक दोनों टीमों के बल्लेबाजों की ओर से व्यक्तिगत शतक लगाए गए

ओवल टेस्ट में मैन आफ द मैच चुने गए सिराज। उन्होंने इस टेस्ट की दोनों पारियों में नौ विकेट झटके। एएफपी

**बदल रहा कश्मीर**

पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्तीकरण के बाद सकारात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है नया जम्मू-कश्मीर, अलगाववाद और अवसरवादी राजनीति का शिकार युवा तकनीक-उद्यमिता को अपना रहा

## युवा लिख रहे नई कहानी ; किताबों से नाता, नवाचार से छू रहे ऊंचाई

**नवीन नवाज ● जागरण**

**श्रीनगर:** डल झील के किनारे इन दिनों चिनार महोत्सव चल रहा है। बड़ी संख्या में नौजवान इसमें शामिल होकर अपनी पसंद की किताबें खरीदकर उस पर साथियों के साथ चर्चा कर रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा और विकास पर अपना पक्ष रख रहे हैं। स्टार्टअप और राजनीति में आगे बढ़ने की बात हो रही है। कभी पूरे देश में अशांति, कट्टरपंथी और अलगाववाद का केंद्र बना जम्मू-कश्मीर अब एक सकारात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ...और यह सब, अनुच्छेद 370 हटने के बाद पिछले छह वर्ष में संभव हुआ है। किसी ने नहीं सोचा था कि कश्मीर के युवाओं के हाथ में पत्थर नहीं, किताबें होंगी। हाल में श्रीनगर दौरे पर आए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इसी बदलाव से प्रेरित होकर कहा कि कश्मीर का भविष्य हिंसा, अलगाववाद और बंदूक में नहीं बल्कि शिक्षा और कलम में है।

श्रीनगर में आयोजित चिनार पुस्तक महोत्सव में पुस्तकें पढ़ते युवा। जागरण

जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन की शुरुआत पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्तीकरण के साथ हुई। बीते वर्ष जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में रिकार्ड मतदान हुआ। मतदाताओं में युवाओं की भागीदारी सबसे अधिक रही।

**स्टार्टअप :** इस सकारात्मक बदलाव में जम्मू-कश्मीर स्टार्टअप नीति 2024-27 बेहद कारगर साबित हुई है, जिसे मार्च 2024 में लांच किया गया था। इसका उद्देश्य 2027 तक 2,000 स्टार्टअप स्थापित करना है, जिसमें 1100 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें 20% से अधिक महिलाओं द्वारा संचालित उद्यम शामिल हैं।

**राजनीति :** बदलाव राजनीति में भी साफ नजर आ रहा है। नेशनल कान्फ्रेंस अब ग्रेटर आटोनामी, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी सेल्फ रूल और पीपुल्स कान्फ्रेंस अचीवेबल नेशनहुड की बात नहीं करती, बल्कि विकास और राष्ट्रीय संवैधानिक अधिकारों और राज्य की बात करती हैं।

**रोजगार:** जम्मू-कश्मीर के आर्थिक सर्वेक्षण (2016-17) के अनुसार, कश्मीर में युवा बेरोजगारी 24.6 प्रतिशत से अधिक थी। लेकिन कौशल प्रशिक्षण पाकर कश्मीर का युवा अब तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को अपना रहा है।

**पर्यटन और विकास गति पकड़ रहा**

पहलगाम हमले के बावजूद कश्मीर में पर्यटन गति पकड़ रहा है। श्री अमरनाथ यात्रा में चार लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने भाग लिया। एक हजार से ज्यादा स्कूलों और कालेजों में युवा पर्यटन क्लब स्थापित किए गए हैं, जो स्थानीय युवाओं को पर्यटन उद्यमी, गाइड बनने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

**890 केंद्रीय कानून लागू**

प्रदेश में 890 केंद्रीय कानून लागू हो चुके हैं। शिक्षा का अधिकार, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति आरक्षण अधिनियम और अल्पसंख्यक अधिकारों का विस्तार जैसे अधिनियमों का लाभ अब स्थानीय लोग ले रहे हैं।

## भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस बंद

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- सीबीआइ की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार, कोर्ट ने कहा- लंबी जांच के बाद भी नहीं मिला सुबूत

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में पेशेवरों की अनियमित नियुक्ति और असंबंधित परियोजना निधि से भुगतान में भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में सीबीआइ द्वारा दाखिल क्लोजर रिपोर्ट को न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है।

राउज एवेन्यू के विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने कहा कि कई वर्षों की जांच के बावजूद आरोपितों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम या किसी अन्य अपराध के तहत आरोपों का समर्थन करने के लिए एजेंसी को कोई साक्ष्य नहीं मिला। ऐसे में आगे की कार्यवाही व्यर्थ है। भ्रष्टाचार के प्रविधानों को लागू करने के लिए कुछ सामग्री तो होनी ही चाहिए। केवल कर्तव्य की उपेक्षा या कर्तव्य का अनुचित प्रयोग ही अधिनियम के तहत उल्लंघन नहीं माना जा सकता।

सत्येंद्र जैन। फाइल

**पीडब्ल्यूडी में अनियमित नियुक्ति मामले में वर्ष 2018 में हुई थी प्राथमिकी**

मालूम हो कि दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय की एक शिकायत के आधार पर सत्येंद्र जैन और अन्य पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के खिलाफ 2018 में प्राथमिकी की गई थी। आरोप था जैन और विभागीय अधिकारियों ने भर्ती नियमों का उल्लंघन कर सलाहकारों की एक क्रिएटिव टीम नियुक्त की थी।

********

**2** लोगों की मौत और छह अन्य घायल लास एंजिलिस शहर में एक संगीत समारोह के बाद की पार्टी के दौरान सोमवार तड़के हुई गोलीबारी में हो गए। आरोपित को घटनास्थल पर ही गिरफ्तार कर लिया गया है।

# ट्रंप ने दी शुल्क बढ़ाने की धमकी तो भारत ने दिया करारा जवाब

## अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा – भारत पर शुल्क और बढ़ाएंगे

### विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत को निशाना बनाना अन्यायपूर्ण एवं अकारण है

**जयप्रकाश रंजन ● जागरण**

**नई दिल्ली :** भारत के हितों के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक की सारी सीमाओं को पार करने की तरफ बढ़ गये हैं। कारोबारी समझौते को लेकर भारत सरकार के अडिग रवैये को देखते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने अब धमकी दी है कि वह भारतीय आयात पर शुल्क की दरों में और बढ़ोतरी करेंगे। हालांकि अपने पुराने रवैये के मुताबिक उन्होंने ना तो यह बताया है कि शुल्क दरों में यह वृद्धि कितनी होगी या क्या यह पूर्व में राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से भारत पर पेनाल्टी लगाने के फैसले के इतर होगी। लेकिन इस बार भारत ने ट्रंप के पुराने बयानों की तरफ सधी प्रतिक्रिया नहीं बल्कि उसे सीधे तौर पर खारिज करते हुए अन्यायपूर्ण व अकारण करार दिया है। भारत ने अमेरिका व यूरोपीय देशों को यह भी आईना दिखाया है कि कैसे वह अपनी जरूरतों के लिए अभी भी रूस से कारोबार कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से ही अमेरिका व यूरोपीय देश भारत पर निशाना साध रहे हैं। असलियत में भारत ने रूस से

**▸ राष्ट्रीय हित व आर्थिक सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे : भारत**

रणधीर जायसवाल। फाइल

तेल खरीदने की शुरुआत तभी की जब यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया के पारंपरिक तेल बाजारों से कच्चे तेल यूरोप भेजे जाने लगे। भारत, रूस से इसलिए तेल खरीदता है ताकि वह जनता को किफायदी दरों पर ईंधन उपलब्ध करा सके। लेकिन यह तथ्य है कि जो देश भारत पर आरोप लगा रहे हैं, वह खुद ही रूस से कारोबार कर रहे हैं। जबकि, ऐसा करना उनके लिए राष्ट्रीय हित की बात नहीं है। यूरोपीय संघ का वर्ष 2024 में रूस के साथ 67.5 अरब यूरो का द्विपक्षीय कारोबार था। यह भारत के रूस से कुल कारोबार से ज्यादा रहा है। यूरोप और रूस में अभी भी उर्वरक, खनन उत्पादों, रसायन, लोहा व इस्पात आदि का कारोबार हो रहा है। जहां तक अमेरिका की बात है तो वह अभी भी रूस से यूरेनियम की खरीद कर रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के लिए रूस से पैलेडियम खरीद रहा है। ऐसी पृष्टभूमि में भारत को निशाना बनाना अन्यायपूर्ण व अनुचित है। अन्य देशों की तरह भारत भी अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा के हिसाब से कदम उठाएगा।

भारत की प्रतिक्रिया राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से इंटरनेट मीडिया साइट टूथ सोशल पर लिखे गये संदेश के बाद आया है। इसमें ट्रंप ने लिखा है कि भारत ना सिर्फ रूस से बड़ी मात्रा में तेल की खरीद कर रहा है, बल्कि इस खरीदे गये तेल के अधिकांश हिस्से को खुले बाजार में बेच कर भारी मुनाफा कमा रहा है। उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं है कि यूक्रेन में कितने लोग रूसी हथियारों से मारे जा रहे हैं। इस वजह से मैं भारत पर शुल्क में भारी वृद्धि करने जा रहा हूं। ट्रंप पिछले 8-9 दिनों से लगातार भारत को लेकर इस तरह की आपत्तिजनक बयानबाजी टूथ सोशल के जरिए कर रहे हैं। पिछले हफ्ते की शुरुआत में जब ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल खरीदने का आरोप लगाया था, तब विदेश मंत्रालय ने इस पर सधी प्रतिक्रिया दी थी। जिस दिन अमेरिकी ने भारतीय आयात पर 25 फीसद का शुल्क लगाया था, उस दिन ट्रंप ने भारत के खिलाफ खास तौर पर एक पोस्ट किया था। उसमें उन्होंने लिखा था कि भारत और रूस अपनी मृत अर्थव्यवस्था के साथ डूब जाएं, मुझे इस बात की चिंता नहीं है। पूर्व में उन्होंने कहा था कि भारत पर शुल्क (25 फीसद) के साथ ही अलग से पेनाल्टी लगाया जाएगा। लेकिन आज तक यह साफ नहीं है कि पेनाल्टी की दर क्या होगी।

## रणनीतिक हितों पर भारत की दो टूक पचा नहीं पा रहा अमेरिका

**जयप्रकाश रंजन ● जागरण**

**नई दिल्ली :** भारत की शुल्क नीति को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप काफी पहले से अपनी नाराजगी दिखाते रहे हैं लेकिन पिछले पांच छह दिनों में एक-एक करके विदेश मंत्री मार्को रूबियो, वित्त मंत्री स्काट बेसेंट और अब व्हाइट हाउस में डिप्टी चीफ आफ स्टाफ स्टीफन मिलर भी मैदान में उतर गए हैं। इन सभी ने भारत की रूस से ऊर्जा खरीद नीति की न केवल आलोचना की, बल्कि इसे भारत और अमेरिका के संबंधों में एक कांटे के रूप में भी देखा है।

ट्रंप के इन सभी सिपहसलारों के सामने आने का कारण ट्रेड डील को लेकर बंद कमरे में होने वाली बैठकों में भारत की साफगोई है। ट्रेड डील के लिए गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के किसी भी अनावश्यक दबाव के सामने झुकने से इनकार करते हुए अपने रणनीतिक हितों पर अडिग रहने का निर्णय लिया है। जब अमेरिका ने रूस से तेल खरीद को यूक्रेन के खिलाफ फंडिंग करने का मुद्दा उठाया, तो भारतीय अधिकारियों ने इसका जवाब पाकिस्तान के सेना प्रमुख को अमेरिका में मिल रहे स्वागत से दिया।

दैनिक जागरण ने भारत और अमेरिका के बीच कारोबारी समझौते को लेकर चल रही वार्ताओं के बारे में जानकारी रखने वाले कुछ अधिकारियों से बातचीत की। एक अधिकारी ने बताया – 'अप्रैल 2025 में बातचीत की शुरुआत के समय माहौल सकारात्मक था और सभी मुद्दों पर सहमति बन रही थी। जुलाई तक समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी। लेकिन जैसे-जैसे वार्ता आगे बढ़ी, दोनों पक्षों के बीच मतभेद भी बढ़ते गए। केवल व्यापारिक मुद्दों पर ही नहीं, बल्कि रणनीतिक हितों से जुड़े मुद्दों पर भी भारी विभेद देखा गया।

यह स्पष्ट हुआ कि अमेरिका की भारत के व्यापारिक हितों को लेकर समझ बहुत सीमित है। भारतीय पक्ष ने अमेरिका के सामने कृषि बाजार खोलने के मुद्दे पर भारत की खाद्यान्न मांग और वैश्विक खाद्य उत्पादन की तुलना प्रस्तुत की। उन्हें बताया गया कि 140 करोड़ की जनसंख्या का पेट भरने के लिए भारत अनिश्चितता भरे वैश्विक खाद्य बाजार पर निर्भर नहीं रह सकता।'

**▸ भारत का सख्त तेवर है ट्रंप प्रशासन की झुंझलाहट और नाराजगी का राज**

**▸ कारोबारी समझौते पर होने वाली वार्ताओं में भारत ने तार्किक रूप से रखी बात**

**▸ भारत ने अमेरिका में पाक सेना प्रमुख को मिल रही तरजीह का मुद्दा भी उठाया**

नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

इसी तरह से कूटनीतिक क्षेत्र से जुड़े एक अधिकारी ने बताया- ' रूस से तेल खरीद का मुद्दा तकरीबन हर स्तर पर उठाया गया। भारत को बताने की कोशिश की गई कि रूस से तेल खरीदना यूक्रेन के खिलाफ आतंकी हमले को बढ़ावा देने जैसा है। इस पर भारतीय पक्षकारों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस में पाक सेना के प्रमुख चीफ मार्शल आसिम मुनीर के स्वागत का मुद्दा उठाया। पाक सेना का पुराना रिकार्ड दिखाया गया कि कैसे वह अमेरिका से मिलने वाली हर मदद का इस्तेमाल भारत के खिलाफ करता रहा है।' ऐसे में यह माना जा रहा है कि जब अमेरिका को आईना दिखाया गया तभी एक के बाद एक ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भारत को लेकर बयानबाजी करने लगे हैं।

पहले विदेश मंत्री रूबियो ने रूस से तेल खरीद को भारत व अमेरिका के रिश्तों में एक कांटा करार दिया तो उसके बाद वित्त मंत्री बेसेंट ने यहां तक कहा कि भारत से ट्रंप के वार्ताकारों की पूरी टीम निराश है। उधर, डिप्टी चीफ आफ स्टाफ मिलर ने कहा है कि यह आश्चर्यजनक तथ्य है कि भारत चीन के साथ गठबंधन करके रूस से तेल खरीद रहा है। मिलर ने भारत पर आव्रजन नीतियों में भी बेईमानी करने का आरोप लगाया है।

## रूस व ईरान से तेल खरीद बना अमेरिका व चीन समझौते में बाधा

**वाशिंगटन, एपी :** अमेरिका और चीन के बीच यूं तो कई मुद्दों पर व्यापक मतभेद हैं। मगर, दोनों देशों के अधिकारी मतभेदों को सुलझाकर एक व्यापार समझौते पर पहुंच सकते हैं और दंडात्मक शुल्कों से बच सकते हैं। लेकिन, दोनों के बीच समझौते में बड़ी बाधा रूस और ईरान से तेल खरीद है। चीन ने अमेरिका की उस मांग को ठुकरा दिया है जिसमें रूस व ईरान से तेल खरीद बंद करने की बात कही गई है। चीन ने कहा है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के हिसाब से ही तय करेगा कि वह किस देश से तेल खरीदे।

गौरतलब है कि अमेरिका ने चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। स्टाकहोम में दो दिवसीय व्यापार वार्ता के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, "चीन हमेशा अपनी ऊर्जा आपूर्ति को ऐसे तरीकों से सुनिश्चित करेगा जो हमारे राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करें।" यह पोस्ट अमेरिका की 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी पर प्रतिक्रियास्वरूप आया है। मंत्रालय ने कहा, "जबरदस्ती और दबाव से कुछ हासिल नहीं होगा। चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की दृढ़ता से रक्षा करेगा।" यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब आसमान छूते टैरिफ व कठोर व्यापार प्रतिबंधों से राहत मिलने के बाद बीजिंग व वाशिंगटन के बीच व्यापारिक संबंधों को स्थिर रखने के लिए समझौते पर पहुंचने को लेकर आशा एवं सद्भावना का संकेत दे रहे हैं।

## बलूचिस्तान में 121 हत्याएं, 785 अगवा कर गायब करने की घटनाएं

**क्वेटा, आइएएनएस :** एक मानवाधिकार संगठन का कहना है कि 2025 की शुरुआत से पाकिस्तान की सेनाओं और 'सरकार समर्थित हत्यारों' के हाथों बलूचिस्तान में 785 व्यक्तियों को जबरन गायब किया गया और 121 लोगों की हत्या कर दी गई। बलोच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग ने बताया कि लोगों को गायब करने व हत्याओं की दैनिक औसत दर चार लोग गायब होने और एक हत्या प्रतिदिन है। पीड़ितों में छात्र और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी शामिल हैं। इनमें से कई को कराची व इस्लामाबाद जैसे शहरों से अपहृत किया।"

मानवाधिकार संगठन बलोच यकजहती समिति (बीवाईसी) के अनुसार यह घटना तब हुई जब दिल जान बलोच को दो अगस्त को सरकार समर्थित सशस्त्र हत्यारों ने बेरहमी से हत्या कर दी, जबकि उन्हें 22 जुलाई को बलूचिस्तान के केच जिले से जबरन गायब किया गया था। बलूचिस्तान के मानवाधिकार परिषद (एचआरसीबी) ने कहा, 'एक और घटना रविवार को हुई जब पिछले दिसंबर में जबरन गायब किए गए इनायत खैर मोहम्मद को पाक समर्थित मौत दस्ते द्वारा हत्या कर दी गई।' मानवाधिकार संगठन ने बताया कि ये समूह, जिन्हें स्थानीय रूप से "मौत दस्ते" कहा जाता है। इन्हें अपना काम करने की खुली छूट दी जाती है और व्यापक रूप से माना जाता है कि वे बलूचिस्तान में पाकिस्तान सरकार के हितों के लिए 'प्राक्सी' के रूप में कार्य करते हैं। एचआरसीबी ने कहा, "यह पैटर्न पहले से दस्तावेजीकृत रणनीतियों के अनुरूप है, जो बलूचिस्तान में सरकारी नीति की आलोचना करने वाली आवाजों को चुप कराने के लिए बनाई गई है, जबकि औपचारिक न्याय और निगरानी के चैनलों से बचा जाता है।"

**▸ मानवाधिकार संगठन बलोच यकजहती समिति ने जारी की रिपोर्ट**

**▸ इनमें से कई को कराची व इस्लामाबाद जैसे शहरों से अपहृत किया**

## हमास ने इजरायली बंधकों के लिए रेड क्रास सहायता पर जताई सहमति

**गाजा, एएनआइ :** हमास ने गाजा में बंधक बनाए गए इजरायली नागरिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय रेड क्रास समिति (आइसीआरसी) द्वारा सहायता प्रदान करने के लिए सहमति व्यक्त की है। हमास ने दो दुर्बल इजरायली बंधकों का वीडियो जारी किया था। कंकालनुमा नजर आ रहे बंधक एव्यातार डेविड गड्ढा खोदते नजर आ रहे हैं और कह रहे हैं कि यह उनकी कब्र के लिए है। वहीं, रोम ब्रास्लावस्की एक गंदे गद्दे पर पीड़ा से तड़प रहा है और कह रहा है कि पैर में चोट लगने के कारण वह खड़ा भी नहीं हो पा रहा है।

नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने इजरायल में आइसीआरसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख जूलियन लार्सन से बात की है और गाजा में इजरायली बंधकों को भोजन और चिकित्सा उपचार प्रदान करने में समूह की भागीदारी का अनुरोध किया है। वीडियो के सामने आने के बाद से नेतन्याहू पर युद्धविराम के लिए दबाव बढ़ रहा है। वीडियो को लेकर नेतन्याहू ने कहा कि हमास गाजा में भुखमरी का झूठ फैला रहा है, लेकिन बंधकों के खिलाफ व्यवस्थित भुखमरी की जा रही है। वहीं, हमास की सशस्त्र शाखा कास्साम ब्रिगेड के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने कहा कि इजरायली बंधकों को कोई विशेषाधिकार नहीं मिलेगा। अबू ओबैदा ने सभी गाजा निवासियों तक भोजन व दवा पहुंचाने के लिए मानवीय गलियारों को खोलने की आवश्यकता पर बल दिया व इजरायली हमलों को रोकने का आह्वान किया है। गाजा में लगभग 50 बंधकों में से आधे से कम के जीवित होने की संभावना है। सोमवार को गाजा पर इजरायली हमलों में 40 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें से 10 रसद लेने गए थे। पांच भूख से मर गए।

**▸ हमास ने इजरायल से हवाई हमले रोकने और स्थायी मानवीय गलियारा खोलने कहा**

**▸ बंधकों का वीडियो जारी होने और उनके हालात देखने के बाद नेतन्याहू पर बढ़ा दबाव**

लिथुआनिया के राष्ट्रपति भवन में इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने सोमवार को गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों की तस्वीरें दिखाते हुए। एपी

## वर्चस्व के लिए 'नव उपनिवेशवादी' नीति अपना रहा अमेरिका : रूस

**मास्को, प्रेट्र :** रूस ने सोमवार को कहा कि अमेरिका वर्चस्व कायम रखने के लिए 'ग्लोबल साउथ' देशों के खिलाफ 'नव उपनिवेशवादी' नीति अपना रहा है। रूस ने इन देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई ताकि बहुपक्षीय और समानता पर आधरित वैश्विक व्यवस्था बनाई जा सके। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ दिनों पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। गौरतलब है कि ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील और गरीब देश जाना जाता है, ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में हैं।

जखारोवा ने कहा कि प्रतिबंध "दुखद वास्तविकता" हैं, जिससे पूरी दुनिया प्रभावित होती है। वाशिंगटन वर्चस्व बनाए रखने के लिए "नव उपनिवेशवादी नीति" अपना रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो लोग इसके पीछे नहीं चलना चाहते, उनके खिलाफ राजनीतिक दबाव के आर्थिक साधनों का उपयोग कर रहा है। रूस के ग्लोबल साउथ के साझेदारों के खिलाफ ट्रंप की टैरिफ नीति को जखारोवा ने इन देशों की संप्रभुता पर "प्रत्यक्ष अतिक्रमण" और उनके आंतरिक मामलों में "हस्तक्षेप करने का प्रयास" करार दिया। उन्होंने कहा, हमारे कई साझेदार, समान विचारधारा वाले सहयोगी हैं जो ग्लोबल साउथ के देशों में इस दृष्टिकोण को साझा करते हैं। जखारोवा ने ब्रिक्स समूह का उल्लेख किया, जिसमें मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल रहे हैं। 2024 में इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान और यूएई शामिल हुए।

**▸ 'ग्लोबल साउथ' के सहयोगी देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई**

**▸ ट्रंप की टैरिफ नीति को इन देशों की संप्रभुता पर "प्रत्यक्ष अतिक्रमण करार दिया**

## आप्रवासियों से भरी नाव यमन तट पर डूबने से 68 की मौत

**अदन, एएनआइ :** आप्रवासियों से भरी नौका यमन तट पर डूब जाने से 68 लोगों की मौत हो गई, जबकि 74 अन्य लापता हो गए हैं। बचाव और खोज अभियान जारी है। यह घटना शनिवार रात को हुई, जब 154 इथियोपियाई आप्रवासियों को ले जा रही नाव स्थानीय समयानुसार रात लगभग 11 बजे अबयान प्रांत के तटवर्ती जलक्षेत्र में खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण पलट गई। नाव में अधिकांश लोग इथोपिया के थे।

दिनभर के दौरान 68 शव बरामद किए गए और 12 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाए गए कुछ लोगों की हालात नाजुक है। ये सभी हार्न आफ अफ्रीका से एक तस्करी वाली नाव के जरिए यमन और फिर खाड़ी देशों में पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। अकेले 2024 में ही यमन में 60,000 से ज्यादा अवैध प्रवासी पहुंच चुके हैं। अफ्रीका के हार्न से कई प्रवासी यमन की खतरनाक यात्राएं करते हैं।

## जापान की सबसे उम्रदराज व्यक्ति बनीं 114 वर्षीय शिगेको कागावा

**टोक्यो, एपी :** नारा प्रांत की 114 वर्षीय सेवानिवृत्त चिकित्सक शिगेको कागावा जापान की सबसे बुजुर्ग व्यक्ति बन गई हैं। जापान के स्वास्थ्य, श्रम और कल्याण मंत्रालय के अनुसार, 114 वर्षीय मियोको हिरोयासु के निधन के बाद उनका नाम इसमें शामिल किया गया है। कागावा ने द्वितीय विश्व युद्ध से पहले मेडिकल स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। युद्ध के दौरान ओसाका के एक अस्पताल में सेवा दी और बाद में प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में परिवार के क्लीनिक का संचालन किया। वह 86 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त हुईं। 109 वर्ष की आयु में कागावा टोक्यो 2021 ओलंपिक की मशाल रिले के दौरान सबसे उम्रदराज मशाल धारकों में से एक थीं।

कागावा से जब 2023 में उनकी दीर्घायु होने का रहस्य पूछा गया तो कहा था कि मैं हर दिन खेलती हूं। मेरी ऊर्जा मेरी सबसे बड़ी संपत्ति है। मैं जहां चाहती हूं जाती हूं, जो चाहती हूं खाती हूं और जो चाहती हूं करती हूं। मैं स्वतंत्र और आत्मनिर्भर हूं। जापान में एक सितंबर 2024 तक रिकार्ड 3.6 करोड़ लोग 65 वर्ष या अधिक आयु के थे, जो दुनिया में वरिष्ठ नागरिकों का उच्चतम अनुपात है। 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोग अब जनसंख्या का 10 प्रतिशत बनाते हैं।

**▸ कागावा टोक्यो ओलंपिक की मशाल रिले के दौरान सबसे उम्रदराज मशाल धारकों में से एक रह चुकी हैं**

जापान के नारा प्रांत के यामातोकोरियामा में 12 अप्रैल, 2021 को टोक्यो ओलंपिक के लिए मशाल रिले कार्यक्रम के दौरान मशाल थामे हुए शिगेको कागावा। एपी/ फाइल

## बांग्लादेश के पूर्व थल सेना प्रमुख मृत मिले

**ढाका, प्रेट्र:** बांग्लादेश के पूर्व थल सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) 77 वर्षीय एम हारुन अर रशीद की मौत हो गई। वह चटगांव क्लब के एक कमरे में मृत पाए गए। चटगांव कोतवाली प्रभारी अधिकारी अब्दुल करीम ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे उनका शव बरामद किया गया। ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की खबर के अनुसार, चटगांव मेट्रोपालिटन पुलिस (सीएमपी) के उपायुक्त (दक्षिण) मोहम्मद आलमगीर हुसैन ने बताया कि पूर्व थल सेना प्रमुख रविवार दोपहर ढाका से चटगांव पहुंचे। उन्होंने शाम लगभग चार बजे चटगांव क्लब के एक वीआइपी कमरे में चेक इन किया। लगभग एक घंटे बाद वह क्लब से निकले और रात लगभग 10:45 बजे वापस लौटे।


देश-दुनिया की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com


## रूस के लिए लड़ रहे चीन, पाकिस्तान और अन्य देशों के भाड़े के सैनिक : जेलेंस्की

**कीव, रायटर :** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि उत्तर-पूर्वी यूक्रेन में यूक्रेनी सैनिक चीन, पाकिस्तान और अफ्रीका के कुछ हिस्सों सहित विभिन्न देशों के विदेशी भाड़े के सैनिकों से लड़ रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इसका करारा जवाब देंगे। जेलेंस्की ने पहले मास्को पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध प्रयासों के लिए चीनी लड़ाकों की भर्ती करने का आरोप लगाया था, हालांकि बीजिंग ने इन आरोपों का खंडन किया था। उत्तर कोरिया ने भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में अपने हजारों सैनिक तैनात किए हैं।

जेलेंस्की ने उत्तर-पूर्वी खार्कीव क्षेत्र के एक अग्रिम क्षेत्र का दौरा करने के बाद एक्स पर लिखा कि हमने कमांडरों से अग्रिम मोर्चे की स्थिति, वोवचांस्क की रक्षा और युद्ध की गतिशीलता के बारे में बात की। इस क्षेत्र में हमारे योद्धा चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों के भाड़े के सैनिकों की भागीदारी की सूचना दे रहे हैं। रूस ने जेलेंस्की के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बीच, यूक्रेन ने सेना के लिए ड्रोन और जैमिंग उपकरणों की खरीद में गबन के लिए एक सांसद और एक सरकारी अधिकारी सहित छह पर आरोप लगाया है।

**▸ रूस ने यूक्रेनी राष्ट्रपति के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है**

**▸ मास्को पर चीनी लड़ाकों की भर्ती का पहले भी आरोप लगा था**

वोलोदिमीर जेलेंस्की। फाइल

### यूक्रेनी हमले में एक रूसी सैन्य विमान नष्ट, चार अन्य क्षतिग्रस्त

यूक्रेन ने दावा किया है कि रूस के कब्जे वाले क्रीमिया पर रात भर ड्रोन हमले में एक रूसी लड़ाकू विमान नष्ट हो गया और चार अन्य विमानों को क्षति पहुंची है। एक सैन्य विमानन डिपो पर हमला किया गया, जिससे एक सू-30 विमान नष्ट हो गया और अन्य क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं तीन सू-24 जेट बमवर्षक भी क्षतिग्रस्त हो गए। वोल्गोग्राद में हमले में रात भर के लिए बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हो गई और एक रेलवे स्टेशन की इमारत में आग लग गई। ड्रोन हमलों के देखते हुए वोल्गोग्राद में हवाई उड़ानें भी प्रभावित हुईं। वोल्गोग्राड के गवर्नर आंद्रे बोचारोव ने कहा, कि कोई हताहत नहीं हुआ। रविवार को दक्षिण-पूर्वी जापोरिजिया क्षेत्र में रूसी हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। मास्को की सेनाएं यूक्रेन से एक हजार किमी दूर पश्चिम की ओर धीमी गति से आगे बढ़ रही हैं।

**नहीं थमी हिंसा**

एक वर्ष पहले आज ही के दिन अपदस्थ हुई थी शेख हसीना सरकार, हिंसक आंदोलन में सैकड़ों लोगों ने गंवाई थी जान, अब भी हिंसा जारी

## छात्र आंदोलन के एक साल बाद भी राजनीतिक स्थिरता से दूर बांग्लादेश

**ढाका, एपी:** बांग्लादेश में हिंसक छात्र आंदोलन के चलते पिछले वर्ष आज ही के दिन यानी पांच अगस्त, 2024 को शेख हसीना की अगुआई वाली अवामी लीग सरकार अपदस्थ हो गई थी। तब से हसीना भारत में ही हैं। इस घटना के एक वर्ष बाद भी बांग्लादेश राजनीतिक स्थिरता से बहुत दूर है। हिंसा का दौर थमा नहीं है। हालात बदतर होते जा रहे हैं। हसीना सरकार के पतन के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में गठित अंतरिम सरकार में न केवल राजनीतिक विरोधियों खासतौर पर अवामी नेताओं और अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा बल्कि कट्टरपंथियों को बढ़ावा भी दिया जा रहा है।

गत वर्ष जुलाई-अगस्त में छात्र आंदोलन और उसके बाद हिंसा की घटनाओं में अब तक सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों में हसीना के खिलाफ मुकदमा शुरू किया गया है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इतने खून-खराबे के बावजूद एक ऐसे बांग्लादेश की संभावना बड़ी चुनौती बनी हुई है, जहां उदार लोकतंत्र, राजनीतिक सहिष्णुता और धार्मिक सद्भाव हो। न्यूयार्क आधारित मानवाधिकार समूह ह्यूमन राइट वाच की एशिया में उप प्रमुख मीना क्श्यप ने कहा, 'एक साल पहले हजारों लोगों ने इस उम्मीद के साथ हसीना सरकार के खिलाफ हिंसा का सामना किया था कि ऐसे लोकतंत्र की स्थापना होगी, जहां अधिकारों का सम्मान किया जाएगा। इस तरह के लोकतंत्र का सपना अब भी अधूरा है।' हालांकि अंतरिम सरकार इन आरोपों को खारिज करती है।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पांच अगस्त, 2024 को भारी संख्या में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री शेख हसीना के आवास पर धावा बोलते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए। इस आवास को अब एक संग्रहालय में तब्दील किया जा रहा है। एएफपी

**आंदोलन में शामिल रहे छात्र भी निराश :** छात्र आंदोलन के दौरान उग्र प्रदर्शनकारियों ने कई पुलिस स्टेशनों और सरकारी भवनों को आग के हवाले कर दिया था। प्रधानमंत्री आवास पर भी हमला किया गया था। देश में व्यापक राजनीतिक बदलाव की उम्मीद को लेकर हजारों लोगों के साथ ही 20 वर्षीय अब्दुल रहमान तारीफ नामक छात्र भी अपनी बहन मेहरुनिसा के साथ आंदोलन में शामिल हुआ था। इसमें उसकी बहन और एक चचेरे भाई की गोली लगने से मौत हो गई थी। तारीफ ने कहा, 'हम एक ऐसा देश चाहते थे, जहां कोई भेदभाव और अन्याय न हो। हम परिवर्तन चाहते थे लेकिन अब मैं निराश हूं।'

**सुधारों पर अब तक सहमति नहीं :** हसीना सरकार के पतन के बाद गठित अंतरिम सरकार ने 11 सुधार आयोगों का गठन किया, जिसमें राष्ट्रीय सहमति आयोग भी शामिल है। यह भावी सरकार और चुनाव प्रक्रिया में सुधारों के लिए राजनीतिक दलों के साथ काम कर रहा है। हालांकि आपसी विवाद के चलते अब तक कोई सहमति नहीं बन पाई है। हसीना की अवामी लीग को प्रतिबंधित किया जा चुका है। पार्टी का आरोप है कि पिछले एक साल में उसके दो दर्जन से अधिक समर्थक हिरासत में मारे गए हैं।

### 878 पत्रकार बने निशाना, 121 लोग मरे

दिल्ली आधारित अधिकार समूह राइट्स एंड रिस्क एनालिसिस ने सोमवार को दावा किया कि बांग्लादेश में यूनुस के शासन में 878 पत्रकारों को निशाना बनाया गया। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के मुकाबले पिछले एक वर्ष में ऐसे मामलों में 230 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआइबी) ने एक रिपोर्ट में बताया कि अंतरिम सरकार बनने के बाद देश में राजनीतिक हिंसा की 471 घटनाओं में 121 लोग मारे गए और 5189 घायल हुए। बीते एक वर्ष के दौरान राजनीतिक हिंसा की 92 प्रतिशत घटनाओं में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बीएनपी शामिल रही। जबकि कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी पांच प्रतिशत और छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटिजन पार्टी महज एक प्रतिशत घटनाओं में शामिल रही।

## रूस ने दुनिया का पहला एंटी ड्रोन राइफल सिम्युलेटर बनाया

**मास्को, एएनआइ :** साउदर्न फेडरल यूनिवर्सिटी (एसएफयू) के छात्रों ने दुनिया का पहला ट्रेनिंग प्लेटफार्म सिम्युलेटर विकसित किया है, जो एंटी ड्रोन राइफलों और ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम के साथ काम करने का अनुभव प्रदान करता है। यह युद्ध जैसा वर्चुअल वातावरण पैदा करता है, जहां कोई भी ड्रोन युद्ध का अभ्यास कर सकता है।

कार्यक्रम में कोई भी एंटी ड्रोन गन (पार्स और हार्पी), डिटेक्टर (बुलैट संस्करण-3) और ड्रोनों के विभिन्न माडलों के उपयोग का अभ्यास कर सकता है। इसे बनाने के लिए डेवलपर्स ने अनरियल इंजन गेम इंजन का उपयोग किया है। इसका लक्ष्य प्रशिक्षण को यथासंभव वास्तविकता के करीब लाना है। वे रेडियो सिग्नल, जीपीएस संचालन व उपकरणों के परस्पर क्रिया का अनुकरण करते हैं, ताकि यहां किया गया अभ्यास प्रशिक्षण मैदान जैसा ही हो। यह कार्यक्रम व्यावहारिक कौशल विकसित करने में मदद करता है, जिसमें एंटी-ड्रोन राइफल और डिटेक्टर्स के सही उपयोग के साथ ही तनावपूर्ण स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता शामिल है। इसमें एक सैद्धांतिक भाग भी है, जिसमें न केवल पुस्तकों से प्रश्न, बल्कि वास्तविक हालातों के वीडियो भी शामिल किए गए हैं। सैन्य विशेषज्ञ यूरी ल्यामिन का मानना है कि सिम्युलेटर प्रशिक्षण के प्रारंभिक चरण में उपयोगी है, क्योंकि यह मूल एल्गोरिदम को समझने, उपकरणों की विशेषताओं का अध्ययन करने और पैसे की बचत करता है।

**▸ युद्ध जैसा वर्चुअल वातावरण पैदा कर प्रशिक्षण में करेगा सहायता**

एंटी ड्रोन सिस्टम। प्रतीकात्मक/ एएनआइ

*********

# कप्तान शुभमन गिल और कोच गंभीर का भविष्य सुनिश्चित करने वाली

# वो असाधारण 53 गेंदें...

अभिषेक त्रिपाठी
लंदन से

एटकिंसन का विकेट गिरने के बाद जीत का जश्न मनाते भारतीय टीम के खिलाड़ी • रायटर

**पांचवें** टेस्ट के पांचवें दिन भारतीय टीम उस दोराहे पर खड़ी थी जहां अगर प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज वो 53 असाधारण गेंदें नहीं डालते तो सीरीज का निर्णय इंग्लैंड के पक्ष में 3-1 होता। इसके बाद भारतीय टीम के गौतम गंभीर व शुभमन गिल की राहें कठिन हो सकती थीं क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली युग से निकलने की कोशिश कर रहे नए कप्तान और मुख्य कोच के आलोचक उनके प्रति पहले से ही बहुत मुखर हैं। इन 53 गेंदों में पांच मैचों की पूरी सीरीज का सार देखने को मिला। इन 53 गेंदों ने दुनिया को चौका, छक्का, विकेट, डीआरएस से अंपायर का निर्णय सही साबित होना, पलटना, कैच करना व छोड़ना, रन आउट छोड़ना, चोटिल खिलाड़ी को हाथ में बल्ला लेकर मैदान में उतरते देखना और अंत में सीरीज किसी के पक्ष में ना जाना दिखाया। पूरी सीरीज में चोटिल खिलाड़ियों की फौज से युद्ध जीतने की कोशिश कर रही दोनों टीमों के बीच सिर्फ 35 रनों और चार विकेटों का अंतर था लेकिन भारत के पास मोहम्मद सिराज जैसा योद्धा था जिसने पारी में पांच विकेट लेकर भारत को छह रन से जीत दिला दी।

**इंग्लैंड का सबसे कठिन समय :** हैरी ब्रूक और जो रूट के शतकों के बाद इंग्लिश टीम रविवार को 374 रनों के लक्ष्य को पाने के करीब लग रही थी लेकिन सोमवार को सिराज ने आखिरी 35 रन को उनके शुरुआती 339 रनों से ज्यादा मुश्किल कर दिया। ओवल के मुख्य मैदानकर्मी अगर रविवार को ढंग से काम कर लेते तो यह मैच एक दिन पहले खत्म हो जाता लेकिन उन्होंने सोचा कि सोमवार को दिन का खेल शुरू होने से पहले वह जो हैवी रोलर चलाएंगे उससे अंग्रेजों के लिए जीत हासिल करना आसान हो जाएगा लेकिन कृष्णा और मोहम्मद की जोड़ी कुछ और ही सोचकर आई थी। इस मैच में 31.1 ओवर और सीरीज में 1113 गेंदें फेंकने वाले सिराज ने पांचवीं बार पारी में पांच विकेट लेकर तनावपूर्ण सीरीज का सुखद अंत किया। 80 ओवर के बाद शुभमन गिल नई गेंद ले सकते थे लेकिन उन्हें लगा कि पुरानी गेंद से ही सिराज कमाल कर रहे हैं तो नई ठोस गेंद लेकर चौके-छक्के क्यों मरवाए जाएं क्योंकि सख्त गेंद से इसकी आशंका होती है। ऐसा नहीं है कि इंग्लैंड ने इससे पहले कोई बड़ा लक्ष्य हासिल नहीं किया। इंग्लैंड ने एक जुलाई 2022 को बर्मिंघम में भारत के विरुद्ध ही तीन विकेट खोकर 378 रन बनाकर टेस्ट में अपना सबसे बड़ा सफल लक्ष्य किया था। उसने 1902 में ओवल में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध चौथी पारी में 263 रन बनाकर जीत हासिल की थी। अब तक ओवल में सबसे ज्यादा रन बनाकर जीत हासिल करने का यही रिकार्ड है। इंग्लिश टीम अपने उस रिकार्ड को इस मैदान पर बदल नहीं पाई।

**गिल की रणनीति :** वैसे 84वें ओवर में ही मैच खत्म हो जाता। वोक्स के साथ खेल रहे एटकिंसन ने काऊ कार्नर पर बड़ा शाट मारा लेकिन पता नहीं क्यों आकाश दीप बाउंड्री के पास चिपककर खड़े होने की जगह पांच मीटर अंदर खड़े थे। गेंद उनके हाथ से लगकर छक्के के लिए चली गई। इसके बाद सबको पता था कि 84वें ओवर की आखिरी गेंद पर एटकिंसन एक रन लेने के लिए भागेंगे क्योंकि मौका आने पर वोक्स एक गेंद खेलने की भी स्थिति में नहीं थे। कप्तान गिल ने बाउंड्री से क्षेत्ररक्षकों को अंदर नहीं बुलाया जबकि यहां पर कोई और कप्तान ऐसा ही करता। यहां पर उन्होंने कमाल की रणनीति अपनाई। उन्होंने सिराज को आफ साइड के बाहर गेंद फेंकने को कहा लेकिन जब तक वह विकेटकीपर ध्रुव जुरैल को महेंद्र सिंह धौनी की तरह एक दस्ताने के साथ कीपिंग करने को कहते तब तक सिराज ने रन अप ले लिया। गेंद एटकिंसन से मिस हुई। वह आंखें बंद करके दौड़े। टूटे हाथ के साथ वोक्स बल्लेबाजी छोर की तरफ दौड़ रहे थे। जुरैल के सामने तीन स्टंप थे लेकिन वह उन्हें हिट नहीं कर सके। अगले ओवर में हर गेंद के बाद कप्तान गिल, तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा से बात कर रहे थे।

कृष्णा के ओवर की आखिरी गेंद थी। रणनीति पुरानी वाली ही थी। प्रसिद्ध ने आफ स्टंप के बाहर गेंद फेंकी लेकिन एटकिंसन समझदार थे। वह पहले ही आफ स्टंप से बाहर आ गए और आराम से एक रन लेकर स्ट्राइक अपने पास रखी। हालांकि सिराज की अगली गेंद ने सीरीज को 2-2 कर दिया। जब एटकिंसन का स्टंप हिला और सिराज ने सिउ का जश्न मनाया तो इंग्लैंड में मातम सा माहौल था। इस तरह 148 सालों और 2,598 टेस्ट मैचों में देखे गए सबसे दमदार घंटों में से एक का अंत हुआ। यह एक आसाधारण सोमवार था। यादों में बसने वाली इस रोमांचक सीरीज के 25वें दिन के खेल ने टेस्ट क्रिकेट को भी नए मुकाम पर पहुंचा दिया। इस जीत के बाद भारतीय टीम के खिलाड़ी जब थके हुए शरीर और जबरदस्त मुस्कान के साथ अपने प्रशंसकों के सम्मान में ओवल की परिक्रमा कर रहे थे तो वे बता रहे थे कि ये 53 गेंदें उनकी जिंदगी के लिए कितनी महवत्वपूर्ण थीं।

**9** सर्वाधिक दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने एक सीरीज में 400 से अधिक रन बनाए

**50** सर्वाधिक 50 प्लस के व्यक्तिगत स्कोर दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने बनाए

**19** सर्वाधिक दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने शतकीय साझेदारी कीं

### डब्ल्यूटीसी अंक तालिका

| टीम | मैच | जीत | हार | टाई | ड्रा | अंक | जीत प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आस्ट्रेलिया | 3 | 3 | 0 | 0 | 0 | 36 | 100 |
| श्रीलंका | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 16 | 66.67 |
| भारत | 5 | 2 | 2 | 0 | 1 | 28 | 46.67 |
| इंग्लैंड | 5 | 2 | 2 | 0 | 1 | 26 | 43.33 |
| बांग्लादेश | 2 | 0 | 1 | 0 | 1 | 4 | 16.67 |
| वेस्टइंडीज | 3 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 |

### स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 224/10 (69.4 ओवर) इंग्लैंड पहली पारी : 247/10 (51.2 ओवर)

**भारत दूसरी पारी : 396 (88 ओवर)**

**इंग्लैंड दूसरी पारी : 367 (85.1 ओवर), (339/6 रन से आगे)**

| | रन | गेंद | 4/6 |
|---|---|---|---|
| स्मिथ का. जुरैल बो. सिराज | 2 | 20 | 0/0 |
| ओवरटन एलबीडब्ल्यू सिराज | 9 | 17 | 2/0 |
| एटकिंसन बो. सिराज | 17 | 29 | 0/1 |
| टंग बो प्रसिद्ध | 0 | 12 | 0/0 |
| वोक्स अविजित | 0 | 0 | 0/0 |

अतिरिक्त : 23 (बा : 2, लेबा : 9, नोबा- 1, वा: 11)

विकेटपतन : 7-347 (स्मिथ, 77.3), 8-354 (ओवरटन, 79.5), 9-357 (टंग, 82.6), 10-367 (एटकिंसन, 85.1)

गेंदबाजी : आकाश 20-4-85-1, प्रसिद्ध 27-3-126-4, सिराज 30.1-6-104-5, वाशिंगटन 4-0-19-0, जडेजा 4-0-22-0

**प्लेयर आफ द मैच : मोहम्मद सिराज** | **प्लेयर आफ द सीरीज : शुभमन/हैरी ब्रूक**

### एंडरसन-तेंदुलकर ट्राफी 2025 में सर्वाधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ी

| रन | खिलाड़ी |
|---|---|
| 754 | शुभमन गिल |
| 537 | जो रूट |
| 532 | केएल राहुल |
| 516 | रवींद्र जडेजा |
| 481 | हैरी ब्रूक |

### एंडरसन-तेंदुलकर ट्राफी 2025 में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज

| विकेट | गेंदबाज |
|---|---|
| 23 | मोहम्मद सिराज |
| 19 | जोश टंग |
| 17 | बेन स्टोक्स |
| 14 | जसप्रीत बुमराह |
| 14 | प्रसिद्ध कृष्णा |

इंग्लैंड का अंतिम विकेट लेने के बाद रोनाल्डो के स्टाइल में जश्न मनाते मोहम्मद सिराज • एएनआइ

**41** साल बाद ओवल में टेस्ट मैच की चौथी पारी में पांच विकेट लेने वाले गेंदबाज बने सिराज

कभी जीतेंगे, कभी हारेंगे लेकिन कभी हार नहीं मानेंगे। शाबाश लड़कों। **-गौतम गंभीर**, मुख्य कोच, भारतीय टीम

### भारत के लिए सबसे कम जीत का अंतर

| रन | बनाम | स्थान | साल |
|---|---|---|---|
| 6 | इंग्लैंड | लंदन | 2025 |
| 13 | आस्ट्रेलिया | मुंबई | 2004 |
| 28 | इंग्लैंड | कोलकाता | 1972 |
| 31 | आस्ट्रेलिया | एडिलेड | 2018 |

### इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय

| विकेट | गेंदबाज | साल |
|---|---|---|
| 23 | बुमराह | 2021-22 |
| 23 | सिराज | 2025 |
| 19 | भुवनेश्वर | 2014 |

टेस्ट क्रिकेट। रोंगटे खड़े करने वाला। सीरीज 2-2। प्रदर्शन दस में से दस। भारतीय क्रिकेट के महानायकों। क्या शानदार जीत। - **सचिन तेंदुलकर**, पूर्व भारतीय बल्लेबाज

भारतीय टीम की शानदार जीत। टेस्ट क्रिकेट, अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रारूप। टीम के सभी सदस्यों और कोचों को बधाई। मैच देखकर मजा आया। शानदार प्रदर्शन प्रसिद्ध, आकाशदीप, जायसवाल, जडेजा, वाशिंगटन, पंत। इस युवा टीम की प्रदर्शन में काफी निरंतरता थी। -**सौरव गांगुली**, पूर्व भारतीय कप्तान

टीम इंडिया की शानदार जीत। सिराज और प्रसिद्ध की जज्बे ने हमें यह ऐतिहासिक जीत दिलाई। सिराज के लिए खास ज़िक्र, जो हमेशा टीम के लिए सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार रहते हैं। उनके लिए बेहद खुश हूं। - **विराट कोहली**, भारतीय बल्लेबाज

एक रोमांच से भरा मुकाबला। इंग्लैंड में 25 दिनों की बेहतरीन क्रिकेट का क्या शानदार अंत रहा। एक नई टीम, नया कप्तान और भारतीय क्रिकेट का नया अंदाज। टेस्ट मैच ने नई ऊंचाइयां छू ली हैं। भारतीय टीम और शुभमन गिल को बधाइयां। यह सीरीज पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। - **राजीव शुक्ला**, उपाध्यक्ष, बीसीसीआइ

शानदार खेल भारत। क्या सीरीज थी। दोनों टीमों का शानदार प्रदर्शन। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध का शानदार प्रदर्शन। शुभमन गिल और टीम को बधाई। - **अनिल कुंबले**, पूर्व भारतीय कप्तान

दुनिया ने आज जो देखा, वह विशुद्ध टेस्ट क्रिकेट का जादू था। ओवल ने खेल के इतिहास की सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक पेश किया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बीसीसीआइ और ईसीबी को सलाम। - **जय शाह**, चेयरमैन, आइसीसी

## खेल डायरी

### विंडीज को हराकर पाकिस्तान ने जीती सीरीज

**लाडेरहिल (अमेरिका), एपी :** सईम अयूब के अर्धशतक और साहिबजादा फरहान के साथ 138 रन की पहले विकेट की साझेदारी की मदद से पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 मैच में 13 रन से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान ने चार विकेट पर 189 रन बनाए और उसके बाद वेस्टइंडीज को छह विकेट पर 176 रन पर रोक दिया। पाकिस्तान का पहला विकेट 17वें ओवर में गिरा, जब फरहान 53 गेंद में 74 रन बनाकर आउट हो गए। जवाब में वेस्टइंडीज ने पहले दो ओवर में बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिए थे। एलिक अथानाजे ने 40 गेंद में 60 रन बनाए और होप (सात) के साथ 30 रन की साझेदारी की। उनके आउट होने के बाद वेस्टइंडीज की जद से मैच निकलता चला गया।

मोहम्मद नवाज • एएफपी

### लियोन मेसी का केरल दौरा हुआ रद

**तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र :** दिग्गज फुटबालर लियोन मेसी की अगुआई वाली अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबाल टीम अब केरल का दौरा नहीं करेगी। राज्य के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम संबंधी टकराव के कारण दौरा रद होने की स्थिति बनी। खेल मंत्री ने कहा कि विदेशी टीम ने उन्हें बताया है कि उन्हें इस साल अक्टूबर में राज्य का दौरा करने में दिक्कत हो रही है, लेकिन प्रायोजक ने जवाब दिया कि हमें केवल अक्टूबर महीने में ही दौरे में रुचि है। हालांकि इससे पहले अब्दुरहीमान ने कहा था कि अर्जेंटीना टीम केरल का दौरा करेगी और प्रायोजक ने पहले ही मैच फीस का भुगतान कर दिया है। अब्दुरहीमान ने यह भी बताया था कि टीम के इस साल अक्टूबर या नवंबर में आने की संभावना है और उन्हें राज्य के अतिथि के रूप में माना जाएगा।

### अमन-सुजीत विश्व चैंपियनशिप में क्वालीफाई

**लखनऊ, प्रेट्र :** पेरिस ओलिंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने सोमवार को चयन ट्रायल में कड़ी चुनौती को पार करते हुए विश्व चैंपियनशिप के लिए जगह पक्की की। वहीं सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल भार वर्ग में जीतते हुए चैंपियनशिप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। क्रोएशिया के जाग्रेब में अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप सहरावत की दूसरी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता होगी। 22 वर्षीय सहरावत ने गत वर्ष पेरिस ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद जून में मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में भी कांस्य पदक अपने नाम करते हुए प्रतिस्पर्धी कुश्ती में शानदार वापसी की थी। सोमवार को चयन ट्रायल के पहले मुकाबले में सुमित और फाइनल में राहुल हराया। सहरावत ने कहा कि मुझे लगता है कि अब मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में वापस आ गया हूं।

मुकाबले के दौरान अमन • प्रेट्र

## मुझे विश्वास था कि मैं कर सकता हूं : सिराज

विशेष संवाददाता • जागरण

**लंदन :** एक शहर, दो प्रतिष्ठित मैदानों के बीच 5.2 मील की दूरी और 20 दिन। यही वो पल थे जिन्होंने इंग्लैंड के इस थकान भरे दौरे में मोहम्मद सिराज की जिंदगी बदल दी। सिराज ने 14 जुलाई को लाइर्स मैदान पर लाचार होकर शोएब बशीर की एक गेंद को अपने स्टंप्स से टकराते हुए देखा। वह काफी देर तक ऐसे झुके रहे मानो समय उनके लिए रुक गया हो। आमतौर पर खुशमिजाज रहने वाले यह खिलाड़ी शायद रवींद्र जडेजा के शानदार संघर्ष के बेकार जाने और इंग्लैंड के बढ़त बनाने से हताश था। सिराज के अंदर का योद्धा एक बेहतर अंत का हकदार था और चार अगस्त को एक बार गेंद के स्टंप्स से टकराने की जानी-पहचानी आवाज आई लेकिन इस बार इस भारतीय गेंदबाज से विकेट चटकाकर भारत को सीरीज में 2-2 से बराबरी दिलाई।

रोनाल्डो का वालपेपर दिखाते सिराज

मैच के बाद सिराज ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास था कि वह आखिरी टेस्ट में किसी भी स्थिति से भारत को जीत दिला सकते हैं। मेरी एक ही रणनीति थी कि सही जगह पर गेंद डालनी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि विकेट मिलते हैं या रन जाते हैं। सिराज ने कहा कि शरीर ठीक है मुझे परवाह नहीं कि मेरे लिए यह छठा ओवर है या नौवां। मैं अपने लिए नहीं बल्कि अपने देश के लिए गेंदबाजी करता हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह अब तक खेले गए अपने 41 लाल गेंद वाले मुकाबलों में कितने और टेस्ट मैच जोड़ेंगे।

सिराज ने कहा कि जब वह 80 ओवर पुरानी ड्यूक्स गेंद से अपनी पूरी ताकत झोंक रहे थे और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के दिमाग और बल्ले को चकमा दे रहे थे तब रवींद्र जडेजा ही थे, जिन्होंने इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज के लिए कुछ जोशीले शब्द कहे। सिराज ने अपने दिवंगत पिता के संदर्भ में कहा कि जड्डू भाई (जडेजा) ने बोला कि अपने पिता के बारे में सोचो और कितनी तकलीफ उन्होंने उठाई, तुझे उनके लिए मैच जीतना है।

## हम कभी हार नहीं मानते : शुभमन गिल

विशेष संवाददाता • जागरण

**लंदन :** ओवल में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि जब आपके पास सिराज और प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज हों तो कप्तानी आसान लगती है। मुझे लगता है कि आज हमने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी वह शानदार थी। छह हफ्तों की सीरीज से मिली सीख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हम कभी हार नहीं मानते। इसके बाद प्रेस कांफ्रेंस करने आए गिल ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट के मौजूदा प्रारूप में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह खेल का सबसे चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक प्रारूप है, जो आपको दोबारा मौका देता है। यह सबसे अधिक मेहनत मांगने वाला और सबसे संतोषजनक प्रारूप है। इसमें जीतने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इस प्रारूप की बड़ी खूबी यह है कि यह आपको हमेशा एक और मौका देता है, जो बाकी प्रारूपों में नहीं मिलता। गिल ने कहा कि अगर यह सीरीज चार दिनी टेस्ट के रूप में खेली जाती, तो शायद सभी मैच ड्रा हो जाते। उन्होंने कहा, अगर आप लगातार मेहनत करते रहें और सही दिशा में काम करें, तो टेस्ट आपको वापसी का मौका देता है।

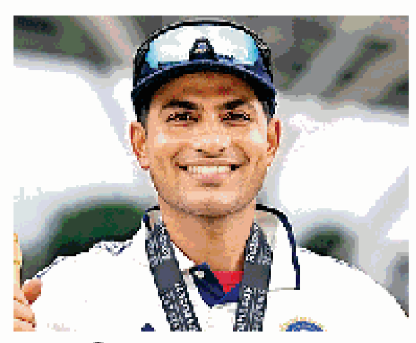
शुभमन गिल • प्रेट्र

### भारत से प्रतिद्वंद्विता हमेशा बड़ी रही है : स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कंधे की चोट के चलते ओवल टेस्ट मिस कर दिया, लेकिन उन्होंने इस सीरीज को विशेष बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत-इंग्लैंड की प्रतिद्वंद्विता एशेज के बराबर हो चुकी है तो उन्होंने कहा, भारत और इंग्लैंड की सीरीज हमेशा से बड़ी रही है। इसमें वो एशेज जैसा लेबल भले न हो, लेकिन प्रतिस्पर्धा की तीव्रता किसी से कम नहीं है। उन्होंने कहा, हर मैच उतार-चढ़ाव से भरा रहा। कभी भारत ने नियंत्रण लिया, कभी हमने। सभी मैच यादगार रहे। इससे मुझे 2023 की एशेज सीरीज की याद आ गई, जब हमें अंतिम टेस्ट में जीत की जरूरत थी। दोनों सीरीज मेरे करियर की खास यादें रहेंगी।

## टाउसन ने विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक को हराया

## टेनिस डायरी

**मांट्रियल, एपी :** डेनमार्क की क्लारा टाउसन ने दूसरी वरीयता प्राप्त विंबलडन चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियातेक को 7-6, 6-3 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छह फुट लंबी टाउसन ने स्वियातेक के हाथों विंबलडन में मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। अब उनका सामना अमेरिका की मेडिसन कीस से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा को 4-6, 6-3, 7-5 से मात दी। नाओमी ओसाका भी सेवास्तोवा को 6-1, 6-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं।

क्लारा टाउसन • एएफपी

### कोबोली को हराकर शेल्टन क्वार्टर फाइनल में

**टोरंटो :** अमेरिका के बेन शेल्टन ने इटली के फ्लावियो कोबोली को 6-4, 4-6, 7-6 से हराकर नेशनल बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना आस्ट्रेलिया के नौवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डि मिनौर से होगा जिन्होंने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। इससे पहले छठी वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रेइ रुबलेव मुकाबले में स्पेन के अलेजांद्रो फोकिना से 6-7, 7-6, 3-0 से आगे थे जब थकान के कारण फोकिना ने कोर्ट छोड़ दिया।

## कप्तानी के दबाव में और निखरे गिल : विलियमसन

नितिन नागर • जागरण

**नई दिल्ली :** न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन का कहना है कि इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल ने कप्तानी के दबाव को सहजता से अपनाया है और उनका खेल इसमें और निखरा है। शुभमन ने बल्ले से आलोचकों को करारा जवाब दिया है। केन विलियमसन 'द हंड्रेड' लीग में पहली बार लंदन स्पिरिट टीम की कप्तानी करेंगे और उनका कहना है कि यह प्रारूप टी-20 से अलग है और इसको लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। लंदन स्पिरिट का पहला मुकाबला मंगलवार को ओवल इंविसिबल से होगा, जिसका प्रसारण रात 11 बजे से सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।

केन विलियमसन ने 'दैनिक जागरण' से विशेष बातचीत में कहा, शुभमन विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और उन्होंने इस सीरीज में यह कर दिखाया है। उन्हें बिना किसी दबाव के खेलते अच्छा लगा। वह पहले से ही सुपरस्टार हैं और आने वाले वर्षों में कई उपलब्धियां हासिल करेंगे। विलियमसन से जब पूछा गया कि टीम में विराट की जगह नंबर चार पर आप शुभमन को कैसे देखते हैं तो उन्होंने कहा कि विराट की जगह भरना आसान नहीं है, लेकिन शुभमन ने अपना अलग अंदाज व आत्मविश्वास दिखाया है। वह अपनी क्षमता पर भरोसा रखते हैं और खुद का रास्ता बनाते हैं। विलियमसन ने साई सुदर्शन की भी प्रशंसा की और कहा कि साई को मैंने आइपीएल में खेलते हुए देखा है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और हर प्रारूप में खुद को ढाल लेते हैं।

ओवल इंविसिबल के विरुद्ध मैच को लेकर विलियमसन ने कहा, द हंड्रेड का प्रारूप टी-20 से थोड़ा अलग है, इसलिए मुझे टूर्नामेंट में उतरने से पहले अपनी योजना में कुछ बदलाव करने पड़े हैं। यहां टीमों को 100-100 गेंद खेलने को मिलती हैं, इसलिए खेल काफी तेज होता है। मैं पहली बार इस प्रारूप में खेलूंगा और साथ ही लंदन स्पिरिट की कप्तानी करूंगा। सभी टीमें काफी मजबूत है और मुझे आशा है कि टूर्नामेंट काफी चुनौतीपूर्ण होगा।

केन विलियमसन

### आइपीएल फ्रेंचाइजियों का द हंड्रेड में निवेश करना बड़ा कदम

द हंड्रेड में पहली बार चार आइपीएल फ्रेंचाइजियों ने टीमों में हिस्सेदारी खरीदी हैं। इनमें सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपरजायंट्स और मुंबई इंडियंस शामिल है। इस पर विलियमसन ने कहा, यह अच्छा कदम है और निवेश आना लीग के लिए अच्छा है। आइपीएल दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग मानी जाती है और उनकी फ्रेंचाइजियों का अनुभव द हंड्रेड को काफी आगे ले जाएगा। मैं सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेल चुका हूं, उसकी कप्तानी कर चुका हूं। ये एक सकारात्मक कदम है। केवल द हंड्रेड ही नहीं, बल्कि आइपीएल फ्रेंचाइजियां अन्य लीग जैसे एसए20, एमएलसी में भी निवेश कर रही हैं, जो क्रिकेट के लिए अच्छा है। विलियमसन से जब पूछा गया कि अगर द हंड्रेड में भारतीय खिलाड़ी भी खेलते हैं तो क्या इससे इस लीग की लोकप्रियता में इजाफा होगा तो उन्होंने कहा, बिल्कुल। अगर भारतीय खिलाड़ी इसमें खेलते हैं तो यह भी एक बड़ी लीग बन सकती है।


क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com


********

दैनिक जागरण
# सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
मंगलवार, 5 अगस्त, 2025

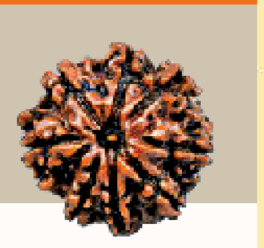

## श्रावणमास

प्रो. गिरिजा शंकर शास्त्री
पूर्व विभागाध्यक्ष ज्योतिष, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

# पुण्यकारी श्रावणी पूर्णिमा

**शास्त्रों के अनुसार, मात्र श्रावणी पूर्णिमा (9 अगस्त) को स्नान-दान-पूजन से संपूर्ण श्रावण के पुण्य लाभ मिल जाते हैं। भाई-बहन का स्नेह-पर्व रक्षाबंधन इसी दिन होता है...**

श्रावण शब्द श्रवण से बना है, जिसका अर्थ सुनना भी है। उपनिषदों का कथन है कि आत्मबोध के लिए सर्वप्रथम वेदांतादि वाक्यों का श्रवण करना चाहिए, जैसा कि याज्ञवल्क्य ऋषि अपनी पत्नी मैत्रेयी से कहते हैं कि आत्मा वा अरे श्रोतव्यः। विभीषण जी से प्रथम मिलन पर भगवान राम ने पूछा कि विभीषण जी, कैसे आना हुआ? तब विभीषण जी ने कहा- श्रवण सुजसु सुनि आयऊ। आपका यश सुनकर आया हूं। श्रावण मास सुनने का मास है।

श्रावण मास में अनेक प्रकार के व्रत, पर्व, त्योहार तथा अन्यान्य महोत्सव संपन्न होते हैं। चूंकि श्रावणमास भगवान शिव को विशेष प्रिय है, अतः उनकी प्रसन्नता के लिए रुद्राभिषेक अहर्निश बिना शिववास विचार किए किया जाता है। इस महीने में शिवभक्त शिव की प्रसन्नता के लिए सोमवार, प्रदोष, त्रयोदशी, मंगलागौरी आदि व्रत करते हैं। श्रावण मास में अनेक पर्व होते हुए भी श्रावणी पूर्णिमा सर्वश्रेष्ठ पर्व है। इसी दिन श्रावणी पर्व मनाया जाता है। श्रावणी के दिन यज्ञोपवीत तथा रक्षाबंधन का विधान होता है तथा उपाकर्म संपादित करके संस्कृत दिवस भी मनाया जाता है। चराचर जगत में जो गति, विकास या परिवर्तन है, यही मानव जीवन का लक्ष्य भी है। भाई-बहन के स्नेह-पर्व के रूप में रक्षाबंधन लोक में अधिक परिव्याप्त है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को रक्षा-सूत्र बांधकर उनके मंगल की कामना करती हैं और उनसे स्वयं की रक्षा का वचन लेती हैं।

श्रावण मास में सोमवार का व्रत करने से शंकर जी के साथ पार्वती जी भी प्रसन्न होती हैं। माता पार्वती स्कंद जी से कहती हैं कि जो लोग शंकर जी के सहित मेरी भी प्रीति इच्छुक हों, उन्हें सोमवार व्रत अवश्य करना चाहिए।

**सोमवारव्रतंनाम सर्वव्रतफलाधिकम्।**
**तास्मिन कृते परा प्रीतिरावयो स्यादुमेशयो:॥**

शंकर जी ने भी कहा है कि जो भक्त श्रावणमास में नियमपूर्वक ध्यान, पूजन, व्रत करता हुआ सम्यक आचरण द्वारा मेरी आराधना करते हैं, वे पार्वती सहित मेरी प्रसन्नता को प्राप्त करते हैं :

**व्रतं वा प्रीतिदं स्कंद ह्युमया सहितस्यमे।**
**अत: सोमह्वयो :वार : प्रशस्तोऽयंमम प्रिय :॥**

लेकिन यदि कोई व्यक्ति किसी कारणवश श्रावण में संपूर्ण मास सोमवार के व्रत संपन्न न कर पाया हो, तो शास्त्रों में कहा गया है कि केवल श्रावणी पूर्णिमा के दिन नियमपूर्वक किया गया स्नान, दान, व्रत, हवन, पूजन कर लेने से संपूर्ण श्रावण मास के होने वाले पुण्य फल प्राप्त हो जाते हैं।

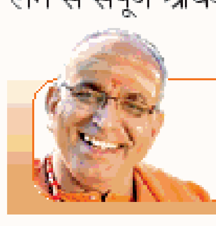

अगले मंगलवार को पढ़ें
**स्वामी मैथिलीशरण का चिंतन**

अध्यात्म की अधिक सामग्री पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

## सनातन-धारा

श्री श्री रवि शंकर
आर्ट आफ लिविंग के प्रणेता
आध्यात्मिक गुरु

# शिव: केवलोऽहम्

**मनुष्य केवल नाम या रूप नहीं, प्रकाशमान चेतना है। यही आनंदमय चेतना शिव तत्व है। अस्तित्व की एकमात्र शाश्वत अवस्था। जिसमें संपूर्ण ब्रह्मांड समाहित है। तभी तो आदि शंकराचार्य ने शिव: केवलोऽहम् की अवधारणा प्रस्तुत की...**

यह संपूर्ण सृष्टि शिव की लीला है। शिव अस्तित्व की एकमात्र शाश्वत अवस्था हैं! शिव वह निष्कलंक सरलता हैं, जिसमें किसी नियंत्रण का बंधन नहीं होता। क्या शिव कोई व्यक्ति हैं? क्या उनका कोई रूप है? क्या वह कहीं बैठे हैं? नहीं, शिव संपूर्ण ब्रह्मांड हैं। शिव तत्व वह है, जहां से सब कुछ आया है, जिसमें सब कुछ स्थित है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है। इस जगत में कुछ भी शिव तत्व से बाहर नहीं है। शिव ही संपूर्ण सृष्टि हैं।

शिव तत्व चेतन है। चैतन्य कैसा है? यह न तो प्रकाश है, न ही कोई वस्तु। यह चिदाकाश स्वरूप है, आकाशवत। इसलिए चित्रों में शिव को सदा नीलवर्ण में दिखाया जाता है। इसका अर्थ है आकाश की तरह नीले। उन्होंने सिर पर चंद्रमा को धारण किया है। सभी दिशाएं मानो उनकी जटाएं हैं। सब कुछ उनके भीतर है। कुछ भी उनसे बचा नहीं है। शिव का अर्थ है, चित्त की उस स्थिति को जानना, जो समय से परे है। वह चतुर्थ अवस्था, जो जाग्रत, स्वप्न और सुषुप्ति के आगे की है, उसे ही शिवतत्व कहा गया है। जब आप ध्यान में होते हैं, तो आप किस अवस्था में होते हैं? क्या आप जाग रहे होते हैं? आप सो नहीं रहे हैं और आप स्वप्न नहीं देख रहे हैं, लेकिन कुछ सुखद अनुभव में आ रहा है। वह चौथी अवस्था शिव अवस्था शिव तत्व कहलाती है। शिव निर्गुण-निराकार दिव्यता हैं। वही द्रष्टा हैं, दृष्टि हैं और दृश्य भी। शिव वही चेतना हैं, जो सृष्टि के कण-कण में है, जो अस्तित्व का सार है, जो लक्ष्य भी है और पथ भी।

शिव इस समस्त सृष्टि में व्याप्त हैं। उनका कोई जन्म नहीं, कोई अंत नहीं। वे अनादि, अनंत हैं। वे ही वह आनंदस्वरूप चेतना हैं, जिन्हें तप और योग के माध्यम से जाना जा सकता है। जब यह अनुभव प्रकट होता है, तो आत्मा से उद्घोष होता है-शिवोऽहम्, अर्थात 'मैं शिव हूं'। वह आत्मा हैं और आप भी वही हैं। हमें इसे जानना होगा। यही एकमात्र बात है, जिसे जानना है। इसे जानने के बाद आप कहते हैं 'शिवोऽहम् शिवोऽहम्।' एक व्यक्ति जो पहले 'मैं हूं' कहता है, वह भीतर जाने के बाद पिघलता है। तब वह शिवोऽहम् (मैं शिव हूं) कहता है। इसका अनुभव करने के बाद अंत में केवल एक भाव शेष रहता है-शिवः केवलोऽहम्, अर्थात एकमात्र शिव ही हैं, अन्य कुछ नहीं।

आपका वास्तविक स्वरूप शिव है और शिव ही शांति हैं, अनंतता हैं, सौंदर्य हैं और अद्वैत सत्ता हैं। समस्त सृष्टि, जिसमें सूर्य, चंद्रमा, तारे, वायु, बादल, जल, पृथ्वी हैं, एक ही पदार्थ से बनी है। उसी पदार्थ को शिव कहा जाता है।

समाधि को अधिकतर 'शिव सायुज्य' अथवा शिव की उपस्थिति के रूप में जाना जाता है। इस अवधारणा को शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है, क्योंकि इसे केवल प्रतीत किया जा सकता है। शब्द केवल इसे निकट ला सकते हैं, लेकिन व्यक्त नहीं कर सकते। संत इसे 'कोटि कल्प विश्राम' कहते हैं, अर्थात एक पल में अरबों वर्षों का घनीभूत विश्राम। यह सजगता के साथ गहन विश्राम की ऐसी स्थिति है, जो सभी पहचानों से मुक्ति दिलाती है। जब मन परमात्मा के सान्निध्य में विश्राम करता है, उसे वास्तविक विश्राम का अनुभव होता है।

आपको क्या लगता है कि आप क्या हैं? आप केवल एक नाम नहीं हैं, मात्र एक रूप नहीं हैं। आप वह प्रकाशमान चेतना हैं, जिसे शिव तत्व कहते हैं। वह तत्व, जो संपूर्ण ब्रह्मांड को समाहित करता है। वह सत्ता, जिसमें प्रत्येक जीवन समाया है, वह रहस्यमय शिव तत्व है। यह ब्रह्मांड संघर्ष या पीड़ा नहीं है, यह प्रतिदिन उत्सव मना रहा है। यह आनंद है। जो इसे नहीं जानता, वह पीड़ित है, उदास या दुखी है। जो व्यक्ति यह बात जानता है कि यह सारी सृष्टि एक नृत्य है, वह आनंद पाता है। यह सत्य ही शिव तत्व है।

शिव चिदाकाश स्वरूप हैं, तभी उन्हें चित्रों में नीलवर्ण का दिखाया जाता है। ● फ्रीपिक

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

## गीता सार

ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद

शक्नोतीहैव य : सोढुं प्राक्शरीरविमोक्षणात्।
कामक्रोधोद्भवं वेगं स युक्त : स सुखी नर :॥

(अध्याय - पांच, श्लोक - 23)

**भावार्थ :** यदि इस शरीर को त्यागने के पूर्व कोई मनुष्य इंद्रियों के वेगों को सहन करने तथा इच्छा एवं क्रोध के वेग को रोकने में समर्थ होता है, तो वह इस संसार में सुखी रह सकता है।

**तात्पर्य :** यदि कोई आत्म-साक्षात्कार के पथ पर अग्रसर होना चाहता है तो उसे भौतिक इंद्रियों के वेग को रोकने का प्रयत्न करना चाहिए। ये वेग हैं - वाणीवेग, क्रोधवेग, मनोवेग, उदरवेग, उपस्थवेग तथा जिह्वावेग। जो व्यक्ति इन विभिन्न इंद्रियों के वेगों को तथा मन को वश में करने में समर्थ है, वह गोस्वामी या स्वामी कहलाता है। ऐसे गोस्वामी नितांत संयमित जीवन बिताते हैं और इंद्रियों के वेगों का तिरस्कार करते हैं। भौतिक इच्छाएं पूर्ण न होने पर क्रोध उत्पन्न होता है और इस प्रकार मन, नेत्र तथा वक्षस्थल (हृदय) उत्तेजित होते हैं। अत: इस शरीर का परित्याग करने के पूर्व मनुष्य को इन्हें वश में करने का अभ्यास करना चाहिए। जो ऐसा कर सकता है, वह स्वरूपसिद्ध माना जाता है और आत्म-साक्षात्कार की अवस्था में वह सुखी रहता है। योगी का कर्तव्य है कि वह इच्छा और क्रोध को वश में करने का भरसक प्रयत्न करे।

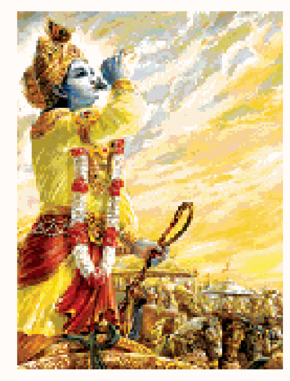

## जीवन-प्रबंधन

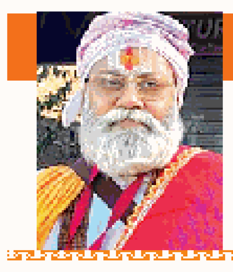

आचार्य नारायण दास
श्रीभरत मिलाप आश्रम, मायाकुंड, ऋषिकेश

# तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा

**श्रीमद्भागवत महापुराण में जीवन दर्शन व जीवन-प्रबंधन के सूत्र प्रच्छन्न हैं। इनकी व्याख्या के क्रम में प्रस्तुत है इस आध्यात्मिक वाटिका का चतुर्थ पुष्प...**

जो भगवान का है अथवा भगवान जिसे अपना लें, वह भागवत है। भगवान सत्य, न्याय और प्रेम के द्योतक हैं। जिस मानव के जीवन में उक्त तीनों की सहज प्रतिष्ठा होती है, वह भगवत्कृपा से सर्वत्र विजयी और पूज्य होता है। भगवान शब्द उस परिव्यापक सत्ता का अवबोधक है, जो चराचर में परिव्याप्त है और सबका नियमन करने वाला है। यह दृश्यमान जगत उन्हीं परमात्मा का प्रतिबिंब है। श्रीविष्णु सहस्रनाम में यह तथ्य सुस्पष्ट है और श्रीमद्भागवत में भी-

**अनेक रूपरूपायविष्णवे प्रभविष्णवे।**
**ब्रह्मेति परमात्मेति भगवान्निति शब्द्यते॥**

अर्थात अनंतकोटि ब्रह्मांडनायक श्रीहरि को ही कोई ब्रह्म, कोई परमात्मा और भक्तजन भगवान कहते हैं। समग्र सृष्टि ईश्वरमय है, किंतु हमने उसको अपने अनुसार विभिन्न नाम, रूप और संप्रदायादि में विभाजित कर रखा है। ईश्वर सर्वव्यापक और सर्वजनहितैषी है, लेकिन इसका बोधत्व उसी को प्राप्त होगा, जिसके विचारों में पवित्रता, आचरण में शीलता और व्यवहार में पारदर्शिता सहज विद्यमान होगी।

श्रीमद्भागवत के द्वितीय स्कंध के नवम अध्याय में आध्यात्मिक, धार्मिक और परमार्थिक तत्व को प्रकाशित करने वाले मुख्य चार श्लोक हैं, जिन्हें 'चतुश्लोकी भागवत' कहते हैं। यह उपदेश भगवान ने सृष्टिकर्ता ब्रह्मा जी को दिया था। श्रीब्रह्मा जी से यह देवर्षि नारद जी को मिला, उनसे महर्षि वेदव्यास जी को और व्यास महाभाग ने अपने पुत्र श्रीशुकदेव जी को इसे प्रदान किया। श्रीमद्भागवत की सप्ताह विधि का विधान श्रीसनकादिक चार ऋषियों (सनक, सनंदन, सनातन और सनतकुमार) के द्वारा विरचित है।

हमारा जीवन भगवत्स्मरण के साथ-साथ कर्तव्यबोध, सदाचार और परोपकार करते हुए व्यतीत हो। इसे ही कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग कहा गया है। समस्त संपदा लोक कल्याण के लिए है। ऐसे निष्कामभाव से सेवामय जीवन जीना ही कर्मयोग है। सब कुछ भगवान ही हैं, ऐसे सुंदर भाव से सबकी यथाशक्ति सेवा करना ही भक्तियोग है। ईश्वर के अतिरिक्त इस संसार में जो कुछ है, वह मेरा नहीं, अपितु भगवान का ही है, हम केवल निमित्त मात्र हैं, ऐसा विशुद्ध चिंतन ही ज्ञानयोग है।

चतुश्लोकी भागवत में सर्वप्रथम ब्रह्मतत्व को अभिव्यंजित किया गया है :

**अहमेवासमेवाग्रे नान्यद् यत् सदसत् परम्।**
**पश्चादहं यदेतच्च योवशिष्येत सोस्म्यहम्॥**

भगवान श्रीब्रह्मा जी से कहते हैं, सृष्टि के पूर्व केवल मैं ही था। मेरे अतिरिक्त कुछ भी नहीं था। जहां चराचरसृष्टि का अभाव है, वहां भी केवल मैं ही हूं। इस सृष्टि के रूप में जो कुछ भी चराचर जगत दिखाई दे रहा है, वह मैं ही हूं और जो कुछ भी शेष रहेगा, वह भी मैं ही हूं। इसका मूल तात्पर्य यह है कि दृश्यमान समग्र चराचर जगत ईश्वरमय है। अर्थात सब कुछ परमात्मा ही है। ब्रह्म ही एक मात्र सत्य सत्ता है। 'एको ब्रह्म द्वितीयो नास्ति', जो तीनों कालों में (भूत, भविष्य और वर्तमान) सिद्ध है। यह परमतत्व कभी दृश्यमान कभी अदृश्य, कभी स्थूल और कभी सूक्ष्म रूप से प्रकाशित होता है। यह ही चराचर का प्रकाशक और नियमन करने वाला है। सृष्टि संरचना के पूर्व अदृश्य एवं सूक्ष्मरूप में सर्वत्र परिव्याप्त और शांत रहता है।

सृष्टि के सृजन के समय यह ब्रह्मतत्व ही नामरूपादि स्थूल जगत के रूप में प्रतिभासित होता है। सृष्टि के अवसान पर प्रलयकाल में पुनः पूर्ववत हो जाता है। अर्थात दृश्यरूप सृष्टि ईश्वर बोधक और अदृश्यरूप सृष्टि भी ईश्वर संज्ञक है। ज्ञान, विज्ञान, तर्क और आत्मचिंतन से यह तथ्य ही मुखरित होता है कि सर्वातीत, सर्वव्यापक और सर्वस्वरूप भगवान ही सर्वकाल में सर्वत्र समान रूप से सुप्रतिष्ठित हैं। श्रीमद्भागवत के इस सिद्धांत का प्रतिपादन 'ईशावास्य उपनिषद' का प्रथम मंत्र भी सुस्पष्ट करता है :

**ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किंच जगत्यां जगत्।**
**तेन त्यक्तेन भुंजीथा: मा गृध : कस्यस्विद्धनम्॥**

जड़-चेतन मय और विभिन्न प्राणियोंवाली समग्र सृष्टि परमात्मा से परिव्याप्त है, जिसका उपयोग त्यागपूर्वक करना चाहिए। मोह के वशीभूत होकर सृष्टि की वस्तुओं को अपना मान लेना अज्ञानता है। चराचर जगत [illegible] नहीं है। वह [illegible] की है। इस [illegible] अवधारणा से [illegible] कदापि न करें [illegible] के भाव-[illegible] आनंदित र[illegible]

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

## सप्ताह के व्रत त्योहार

5 अगस्त, मंगलवार : पुत्रदा एकादशी
6 अगस्त, बुधवार : प्रदोष व्रत
9 अगस्त, शनिवार : स्नान-दान-व्रतादि की श्रावणी पूर्णिमा। रक्षा बंधन।

इस पेज के बारे में कृपया अपनी सम्मति एवं सुझावों से अवगत कराएं: feature@jagran.com

## आज का भविष्यफल- 05 अगस्त, 2025 मंगलवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : श्रावण मास शुक्ल पक्ष एकादशी का राशिफल। राहुकाल : अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक। आज का दिशाशूल : उत्तर आज का पर्व : पुत्रदा एकादशी, मंगला गौरी व्रत आज की भद्रा : दोपहर 01 बजकर 13 मिनट तक।

**कल 06 अगस्त, 2025 का पंचांग**

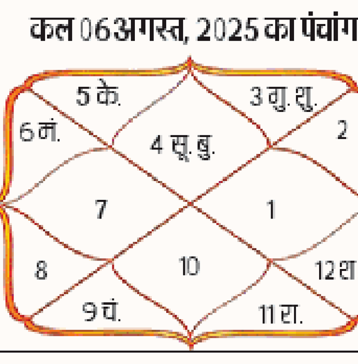


कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : प्रदोष व्रत
विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की द्वादशी 14 घंटे 09 मिनट तक तत्पश्चात त्रयोदशी, मूल नक्षत्र 13 घंटे तक तत्पश्चात पूर्वाआषाढ़ नक्षत्र, वैधृति योग 07 घंटे 18 मिनट तक तत्पश्चात विषकुंभ, धनु में चंद्रमा।

**मेष :** बुद्धि-कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण न रखने के कारण रिश्तों में तनाव होगा।
**वृष :** छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजित न हों। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
**मिथुन :** सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। संतान के संबंध मे सुखद समाचार मिलेगा।
**कर्क :** आर्थिक मामलों में सुधार होगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
**सिंह :** बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
**कन्या :** पारिवारिक कार्य में व्यस्त हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रगति होगी। महिला अधिकारी से सहयोग मिलेगा।
**तुला :** आर्थिक मामलों में सुधार होगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
**वृश्चिक :** संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। धार्मिक प्रवृत्ति से प्रतिष्ठा बढ़ेगी, लेकिन जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।
**धनु :** आर्थिक मामलों में सुधार होगा। अहंकार में वृद्धि होगी। मादक वस्तुओं से बचें। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें।
**मकर :** पारिवारिक तनाव मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।
**कुंभ :** धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
**मीन :** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

## वर्ग पहेली-3065

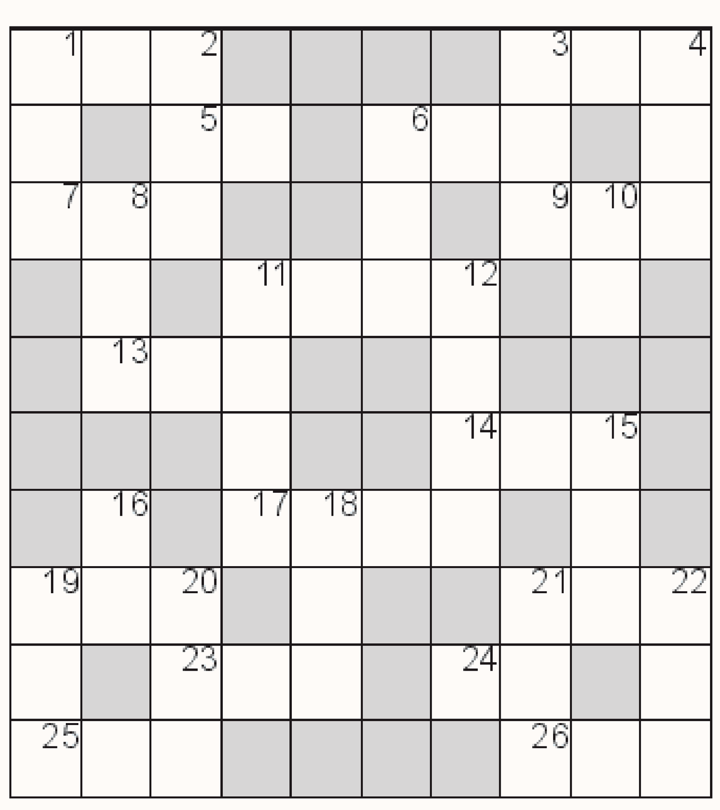

© Bird Features & Writing Agency

**बाएं से दाएं :**
1 सहारा, नींव, बुनियाद (3)।
3 कलेवर, देह (3)।
5 मारा गया हुआ (2)।
6 सैनिक, योद्धा, पुलिस (3)।
7 जिसका कोई न हो (3)।
9 दबाव के नीचे लाना (3)।
11 करताल, मंजीरा (4)।
13 भांपना, प्रहार (3)।
14 प्रात :काल, सवेरा, उषा (3)।
17 मृत और घायल (4)।
19 दाता, देनेवाला (3)।
21 तैयार करना, रचना करना (3)।
23 प्रेमी, पति (3)।
24 कृष्ण की प्रेमिका (2)।
25 योग्य, समर्थ (3)।
26 अल्लाह, भगवान (3)।

**ऊपर से नीचे :**
1 घर, जगह (3)।
2 दया, करुणा (3)।
3 आत्म-बलिदानी (3)। 4 प्रस्था[illegible] जाना (3)। 6 अलावा, बगैर (3)। [illegible] तीक्ष्णता (3)। 10 तमाशा, दांव, खे[illegible] 11 निरंकुश बादशाह, अधिनायक [illegible] 12 धन कमाने वाला (4)। 15 परा[illegible] करना, परास्त करना (3)। 16 धनु[illegible] 18. शिक्षा (3)। 19. प्रवेश, प्रविष्टि[illegible] 20. टीस, पीड़ा (3)। 21. मुबारक[illegible] 22. शेर, सिंह, व्याघ्र (3)।

### कल का हल

### जागरण सुडोकू-3065

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 5 | | 4 | | | 9 | 3 | |
| | | | | | 7 | | | 2 |
| 9 | | 1 | | 3 | | 4 | | |
| 3 | | | | 6 | | 7 | | 9 |
| | | 9 | | | 3 | | 2 | |

## गुरु दत्त जन्मशती

# फिर चमकेगा चौदहवीं का चांद

**आठ से 10 अगस्त तक गुरु दत्त की सदाबहार फिल्मों के आधुनिक तकनीक से संवारे गए 4के संस्करण सिनेमाघरों में प्रदर्शित किए जाएंगे।**

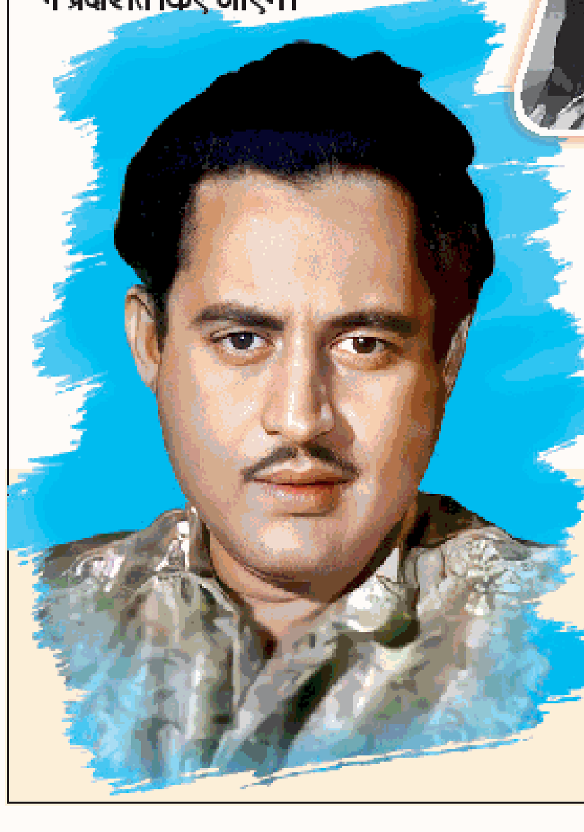

मिस्टर एंड मिसेज 55

चौदहवीं का चांद

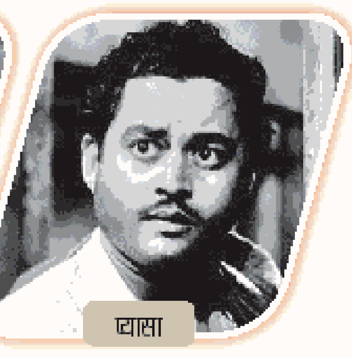

प्यासा

आर-पार

साहिब बीबी और गुलाम

### प्रदर्शित होंगी पांच फिल्में

दिल के दर्द को अपनी फिल्मों में उतारने वाले अभिनेता और फिल्मकार गुरु दत्त की जन्मशती इस साल मनाई जा रही है। इस उपलक्ष्य में आठ से 10 अगस्त तक उनकी 4के रिस्टोर क्लासिक फिल्में 'प्यासा', साहिब बीबी और गुलाम', 'आर-पार', 'मिस्टर एंड मिसेज 55' और 'चौदहवीं का चांद' देशभर में बड़े पर्दे पर प्रदर्शित होंगी। यह आयोजन एनएफडीसी (राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम) और एनएफएआइ (नेशनल फिल्म आर्काइव आफ इंडिया) के साथ अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया जा रहा है।

### तीन तरह के दर्शक

रीरिलीज ट्रेंड पर अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के सीईओ सुशील कुमार अग्रवाल कहते हैं कि क्लासिक फिल्मों के तीन तरह के दर्शक होते हैं। एक वे, जिनकी उम्र पचास वर्ष से ज्यादा है, जिन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट का दौर देखा है। उन्हें गुरु दत्त और बिमल राय जैसे निर्देशकों की फिल्में देखना पसंद है। दूसरी श्रेणी में वर्तमान के निर्माता-निर्देशक या व्यवसायी आते हैं, जो देखना चाहते हैं कि पूर्व में कैसे फिल्में बनीं। तीसरा वर्ग वह है जिसने इन फिल्मों की तारीफ सुनी होती है, लेकिन फिल्म नहीं देखी होती है।

### क्लासिक का क्रेज

पुरानी फिल्मों के प्रति दर्शकों का क्रेज बढ़ा है। रिसर्च में भी यह बात सामने आई है। मेटा रिसर्च के मुताबिक नास्टैल्जिया कंटेंट पर दर्शकों के क्लिक करने की प्रवृत्ति में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं ऐसे कंटेंट पर ठहर कर उसे देखने के समय यानी वाचटाइम में 30 प्रतिशत की बढ़त देखी गई है। यानी दर्शकों को क्लासिक फिल्में आकर्षित कर रही हैं।

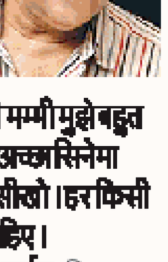

**जुलाई में गुरु दत्त जन्मशती मनाने को लेकर अलग-अलग आयोजन हो रहे थे। हम रिस्टोर संस्करण पूरी तरह तैयार करने के बाद ही प्रदर्शित करना चाह रहे थे। यही वजह है कि जुलाई के बजाय अगस्त में प्रदर्शित करने का निर्णय किया।**
**सुशील कुमार अग्रवाल,** सीईओ, अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट

### जुड़ाव है तभी तो क्लासिक

**गुरु दत्त का सिनेमा हमसे आज भी जुड़ता है, इसलिए उन्हें क्लासिक कहा जाता है। मुझे उनकी फिल्में देखने का मौका बहुत छोटी उम्र में मिला था। मेरे पिता वितरक और निर्माता थे। वह दूरदर्शन पर भी फिल्मों के अधिकार गुरु दत्त साहब के बेटे से खरीदकर दिखाते थे। मैं निर्देशक हूं, आज के दौर की फिल्में बनाता हूं लेकिन मैं सीखकर नहीं आया था। मैंने इन महान फिल्मकारों की फिल्में देखकर ही सीखा है।**
**तुषार हीरानंदानी,** निर्देशक

### समय से आगे का सिनेमा

**गुरु दत्त की फिल्में न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाती हैं। वह अपने समय से आगे का सिनेमा बनाते थे। आरपार, मिस्टर एंड मिसेज 55 को ही देखिए, उनमें समाज को लेकर कटाक्ष था। समय से आगे का सिनेमा उन्होंने दिया है। आज जिसे हम जेन जी कहते हैं, जो फिल्मों में आना चाहते हैं, उन्हें यही सलाह देता हूं कि दो-चार फिल्में गुरु दत्त की देखिए ताकि पता चले कि उनका सिनेमा क्या है।**
**मधुर भंडारकर,** निर्देशक

### स्टडी करनी चाहिए उनकी फिल्में

**मैं छह साल का था, जब उनकी मृत्यु हुई थी। उस उम्र में भी मैं गुरु दत्त के बारे में जानता था। मैंने जब अपना स्कूल खत्म किया, उनकी फिल्म मुंबई में जब कभी रीरिलीज होती थी तो मैं देखने जाता था, क्योंकि मेरी मम्मी मुझे बहुत प्रोत्साहित करती थीं कि गुरु दत्त अच्छा सिनेमा बनाते थे उन फिल्मों को देखकर सीखो। हर किसी को उनकी फिल्में स्टडी करनी चाहिए।**
**सुनील दर्शन,** फिल्मकार

मुंबई से प्रियंका सिंह

## थरूर की बधाई पर शाह रुख ने अनूठे शब्दों से जताया आभार

नई दिल्ली, प्रेट्र : शाह रुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर 'शब्दों के जादूगर' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने उन्हें बहुत ही सरल शब्दों में बधाई दी। लेकिन शाह रुख ने इस बधाई पर उनका आभार जताने के लिए एक्स पोस्ट में अपनी प्रतिक्रिया में कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जिन्हें समझने के लिए लोगों को डिक्शनरी की मदद लेनी पड़ी। थरूर की टिप्पणियां अक्सर अंग्रेजी के अच्छे जानकारों को भी हैरान कर देती हैं। अब जाहिर तौर पर शाह रुख की बारी थी। इस बार मामला मानो पलट गया। शाह रुख को उनकी 2023 की फिल्म "जवान" के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर थरूर ने लिखा, "एक राष्ट्रीय सिरमौर को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार...बधाई हो @आइएमएसआरके।" शाह रुख ने सोमवार तड़के हमारे शब्दकोश में कुछ नए शब्द जोड़ते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, "सरल शब्दों में प्रशंसा के लिए धन्यवाद श्रीमान थरूर...इससे ज्यादा (मैग्निलोक्वेंट) भव्य और (सेसक्वीपेडालियन) सारगर्भित कुछ समझ में नहीं आता...हा हा।" आक्सफोर्ड डिक्शनरी में मैग्निलोक्वेंट को 'अतिशयोक्तिपूर्ण या आडंबरपूर्ण भाषा का प्रयोग' और सेसक्वीपेडालियन को 'कई अक्षरों वाली' के रूप में परिभाषित किया गया है। शुक्रवार को अपने पहले राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा के बाद से ही शाह रुख लगातार लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहे हैं और आभार जता रहे हैं।

*********

### अमेरिका में लगाई गई दुनिया की पहली इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट

1914 में आज ही अमेरिका के ओहायो में दुनिया की पहली इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट लगाई गई थी। इसमें लाल और हरे रंग की बत्तियां थीं और जब इनका रंग बदलने वाला होता था, तो बजर बजता था। इसे पास के एक बूथ से मैन्युअल रूप से संचालित किया जाता था।

### परमाणु परीक्षणों को प्रतिबंधित करने के लिए हुई संधि

1963 में आज ही मास्को में सोवियत संघ, ब्रिटेन और अमेरिका ने आंशिक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत जमीन, पानी या अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों के परीक्षण पर प्रतिबंध था। केवल भूमिगत परीक्षण की अनुमति थी।

### हिंदी के अग्रणी कवियों में गिने जाते हैं शिवमंगल सिंह

शिवमंगल सिंह सुमन का जन्म 1915 में आज ही वर्तमान उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में हुआ था। करियर की शुरुआत अध्यापन से की। अध्यापन के अतिरिक्त विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थाओं से जुड़कर हिंदी साहित्य में योगदान दिया। 1968 में विक्रम विश्वविद्यालय (उज्जैन) के कुलपति बने। 1939 में उनका पहला कविता-संग्रह हिल्लोल प्रकाशित हुआ। मिट्टी की बारात के लिए 1974 में उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। उनकी प्रमुख कृतियों में जीवन के गान, प्रलय-सृजन, वाणी की व्यथा, विंध्य हिमालय शामिल हैं। वह भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के अध्यक्ष भी रहे।

# लंपी वायरस से मिलेगी निजात, विकसित किया गया टीका

**सफलता** ▸ आइवीआरआइ की बड़ी उपलब्धि, चार राज्यों में सफल परीक्षण के बाद स्वदेशी वैक्सीन को मिली स्वीकृति

### ड्रग्स कंट्रोलर आफ इंडिया की ओर से चार कंपनियों को वैक्सीन उत्पादन की अनुमति

खेमराज वर्मा ● जागरण

**नैनीताल :** मुक्तेश्वर स्थित भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आइवीआरआइ) ने पशुओं में लंपी रोग के निदान के लिए स्वदेशी टीका विकसित करने में सफलता हासिल कर ली है। चार राज्यों में पशुओं पर फील्ड परीक्षण के बाद लंपी प्रोबैक इंड वैक्सीन लांच कर दी गई है। साथ ही ड्रग्स कंट्रोलर आफ इंडिया की मंजूरी के बाद चार दवा निर्माता कंपनियां इसका उत्पादन भी शुरू करने जा रही है। इस वैक्सीन की भारत के साथ-साथ भूटान, अफगानिस्तान, नेपाल और पाकिस्तान समेत अन्य देशों को भी आपूर्ति की जाएगी।

**उड़ीसा से फैली बीमारी तो शुरू हुआ शोध :** आइवीआरआइ के संयुक्त निदेशक डा. यशपाल सिंह मलिक के अनुसार वर्ष 2019 में उड़ीसा में पशुओं में लंपी वायरस जनित बीमारी सामने आई। 2022 तक देश के 17-18 प्रदेशों के पशुओं में यह रोग फैल गया। इस वायरस ने सबसे अधिक राजस्थान के पशुओं को प्रभावित किया। तब तक बकरियों को लगाई जाने वाली गोट पाक्स वैक्सीन ही लंपी वायरस की रोकथाम में भी प्रयुक्त की जा रही थी। इसके बाद आइवीआरआइ मुक्तेश्वर व राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान (एनआरसीई) हिसार (हरियाणा) के विज्ञानियों ने प्रभावी वैक्सीन बनाने के लिए शोध शुरू किया। साल 2022 में वैक्सीन बना ली गई और इसकी गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभाव का परीक्षण भी शुरू हो गया। 2023 में आइवीआरआइ के विज्ञानियों ने प्रयोगशाला में चूहों और खरगोशों पर वैक्सीन के परीक्षण में सफलता प्राप्त कर ली।

**ये हैं लंपी वायरस के लक्षण :** लंपी रोग में गाय, भैंस, ऊंट, घोड़ा व याक आदि पशुओं के शरीर पर दाने और फोड़े हो जाते हैं। पैरों में सूजन आ जाती है। पशुओं में दूध में कमी और गर्भपात की समस्या भी होने लगती है। पशुओं को अचानक तेज बुखार आना, शरीर पर गांठें, भूख न लगना, नाक और आंख से पानी आने लगता है। साथ ही निमोनिया और शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाना लंपी वायरस के लक्षण हैं। अब लंपी प्रोबैक इंड वैक्सीन से पशुओं को इस बीमारी से निजात मिलेगी।

भारत में लंपी वायरस की रोकथाम के लिए तीन साल तक प्रयोगशाला में लगातार शोध, प्रयोग एवं प्रशिक्षण चला। अब लंपी प्रोबैक इंड वैक्सीन पशुओं के लिए सुरक्षा कवच का काम करेगी।
- डा. अमित कुमार शर्मा, प्रभारी पाक्स प्रयोगशाला, आइवीआरआइ मुक्तेश्वर

लगातार बढ़ रहे लंपी वायरस के मामले। फाइल

गोवंशी समेत अन्य पशुओं में लंपी वायरस की रोकथाम के लिए अभी तक गोट पाक्स वैक्सीन ही लगाई जाती थी। हमारे विज्ञानियों ने लंपी प्रोबैक इंड वैक्सीन निर्मित करने में बड़ी सफलता हासिल की है।
- डा. यशपाल सिंह मलिक, संयुक्त निदेशक, आइवीआरआइ-मुक्तेश्वर

### वायरस से प्रभावित 15 पशुओं पर किया परीक्षण

आइवीआरआइ के विज्ञानियों ने चार राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा एवं राजस्थान के 15 लंपी वायरस प्रभावित पशुओं पर परीक्षण किया। वैक्सीन लगाने के एक महीने बाद सभी पशु बीमारी से पूरी तरह से मुक्त हो गए। इन जगहों पर अन्य पशु लंपी स्किन डिजीज से से प्रभावित थे। आइवीआरआइ व एनआरसीई के विज्ञानियों को साथ मिलकर इस स्वदेशी टीके को तैयार करने में तीन वर्ष का समय लगा। अब वैक्सीन उत्पादन के लिए बायोवेट, इंडियन इम्यूनोलाजिकल्स, आइवीबीपी पुणे और हस्टर बायोसाइंसेज वैक्सीन उत्पादन शुरू करने जा रही है। जल्द ही वैक्सीन बाजार में आ जाएगी।

### फुटबाल खेलते रोबोट

बीजिंग में 14 से 17 अगस्त तक विश्व ह्यूमनायड रोबोट गेम्स आयोजित होंगे। मीडिया टूर के दौरान फुटबाल मैच में इन रोबोट्स ने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। तकनीक और खेल का यह अनूठा संगम भविष्य के खेलों के रोमांचक प्रदर्शन की एक झलक है। एपी

## इधर-उधर की

### चार लोगों को जुटाकर बना दिया नया देश!

**बेलग्रेड, एजेंसी:** एक विवादित जमीन को हथियाने का अनोखा मामला सामने आया है। डैनियल जैक्सन नाम के एक व्यक्ति ने क्रोएशिया और सर्बिया के बीच एक विवादित क्षेत्र को अपना देश घोषित कर दिया। यह कदम उसने तब उठाया जब उसे पता चला कि सीमा विवाद के कारण 0.5 वर्ग किमी के इस क्षेत्र पर किसी भी पड़ोसी देश का दावा नहीं है। उसने इसे फ्री रिपब्लिक आफ वर्डिस नाम दिया और खुद देश का राष्ट्रपति बन गया। उसने इस क्षेत्र का झंडा, मुद्रा और मंत्रिमंडल भी बनाया है। जैक्सन ने कहा कि वर्डीस ने केवल चार लोगों के साथ शुरुआत की थी, अब यहां 400 नागरिक है। हाल ही में क्रोएशियाई पुलिस ने सभी को निर्वासित कर दिया।

देश के पास अपना झंडा और मुद्रा भी है। इंटरनेट मीडिया

# एंटीबायोटिक प्रतिरोध का पांच वर्ष से कम उम्र के कुपोषित बच्चों में बढ़ सकता है खतरा

**नई दिल्ली, आइएएनएस:** पांच वर्ष से कम उम्र के गंभीर कुपोषित बच्चों में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोधी बैक्टीरिया विकसित होने का खतरा काफी बढ़ सकता है। यह चिंता आइनियस आक्सफोर्ड इंस्टीट्यूट फार एंटीमाइक्रोबियल रिसर्च (आइओआइ) के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन के बाद जताई है। विज्ञानियों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर, पांच वर्ष से कम उम्र के 45 मिलियन बच्चे गंभीर कुपोषण का शिकार हैं। साथ ही कमजोर इम्यून सिस्टम के कारण तपेदिक या सेप्सिस जैसी जानलेवा संक्रमणों के विकास के लिए भी ऐसे बच्चे अधिक जोखिम में हैं।

इस दौरान शोधकर्ताओं ने 2016 और 2017 के बीच गंभीर कुपोषण का इलाज करवा रहे 1,371 बच्चों से 3,000 से अधिक रेक्टल स्वाब का विश्लेषण किया। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि लगभग 70 प्रतिशत बच्चों में भर्ती होने पर कार्बापेनम-प्रतिरोधी बैक्टीरिया नहीं थे लेकिन डिस्चार्ज के समय यह उनमें पाया गया। कार्बापेनम एक अंतिम-उपाय एंटीबायोटिक्स की श्रेणी है जिसका उपयोग तब किया जाता है जब अन्य एंटीबायोटिक्स संक्रमण का इलाज करने में विफल हो जाते हैं।

**70** प्रतिशत बच्चों में भर्ती होने पर कार्बापेनम-प्रतिरोधी बैक्टीरिया नहीं था जबकि डिस्चार्ज के समय दिखे प्रभावित

प्रतीकात्मक

जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित निष्कर्षों में दिखाया गया कि 76 प्रतिशत बच्चों में विस्तारित-स्पेक्ट्रम बीटा-लैक्टामेज जीन वाले बैक्टीरिया पाए गए जो कई सामान्य उपयोग किए जाने वाले एंटीबायोटिक्स को तोड़ने की क्षमता रखते हैं। विस्तारित-स्पेक्ट्रम बीटा-लैक्टामेज (ईएसबीएल) एक एंजाइम है जो कुछ बैक्टीरिया द्वारा बनाया जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि हर चार में से एक बच्चा (25 प्रतिशत) कार्बापेनम जीन वाले बैक्टीरिया का वाहक था जो कुछ सबसे शक्तिशाली और अंतिम पंक्ति के एंटीबायोटिक्स के प्रति प्रतिरोध प्रदान करते हैं। प्रमुख लेखिका डा. कर्स्टी सैंड्स ने कहा, 'भले ही हमारा अध्ययन नाइजर के एक उपचार केंद्र पर केंद्रित था लेकिन यह स्थिति दुनिया के कई और अस्पतालों में भी देखने को मिल सकती है।' उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक्स जीवन-रक्षक दवाएं हैं जो एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के कारण प्रभावहीन होती जा रही हैं।

# मुंह से निकली हवा को वायस कमांड में बदलेगा डीप लर्निंग सेंसर

**नई दिल्ली, आइएएनएस:** आइआइटी गुवाहाटी के शोधकर्ताओं की टीम ने अंडरवाटर वाइब्रेशन सेंसर विकसित किया है। यह सेंसर स्वचालित और संपर्क रहित आवाज की पहचान करने में सक्षम है। यह सेंसर मुंह से निकली हवा को वायस कमांड में बदलेगा। यह शोध अमेरिका के ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के सहयोग से किया गया है। यह सेंसर उन लोगों के लिए आशा की किरण है जिनके आवाज में दिक्कत है या जिनका वोकल कार्ड ठीक नहीं है।

विज्ञानियों ने बताया कि जिन लोगों को बोलने में दिक्कत होती है वो जब बोलने का प्रयास करते हैं तो उनके फेफड़ों से हवा निकलती है। जब यह हवा पानी की सतह पर बहती है तो यह सूक्ष्म तरंगें उत्पन्न करती है। अंडरवाटर वाइब्रेशन सेंसर इन पानी की तरंगों का पता लगा सकता है और ध्वनि पर निर्भर किए पता लगा सकता है कि व्यक्ति क्या कहना चाहता है।

# प्लास्टिक का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव आंका जा रहा कम

**अनुसंधान**

चाहे सब्जी लानी हो या कप में चाय पीनी हो, हर जगह प्लास्टिक ने अपना स्थान बना लिया है। इसके कारण स्वास्थ्य पर कई गंभीर प्रभाव भी पड़ते हैं लेकिन लोग सुविधा को देखते हुए इसके इस्तेमाल से नहीं कतराते। द लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित एक शोध में कहा गया है कि प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले नुकसान को मानव और पृथ्वी दोनों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नुकसान से कम आंका गया है। शोध का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक समूह ने किया है।

अमेरिका के बोस्टन कालेज के प्रोफेसर फिलिप जे लैंड्रिगन ने कहा कि प्लास्टिक बचपन से लेकर बुढ़ापे तक बीमारियों और मौतों का कारण बनता है और सालाना 1.5 ट्रिलियन डालर से अधिक के स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान के लिए जिम्मेदार है। शोध में बताया गया है कि प्लास्टिक हर चरण में मानव स्वास्थ्य को खतरे में डालते हैं। चाहे वह उत्पादन हो उपयोग या फिर इसका निपटान। यह दिखाया गया है कि प्लास्टिक उत्पादन से वायु में उत्सर्जित होने वाले पदार्थों में पार्टिकुलेट मैटर, सल्फर डाइआक्साइड और नाइट्रोजन आक्साइड शामिल हैं। अमेरिका, स्विटजरलैंड, जर्मनी और आस्ट्रेलिया के विशेषज्ञों ने प्लास्टिक में मौजूद रसायनों, उनके उत्पादन की मात्रा, उपयोग और ज्ञात या संभावित विषाक्तता के बारे में पारदर्शिता की कमी पर ध्यान दिया। इसमें कहा गया है कि माइक्रोप्लास्टिक मानव टिश्यू और शरीर के तरल पदार्थों में पाए गए हैं। एक अनुमान है कि यदि बदलाव नहीं किए गए तो 2019 से 2060 के बीच प्लास्टिक उत्पादन लगभग तीन गुना बढ़ जाएगा। (आइएएनएस)

## स्क्रीन शाट

आगामी दिनों में फिल्म रेंजर में नजर आएंगी तमन्ना। इंस्टाग्राम (@tamannaahspeaks)

# तभी बालों में तेल लगाती थीं तमन्ना

**बाहुबली और** हिम्मतवाला फिल्मों की अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी पहली फिल्म चांद सा रोशन चेहरा की शूटिंग सिर्फ 14 साल की उम्र में की थी। उन दिनों वो स्कूल में थी और उन्हें हर दिन बालों में खूब तेल लगाकर जाना पड़ता था। इस बारे तमन्ना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया, 'मैं अपने एक स्कूल फंक्शन में डांस कर रही थी तभी फिल्म के निर्माता सलीम अख्तर ने मुझे देखा। उनके दोनों बच्चे मेरे ही स्कूल में पढ़ रहे थे। उन्होंने कहा कि हम आपको लांच करना चाहते हैं। उन्होंने रानी मुखर्जी को भी लांच किया था। मैंने आडिशन दिया और मुझे चुन लिया गया। हालांकि, स्कूल में बहुत से लोग नहीं जानते थे कि मैं फिल्म कर रही हूं लेकिन फिल्म के लिए मेरे बाल रंगे जा चुके थे। मेरे लिए दुविधा ये थी नौवीं-दसवीं कक्षा में मुझे हर दिन बालों में तेल लगाकर स्कूल जाना पड़ता था। मुझे बहुत शर्म लगती थी क्योंकि बाकी सब तो बहुत अच्छे से तैयार होकर और फैशन के साथ आते थे। मुझे इस बात को छुपाना था कि मैं कैमरे के सामने आने वाली हूं। कुछ लोग पूछते भी थे कि अपने बालों में रोज तेल लगाकर क्यों आती हैं। बालों के रंग को छिपाने का एकमात्र तरीका है कि बालों में तेल लगा लो। नहीं तो बालों के हाइलाइट्स दिखते हैं और स्कूल में कहां बाल हाईलाइट कराने की अनुमति होती है।'

# फिर से ठंडे बस्ते में गई सुनीर खेत्रपाल की आपरेशन खुकरी

**साल 2000 में** अफ्रीकी देश सिएरा लिओन में गृह युद्ध के बीच फंसे 223 गोरखा राइफल्स के जवानों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय सेना ने आपरेशन खुकरी किया था। भारतीय सेना द्वारा किए गए इस साहसिक मिशन पर हिंदी सिनेमा के कई फिल्मकारों की नजर लंबे समय से रही है। हालांकि, अभी तक किसी की भी फिल्म की शूटिंग नहीं शुरू हो पाई है। इस कड़ी में पहला नाम है निर्माता सुनीर खेत्रपाल का। वह पिछले करीब आठ वर्षों से इस विषय पर फिल्म बनाने के कोशिशें कर रहे हैं। पहले अभिनेता शाह रुख खान के साथ उनकी प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज के अंतर्गत इस मिशन पर फिल्म बनाना चाहते थे। हालांकि, फिर साल 2018 में फिल्म जीरो की असफलता के बाद शाह रुख ने अभिनय से दूरी बना ली। उसके बाद साल 2024 में सुनीर ने फिल्मकार अमित शर्मा के साथ इस फिल्म को बनाने की फिर कोशिश की। हालांकि, अब तक न फिल्म की पटकथा पूरी हुई, ना ही कोई स्टार साइन हुआ। वहीं अब अभिनेता रणदीप हुडा और फिल्मकार अभिषेक दुधैया भी इसी आपरेशन से जुड़ी कहानियों पर फिल्म बनाने की तैयारी में हैं।

पहले शाह रुख के साथ बनने वाली थी फिल्म आपरेशन खुकरी। फाइल

# मलयालम फिल्मों के निर्देशक साथ काम कर सकते हैं सलमान

अपनी पिछली फिल्मों की असफलता से सबक लेते हुए अभिनेता सलमान खान अब नए विषयों को वरीयता दे रहे हैं जो उन्हें चुनौती दें। वह इस महीने अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म बैटल आफ गलवन की शूटिंग के लिए तीस दिनों के शेड्यूल के लिए लद्दाख जाने वाले हैं। हालांकि, इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले वह अपनी अगली फिल्म साइन करने की भी तैयारी में हैं। सूत्रों के अनुसार, सलमान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ फिल्म को लेकर कई मुलाकातें की हैं। इनमें से आखिरी मुलाकात एक हफ्ते पहले मुंबई में हुई थी। इस साल के अंत से पहले महेश नारायणन की फिल्म पर स्पष्टता आ जाएगी। इसके अलावा 'दबंग' अभिनेता कबीर खान के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि दोनों कई आइडिया पर काम कर रहे हैं और साथ मिलकर काम करने की सोच रहे हैं। इनमें हैं स्टाइलिश एक्शन थ्रिलर से लेकर बजरंगी भाईजान की सीक्वल भी शामिल हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस साल के आखिर तक सलमान बैटल आफ गलवन फिल्म की शूटिंग पूरी करेंगे। इस बीच महेश भी अपनी मलयालम फिल्म पूरी कर लेंगे। सब ठीक रहा तो इसकी शूटिंग अगले साल आरंभ हो सकती है।

'बैटल आफ गलवन' की तैयारियों में जुटे हैं दबंग अभिनेता। फाइल

साइबर क्राइम की दुनिया में अब प्रियांशु रखेंगे कदम। टीम प्रियांशु

# अब हैकर बनने की तैयारी में प्रियांशु

**कलाकार हमेशा नए** पात्रों की तलाश में रहते हैं। उन्हें जब वो मिल जाए तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता है। ऐसा ही कुछ इन दिनों हो रहा है अभिनेता प्रियांशु पेन्युली के साथ भी। उन्होंने अपनी अगली फिल्म पाइरेट्स पर काम शुरू कर दिया है। इस फिल्म के जरिए प्रियांशु साइबर क्राइम की दुनिया में कदम रखेंगे, जहां वह दिल्ली के कैब ड्राइवर से हैकर बन जाते हैं। दिल्ली में फिल्म की शूटिंग निशांत शर्मा के निर्देशन में शुरू हो चुकी है। शुरू से अंत तक इस फिल्म की शूटिंग एक शेड्यूल में होगी। फिल्म से जुड़ने का कारण बताते हुए प्रियांशु कहते हैं कि मैं पाइरेट्स का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। इसकी कहानी मुझे स्टोलन और गर्ल्स विल बी गर्ल्स जैसी फिल्मों की याद दिलाती है जिनकी कहानियों ने बड़े व्यावसायिक स्तर पर न बनने के बावजूद अपनी छाप छोड़ी थी। विशाल भारद्वाज, विक्रमादित्य मोटवाणी, नवदीप सिंह और राजा मेनन जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ मुझे काम करने का मौका मिला है जो अपनी कला में माहिर हैं लेकिन निशांत जैसी नई प्रतिभाओं के साथ काम करना भी मुझे बेहद पसंद है क्योंकि वह फिल्ममेकिंग में एक नया नजरिया लेकर आते हैं। फिल्म में प्रियांशु के साथ अभिनेता चंदन राय सान्याल और गगन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में होंगे।

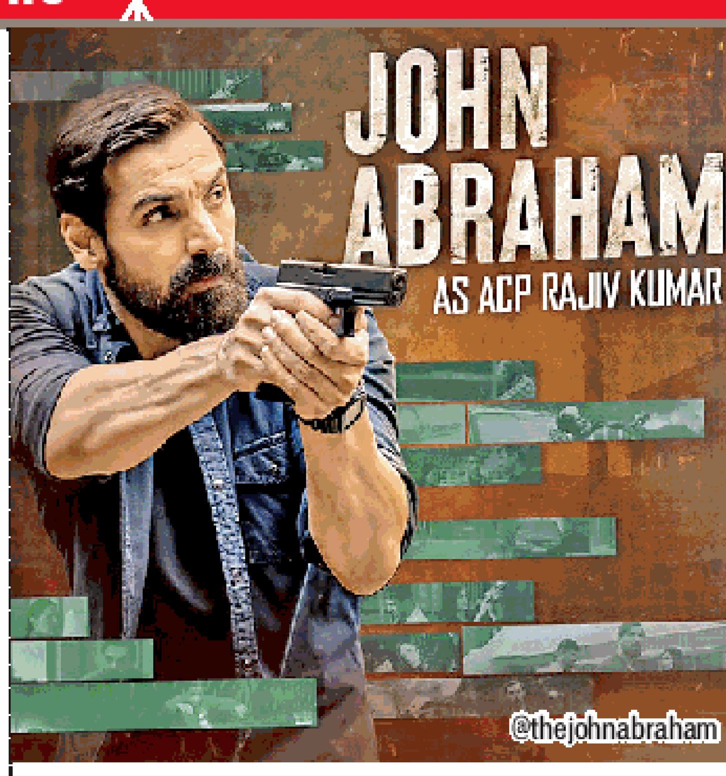


“मैं इसे विदेशी फिल्म ज्यादा मानता हूं क्योंकि फिल्म में कई विदेशी भाषाएं हैं। जैसे ही मेरा पात्र तेहरान में जाता है, उसकी भाषा बदल जाती है।”

# फिल्म थिएटर में न आने पर दिल टूटता है

कलाकार यूं तो अपनी फिल्मों को बड़े पर्दे पर ही देखना चाहते हैं, लेकिन कई बार कुछ कारणों से फिल्में ओटीटी पर रिलीज करनी पड़ती हैं। ऐसा ही कुछ हो रहा है जान अब्राहम की फिल्म तेहरान के साथ, जिसको लेकर पिछले दिनों खबरें आई थीं कि थिएटर में रिलीज होने वाली यह फिल्म अब जी5 पर 14 अगस्त को रिलीज होगी। अब जान ने इसके डिजिटल प्लेटफार्म पर आने का कारण बताया है। वह कहते हैं, 'फिल्म में कई विदेशी भाषाएं हैं। मैंने छह महीने तक इसके लिए फारसी (ईरान की भाषा) और हिब्रू (इजरायल की भाषा) भी सीखी थी। यह भी एक कारण है कि हम इस फिल्म के लिए डिजिटल प्लेटफार्म की तलाश में थे। ओटीटी पर हम सबटाइटल पढ़ने के आदी हैं लेकिन जब आप फिल्म थिएटर में होते हैं, तो आपको सबटाइटल पढ़ने में कठिनाई होती है। ईरान-इजराइल मतभेद भी चल रहा है, थिएटर में इस फिल्म को कोई भी छूने को तैयार नहीं था। काफी समय तक कशमकश में थे कि इसे थिएटर में रिलीज करना चाहिए या नहीं। फिर हमने फैसला लिया और जी5 ने हमें अपना प्लेटफार्म दिया। हां, इस निर्णय से दिल टूटता है, फिर चाहे कोई भी एक्टर हो। खासकर मेरे जैसा एक्टर, जो केवल बड़े स्क्रीन पर रहना चाहता है और वहां नहीं पहुंच पाता। मैं इसे विदेशी फिल्म ज्यादा मानता हूं।'

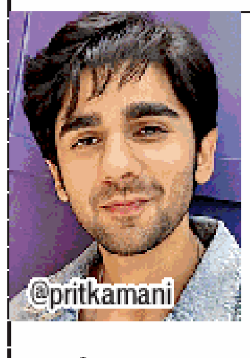

@pritkamani

## जब अपने ही काम के दीवाने हो गए थे प्रीत

**बाल कलाकार के** रूप में अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाले अभिनेता प्रीत कमानी आठ अगस्त को रिलीज हो रही फिल्म हीर एक्सप्रेस में नजर आएंगे। खुद को पहली बार स्क्रीन पर देखने के अनुभव को साझा करते हुए वह कहते हैं, 'मैं सात या आठ साल का था। निकलोडियन चैनल पर एनीमेटेड लाइव शो आता था जे बोले तो जादू। यह वो जादू है जो कोई मिल गया फिल्म में रितिक रोशन को मिलता है, फिर वो वापस आकर मुझे मिलता है। उस शो में मैंने पहली बार खुद को टीवी पर देखा था। वो मेरे लिए काफी दिलचस्प था क्योंकि मैं खुद को देखकर ही एंटरटेन हो रहा था। दोस्तों को लग रहा था कि आत्ममुग्ध है लेकिन मैं वास्तव में उसका लुत्फ ले रहा था।'

# रांझणा की रीरिलीज ने विचलित कर दिया

**करीब 12 साल** पहले प्रदर्शित फिल्म रांझणा को बीते सप्ताह तमिलनाडु में एआइ से बदले क्लाइमेक्स के साथ प्रदर्शित किया गया। यह फिल्म साल 2013 में तमिल डब संस्करण में अंबिकापथी के नाम से रिलीज हुई थी। मूल फिल्म के क्लाइमेक्स में कुंदन मर जाता है, वहीं एआइ से बदले क्लाइमेक्स में कुंदन को जिंदा दिखाया गया है। इस बदलाव पर आनंद एल राय पहले ही विरोध जता चुके हैं। अब अभिनेता धनुष ने भी नाराजगी जताई है। धनुष ने एक्स पर लिखा, 'एआइ से बदले गए क्लाइमेक्स के साथ रांझणा की रीरिलीज ने मुझे पूरी तरह से विचलित कर दिया है। मेरी स्पष्ट आपत्ति के बावजूद ऐसा किया गया।' वहीं इस मामले में फिल्म की निर्माता कंपनी इरोस इंटरनेशनल की तरफ से कहा गया कि एआइ से बदलाव के संबंध में धनुष की टीम के साथ सीधा संवाद किया गया था और अंबिकापथी की रीरिलीज से पहले हमें कोई औपचारिक आपत्ति नहीं जताई गई थी।

मिडडे आर्काइव

# जब लोग फ्लाप एक्टर कहते थे, दुख होता था

**कई बार फिल्म** इंडस्ट्री कुछ कलाकारों के साथ सख्त भी हो जाती है। ऐसी ही कुछ कहानी है साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म एक हसीना थी एक दीवाना था की अभिनेत्री नताशा फर्नांडीज की। इस फिल्म के बाद नताशा ने फिल्मों से दूरी बनाकर अपना बिजनेस शुरू किया था। अब वह अंदाज 2 से वापसी कर रही हैं। नताशा कहती हैं, 'एक हसीना थी एक दीवाना था फिल्म के फ्लाप होने के बाद, जब भी मैं आडिशन पर जाती थी, तो लोग कहते थे कि तुम तो फ्लाप एक्टर हो। कई बार फिल्म की बात पक्की होकर आखिरी समय में मुझे हटा देते थे। जब सुनील (दर्शन) सर ने अंदाज 2 के लिए फोन किया, तो मुझे खुद पर शक हुआ। उन्होंने कहा कि तुम पर भरोसा है, तुम अच्छा काम करोगी। उनकी वह आवाज आज भी कानों में गूंजती है। फिल्म का पात्र मेरे व्यक्तित्व से काफी अलग था। उस किरदार की जिंदगी जीने के बाद, आज मैं अलग इंसान हूं। अपनी ताकत पहचानती हूं कि ना बोलना गलत नहीं होता है। अब अगर मौका मिलता है, तो अच्छे लोगों के साथ काम करना है।' फिल्म अंदाज 2 आठ अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म टीम

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

********